



नई बिस्ली, शनिवार, विसम्बर 13, 1986 (अग्रहायण 22, 1908) No. 501 NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 13, 1986 (AGRAHAYANA 22, 1908)

PUBLISHED BY AUTHORITY

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संबंधा वी जाती है जिससे कि यह अलग संस्तर के कर में रखा जा सके (Separate peging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ॥ —खण्ड

[PART III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखावरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्य कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India,

संघ लेफ्क मेवा श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 20 ग्रक्तूबर 1986

सं०ए० 19014/3/80-प्रणा० 1--कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के भ्रादेश सं० 29/17/86-ई० ओ० (एम० एम०) दिनांक 7-10-86 के श्रनुसार श्री बी० बी० मुरम्, उपसचिव (तदर्थ) को श्रायोग के कार्यालय से उनके कार्यभार से 20-10-1986 (श्रपराह्म) से मुक्त किया जाता है। उनकी मेवाएं जल संसाधन मंत्रालय नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 31 प्रक्तूबर

स० ए० 19014/10/83-प्रशा० I--राष्ट्रपति द्वारा श्री ए० के० मुरारका (सी० ई० एस०-75)को जो इस समय ग्रवर सचिव के पद पर कार्यरत है, 31-10-1986 (भ्रपराह्न) से उनकी होष कार्यावधि भ्रयीन् 27-1-1988 तक भ्रथवा श्रागामी प्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उपसचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है ।

> एम० पी० जैन ग्रवर सचिव (का० प्रशा०) मंघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1986

2/18/86-प्रशासन (II)--केन्द्रीय ग्रायुक्त एतव्वारा श्री हरी राम, सहायक ग्रिभयन्ता (सिविल), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को भ्रायोग में सहायक तकनीकी परीक्षक (सिविल) के पद पर स्थानापन्न रूप से परिशोधित वेतनमान मु० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के म्रतिरिक्त २० 150 विशेष वेतन प्रतिमाह में 10-11-86 (पूर्वाह्म) से भ्रगले भ्रादेश तक नियुक्त करते

दिनांक 18 नवम्बर 1986

2/19/86-प्रशासन--केन्द्रीय सतर्कता प्रायुक्त एत्दद्वारा श्री कृष्णलाल श्ररोडा स्थायी वैयक्तिक सहायक को इस श्रायोग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक वेतनमान ए० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 के पद पर तदर्थ रूप से 3 माह की प्रवधि या प्रगले प्रादेश तक, जो भी पहले हो, 13-10-86 पूर्वाक्ष से नियुक्त करते हैं।

> मनोहर लाल ग्रवर मचिव (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सतर्कता भ्रायक्त

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रणा० सुधार लोक शिकायत तथा पेंगन मंत्रालय

(का० और प्रशि० विभाग) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो,

नई दिल्ली-110003, विनांक 17 नवम्बर 1986

मं० के०--12/65--प्रशा० 5----निवर्तन होने पर, श्री के० के० चतुवदी, उप-विधि-सलाहकार, के० ग्र० ब्यूरो ने दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1986 श्रपराह्न से श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया ।

दिनांक 18 नवम्बर 1986

स० ए-19036/22/79-प्रभा०-5--विशेष ग्रन्वेषण दल (गृह मंत्रालय) से प्रत्यावर्तित होने पर श्री बी० एम० पंडित, पुलिस उपाधीक्षक/के० ग्र० ब्यूरो को दिनांक 1 नवम्बर, 1986 पूर्वाह्न से उसी पद पर के० ग्र० ब्यूरो की नामावली में शामिल कर लिया गया है तथा उन्हें समन्वय प्रभाग में तैनात किया गया।

सं० 3/28/86-प्रशासन-5--मुख्यालय की समसंख्यक प्रिक्षसूचना विनांक 15-7-1986 के ऋम में राष्ट्रपति, श्री पी० उन्नीकृष्णन को दिनांक 1 नयम्बर, 1986 में प्रगले श्रादेश होने तक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में नियमित श्राधार पर पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 नवम्बर 1986

स० 3/45/86-प्रशा० 5--राष्ट्रपति, श्री एन०एस० राणा, भा० पु० सेवा (यू० टी०-1975) को दिनांक 11 नवस्बर, 1986 पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश होने तक केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में , प्रतिनियुक्ति श्राधार पर, पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

धर्मपाल भल्ला प्रशासन श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

गृह मंद्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्युरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 29 प्रक्तूबर 1986

सं० 3/21/86-प्रशा० 1---राष्ट्रपति नौसेना मुख्यालय, नई विल्ली के श्री रामनाथ सहायक नौसेना भंडार श्रिधकारी को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो गृह मंद्रालय, नई दिल्ली में शस्त्र शाखा में वरिष्ट वैज्ञानिक श्रिधकारी (ग्रेड-1) के पद पर दिनांक 26 सितम्बर, 1986 (पूर्वाह्र) से तीन वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

एस० के० महिलक महानिदेशक भहाितिया।लय के० रि० पु० बस

णुद्धिपत्न

नर्ध दिल्ली-110003, दिनांक 14 नवम्बर,1986

मं० पी० सात 1/85-स्थापना-I खण्ड $-I^II$ —म्प्रधि-सूचना संख्या : पी० सात-1/85-स्थापना-I खण्ड-1II, दिनांक 22-7-1986 के कम संख्या 33 पर श्री बचन याटी द्वारा कार्यभार संभालने पर तिथि दिनांक 11-4-86 (श्रपराह्म) के बदले दिनांक 12-4-1986 (श्रपराह्म) पढ़ी जाये।

सं० डी०/एक-46/86-स्थापना-I--श्री पी० के० \overline{v} \overline{v} , सहायक कमांडेन्ट, (सं० महानिदेशक निर्माण), महानिदेशालय, के० रि०पु० बल, नई दिल्ली की सेवायें दिनांक 24-10-86 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, को प्रतिनियुक्ति श्राधार पर सौंपी जाती हैं।

विनांक 20 नवम्बर 1986

सं० ओ० दो 1482/80—स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर (श्रीमती) स्तेह गुप्ता जनरल डयूटी श्राफिसर ग्रेड II, बेस हास्पिटल-I, नई दिल्ली का त्याग पत्न दिनांक 4 नवम्बर, 1986 श्रपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

किणन लाल उप निदेशक (स्थापना)

वित्त मंत्रालय ग्रार्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूति मृद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 17 नवम्बर 1986

सं० 515/क—-निम्न हस्ताक्षरी, श्री बी० सी० लोध, लेखापाल, को दिनांक 9-12-1985 से 8-12-1986 की ग्रविध के लिये लेखा ग्रिधिकारी भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड के पद पर (वेदनमान रुपये 840-1200 सुधारीत वेतनमान रुपये 2375-3500) तदर्थ ग्राधार पर या उक्त पद नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इसमें जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 नवम्बर 1986

सं० 523/क—निम्न हस्ताक्षरी श्री बी० बी० मालवे, निरीक्षक नियंत्रण, भारत प्रतिभूति मृद्धणालय को स्थानापन्न रूप में उपनियंत्रक ग्रधिकारी (वर्ग स) राजपत्नित के पद पर सुधारीत वेतनमान रु० 2000—3500 में दिनांक 28—10—1986 से श्रगले ग्रादेश तक नियमित स्थानापन्न ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 524/क--ग्रिधिसूचना संख्या 246/क दिनांक 10-7-1986 के कम में श्री जी० व्ही० करंकाल को उप नियंत्रण श्रिधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय के कप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्ति को दिनांक 26-9-1986 में अगले श्रादेण तक नियमित श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

पा० सु० शिवराम महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय निदेश विखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्य-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 नवम्बर 1986

सं० 133---निवर्तन श्रायु 58 वर्ष प्राप्त करने पर इस कार्यालय के श्री करतार चन्द जैन, लेखा परीक्षा श्रधिकारी दिनांक 30-11-1986 श्रपराह्म में सरकारी सेवा से निवृत्त हो जायेंगे।

उनकी जन्म तिथि 18-11-1928 है।

ह्० ग्रंपठर्नाय संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम पश्चिम बंगाल कलकत्ता-700001, दिनांक 12 नवम्बर 1986

स० प्रशासन/प्रथम/पदोन्नति-93/सहा० लेखा थ्र०/2222-महालेखाकार (लेखा परीक्षा), प्रथम, पश्चिम बंगाल ने श्री
कल्पन चौधरी, श्रनुभाग श्रिधकारी (लेखा परीक्षा) को 12वीं
नयम्बर, 1986 श्रपराह्न से सहायक लेखा परीक्षा श्रिधकारी
के पद पर श्रस्थाई और स्थानापन्न रूप से (2000-60-2300
ई० बी-75-3200 वर्ग ख, राजपन्नित, रुपये वेतनमान)
नियुक्त करने की कृपा की है।

यह पदोन्नति माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लिम्बित रिट याचिका के भ्रन्तिम निर्णय के श्रधीन है।

नये पदोन्नति सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी को भारत सरकार, वित्त मंद्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 के श्रनुच्छेद 2(ख) के श्रनुसार एक माह के भीतर श्रपना वेतन या तो मूल नियम 22(क)(1) के श्रन्तगंत पदोन्नति के तारीख के दिन और फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के श्रन्तगंत नीचे के पद में श्रगामी वेतन वृद्धि के तारीख से श्रपना मूल नियम 22(ग) के श्रन्तगंत सीधे पदोन्नति तारीख के दिन से निर्धारण देने के लिये विकल्प देना होगा।

> सनत कुमार मिश्र वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग (श्रम ब्युरा)

शिमला-171004, विनांक 5 विसम्बर 1986

सं. 5/1/86-सी पी आई — अक्तूबर, 1986 में औद्योगिक श्रमिकों का अब्बिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) सितम्बर, 1986 के स्तर 676 से नी अंक बढ़ कर 685 (छः सौ पच्चासी) रहा। अक्तूबर, 1986 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परि-वर्तित किए जाने पर 833 (आठ सौ तेतीस) आता है।

विजय क्रुमार उप-निवंशक श्रम क्युरो

्मुख्य श्रमायुक्त केन्द्रीय), कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1986

सं० प्रशा० 1/4(1)/86(1)—स्थानान्तरण होने परश्री एम० सी० जोसफ ने 28-5-1986 (प्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (के०), बंगलौर का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 2-6-1986 (पूर्याह्म) को त्रिवेन्द्रम में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रणा० 1/4(1)/86(2)— स्थानान्तरण होने पर श्री नाथू लाल ने 30-5-85 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के०), श्रजमेर का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 2-6-86 (पूर्वाह्म) को बीकानेर में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/4(1)/86(3)—स्थानान्तरण होने पर श्री के० एम० श्रार० पिल्लई ने 2—6—1986 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के०) विवेन्द्रम का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 16—6—86 (पूर्वाह्न) को अंगलौर में कार्यभार संभाल लिया।

मं० प्रणा० 1/4(1)/86(4)— स्थानान्तरण होने पर श्री एस० डी० सिंह ने 13-6-86 (श्रपराह्न) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (के०), जबलपुर का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 18-6-1986 (पूर्वाह्न) को कटरासगढ़ में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रशा० 1/4(1)/86(5)—स्थानान्तरण होने पर श्री मोहन लाल ने 14-7-1986 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रिधकारी (के०), भुसावल का कार्यभार छोड़ दिया और 28-7-1986 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से हुबली में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० 1/4(1)/86(6)—स्थानान्तरण होने पर श्री एन० श्रार० एस० कल्याणी ने 30-6-1986 (पूर्वाह्न)

को मुख्य श्रमायुक्त (के०), मुख्यालय, नई दिल्ली में श्रम प्रवर्तन श्रिधिकारी (के०) का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 14-7-1986 (पूर्वाह्म) को भुसावल में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० 1/4(1)/86/(7)— स्थानान्तरण होने पर श्री बी० एस० राणा ने 16-6-86 (श्रपराद्व) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी, बिलासपुर का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 30-6-1986 (पूर्वाह्म) को मुख्य श्रमायुक्त (के०) मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/4(1)/86/(8)— स्थानान्तरण होने पर श्री पी० एन० गम्भीर ने 10-7-86 (ग्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (के०), सतना का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 15-7-1986 (ग्रपराह्म) को बिलासपूर में कार्यभार संभाल लिया।

सं० 1/4(1)/86/(9)— स्थानान्तरण होने पर श्री जे० सी० दास ने 30—6—86 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के०), जगदलपुर का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 9—7—1986 (पूर्वाह्म) को श्रासनसोल में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/4(1)/86/(10)—स्थानान्तरण होने पर श्री यू० एम० चौहांडे हे 13-6-86 (प्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन अधिकारी (के०), जबलपुर का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर उसी हैसियत से 2-7-86 (पूर्वाह्म) को हैदराबाद में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० 14/(1)/86/(11)—स्थानान्तरण होने पर श्री एम० नाग ने 26–6–86 (ग्रपराह्न) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी, बांकुरा का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 21–7–86 (पूर्वाह्न) को छुट्टी ज्वार्हीनग टाइम ग्रादि श्रिजित कर शिलांग कैम्प गोहाटी का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०/1(4)/86/(12)—स्थानान्तरण होने पर श्री एन० एस० कीण्डल ने 30-6-86 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (के०), जम्मू का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 1-7-86 (पूर्वाह्म) को चण्डीगढ़ में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/4(1)/86/(13)— स्थानान्तरण होने पर श्री पी० श्रानन्दराज ने 9-5-86 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (के०), सेलमका कार्यभार छोड़ दिया श्रौर उसी हैसियत से 12-5-86 (पूर्वाह्म) को मद्रास में कार्यभार संभाल लिया।

सं प्रशा 1/(4)(1)/86/(14)—स्थानान्तरण होने पर श्री पी० के० गोन्डाने ने 16-6-86 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (के०), पूना का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर उसी हैसियत से 1-7-86 (पूर्वाह्म) को विजयवाड़ा में कार्यभार संभाल लिया।

मं० प्रमा० 1/2(4)/86/(15)—स्थानान्तरण होने पर श्री श्रीक्मार राय ने 30-6-86 (ग्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रिधिकारी (के०), पटना का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर उसी हैसियत से 2-7-86 (पूर्वाह्म) को राउरकेला में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/2(4)186/(16)—स्थानान्तरण होने पर श्री ब्यास राय ने 1-7-86 (ग्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (के०) कलकत्ता का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उसी हैसियत से 14-7-86 (पूर्वाह्म) को भुवनेश्वर में कार्यभार संभाल लिया।

मं० प्रशा०/1(4)/86/(17)—स्थानान्तरण होने पर श्री पी० के० सिंह ने 3-6-86 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के०), गया का कार्यभार छोड़ दिया और 13-6-86 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से हुगली कैम्प, कलकत्ता में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/(4)/86/(18)—स्थानान्तर होने पर श्री सी० गोमे ने 1-7-86 (पूर्वाह्न) को श्रम प्रवर्तन ग्रिधिकारी (के०), लखनऊ का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर 11-7-86 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत मे धनबाद में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/1(4)/86/(19)—स्थानान्तरण होने पर एन० एम० पनवर ने 16-6-86 (ग्रपराह्म) को धनबाद में श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (के०), ग्रारिया का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर 30-6-1986 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से बड़ौदा में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/4(4)/86/(20)—स्थानान्तरण होने पर श्री पी० के० बिद्यां ने 14-6-86 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रिधकारी (के), बागमारा का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर 20-6-86 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से सवार्ष्ठ माधोपूर में कार्यभार संभान लिया।

सं० प्रशा० 1/4(4)/86/(21)—स्थानान्तरण होने पर श्री एम० सी० शर्मा ने 7-8-86 (पूर्वाह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के), उदयपुर का कार्यभार छोड़ दिया है श्रौर 11-8-86 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से श्रजमेर में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० 1/4(4)/86/(22)—स्थानान्तरण होने पर श्री जी० बी० पंडित ने 21-7-86 (ग्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (के०), डिश्रूगढ़ का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर 7-8-86 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से उदयपुर में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/(4)/86/(23)—स्थानान्तरण होने पर श्री ए० के० चौधरी ने 30-6-86 (श्रपराह्न) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (के०), श्रासनसोल का कार्यभार छोड़ दिया

श्रौर 1--7--86 (श्रपराह्न) को उसी हैसियत से कलकत्ता में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/4(1)/86—(24)—स्थानान्तरण होने पर श्री एन० के० सिंह ने 8—8—86 (श्रपराष्ट्र) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के), डेरी-श्रोन सोन का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर 21—8—86 (पूर्वाह्र) को उसी हैसियत से धनवाद में अरिया का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रणा० 1/4(1)/86—-(25)—-स्थानान्तरण होने पर श्री पी० एस० फोगाट ने 4—7—86 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के०), नीमतपुर का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 8—7—86 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से जम्मू में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा० 1/4(1)/86~-(26)--सेवा-निवृत्ति की ग्रायु को प्राप्त होने पर श्री ग्रार० प्रसाद ने 31-8-86 (ग्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन ग्रधिकारी (के), टिटिलागढ़ का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रशा० 1/4(1)/86--(27)---सेवा-निवृत्ति की श्रायु प्राप्त होने पर श्री पी० एन० पाइके ने 31-8-86 (श्रपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (के०), रानीगंज के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० प्रधाः 0 1/4(1)/86—(28)—सेवा निवृत्ति की आयु को प्राप्त होने पर श्री शांति लाल ने 30—9—86 (अपराह्म) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के०), झाँसी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मदन मोहन, प्रशासनिक श्रधिकारी

वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र भ्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिनांक 13 नवम्बर, 1986

सं० 2(68)/ई० एस० टी०-1/86/4738—वस्त्र धायुक्त कार्यालय, बम्बई के श्री० के० जे० संघानी, नियमित सहायक निवेणक, श्रेणी दो (पी० एवं डी०) जो तदर्थ आधार पर श्रेणी एक (पी० एवं डी०) के रूप में स्थानापन्न थे, दिनांक 31-8-1986 के अपराह्म से सेवा निवृत्ति की आयु पूरी करते हुए सेवा निवृत्त हो गये।

भ्ररूण कुमार, वस्त्र भ्रायुक्त

उद्योग मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर, 1986

सं० ए० 19018(294)/77-प्रशा० (राज०)--राष्ट्रपति, विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई विल्ली की सहायक निदेणक, ग्रेड-1, श्रीमती सुनीता कुमार (रसायन) को दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1986 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेणों तक उसी कार्यालय में उप निदेणक (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

मी० सी० राय, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 श्रक्तूबर. 1986 सं० ए-17011/326/86/ए-7-महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान ने निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में भण्डार परीक्षक (इंजी०), श्री सुचित कुमार सूर को एतद्द्वारा उसी कार्यालय में दिनांक 16 सितम्बर, 1986 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश दिये जाने तक तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निरीक्षण श्रिधकारी (इंजी०) नियुक्त किया है।

दिनांक 10 नवम्बर, 1986

सं० ए-17011/327/86/प्र-6--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने, निरीक्षण निदेशक (धातु) जमणेदपुर के कार्यालय में भण्डार परीक्षक (एसेइंग) श्रीमती स्वप्ना नन्दी को 29 सितम्बर, 1986 के पूर्वाह्म मे श्रागामी आदेशों के दिये जाने तक, उसी कार्यालय में नियमित आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु रसायन) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 14 नवम्बर, 1986

सं० ए०-17011/328/86/प्र०-6--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान उप निदेशक निरीक्षण, हैदराबाद के कार्यालय में भण्डार परीक्षक (ग्रिभियांतिकी) श्री वी० बालासुग्रामण्यन को एतद्धारा दिनांक 15 सितम्बर, 1986 के पूर्वाह्म से ग्रगला ग्रादेण दिये जाने तक उसी कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निरीक्षण ग्राधिकारी (ग्रिभि-यांतिकी) के पद पर नियुक्त किया है।

> ग्रार० पी० शाही उप निदेशक प्रकासन **कृते** महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

दृस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 नवम्बर, 1986 मं० 7526बी/ए-19011(1-एस डी) 85--19 ए---राष्ट्रपति जी श्री शैलेन्द्र दशोरा को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रू० के न्यूनतम वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में ग्रागामी श्रादेश होने तक 25-8-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 13 नवम्बर, 1986

सं० 3637 डी/ए-19012(2-प्रार० एन० ए०) /85-19 बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री राजन नाम्बियार को महायक भू भौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर श्रस्थाई क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 11-9-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 14 नवस्वर, 1986

सं० 7613 बी/ए-19012/2-जी० वी० एम०/85- 19 वी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री गडेपल्ली वेंकट सत्यनारायण को सहायक भू भौतिकीबिद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650-30-740- 35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40- 1200 रू० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर श्रस्थाई क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 18-9-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7625 बी/ए-19011(2-जी० वी०)/86-19 बी०--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञोनिक सर्वेक्षण के सहायक भू भौतिकीविद (उपकरण) श्री जी० ग्रार० वालसांगकर को भू भौतिकीविद (कनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रू० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश होने तक 2--9-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7638 बी/ए~19011(~1-के० एस० एम०)/
19 ए०--भारतीर्य भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण के भू वैज्ञानिक
(वरिष्ट) डा० के० एस० मिश्र को दो वर्ष की अवधि के
लियन पर 31~10-85 (अपराह्न) से मुक्त किया गया,
तािक वे सुदूर सम्वेदन प्रयोग केन्द्र, मध्य प्रदेश, विज्ञान एवं
तकनीकी परिषद, भोपाल में रिसोर्स वैज्ञानिक के पद का
कार्यभार ग्रहण कर सकें।

सं० 7648 बी/ए-19011(ए० के०)/85-19 ए-- राष्ट्रपति जी० डा० श्रालोक कुमार को खनिज विज्ञानी (किनिष्ठ) के रूप में भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रू० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 29-8-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7673 बी/ए-19011(2-जी० श्रार० श्रार०)/86 19 बी--राष्ट्रपति जी श्री गोली रामा राव को भू भौतिकी-

विद (किनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1400 रू० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 29-9-1986 के पूर्विह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7685 बी/ए-19011(1-एल० प्रार०)/85-19 ए०--राष्ट्रपति जी श्री लोकिन्दर रिव को भूकैर्ज्ञानिक (कनिष्ठ) के रूप में भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रू० के न्यूनतम वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में ग्रागमी ब्रादेश होने तक 29-8-1986 के पूर्वान्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 7698 बी/ए-19012(2-डी०बी०)/85-19 बी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक श्री देवज्योति भट्टाचार्जी को सहायक भू भौतिकीविद के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 ए० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर अस्थाई क्षमता में आगामी श्रादेश होने तक 1-9-86 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुशारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 नवस्बर, 1986

सं० ए-19011/326/86-स्था० ए--संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर श्री ए० एस० एस० एस० हरगोपाल, सहायक ग्रयस्क प्रसाधन ग्रधिकारी की भारतीय खान ब्यूरो में उप श्रयस्क प्रसाधन ग्रधिकारी के पद पर दिनांक 31-10-86 के पूर्वाह्म से स्थानापन्न रूप में नियुक्ति की गई है।

> जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन प्रधिकारी कृते महानियंत्रक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर, 1986

सं० ए० 19018/4/86-सी० जी० एच० एस०-1-- स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) डीमल रेहनी को विनांक 31 अक्तूबर, 1986 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक्त केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपेथिक चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त कर दिया है।

पी० एन० टाकुर उप निदेशक प्रशासन (सी० जी० एच० एय०-1) नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर, 1986

सं० ए० 38012/9/85-प्रशासन-1--सेवा निवर्तन की ग्रायु के हो जाने के फलस्वरूप इस निर्देशालय के डा० एस० पी० ग्रंप्रवाल, सहायक महानिदेशक (एन० सी० डी०) 31 श्रवतूवर, 1986 श्रप शक्तु से सरकारी मेवा से रिटायर हो गये हैं।

सं० ए० 38013/1/86-प्रणामन-1-सेवा निवर्तन की आयु हो जाने के फलस्वरूप, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के श्री श्रार० एय० मेटी श्रनुभाग श्रिधकारी, 31 श्रक्तूबर, 1986 श्रपराह्न में सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

स० ए० 38013/3/86-प्रशासन-1--मेवा निवर्तन की श्रायु के हो जाने के फलस्वरूप इस निदेशालय के श्री श्रार० एन० मल्होता, श्रनुभाग श्रधिकारी, 31 सितम्बर, 1986 श्रपराह्न में सरकारी सेवा से रिटायर हो गये हैं।

> पी० कें० घई, उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय (कृषि एवं सहकारिता विभाग) वनस्पति रक्षा, संगरोध और संग्रह निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 17 नयम्बर, 1986

स० 1-2/82-प्रशासन-प्रथम (खण्ड-2)--इस निदेशालय की समसंख्यक श्रिधसूचना, दिनांकित जनवरी, 22, 1986 के क्रम में कृषि एवं सहकारिता विभाग के पत्न सं० 20-40/82 वर्ग र० द्विश दिनांकित श्रक्तूबर 29,1986 द्वारा सम्प्रेषित उनके श्रनुमोदन से निम्नलिखित श्रिकारियों की तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक श्रिधकारी के नाम के सामने दर्शायी गई तिथि श्रथवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने, इनमें में जो भी पहले हो, तक बढ़ा दी गई है।

क सं० नाम एवं पदनाम	तिथि, जिस तक तदर्थ नियुक्ति बढ़ाई गई है
1. श्री श्रार० एम० शर्मा सहायक पौध रोग विज्ञानी	30-12-1966
2. श्री श्रार०एस० विषाठी सहायक पौध रोग विज्ञानी	15-12-1986
 श्री एस० पदमनाभन सहायक पौध रोग विज्ञानी 	23-12-1966
 श्री एम० एल० सहायक पौध रोग तनेजा विज्ञानी 	28-02-1987

एस० पी० कुटार मुख्य प्रशासनिक प्रधिकारी कृते वनस्पति रक्षा सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-4000 85, दिनौंक 14 प्रक्त्बर, 1986

मं० पी०ए०/79 (17)/84-भर्ती-111/214--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में श्री पी० आर० राजगोपालन, स्थाई सहायक कार्मिक श्रिधिकारी को 5 श्रगस्त, 1986 के पूर्वाह्म से आगामी श्रादेण तक इस केन्द्र में रूपये 2375-75-3200-द० रो०-100-3500 के वेतनमान पर प्रशासनिक अधिकारी 11 के पद पर स्थानापन्न रूप मे नियुक्त करते हैं।

सी० जी० सुकुमारन, उप स्थापना ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय इंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 7 नवम्बर, 1986

सं० ना ई० सं०/का० प्र० भ०/0703/1965—इस कार्यालय की श्रिष्टसूचना संख्या ना० ई० सं०/का० प्र० भ०/0703/1890, दिनांक 25 श्रक्तूबर, 1986 के कम में सहायक लेखाकार, श्री ना० भरतन की महायक लेखा श्रिष्टकारी के रूप में रूपये 2000-60-2300—द० रो०-75-3200 के वेतनमान में नदथे श्राधार पर नियुक्ति को दिनांक 05-12-1986 श्रथवा श्रागामी श्रादेणों पर्यन्त—इनमें से जो भी पूर्वघटित हो, श्रागे बढ़ाया जाना है।

गोपाल सिंह प्रबन्धक कामिक व प्रशासन

इसरो उपग्रह केन्द्र ग्रन्तरिक्ष विभाग

बेंगलूर, दिनौरः 12 नवस्वर । 1986

मं० 020/1(15.1)/86-स्थापना--I--इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्निलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिये गये पदों पर दर्शाई गई तिथियों से ग्रगले श्रादेश प्राप्त होने तक बिल्कुल श्रनन्तिम एवं श्रस्थाई श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

• •		
ऋ सं० नाम	पदनाम	दिनांक
1. श्री वी० रामकृष्णन	वैज्ञानिक/श्रभियन्ता	01-4-1985
2. श्री जी० रमेश	''एस० बी०'' वैज्ञानिक/ग्रभियन्ता ''एस०बी०''	25-9-1986
3. कुमारी पी० कल्पन	•	02-6-1986

एच० एस० रामदास प्रशासन प्रधिकारी-II महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1986

सं० ए० 19011/78/80-I स्था $\rightarrow 1$ —सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त होने पर श्री एस० श्रार० दास, निदेशक, उड़न-योग्यता दिनांक 31-10-1986 (श्रपराह्न) को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गये हैं।

एम० भट्टाचार्जी, उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विसानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 श्रक्तूबर 1986

स० ए० 32014/4/85-ई० सी० (बाल्यूम)-II--महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित संचार सहायकों को
(वर्तमान में सहायक संचार श्रिधकारी के पद पर तदर्थ
श्राधार पर कार्य कर रहे) दिनांक 11 जून, 1986 से और
श्रगले श्रादेश होने तक 650-1200 रूपये के वेतनमान
में, नियामित श्राधार पर सहयक संचार श्रिधकारी के ग्रेड में
नियुक्त करते हैं:--

ऋ०सं० नाम

सर्वश्री

- 1. पी० वी० के० राव
- 2. एन० के० रत्तन
- 3. एस० एच० बक्शी
- 4. एन० भ्रार० वर्धन

नाम

5. ए० के० बास्

ऋ सं०

दिनांक 5 नवम्बर 1986

सं० ए० 32013/1/82-ई० एस०--राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित श्रिधिकारियों की प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई श्रविध के लिये उपनिदेशक/नियंद्रक उड़न योग्यता के ग्रेंड में की गई तवर्ष नियुक्ति को जारी रखने की स्वीकृति प्रदान करते हैं:--

तदर्थ नियुक्ति की बढ़ाई गई प्रविध

	v	•
सर्वेश्री	से	तक
1. एम० एस० इक्राहीम	16-1-86	15-1-87
2. के० प्रभाकर	11-2-86	10-2-87
3. कैलाश नारायण	7-2-86	30-11-86

सं० ए० 12025/1/84-ई० एस०--राष्ट्रपति संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर श्री डी० एस० वंगा को दिनांक 17 श्रक्तूबर, 1986 (पूर्वाह्न) मे श्रगले श्रादेश होने तक 700-1300 रूपये के वेतनमान में उड़न योग्यता श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं। श्री डी॰ एस॰ बंगा को निदेणक उड़न योग्यता सम्बई के कार्यालय में तैनात किया जाता है।

सं० ए० 32013/7/84-ई० सी०--इस विभाग की दिनांक 24 दिसम्बर, 1985 की श्रीधसूचना सं० ए- 32013/7/84-ई० सी० के श्रनुक्रम में, राष्ट्रपति निम्नलिखित नौ सहायक तकनीकी श्रीधकारियों को जो राष्ट्रीय विमान-पत्तन प्राधिकरण में तकनीकी श्रीधकारियों (तदर्थ) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं, 6 जून, 1986 से, श्रन्य श्रादेश होने तक, तकनीकी श्रीधकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं। इस श्रीधकारियों की श्रन्य श्रादेश होने तक राष्ट्रीय विमान पत्तन प्राधिकरण में प्रति नियुक्त जारी रहेगी।

ऋ०सं० नाम

सर्वश्री

- 1. एस० पी० शर्मा
- 2. आई० एस० वेदी
- 3. पी० एल० बजाज
- 4. जी० एल० ग्रकोलकर
- 5. एच० एम० प्रभाकर
- 6. डी० पिचमनी
- 7. एच० एल० चावला
- 8. जी० जे० मेहता
- 9. एस० पी० श्रीवास्तव

सं० ए-32013/12/85-ई-І---राष्ट्रपति श्री सी०डी० कोल्हे को दिनांक 11 श्रक्तुबर, 1986(पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश होने तक 1800-2000 रूपये के वेतनमान में हैदराबाद में निदेशक उड़नयोग्यता के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 नवम्बर 1986

सं० ए-32013/6/84-ई०सी०—-राष्ट्रपति ने निम्नलि-खित श्रिधिकारियों की नागर विमानन विभाग में वरिष्ठ संचार श्रिधकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति की श्रविध, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई श्रविध के लिए बढ़ा दी हैं:--

 ऋम	सं० नाम			
		से	तक	
1.	श्री बी०ग्रार० मेना	1-4-86	31-5-86	
2.	श्री एल०ग्रार० सिंह्	1-4-86	31-5-86	
3.	श्री पी०एन०एस०			
	कुणवाहा	1-4-86	31-5-86	
4.	श्री पी०के० झा	1-4-86	31-5-86	
5.	श्री जगमोहन जौली	1-4-86	31-6-86	
6.	श्री डी०पी० चौहान	1-4-86	31-5-86	
7.	श्री वी०ग्रार० श्रीनिवासन	1-4-86	31-5-86	
8.	श्री एस०एस० चौधरी	1-4-86	31-5-86	

जपरोक्त भ्रधिकारी वरिष्ठ संचार श्रधिकारी के ग्रेड में भड़ाई गई तदर्थ नियुक्ति की भ्रवधि के फलस्वरूप ग्रेड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे और तदर्थ भ्राधार पर की गई सेवा भ्रवधि न तो ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए श्रीर न ही उनके उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पानता के लिए ग्रीनी जाएगी।

मुकुल भट्टाचार्जी, उप निदेशक प्रशासन,

वन श्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय वेहरादून, दिनोक 18 नवम्बर 1986

सं० 16/187/76-संथापना—I—म्झिनवार्य सेवा निवृत्ति की म्रायू प्राप्त करने पर जी प्रेम नाथ, श्रनुसन्धान श्रधि-कारी, वन श्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून दिनांक 30 सितम्बर 1986 के श्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

> जगदीश नारायण सक्सेना कुल सचिव, वन श्रन्सन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

सीमा मुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद गुल्क समाहर्तालय बंगलौर-56,0001, दिनांक 30 प्रक्तूबर 1986 केन्द्रीय उत्पाद गुल्क

सं० 7/86—इस समाहर्तालय की दिनांक 21-4-86 की प्रिध्नसूचना सं० 4/86 के भागतः परिवर्तन जिसमें समाहर्ताओं की शिक्तमों को नियम 57(i) (ii) के श्रनुसार क्षेत्राधिकार के सहायक समाहर्ताओं को प्रदान किया गया था श्रव केन्द्रीय उत्पाद शुरूक नियमावली 1944 के नियम 57 एफ(J) (II) के श्रधीन केन्द्रीय उत्पाद शुरूक के रेंज श्रधीक्षकों को उनके क्षेत्राधिकार के श्रधीन शिक्तयों को प्रयोग करने के लिए प्रदान किया जाता है।

सुकुमार शंकर समाहर्ता

कोयम्बत्तूर, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1986

सं० II/3/74/85-स्था०—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्निलिखित निरीक्षक श्री टी० एम० गोपालन केन्द्रीय उत्पादन के प्रधीक्षक के (ग्रुप बी) 650-1200 क० के बेतनमान में 24-09-86 (पूर्वाह्म) तारीख में पदोन्नत किया जाता है और उन्हें इस कैलक्टरी में तैनात किया जाता है।

विनांक 17 नवम्बर 1986

सं० II/3/74/85-स्थापना——केन्द्रीय उत्पाद णुल्क के निम्नलिखित निरीक्षकों को केन्द्रीय उत्पाद के श्रधीक्षक 2-366 G1/86

ग्रेड (ग्रुप बी) 2000-3,500 में पदोन्नत किया जाता है और उनके नामों के सामने दी गई तारीख से उन्हें इस कर्लेक्टरी में नैनात किया जाता है।

	नाम	ग्रधीक्षक के			नियुक्ति नारीख
— 1. श्री	 पी०श्रार० चन्द्रकुमार	31-10-8			नाराख प् <i>वाह्म</i>)
	के० सुक्रहमण्यम	16-10-86	3	(भ्र	पराह्न)

जी० वी० नायक उपंगमाह्ती (गी० ई०) कृते समाहती

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 14 नवम्बर 1986

सं० 8/86 फा० सं० 2/9/86-प्रशासन-1(बी)—— फ्राध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा श्री दलीप चन्द, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण, नई दिल्ली में केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण, नई दिल्ली में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप बी) सेवा में श्रीतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रीभयन्ता के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में 6-10-1986 पूर्वात्व में नियुक्त करते हैं।

श्रार० शेषाबि श्रवर सचिष कृते श्रध्यक्ष

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं क्रिक्स एंड सिरामिक्स

कम्पना भाषानयम् 1956 एव !श्रक्स एड ।सरा। प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनाँ ह 17 नवस्वर 1986
स० 1005/टी०ए०-III/560--कम्पनी अधिनियम
की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतद्द्वारा
सूचना दी जाती है कि ब्रिक्स एन्ड सिरामिक्स
प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया
गया है और उक्त कम्पनी अविघटित हो गई है।

कम्पनी श्रक्षिनियम 1956 एवं मुम्गानदं एजेंसिस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1986

मं० 1716/टी०ए०-∏ां/560—कम्पनी श्रिधिनिय**म** की धारा 560 की (5) के श्रनुसरण के एत**द्दारा** सूचना दी जाती है कि मुख्यानंद एजेंसिस प्रा**६वेट** लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर मे काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है। कम्पनी भिधिनियम 1956 एवं टी॰ के॰ मुदलियार एजंसिस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1986

सं० 1717/टी०ए०-III/560— कम्पनी ग्रिधिनियम की धारा 560 की (5) के ग्रनुसरण के एतव्दारा सूचना दी जाती है कि टी०के० मुदलियार एजंसिस प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पती श्रिधिनियम 1956 एवं खालडिन श्रपरटस फाबरिकेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक दिनांक 17 नवम्बर 1986

स॰ 3275/टी॰ए॰-I11/560--कम्पनी श्रिधिनियम की धारा
560 की (5) के श्रनुसरण के एसद्द्वारा सूचना दी जाती है कि
बालंडिन श्रपरटस फाबरिकेशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम
आज रिजिस्ट्रर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विभटित हो गई है।

्रिप्रार० के० भट्टाचारजी कम्पनियों का रजिस्ट्रार,

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इलवी स्पीन प्रा० लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 17 नवम्बन 1986

सं 0.720/23250/160(3) — कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 460 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना थी जाती हैं की इस तारी श्रे से तीन मास के अवसान पर इसकी स्पीन प्रा० लिमिटेड का नाम इसके

प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया हो तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

> वी० राधाकृष्णन कम्पनीयों का ग्रतिरिक्त रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और ओपन यूनिवर्सीटी सीसटेम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलीर, निनांक 20 नवम्बर 1986

सं० 4595/560/86—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस दिनाक से तीन मास के ग्रनसान पर ओपन यूनीवरसीटी सीसटेम प्राइवेट लिमिटेक का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 और हैद्रेनाठस जीरेनँठ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। बंगलौर, दिनांक 20 नवम्बर 1986

सं० 6135/560/86— कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुशरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के प्रवसान पर हैवेनाठस जीरेनैठ प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० के० रमणी कम्पनीयों का रजिस्ट्रार प्रकेष भार्यं, टी. एवं, एवं,,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वशीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० सी ए/161/86-87/एस एल-1256 आई० ए सी०/एक्यू/ आर-1/कल:—यत मुझे, आई० के० गायेन, कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का टार्क हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज़ित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 3 ए है तथा जो शर्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में विजन है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, श्राई० ए० सी, अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में, रजिस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 7-3-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मूफे यह विषयस फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नुह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-किसमुके बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :-- 1. श्री शम्भू नाथ मुखर्जी एवं मन्याय।

(ग्रन्तरक)

2. मालिकान बिल्डर्स लिमिटेड।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विद् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचना पद की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

बन्स्ची

3 ए, गर्ट स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रव्यवस्थित 20 काठा 1 छटांक जमीन तथा मकान जो मक्षम प्राधिकारी (श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7 कलकत्ता के पास सीरीयल नं० ए 161 के श्रतुसार 7-3-1986 में रजिस्ट्री हुआ

> श्राई० के० गायेन,, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 5-11-1986

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

जासकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्धालण)

श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर, 1986

निवेश सं० सी० ए० 163/86-87/एस०ए०एल०-1257/ग्राई० सी०/एसयू ग्रार-1/कल:--यत मुझे, ग्राई० के० गायेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि हथावर संपित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 1 है तथा जो श्रकलैंड प्लेम कलकक्षा 17 में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, श्राई० ए० सि, श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-3-1986।

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ब्रतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ब्रन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिक व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री ग्रनिल कुमार साव।

(भ्रन्तरक)

2. मेशिन वर्क्स (इन्टर नेशनल) लिमिटेड।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तम्पृत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ध से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विश्वा गया है।

मन्सूची

1 श्रकलेन्ड प्लेस, कलकत्ता-17 में श्रवस्थित जमीन तथा मकान जो सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सीरीयल में सि० ए० 163 के श्रनुसार 17-3-1986 में रजिस्ट्रई हुगा।

> श्चाई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 5-11-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

काथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, कलक्**रा**। कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर 1986

निदेश सी० ए० 174 86-87-सी० 125 8 प्राई०ए० सी० एवयू० ग्रार-1/कलनता-प्रतः मुझे, श्राई० के० गायेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 8 है, है था जो राई चरण पाल लेत, कलकत्ता—46 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, श्राई० ए सि श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-3-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरबमान प्रतिफल से ऐसे दरबमान प्रतिफल का पंचह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तीक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दुवरिय से उक्त अन्तरण कि लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए? और/या
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए:

जतिश अथः, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की अस्ति की जिल्ला अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीन ः—

1. श्री सुरेश झुनझुनवाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुनिल बोथरा, एवं सुलभ बोथरा (माइनर)। पिता: मदन लाल बोथरा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण:—-इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

8, राई चरण पाल लेन, कलकत्ता 46 में श्रवध्यवस्थित 13 काठा 8 छटांक 3 वर्ग फिट जमीन तथा रीड जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज 1 कलकत्ता के पास सीरीयिल नं० सी० ए 174 के श्रनुसार, 24-3-1986 तारीख़ में रजिस्ट्री हुश्रा।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख ' 5-11-1986 मोहर .

मुक्य साथै की पुर पुर

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन तुर्ना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भागकर बाबुक्त (निर्शालक)

धर्जन रैंज-1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर, 1986

निर्वेशसं० टी श्रार-228/86-87/एस० एल 1259 — श्राई० ए० सी०/एक्पू श्रार-1/कल — यतः मुझी, श्राई० के० गायेन, आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीभकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 71 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-3-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्वित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निस्नलिशित उत्वरिय से उसत अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्रत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या बन्य वास्तिवाँ की, जिन्द नारतीय नाय-कड निभिनयमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयमः, वा भन-कर निभिनयमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना वाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

भरात नव , उन्त निधिनियम की धारा 269-म को अनुसर्ज कों, मी, उन्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. चित्रकृट प्रापर्टीज निमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. मिनीत घिरारा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के स्वयंत्र में काई भी बाधिए:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध मा तत्सवंधी अपनितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में कियू वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मन्ष्ची

71, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रवस्थित 6 तल्ला में ग्राफिम स्पेस ने 6 एफ, 1976 वर्ग फिट, ग्रायतन का जो रजिस्ट्रार ग्रब एसुरेसेस कलकत्ता के पास डीड नं० 1— 4835 के ग्रनुसार 29—3—1986 में रजिस्ट्री हुग्रा ।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहाक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1; कलकत्ता

सारीख। 5-11-1986 मोहर।

भूकप **बाइ**ं, टी_ड एन्_ड एस<u>ं, -----</u>

कायका<u>र</u> क्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) की अभीन क्**ष्**रा

तारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० टी० श्रार०-2*2*9/86-87 /एस एस-1260/ग्र^ह० ए० सी /एक्य ०रेंज-1/कल--यत मुझे, भ्राई० - के० गायेन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ह के बभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 1,00,000[/]- रः. से अधिक **ह**ैं श्रौर जिसकी संख्या 8 है, तथा जो लिटिल रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर, पूर्णं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भाई० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-3-1986। को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे एसे दृश्यमान प्रतिकाल का

पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उच्चदेय से उक्त अन्तरण निक्रित

वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरम् से बुद्धं फिसी बाय की बायस्, उनत विभिन्नियम् के बर्वीन कर बोर्न के नन्तरक से समितन में कभी करने या उसते बचने में स्विधा स्वीतिष्: बोद्ध/या
- (च) ऐसी किसी बाब या फिली धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा में जिए;

चक्तः स्वयं, उच्क विभिनियमं की भारा 269-ण की अनुसरण मैं, मैं अन्त अभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के बभीन, निम्निकिस व्यक्तियों, अव्यक्ति क्रिक्ट 1. श्रीमती बीना देवा,

(भ्रन्तरक)

- बाल स्ट्रीट होल्डिंग्स एन्टरप्राइसेस, प्राइवेट लिमिटेड, (अन्तरिती)
- मेडर

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**द्ध** है)

को यह स्वता जारी कारके प्रतिकत्त संपरित के अर्थन के हिन्द कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त राज्यित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेय उ

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वनिध या तत्सम्बन्धी स्थितत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतत्र पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्तित धुवारः;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरुणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को सक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशादिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा ही।

अनुस्ची

8 लिटिल रामेल स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रव्यवस्थित 8 कोठा जमीन तथा स्ट्राक चार, गोडाउन, एवं शो रूम जो रजिस्ट्रार श्रव एसुरेसेम, कलकत्ता के पाम डीड नं० 1–3318 के श्रनुसार 4–3–1986 में रजिस्ट्री हुग्ना।

> श्राई० के० गायेन, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 5-11-1986 मोहर: प्रस्य बाइं.टी.एन.एस. -----

बावकर विभिन्तिया, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-। कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर, 1986

निवेश सं० टी० ग्रार 230/86-87/एस० एल-1261/ग्राई० ए० सी०/एक्यू/ग्रार-1/कल:--यत मुझे, ग्राई० के० गायेन, शावकर विश्वियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके प्रभात् 'उक्त अभिवियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का करण है कि स्वाव्र अव्वरित. विश्वका उचित वावार मुस्ब :,00,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 119 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1986।

को पूर्वीक्स संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्परित का उचित बाजार कृश्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम याम मदा प्रतिक कन, निम्नितिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अक्तिक कम से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग का वाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कार दोने के सन्तरक के वारिएक में कभी कारने शाउसके वजने में श्विधा के फिहर; अड़ि/मा
- एं कि की बाय मा किसी पन या अन्य मास्तियों को, पिन्हें भारतीय बाय कर सीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाफीन, निम्निनिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् । 1. मैसर्म पार्क चेम्बर्ग लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स पी० के० कमिश्रयल कम्पनी।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुकना कारी करके पृत्रॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष्
कार्यनाहियां करता हो।

उक्त राज्यक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बाबांव हु---

- (क) इस सूचना को राजवण वो प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की नविभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी कविभ नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त अरिक्ताों मों, ने किसी व्यक्तिस स्वाराः
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर कम्पित्त मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पानिकरणः - एक्से प्रमुक्त वन्धे वृद्धि पाने क्रमः, जो क्षण वृद्धिपृत्वमः, ने मुख्याव 20-क में प्रिशाणिक ही, नहीं वृधी होता जो उसे वश्याय में दिया वना ही।

श्रन् सूची

119 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में, श्रवस्थित चार तरुला में श्राफिस स्पेस नं० 4 ए तथा 8 कार पार्किंग स्पेस (5643 वर्ग फिट) जो रजिस्ट्रार श्रव एसुरेन्सेस के पास डीड नं० 1-3958 के श्रनुसार 15-3~86 में रिजिस्ट्री हुआ।

> ग्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख: 5-11-1986

मोहरः

प्रारूप बार्ड .टी. एन .एस

माटकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रथीन सुचना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक पायकर आयुक्त (पिरीक्षण) श्रिजैन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 नवम्बर, 1986

निर्वेश सं श्राई० ए 164/86-87/एस० एल 1262:—ग्राई ए० सी०/एक्प्/आर-1/कल:—यतः मुझे, आई० के० गायेन, बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके व्यक्तात 'जसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य

1,00,000/- फ. मे अधिक हैं।

भौर जिसकी संख्या 1 है तथा जो ग्रकलैंड प्लेस, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपावत प्रमुखी में श्रौर, पूर्ण रूप से बिजत है), रिजस्ट्रीकत्ती ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी भाई० ए० जी, एक्यू भार-1, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-3-1986 को पुबेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि सथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मृख्य, उसके ख्यमान प्रति-कल मे एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से बाधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितबा) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निमिचित उद्देश्य से जकत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) जनसरण से हुन्द कियों जाय की वावत, सनस अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक कें वायित्य मों कमी करने या उत्तस वचने में सुविधा के लिए; और/का
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में मिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के क्लीन निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री विमल कुमार साव

(भ्रन्तरक)

2. मेशिन वर्क्स (इन्टरनेशनल) लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कर्क प्यॉक्त सम्परित में वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तरभूरी के पास जिल्लिक में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ हमेगा जो उस अध्याय में दिया भवा है ध

नम्स्ची

सम्पति जो 1 श्रकलैंड प्लेस, कलकला में श्रवस्थित हैं, जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता के पास सीरियल नं० सि० ए 164 के श्रनुसार 17-3-1986 में रजिस्ट्री हुआ।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 1 कलकत्ता

तारीख: 5-11-1986

प्रकम बार्च . बी . ध्रन . ध्रच . ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-घ (1) के अभीन त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता
कलकत्ता, विनांक 12 नवम्बर, 1986

निर्वेश सं० 2383/ए क्यू/भ्रार-III/कल/86-87:—यब . मुझे, श्राई० के० गायेन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास 'उवस व्यथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 201, 202 श्रीर 203 है तथा जो श्रीत्ड वायना क्षाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कल श्रधिकारी के कार्यालय सं० 2 ए, कलकत्ता में, रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-3-1986।

को पूर्वोक्त तस्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्लबमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जरि मुक्के यह विकास करने का कारण है कि संशापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से, एसे बच्यमान प्रतिफल का बन्द्रह्म प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देविय से उच्त जन्तरण किनित में बास्तविक रूप से अधित नहीं किया नथा है:---

- (क) जन्तरण से शुद्ध जिल्ली नाम भारी, बत्यस्त, उत्तर्त श्रीणीनसम के सभीन कर दोने के जन्तरक के सामित्व मों कमी करने ना उससे क्लने मों सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) एसी किली जाव मा किसी भन का जल्ब कारिलामों को जिन्हें भारतीय आयक्कर विभिन्निक्त, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियत्त, या भन-कर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिल्था, छिपाने में सुविभा कीनिए;

1. जार्डन हान्धारसन लिसिटेड।

(भ्रम्तरक)

2. चन्दन कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में काही भी नाकौप :---

- (क) इस मूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पित्तयों में किसी व्यक्ति इनारा;
- (ख) इसस्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितशक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अभोद्वस्ताक्षरी के अधि सिखित में किए जा सकर्ग।

स्मान्तीकरण .--- इसमें प्रमुक्त कथ्यों और पर्यों का, वो सम्ब अधिनियम, के खध्याय 20-क में परिशायित ही, यही जर्म होपा वो सत्त अध्याय में दिना क्या ही अ

धनुसूची

प्रोमसेस नम्बर 201, 202 और 203 भव पानन भ्योल्ड बाजार स्ट्रीट, कलकता, एस० भार० ए० कलकता के पास 31-3-86 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ। दलील संख्या I 4935।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकता

तारीख: 12-11-1986

मोहर:

जर गर. उसा बांकानियस की भारा 269-ग को अन्सदण मों, मां, उक्त अभिनियस की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- प्रकृप बार्षे. टी. एन., एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-च (1) के अधीन सुचना

माराज सरक्तार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-धा, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर, 1986 निर्देश सं० 2384' एक्यू०/ग्रार—III/कल/86-87:---यतः मुझे, ग्राई० के० गायेन,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क ने जभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 33 है तथा जो काकुर राधि रोड, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्व रूप से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सं० 2 ए, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 1-3-1986

हों प्वेंक्ति सम्मत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित् की गई है और मुख्ये यह विद्याब करने का कारण है कि यथाप्यक्ति सम्पर्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एते द्रश्यमान प्रतिफल कर प्रमुद्ध प्रतिचत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसिद्धित उद्देष्य से उक्त बन्तरण निवित्त में सस्तिवक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुन्दं किसी भाग की बाबत , बन्न विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) त्मी किमी आय या किमी बन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकार नहीं किया वया था या किया थाना थाहिए था, किया में स्विधा के लिए;

सत: बन, उनत मुधिनियम, की धारा 269-म के जनूसरण कों, मीं, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) है समीन, शिस्त्रितिसक व्यक्तियों, क्यांच १--- 1. श्री चित रंजन दास

(भ्रम्सरक)

2. कोनकोयेस कर्माणयल कम्येय प्रा० लिमिटेड (भन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां शरू करता हों।

उक्त राज्यति के अर्थन के सम्बन्ध में ऋोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुगरा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा स्केंग ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रस्कृत शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, कही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विमा "या है।

घनुमुची

प्लाट नम्बर 73, पांच तल्ला, प्रेमिसेस नम्बर 33 काकुर राधि रोड, कलकत्ता, 27243 वर्ग मीटर सं 2 ए कलकत्ता के पास 1-3-86 तारीख से रजिस्ट्रीकरण हुग्रा।

दलील संख्या 1--4243-।

श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^{II}, कलकत्ता

सारीख: 12-11-86

प्रारूप काई..टी..पुन..एस..=-----

वावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्रय, सहावक बावक्र बावूक्त (विद्वांक्रण)

श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 12 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० 2385/ए क्यू०/ग्रार-111/कल/86-87:---यत मुझे, ग्राई० के० गायेन,

नायकर अधिनिवा, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, विसंका उचित वाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या 65/6 सी है तथा जो बिलगंज सारकुलार रोड, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सं० 2 ए कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, सं० 2 ए कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 6-3-86 के पूर्वीचा सम्पर्तित के उचित बाबार मृज्य से का के क्ष्यामा गरितफल के लिए जन्तरित की गर्म है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मृज्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरहा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितंत्रया) के बाच एन्से अन्तरण के लिए तथ पाया गया गरिकक निम्मितिबत उद्योग्य से उक्त भन्तरण कि बित में शस्तिक रूप से किन्तर महा सिका नवा है है

- (क) अन्यारण सं हुन्दं स्थिती भाग कर्यं नावतः, उपक कींधनिसम के सभीत कर दोने के बंधासक के बायित्य को कानी कर्यं या उसके बचने को नृथिधा को लिए; और/शा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी थून वा बन्न शास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकह विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विभिन्नियम, या भरान्तिर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं कि या गया था या किया बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

शक्तः सव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुवरण की, की, अनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है बंधीन, पनम्मीनियस व्यक्तियों, अधिक :---- 1. समिद मोधुरी

(ग्रन्तरक)

2. पिसने जेवलपमेंट कनसलटेंटस प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

की यह दूषका पाडी कारके पूर्वीच्य कम्मीस्त के नार्वक है जियु कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्क सम्मारक में बर्ज़न के सम्मान में कोई भी नालंप 🎾

- (क) इस्त स्वाप्त के एकपण में प्रकाशन की तारीच . डें 45 दिश की शर्वीच् वा त्रास्थ्यण्यी क्यांनितमों पर सूचवा की ताबीच् से 30 दिन की स्वीच, जो की स्वीच् वाद में समान्त होती हो, के भीत्र प्रविच् व्यक्तिस्यों में से दिस्सी व्यक्ति क्यांत्र;
- (व) इस इचना के रावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीत्र उनत स्थावत अम्पीत में हित्तवृष् किसी सम्य स्थावत इंशरा, नभोइस्तासरी के पास विचित्र में किए या समीने।

व्यव्यक्षिप्य :---इसमें प्रयुक्त कवाँ बीट पर्यों का, जो उदले वृषिविद्या, हो वश्याय 20-क में परिभाविश हैं, दही वर्ष मोना वो उस मध्याय में दिवा नया है।

अनुसूची

बिल्डिंग एवं 5 काठा 6 छटांक एवं 37 वर्ग फुट जमीन, प्रेमिसेस नम्बर 52/6सी, सारकुलार रोड, कलकत्ता, सं० सी 2ए कलकत्ता के पास 6-3-86 तारीख में रजिस्ट्रेशन हुन्ना। दलील संख्या 1--3427।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 12-11-1986

प्रकृप नार्हें हो, एन, एस,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के नंधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-I, कलकता कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1986

निर्वेश सं० 2386/ए सी क्यू/ग्रार-III/कल/ 86-87:---यतः मुझे, ग्राई० के० गायेन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 1, 2, 2 1, श्रौर 2 2 है तथा जो श्रोल्ड कोर्ट हाउस कोरनर एवं 21 श्रौर 23 लाल बाजार, स्ट्रीट में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-3-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का भंग्रह प्रतिकार सं अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिबित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिल्हात में बास्तिक रूप से किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के निए;

अतः अब, उम्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. कोयानश्रींग इनवेंस्टमेंटस लिमिटेंड।

(ध्रग्तरक)

2. विकम फोजिंग्स एवं एलायेख इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तब्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

पलेंट नम्बर 4सी, चौथा तहला, 12, 2175 सर्ग फुट, प्रेमिसेस नम्बर, 1, 2, 2/1, धौर 2/2 श्रोल्ड कोर्ट हाउस कोरनर एवं 21 भौर 23 लाल बाजार स्ट्रीट, कलकत्ता, एस० ग्रार० ए० कलकत्ता के पास 4386 तारीख में रजिल्ट्रकरण हुमा दलील संख्या I=3316।

श्राई० के० गायेम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-¹ कलकत्ता

तारीख: 12-11-1986

म्बल आहें व्योत प्रमूत प्रमूत------

कायकर निर्धानियय, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन स्चमा

THE REAL

कार्यातम, सहायक बावकर बावुक्त (विराक्तिक)

धर्जम रेंज- , कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1986 निवेम सं० 2387/ए० सी० क्यू /रेंज-III/कल/ 86-87:---अत: मुझे, आई० के० गायेन,

शावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके परकात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की बाड़ा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

भीर जिसकी संख्या 2/5 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्तम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-3-1986

को पूर्वोषत सम्पत्ति के उभित नाजार मृत्य से कम के क्यमान शितफन के लिए नन्तरित की नक् हैं और मृत्ये यह विकास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्परित का जिल्त बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिफल के विद्या से अन्तरित के निए तय पाया गया शितफल, निम्नलिचित उद्देशक से उक्त बन्तरण सिचित में अस्तिक क्य में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्धरण वं हुन्दं किसी बाव की बावत, उनसं अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कनी करने वा उससे अपने में सुनिधा के किए; और/वा
- (क) एसी किसी आप वा किसी भव वा अन्य वाक्सियों को विकार आरसीय वायकर जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

कतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीम, निस्तिवित स्वतित्यों, नवति :--- 1. समतेन क्षेत्रभपमेंटस प्राइवेट शिमिटेड ।

(ग्रन्सरक)

2. श्याम सुन्दर शर्मा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यकाहिया करता है।

उक्त सुम्बरित के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रेष र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्युक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा थे। उस अध्याय में दिसा गया है।

वन्त्र्यो

ं **फ्लैट प्ला**ट नम्बर-ए, प्राठ तल्ला, 2247 वर्ग फुट, प्रेमिसेस नम्बर 2/5 सरत बोस रोड, कलक्सा।

> भाई० के० गायेन; सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); भर्जन रेंज-धा, कलकत्ता

तारीख: 12-11-1986

श्रक्त नार्च, क्षी . एक , तृत्व ,

अधिक अधिनिस्म, 1961 (1961 का 43) की भाष भारा 269-च (1) के बभीन स्वना

भारत बरकाह

कार्याञ्च, सहायक जायकर बागुक्त (निरीक्शण)

ग्रर्जेन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1986

निर्देश सं० 2388/ए०सी०क्य्/धार-III/86-87:--प्रतः मुझे, धाई० के० गायेन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कीं भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत शाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 10 है सथा जो गुरूसदय रोड, कलकसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-3-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपनत बाबार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार कृष्ण, उसके व्यवकान प्रतिकत से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का क्ष्मक से विकास (अंतरका) और अंतर्रे रही (अंतरित्यों) में बीच एसे अंतर्ण के लिए बय पाया नया प्रतिफल निम्निजियित उद्वेच्य से उक्त अंतर्ण कि बिक् के बारतिक कम से अधित नहीं किया गया है अ--

- (क) बंतरण से हुए किया नाम नी नामक, समस अधिनियंत्र के अधील कार दोने के बंतरफ के राजित्य में कानी कारने या उससे क्याने में सुविधा से सिक्; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी जास या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जामकर विविवयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, का भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए;

बतः सव, अवत वॉभीन्वमं की भारा 269-त के बनुव्यस्य में, में, अवत व्यथिनियमं की भारा 269-त की उपभाज़ (1) के अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, वृषीव् 1. भीमती जुमा टण्डम ।

(झन्तरक)

2. श्री नाबू लाल अगरवाल एवं भ्रस्य

(मन्तरिती)

को सह गुपना पाड़ी सहस्ये पूर्वोत्तव कमील से श्रवंत् से स्थि सार्वनाहिनां करता हों।

उन्त रामरित के वर्षन से रामान्य में सोर्च भी बाबीच :----

- (क) इस सूचना के हाजनम में प्रकारन की शारीत सें 45 दिन की जनीय या तर्स्ववंधी व्यक्तियों पर सूचना की सानीय से 30 दिन की जनिए, जो भी नकीय नाम में समस्य होती हो, के भीतर प्रोंक्स स्वीतानों में से किसी व्यक्ति सुधारा;
- (क) इस तुमना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से विश्व को भीतर जनत स्थावर सम्यक्ति में दिस्ववृष्ट कियो निम्न कवित हवारी, निभाहताखरी को याद्य विश्वित में निम्ने का क्योंने !'

रन्कीकरण :---- रतमें अधूनत शुक्रां महि पर्यो का, हो हस्त वरिपीयक से बच्चान 20-क में परिभाषिक हैं, मही नर्ज होना को उन्न मुख्यान में हैका। नक्ष हैं हो

Marie Land

ण्लाट नस्बर 2 बी, निम्न सल्ला, 1909 वर्ग फुट, प्रेमिसेस भम्बर 10, गुरुसस्य रोड, कलकला ।

> आई० के. यायेन, स्थान प्राधिकारी तहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-III, कमकत्ता

तारीच : 12-11-1986

ंप्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- कलकत्ता

कलकसा, दिन 12 नवस्वर 1986

निर्देश सं० 2389/ए० सी० क्यू ग्रार-III/कल/86-87:-यत: मुझे, ग्राई० के० गायेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 25 ए है तथा जो सरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में मीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यं, इसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

लतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री ममहर लाल के० डोसि एवं मन्य

(ग्रन्तरक)

2. जितेन्द्र बी० देसाई एवं श्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

प्लाट नम्बर सी, श्राट तस्ला, प्रेमिसेम नम्बर 25 ए सरत बोस रोड, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 12-3-1986 तारीख में रजिस्टीकरण हुन्ना।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकक्ता

तारीख: 12-11-1986

प्ररूप आहूर्. टो. एन. एस. -----

अविकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

व्यागित्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर, 1986

सं० 2390/ए० सी० वयू/ग्रार-III/कल/86-87--यतः मुझे, म्राई० के० गायेन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे **(सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह**ै), कौ धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का ल्प**रण है कि स्थावर** संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 /रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 2/5 है तथा जो सरन वोस रोड, कलकत्ता में स्थित है और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **ग्र**धीन, तारीख 4-3-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इक्समान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह दिस्वास करने का बारण है कि यथाण्वीक्त संपत्ति का उचित वाकाः मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एंसे इत्यमान प्रतिफल 🍇 वन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और **बन्तरितौ (बन्तरितियों) के बीच ए**से **ब**न्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धनकर विधिनयम, 1957 '^^57** का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किटा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः के लिए;

अत: अब, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

4-366 GI/86

1. साममेन इंकापपेट्स प्राइण्ट निविद्य । (ग्रन्तरक)

2. सुपमा मार्बाक।

(अन्तर्रती)

को यह सुमना कारों करते पुत्रांतत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हो।

इस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीद सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट कवित्रवाँ में ये किभी व्यक्ति हुवाराः
- (ख) इस स्वना ने राज्यत्र में प्रकायन को तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में दिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्यांहरताक्षरी क पान निरंखत ए दिए हा तदी में ।

स्वच्छीकरण -- इसम प्रयुक्त राज्यों कोर पर्वा का, मिनियम के अध्याय 20-क में परिक्रा घर हैं, वहीं बच्चे हाता, का एक रूप के पाय पा दिया.

अन्स्ची

प्लाट नम्बर ए, नयतल्ला प्रेमिसेस नम्बर 2/5, सरन वोस रोड, कलकता, सक्षम प्राधिकारी, के पास 4-3-86 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हम्रा।

> स्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी महायक अयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, कलकना

तारीख: 12-11-1986

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-III, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर, 1986

सं० 2391/एसी क्यू/ध्रार-III/कल/86-87--यतः मुझे, श्राई० के० गायेन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास् करने का कारण हैं कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी संख्या 2 है तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरीन, कलकत्ता में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, नारीख 7-3-1986

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान शितफल के लिए गैति रत की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल को पन्द्रह् प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनारितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उकत अन्तरण निम्नलिखित में रूप में क्रिथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (चा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधील. निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- श्रीमती प्रीति कर्माणयल को० प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- 2. इन्द्रमिन सि होथि एवं अन्य

(अन्सरिती)

को यह मृचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवारिहयां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्योकरणः — इसमं प्रयुक्त एत्यां और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याप में दिया गया है।

अन्स्ची

यूनिट नम्बर 5 श्रीर 9, श्राट तल्ला, 1773 वर्ग फुट, श्रेमिसेस नम्बर 2, नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरीन, कलकत्ता ।

> श्रःई० के० गायेन मक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-11-1986

मोहर 🦻

प्रकृत वार्ड . हो . एन . एक . -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

शायांलय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्द्रीक्रक)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर, 1986 मं० 2392/ए मी क्यू/ग्रार-III/कल/ 86-87--यतः मुझे, ग्राई० के० गायेन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 2 है तथा जो नरेन्द्र चन्द्र दत्त सारानी, कलकत्ता में स्थित है । ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप मे विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 6-3-86

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित अन्तरि मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द्र किसी आय को बाबरा, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी अप्य या किसी धन या अच्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपार में सूबिभा के सिए;

अत. अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में:, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्निर्णिखप्त व्यक्तियों, अथितः :--

- मैं ॰ प्रीति कर्माणयल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरक)
- 2. टेकनो पाक प्राइवेट लिमिटेड।

(श्रन्तरिती)

को वह त्यमा वारी करके पूर्वोक्त कमारित के वर्षन के विध् कार्यवाहियां करता हूं।

उभत सपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी कार्शय :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र मं प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अपित यों में से किसी स्वक्ति ब्रांशी;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकी थे।

स्पष्टितिकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा वना है।

करपूर्व

आफ्रिस स्पेस नम्बर 7, समतल्ला, 1580 वर्ग फुट, प्रेमिसेस नम्बर—2, नरेन्द्र चन्द्र दत्त सरीन कलकता।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख: 12-11-1986

वैद्य.

प्ररूप आहर्ं, टी. एन. एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं 269-ध(1) के बभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यावय, महायक नायकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बर्ड, दिनांक 13 नवम्बर, 1986सं० ऋई-2ए/37ईई/30967/85<math>-86— ऋत: मुझे, ए,०

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें सक पश्चान् 'छत्रज अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन रूपम प्राधिकारी को यह विश्वान करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौरं जिसको संख्या एफ० पी० नं० 67, टी० पी० एस० नं० 1, विले पार्ने (पू), बम्बई-57 में स्थित हे ग्रोर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण व्या में वर्णित है, ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1986

करं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मध्यति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफत सं, एमें दश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिफल मं क्षिक हो और कारक (अत्तरका) और अंतरिती (अन्तरिक्त) के दीन एस विश्वास के लिए तप पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश में उचत अन्तरण लिखित वे वात्तविक एस सं किया नया है:—

- ्को अरुए व शार शिया ५० हा गान, इक्ट अधिनयम की अधीन कर दोन की अन्तरक की दायित्व में अभी करने या उससे बचने मी स्विधा की लिए; और/या
- (का) एमी कियों लाग या किसी वन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 1930 के 111 के जानन कार्याक्या के अब कर अधिनेत्रम, 1957 (1937 के 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों ध्यारा अल्ड दहों किया क्या भाषा किया जाना चाहिए था, क्याने में सुनिधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 265-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— श्री श्रविनाश कृश्नाजी दामले,
 श्री सुनील कश्नाजी दामले
 ग्रौर श्रीमत वल्सला कृश्नाजी दामले।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स वाल एन्टरप्राइसेस ।

(अन्तारता)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गका हैं।

वन्स्यी

जमीन का हिस्सा जिसका एफ० पी० नं० 67, टी० पी० एस० 1, सी० टी० एस० नं० 959, 959(1) से 959(10), चित्तरंजन रोड, विले पार्ले (4), वम्बई-400057 में स्थित है।

ग्रनुसूचो जैपा कि के सं० ग्रई-2र्/ 37ईई/ 30967/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रिजस्टई किया गया है।

ए० वैद्य, उसक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

तारीख: 13-11-1986

मोहर 🙄

प्रकल बाह् ुटी.एव.एव. -----

बावकार समिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-प (1) के सभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यास्त्र महायक आयकार आयुक्त (निरीक्तण) श्राजीन रें ज-2ए, अस्थाई अस्वाई, विमांक 13 नवस्वरं, 1986

निदेश सं० घई-2ए/ 37ईई/ 32399/ 85-86— - श्रन मुझे, ए० **वैद्य**,

बाइकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त विभिनियम' सद्धा गया है"), की भाग 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका संवित वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 42, है तथा जो विले पार्ले (पू), बम्बर्छ में स्थित है, (ग्रौर्इंससे उपाबद्ध श्रनुसूभी में श्रौर पूर्णरूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्क के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रजिस्ट्री है। तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदेयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में इप मो कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) राजस्थान इन्टरप्राईजज ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाई के० कुंजू श्रौर श्रीमति थनकाम्मा कुंजू । (ऋत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्य-गोहिया शुक्त करता हा ।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दुन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकरेंग।

स्पद्धीकरण:---इर.मः शयुक्त अन्त्री अरेर पदों का, जां उबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याद 20-क मों परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जाँ उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 42, सी०टी०एस० नं० 227, जीवन विकास केन्द्र, विले पार्ले (पू), बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूर्ची जैसा कि क्रं० सं० श्रई-2v/37ईई/32399/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रंज-2ए, बम्बई

नारीख : 13-11-1986

A ARTON AND A TOP AND A STATE OF THE AREA OF THE AREA

प्रकार वार्ष . टी . युन् . युक् . ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यास्य, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनमें ज-2ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ऋई-२ए, *37ईई*/31891/85-86—— ऋत: मुझे, ए,० वैद्य,

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 1,00.000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट तं० 16, विले पार्ले (पू), बम्बई-57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा, 269 कख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 5-3-1986

स्ते पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकान के निए जंतरित की नहीं है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाचार मूल्य, अपके स्वयमान प्रतिकान से, एसे स्वयमान प्रतिकान का पत्त्वह प्रतिकात कि कि नौर अन्तरिक (जन्तरिकों) जौर अन्तरिकों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिकान, निम्नीनिचित उद्योग से उक्त अन्तरण । सिचित में पास्तिक रूप से किसत नहीं किया यथा है :---

- (क) अन्यरण से हुइं किसी काय की बावत., उपके व्यापिनियम के अधीन कर दोने के अन्यरक के वाधिरण में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के जिए; आंद्र/या
- (धा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा धन-कर ऑधिनियम, वा धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भालचन्द्र ग्रनन्तराव नेरूरकर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एलविड कारपोरेशन।

(ग्रन्तरितं1)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यगिहियो **गुरु करता हुं।**

जनत सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विष् की संशीध या तत्स्वत्रभी व्यक्तिमों पर भूष्या की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृथितक व्यक्तिस्त में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वव्हीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का वो उबस विभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुस्ची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट न० 16, टी०पी०एस० न० 5, ग्रोरीजनल प्लाट नं० 6ए, हनुमान रोड. विले पार्ले (पू), बम्बई 57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई- $2 \frac{1}{3} 7 \frac{1}{5} \frac{1}{3} 1891/85$ -86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-२ए, बस्वर्ड

तारीख : 13-11-1986

The second secon

VAN 814". ET 04. CE.

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2ए/ 37ईई/ 32725/ 85-86—-श्रत: मुझे, ए० वैद्य,

नामकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार ?69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.06.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 334 (पार्ट), विले पार्ले (पू), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 7-3-1986

क्ष्में पूर्वोक्त सम्<mark>यत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दश्यमान</mark> प्रतिफल के लि**ए अन्तरित की गईं. और** मुजे यह विश्वास

भरते का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी गाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्स क्यन में मृचिधा के लिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के किस्ह भारतीय अपन-कर अधिनियम, 1922 (1917 का 11) या उबा अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ल अपोक्रमध अस्तियों देखारा प्रकट नहां किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में हिक्का के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ष की उपधारा (॰)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स शिल्पी बिल्डर्स एण्ड डिवलपर्स । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स नंद कृपा बिल्डर्स । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं!

उक्क सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

अध्योकरण ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिंसका प्लाट नं० 334(पार्ट), 336 (पार्ट), फाइनल नं० 353, टी०पी०एस० नं० 5, विले पार्ले (पू), बम्बई 58 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि क० सं० ग्रर्ड-2v/37ईई/32725/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम[्] प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बर्ड

तारीख: 13-11-1986

NAME OF THE PARTY OF THE PARTY

आयकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजेन रेज-20, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2ए/ 37ईई/ 32517/ 85-86— श्रत: मुझे, ए० वैद्य,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्स्र 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मी०टी०एम० नं० 1316, विले पार्ले (पू), बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 6-3-1986

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एरें अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निखित उच्चेंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक हुए से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा फिया जाना आहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

मन अक, उक्त अधिनिधम की धारा 269-ग **के अनुकरण** मों, मौं, उक्त अधिनिधम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निटिसित व्यक्तियों, अथिता :-- (1) शांतीबाई बी० पत्रलकर और भन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मेससं विजय इन्टरप्राईसेज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच सं 45 दिन की जबिध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेजत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टोकरणः ----इसमें प्रमुखत शब्दों और पदौं का, जो उचन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चचा है।

अनुस्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सी०टी०एस० नं० 1316, ग्रोरीजीनल प्लाट एफ, प्लाट नं० 146, बिले पार्ले (पू), बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि के पर्ध-2ए, 37ईई/32517/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रें ज-2ए, बम्बई

तारीख: 13-11-1986

प्ररूप आइ². टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रें ज-2ए, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 नवम्बर, 1986

निदेश स० ग्रई-2ए| 37ईई| 31969| 85-86---- ग्रतः मुझे, ए० वैद्य,

अंगिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए/ 5, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एंड्रे इस्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचार से अधिक ही और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंड्रे अस्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिक्रम निम्मसिसित उद्योध्य से उन्त अन्तरण जिष्टित में बास्सिक रूप से किया निर्मा किता कर्षा करा से सास्तिक क्षा से क्षा में सास्तिक रूप से क्षा में नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

अत: इ.स., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औ, अं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अं अधीन, रिम्नोलिंगत -थिक्तयों, अर्थात् क्ष---5—366GI/86 (1) श्री गुरुनेपिसह नागपाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमाति कुसुम लता सुरेका ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अ।री करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखिक में किए जा तकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियमा, के सध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुभुची

जमीन का हिस्सा प्लाट नं० ए/ 5, माडल टाउन को०-श्राप० हाउसिंग सामाइटी, 1ली रोड, जे०वी०पी०डी० स्कीम, विले पार्ले (प), बम्बर्ड में स्थित है।

प्रमुसूची जैसा कि कि० सं० प्राई- $2 \frac{\pi}{3} = 3.1969 / 85-86$ ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2ए, **यम्ब**ई

तारीख: 13-11-1986

अक्रम अक्षा ही एन एम ------

सामकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) के अभीन सुवना

धारत सरकार

काबोलय , सहाचक जायकर बायक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेज-2ए, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 नवम्बर, 1986

निदेश सं० थर्छ-20/37ईई/31095/85-86— श्रत: मुझे, ए० वैद्य,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, किसका उचित आजार मृख्य 1,00,000 र- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 31ए; हिस्सा नं 2, कोंडीविटा विलेज, श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 31ए; हिस्सा नं 2, कोंडीविटा विलेज, श्रीरेरी, बस्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिन्यम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजिस्ट्री है । नार्गिख 1-3-1986 को पूर्वे के सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत के जिल्ला बात्रार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत के किए बन्तरित की गई है और मृभी यह विश्वास करने का जारण है कि स्थाप्वें किस सम्पत्ति का उचित बाबार मह्भ, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से एसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्सुश्चेप्रतिशत से अधिक है भीर अंतरक (बंतरकों) और जंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिपत्त निमालिखत उद्देश से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक निमालिखत उद्देश से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक कर में किश्वत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण धे हुई किसो कर की बाबत, उक्त बाधिनिक्स के क्षीन कर की के बन्तरक बी काथित में कभी वार्ल का का बान में मुविधा के लिए; बीर/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सर्विधा के लिए;

क्षः अब. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रीमति दनो कै० प्रानन्द ।

(ग्रन्तरक)

(2) काकड प्रोपर्टी डिवलोप स्।

(भ्रन्तिग्ती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के शिष कार्यवाहियां कारता हुं।

जुकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरील है 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की रामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी जनिंध ना में संगाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरी के पाम निक्षित में किए जा मकोंगे।

स्पक्षीकरण: — इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उपक् अभिनियस, के अध्याम 20-क में पिर्शाविष है, वही कर्य होया जे उस सध्याय में दिवा एया है:

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 31ए, एन०ए० 31बी, 32, 113, हिस्सा नं० 2, कोंडीबिटा विलेज, श्रंधेरी में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-2/37ईई/31095/85-86 और जो सक्षम प्राधितारी, बस्बई हारा दिनांक 1-3-1986 की रिजिस्टर्च किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रें ज-2ए, बस्बई

तारीखा : 13-11-1986

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.----

नामकर अभिनियमः 1961 (1961 को 43) की भाष 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अजन रंज-2ए, बम्बई

वम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2ए/37ईई/32333/85-86— ग्रत: मुझे, ए० वैद्य,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन रूजर प्राधिकारी को यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुठ से लिधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 76, मरोल विलेज, बम्बई में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर ित न करारतामा ग्रायकार ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के खेके ग्रिधीन धम्बई स्थि। सक्षम प्राधि हारी, के नार्यापय में रिस्ट्रिंह, तारीख 6-3-86

को पूर्वोक्स सम्परित क उपित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस क्रयमान प्रास्कल का अन्द्रह प्रोत्तगत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अत्रारती (अन्तरितयाँ) के डीच एस जंतरण के निए तय पाय भवा प्रारक्त, निम्निलिखित उद्दर्शय में उक्त बंतरण निस्ति में बान्तावन एम सं वांचरण मिस्ति में

- (क) अंतरण संधूष्टं किसी बाय की बाब्हा, उक्तः बांचीनवम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कप्री करन या उससे बच्चे में सुविधा के लिए; कर्रेंग
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों धनकर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या गया था किया जाना चाहिए था डिपाने में मुविधा के लिए,

कतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बनुसरण हं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की रूपधारा (1) के अधीरा, जिम्मिलिखित व्यवितयों, अधार अ- (1) श्री गुलाब मधासिह श्रडवानी।

(ग्रन्तरक)

(2) ब्लेज दूर्स एण्ड ट्रेवल्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(3) फीगमर्स इंजीनियर्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिक्ष कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जी बाक्षेय :--

- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवीध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमें पर स्थना की तामील से 30 दिन की अपि जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांच्या में में स्थान होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांच्या में में से एक एक द्यान द्यान
- (क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी र पास विकास में किए का बद्धे थे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **बो उक्त किंव** नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं। है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 76, हिस्सा नं० 5 (पार्ट) 6, (पार्ट), 7, (पार्ट), 14 (पार्ट), 22(पार्ट), सर्वे नं० 79, हिस्सा नं० 7 (पार्ट), 8 (पार्ट), विलेज, मरोल, ग्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क. सं० ग्रर्ड-2ए|37ईई|32333|85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए०वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राय्कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-2ए, बम्बई

तारीख: 13-11-1986

प्रक्य नाइं. टी. पन . एस . ------

सामकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यात्तव, सहायक नामका आवृत्ता (निर्देशक)

भ्रजीन रें ज-2ए, बस्बर्ड बस्बर्ड, दिनांक 13 नवस्बर 1986 निर्वेश सं० भ्राई-2ए/37ईई/32718/85-86-- श्रतः सुक्षे, ए०वैद्य,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस् इसमें इसमें इसमें पर्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० ७६ए, मरोल, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्णस्प से विणित है), श्रीर जियका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार पून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल, निम्निसिष्त उद्वेष्य से उन्तर ब्लाइन लिखित में बास्तिक के स्थ से कथित नहीं किया न्या है क्ष्ण

- (क) अन्तरण से हुइ किसी शाव की धावत, उक्त अपिनियम के नधीय कर दोने के सुन्तर्क को दानित्य में कवी करने का जब्द क्यूने में सुन्धि। के सिए; बांड/या
- (श) एंडी किसी नाम ना किसी धन ना कन्य नास्तियों को चिन्हों भारतीय साम-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या अक्त निधिनियम या सक्त विधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने अक्षेत्रनार्थ अन्तिरिधी इदारा प्रकट नहीं किना भवा था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा से विश्वी

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियाँ, गर्यात् :--- (1) श्रीमिति रुक्मनी एम० पंजाबी, जगदीश एम० पंजाबी, ग्रौर गीता श्रार० पंजाबी।

(भ्रन्तरक)

(2) असगार ए० मून ग्रीर सगीर ए० मून।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जमत सम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबरे 🏖

- (%) इस मन्त्रा के राज्यन में प्रकावन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बृचना की तामील से 30 दिन की अवदि, वो बी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इब स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पहले सिसित में किए वा सकोगे।

स्वब्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में विरश्नाचित हैं, बही अधे हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 66ए, मरोल इन्डस्ट्रिय्स इस्टेट, मरोल, बम्बई में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2ए|37ईई|32718|85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए०वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

तारीख: 13-11-1986

प्रकथ बाइं.टी.एन.एस. =======

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक अथकार वावृक्त (निरीक्तक)

ग्रर्जन रें ज-2ए

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2 $\frac{1}{2}$ $\frac{37}{6}$ ई $\frac{1460}{85-86}$ - श्रत: मक्के, ए० वैद्य,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 के। 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स कि। नियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के नधीन सक्तम प्रशिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 47, विलेज कोडी विट, अधेरी, वस्वर्ड में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-86

को पूर्धिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विदेशस करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित नाजार बूल्य, उनके उत्यमान प्रतिफल से एसे व्यवमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिपात से बाधिक है और जंतरक (बंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नितिकत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथित अहीं किया गया है :---

- (क) अंध्यन सं हुई किसी बाग की वावत , उक्क अधिशिशम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविभा भी सिए; आदि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन पर अन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्त: अब उक्त किंपिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध——

- (1) श्रीमित मुक्ताबन एच० वाघेला, श्रीमित रमाबेन, श्रार० राथोड श्रीर श्रीमित श्रंजूबेन एच० राथोड । (अन्तरक)
- (2) मे्सर्स मिस्त्री लालजी नर्सी डिवलपमेंट कारपोरेणन । (अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इव सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में तमान्त होती हो, से भीतर प्योक्त व्यक्तियों में वे विश्वी क्वित दुवाराः
- (व) हव क्षण से राज्यन में अध्याप की तारीब से 45 विश्व के डीवर क्या स्थापर क्यारित में हिसबप्ध हैंग्राही क्ष्म अधिक क्यारा वश्चीहरताकड़ी से राज विश्वित में किस या क्योंचे [8]

रक्किकरणः--दसमें प्रयुक्त ककों ज़ीर क्यों का, सी उक्क वीधिनवस के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, रेड़ी अर्थ होंगा वो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 47 हिस्सा नं० 2 सी०टी० एस० नं० 502, विलेज कोंडी विटा, श्रंधेरी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर मंरु श्रई-2ए/ 37ईई/ 31460/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्र्जन रेंज-2ए, बम्बई

तारीख : 13-11-1986

प्रकथ बाइं. टी. एन. एस. -----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्र (1) के मधीन स्थाना

मारत सरकार

नाम/सयः, महायक आयकर बाबुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-2ए, बस्बर्ट

बम्बई, दिनांक 13 नथम्बर 1986 निर्देश सं. प्राई-2ए/ 37ईई/ 32739/ 85-86— प्रतः मुझे, ए० वैद्य,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उटर कीर्यानवर्ग बहुत नया हैं), की धारा 269-स के अधीन रूपाय क्षीयकार्ग द्वार का कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अस्ति बाजार मूस्य 1,00.000/- रहा से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं एम० नं 148, मरोल संघेरी, (पू), बम्बई में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध प्रन्मूची में और पूर्ण रूप मे विणित), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त मम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रितिफल के लिए अंगरित की गई ही और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माम की बाधि , उमेर मधिनियम की अधीन कर योग का मन्तरक के शियल्य में कमी करने या उससे धणते में भृषिधा के निष्: और (द)
- (थ) एसी किथी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों करें, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खे प्रयोजनार्थ अस्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए चा, खिनाने में कृषिना के सिए;

कतः भव, उक्त विधिनियमं की भाष 269-ग के वन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अधीत्:—— (1) स्टेनीस्लीस जे० केडो, ऐलोसीस बी० केडो और गाँड फे. एच० केडो।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री श्रन्ताफ ग्रब्दूल लतीफ फर्नीचरवाला । (ग्रन्तरिनी)
- (4) सीबील केंडो श्रीर नोरीन केंडो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह स्थना आरी करके पृश्वसः सम्पन्ति क अर्थन के लिए कार्यनाहिया सक करना हां।

उबत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वा का तार्धित में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाए;
- (च) इस ुनन के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख म 45 दिन के भीतर अवश स्थावर सम्पत्ति में हिनवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दी और पर्वो का, जो उपर अधिनियम, के अध्याय 2) के में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो इंड अध्याय में दिया गता है।

अनुसुधी

जमीन का हिस्सा जिसका एस० नं० 148, एच० नं० 8, मरोल, ग्रंधेरी (पू), बम्बई भें स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-2ए/37ईई/32739/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बर्ड

तारीख: 13-11-1986

प्रथम अभि . दरी . युन . युस . --------

थराकर जीवितियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन मुखना

(1) शी माइकल डिमिल्बा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स मोनार्क बिल्डर्म।

(भ्रन्तरिती)

कारत संद्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2ए, बम्धर्ड

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेण सं० श्रर्ड-2ए/ 37ईई/ 32610/ 85-86—-श्रत: मुझे, ए० वैद्य,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संब्सीब्टीब्एसब्तंब 492, है तथा जो श्रंधेरी (प्)बम्बई में स्थित है (श्रांग इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्णच्य में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 7-3-1986

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप निवास सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख्य प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्देश से उसत बन्तरण लिखित में स्तिक रूप से किया नहीं फिका गया है —

- (क) जन्तरण सं हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अभिनियंत्र, के अधीन कर दोने औं अस्तरक के दायित्थ में कमी करने था उससे वचने में सुविधा के सिए; जौर/का
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिपी ब्वारा एक ट नहीं किया क्या था का किया जाता पाहिए बा, जिया में स्थिता के लिया

की शह सूचना कारी करके पूर्वोक्त प्रस्पत्ति के वर्षन के विष्

उक्स सपित के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बासमें —

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की प्रविध या तत्स्वकाणी व्यक्तियाँ पर सूचना की पामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस क्षान के राज्य में श्वाधन की वाड़ीय से 45 किन में श्रीवर क्षाय स्थाप सम्पत्ति में हितवपुथ क्षिति ज्ञास क्षाया व्याहस्ताकड़ी में शस ज़िवत में किए जा स्वीचे !)

स्पथ्धीकरण: ---इसमें अयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त जिन्नियम, को बभ्याम 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, को सस अभ्यास में दिवा प्रसाह ।

अमृस्यो

जमीन का हिस्सा जिसका मी०टी०एस० नं० 492, 492/1 से 492/5, ग्रंधेरी (प्), बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2ए/ 37ईई/ 32610/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आपुन्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बर्ड

तारीखा : 13-11-1986

मो हर:

अतः अबः, उक्तः अधिनियमः की धारा 269-गं के अन्सरण में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखितः व्यक्तियों, अथित्:— प्रच्या बाद्धाः, टी एन. एस - - -

सायकर अधिनियम : 1961 (1961 **का 43) की** धारा 269 प (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक लायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2ए बम्बई

सम्बर्ष्ट, दिनांक 13 नवम्बर 1986 निदेश सं० ग्रर्ड-2ए/37ईई/32186/85-86---ग्रत: मुझे, ए० वैद्य,

शायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवस इसमें इसके प्रश्नोत 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो. भी धारा १६9-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ... कारण है कि स्थानर सम्मानि, जिनका उन्ति अकार मृत्य १,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिनकी मं० प्लाट नं० 3, एक 11 प्रीर, 12 सी०ई० पी० जेड एम० ब्राई० डी० सी० मरोल, बम्बई में स्थित में है (ब्रीर इमसे उपाबद्ध ब्रनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रोर जिनका करारनामा ब्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है तारीख 6-3-1986

क्षेत्र प्रशंधत्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसं स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पामा गया प्रतिफल, निम्निनित उद्वेष्य से उसके बन्तरण निश्चित में बास्तिविक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत,, उक्त सींधनियम को अर्थान कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा से लिए; बॉर/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए:

भातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं रक्त अधिनियम को धारा 269-य की उपधारा (1) के अर्थः निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) फ्रिस्टलाईन एक्सपोर्टम प्रा० ति० ।

(ग्रन्तरक)

(2) जेमिनी अरुणन प्रा० लि०।

(भ्रन्तिरती)

(3) श्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारो करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाष्ट्रिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारास स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धे व्यक्तियां पर मूचना की नामील में 30 दिन की अविध, जा भी। सर्विध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण ----ध्यमा प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ हुनेगा जो उस अध्याय में विका मका हों॥

अनुसूची

प्लाट नं० 3, एफ 11 और 12 मी०ई०पी०जेड एम० आफि डी०मी०, मरोल, बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि० सं०् श्रई-2ए/ 37ईई/ 32186/ 85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० वैद्य सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्तद (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

नारीख: 13-11-1986

मोहर*1* :

प्रारूप आई.टी.एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जन्नजीन रेंज-2ए, बम्बई

बन्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निर्वेश सं० ग्रई-2/37 ई ${8/32657/85-86}$ श्रत : मुझे, ए० बैध,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 50/7, 50/9, अंधेरी (पू), बम्बई में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 7-3-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रशिक्तः के निए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके स्वयमान प्रतिकास से, एते स्वयमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है जोड़ अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्षण, किस्विविद्य उद्देश्य से उच्च बन्दरण सिच्चित् में कास्त-विक रूप से कृषित नहीं किया थवा है 8—

- (क) बन्तप्रथ से हुई किसी भाग की बावस्, उक्त श्रीधनियम् के भूधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; श्रीहृ/सा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन का अपन आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कत का अक्त अभिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—6—366 GI/86

(1) श्री चार्लस ए०गोनसाल्वीम श्रौर श्रन्य। (ग्रन्तरक)

(2) श्री मायकल डीसील्वा।

(भ्रन्तरिती)

(3) मोनार्क बिल्डर्स । (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

त वस सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मी कोडी भी भाक्षेप ह-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 रिष्ण की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध्य तो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी की पाध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदां का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं 50/7, 50/9, सी० टी० सब नं 492, 4921 में 492/5, क्रिंडीविटा विलेज श्रधेरी (पू), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुस्ची जैसाकी क० सं० ग्रई $-2\pi/37$ ईई/32657/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० **वैद्य** ्सक्षम प्राधिकारी सहायभ श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2ए; बम्बई

विनांक 13~11−1986 मोहर

प्रकम बाइंट हो । पुन्न पुरं । वनवरत्रवरत्रवर

जायकार विभिनियम,, 1961 (1961 मा 43) की भारा 269-ए (1) के स्पीत स्पना

प्राप्टन ब्रह्माड

कार्याधव, सहायक नायकर नायुक्त (ट्रिनरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986 निदेश सं० भई-2ए/37ईई/32206/85-86---भ्रतः मुझे, ए० बैद्य,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें मक्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है^{*}ी, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

नहीं किया गया है 🦫 —

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 22, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है) भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 6-3-1986 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के धरयमान निए नन्तिरत की गर्इंडी विष्वास मुक्ते यह करने कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यनान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है वर्षेर वंतरक (बंतरकॉ) और वंतरिती (बंतरितियॉ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

- (क) मन्तरम संहुदं कियों बाव की वाबत, उक्त वाधिरियम के बचीन कर दोने के अंतरका के बारित्व में कामी करने या उससे बखने में भविका के निए: बरि/या
- (च) देवी किन्दी बाव वा किसी पन या बच्च वास्त्रिक्ता का, विल्हें भारतीय मावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) और प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भागा किया जाना चाहिए था, खिलाने में हुविका वे सिरः

- (1) श्री शबाली इज्राहीमभाई श्रौर श्रन्य। (भ्रन्तरक)
- (2) मेहमूद हबीब चनास्रा।

(ग्रन्तरिती)

(3) भाष्टोती

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

वस्त बन्मतित् में सर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी नार्क्षण १०००

- (क) इस स्थान के रावपूत्र में प्रकाशन की तारीय के 4.5 दिल की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ब्रुचना की तामीस से 30 दिन की ब्रुचि, व्ये और ब्ब्रीय बाद में समाप्त होती हो, के नीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ब्रूचना के एचएन में प्रकासन की तारीय से 45 विन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़न किसी जन्म व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पाद जिल्लित में किए का सकेंगे।

इनका}करण:---इसमें प्रयुक्त क्षमाँ शौरु नकों का, यो **उनक** व्यथिनियम, के अभ्याम 20-क में प्रीरशायित गया है ।

धनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 22, प्लाट नं० 1, एस० वी2 रोड ग्रंधेरी (प), बम्बाई में स्थित है। भ्रनुसूची जैसाकी क० सं० भ्रई-2ए/37ईई/32206/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० बैद्य सक्षम प्राधिकारी सहयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2ए, बम्बई

अतः जवः. उक्त अधिनियम की धारा 269-व को, अनसरण ब्री, अ^प, डक्स जिभिनियम की भारा 269-म क**ी** उपधारा (1) वे अभीत, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् 🚛

दिनांक। 13-11-1986

ए० वैद्य,

यक्य वार्षः दी . पूर्वः प्रवासन्य वार्यः

भावकर मृथिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

STATE STATE

कार्यासय सहायक बावकर वायुक्त (निर्दाक्त)

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986 निदेश सं॰ श्रई-2ए/37ईई/32650/85-86—श्रतः मुझे,

बायकर विभिन्नित्त, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसके इसके प्रचात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार ब्रूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैट सं० ।।।, जस्मीन श्रपार्टमेंट, श्रंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-3-1986,

को पूर्वित्त सम्मिरित के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यवसान मित्राल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यवसान प्रतिकत से, एंडे व्यवसान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्निशित उन्हों किया बना है है—

- (क) अन्तरम् वं हुदं भिन्नी नाम् क्री वायतः, क्यत् विभिन्नम् सं अभीय कर दोने से सन्तरक सं शामित्य में क्सी करूने वा उत्तरे ने मंत्रीम्या से जिन्। भीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य जास्तिकों की, विन्हें भारतीय जाय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत जीभनियम, वा वक्कर ल्रंभीन्वम, 1957 (1957 कर 27) के प्रयोजनार्थ क्लारिती ब्रुवारा प्रकट नहीं किया जाना चा वा किया जाना चाहिए चा, क्रियामे के ब्रुविका के दिवसा कर दिवसा के दिवसा के दिवसा के दिवसा के दिवसा कर दिवसा के दिवसा के दिवसा कर दिवस कर दिव

वतः वन, उक्त विधिनियम, की भारा 269-न वी वन्यसम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधार (1) के बचीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री महेश कांतीलाल झवेरी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दयाराम दींगोमल वासवानी

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना बारों करके पूर्वोक्त कम्पत्ति । वै वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उन्द कुम्पृतिह के वर्षन् से कम्बन्द में कोई थी नासंप ड़--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए वा सर्वें ने।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं ा।।, जो ग्यारहवाँ मंजिल, जस्मीन श्रपार्टमेंट, 31 एस० वी० रोड, श्रंधेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संश्र श्रई-2ए/37ईईि 32650/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 ए, बम्बई

दिनांक : 13-11-1986

व्यक्त का<u>र्या, हो, एक, एक, उत्तरा</u>नकारण वावकर वीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के वधीन क्**य**मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2ए/37ईई/32832/85-86-अत: मुझे, ए० बैद्य,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित याचार मृस्य रह. 1,00,000/- से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० फ्लैट सं० टी०-1-103/104, संजीव टावर वर्सीवा बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-3-1986

को प्रविक्त सम्मिश के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान हितफल को निए अन्तरित की गई है और गुफे यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्योंकत सम्मिश का उचित बाजार मृत्य वसके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल के पंक्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तों) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वरिय से उधत अन्तरिण निवित् में बास्तिक क्य के अधित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया वाला वाहिए था, कियान में वृद्धिया के निवः;

मृश्र मेन, क्यन मांधियान की पारा 269-न की मगुहरूक हैं। मैं अपने विधित्यम की धारा 269-व की उपभाग्न (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) संजीव बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(श्रन्तरक)

(2) ग्रलोक कन्स्ट्रक्शन को० प्राइवेट लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को वह बुचवा जारी करके पूर्वोक्त कम्पृतित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां बुक्करता हूं। उक्त सम्पत्ति के वर्षन क्षेत्र संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना कें प्राचयन में प्रकाशन की तारीय वें
 45 विन की व्यविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भैं।
 व्यविध नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रायः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी कच्य स्थावत स्वाय अभोहस्ताकारी के पान सिक्षित में किए या सकेंगे।

स्वच्छीकरण :- - इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, को उक्त जिथिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ श्रेमा, यो उस मध्याय में दिया क्या हैं।

जनसूची

"फ्लैंट सं० टी $-\circ-103/104$, जो संजीव टावर नं० 1, बेहराम बाग, सी० टी० एस० सं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा, विलेज, वसोवा, बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-2ए/37ईई/32832/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैंब सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

दिनांक : 13-11-1986

प्ररूप आइ⁵. टी. एन. एस.-----

बायकार लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई- $2 \frac{1}{2} \sqrt{37-5} = 32756 / 85-86--श्रतः मुक्षे, ए० बैद्य,$

बायकर शीवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व में अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास कारने का करण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग नं० 31, स्वतन्त्र सैनिक नगर, ग्रंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रंधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनाक 7-3-1986, व व्यॉक्त संम्पत्ति के उचित्त बाजार मुख्य ए कर के स्थममान रितफल के सिष्ट अन्तरित की गई है और यह विषयास करने का कारण है कि यथावृचेंकर सम्पत्ति का उपित्त बाजार करने का कारण है कि यथावृचेंकर सम्पत्ति का उपित्त बाजार करने का कारण है कि यथावृचेंकर सम्पत्ति का उपित्त बाजार करने का कारण है की एसं अन्तर्क (जंतरका) बार वंचित्ती (खन्तरित्ता) के बीच एसं अन्तर्क के लिए स्थ वामा वया अविकास , विक्वित के अधिक नहीं किया क्या है कि

- (का) मन्ताल्य से हुन्द जिल्ली बाय की बायस ख्यान विधन जिल्ला की कथीय कर दोने के अन्तरक के सामित्य में सभी कल्ले वा स्तर्भ अभने में सुविधा की लिए; बीप/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया थाना चाहिए था, छियाने में स्विका के खिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिएं अधीन

- (1) मेसर्स ह्वी० बी० पटेल एण्ड को० (धन्तरक)
- (2) मेसर्स एस० बी० श्रजमेरा एण्ड को० (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिती
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में
 सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करको पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अध्यक्षिप्रसं अध्यक्ष हुई।

उसत सम्पत्ति के कर्णन के सम्भन्ध में कोई श्री कार्याय :---

- (क) इस स्थान के राज्यत में त्रकासन की बादीय से 45 दिन की अवधि ना उत्संबंधी आदिसनों पर स्चान की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ना में समान्त होती हो, के नीतर पूर्वे निक त्रविक व्यक्तियों में ले जिस ना स्वीक्त व्यक्तियों में ले जिस ना स्वीक्त व्यक्ति व्यक्तियों में ले जिस ना स्वीक्त व्यक्ति व्यक्तियों में ले जिस नी स्वीक्त व्यक्तियां हों ले
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित में द्वित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए या सकति।

स्वच्यास्यः---इसमें त्रयुक्त सन्धां और पर्यों का, को सन्ध अधिनियम, को अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वहीं जर्म होन्द्र, को सस मध्याय में विवा क्या है।

मन्सूची

"बिन्डिंग नं० 31, जो स्वतन्त्र सैनिक नगर को० भ्राप० हार्जीसग सोमायटी लिमिटेड, श्रांबोली, श्रंधेरी (प), बस्बई— 400058 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रर्द $-2\pi/37$ ईई/32756/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ज किया गया है।

ए० **बैद्य** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2ए, **बम्ब**र्स

दिनांक: 13-11-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परणात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० टी-1-101/102, संजीव टावर, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है, श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बंबई में रिजस्ट्री ह तारीख 7-3-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के आधि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, सिम्नलिखित उत्वेष्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

बर्ता यव उक्त नीमनियम की भारा 269-म ही ज्युबर्डण श्रो, ग्री, उक्त नीभीनयभ की भारा 269-म की उपभाग (1) के नभीन, निस्तिवित व्यक्तियों, नर्मात ६--- 🗥 1) संजीव बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्सरक)

(2) म्रलोक कन्स्ट्रवशन को० प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त आधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया है।

अनुसूची

''फ्लैंट नं० टी 1/101/102, जो संजीव टावर नं० 1, बेहराम बाग, सी० टी० एस० सं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विक्षेज, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-2ए/37ईई/32831/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० **बैद्य** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) **श्र**र्जन रेंज-2ए, बम्ब**६**

दिनांक: 13-11-1986

मोहर 🖫

प्रकृप आई.टी.एम.एस. ------मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन मृजना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/32830/85-86--- प्रतः मुझे, ए० बैद्य,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1.00,000/-छ. से बिधक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० टी-3-43/44, संजीव टावर, वर्सोवा, श्रंधेरी, वम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-3-1986,

को प्योंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ जिसीं जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के निय; बार्/वा
- (श) एसी फिसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों करे, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा औ सिए:

बतः बन, उक्त विधितियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त विधितियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के बभीन, निम्मतिवित व्यक्तियों, वर्षांत **** (1) संजीव बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) भ्रालोक कन्स्ट्रवशन को० प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संस्थित के अर्थन के किए कार्यवाहियों करता हुं:

उक्त संपत्ति के मर्थन के संबंध में कोई भी बाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिथ, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्यब्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों बीर पर्वों का, को कक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

नगुज्

"फ्लैंट सं० टी-3-43/44, जो संजीव टावर नं० 1, बेहराम बाग, सी० टू० एस० नं० 41 (पार्ट), ध्रोशिवरा विलेज, वर्सोवा, बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/377ईई/32830/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० बैद्य

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई**

दिनांक: 13-11-1986 .

भतः मुझे, ए० वैद्य,

ोक्ष्य नार्षं . १५ . एम . एस

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीत स्थाना

बाइट सङ्ख्या

भागितय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2ए बम्बई
बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर, 1986
निरोग सं० श्रई-2ए/37ईई/32198/85:86—

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्लं इत्तमें इसके परवात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-व के नभीन सक्तम प्राधिकारी को वह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित् बाकार मृत्य 1,00,000 रा. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं मर्वे नं 22, विलेज, बांदीवली, जोगेण्वरी बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रि.स्ट्रों हैं की धारा 269 कख के श्रधीन, 9 तारीख 6-3-1986 को पूर्वीक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इरने का कारण है कि यथाप्योंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास इरने का कारण है कि यथाप्योंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एमें क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नुविचित बहुवरेंग से बन्त बंदरण कि चित में बास्तविक क्ष्य की विश्व की कि चित की कि चित्र की चित्र की

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावत, उसत विभिन्न के ज्यौत कर दोने के बन्दरक अं दावित्व में कमी करने वा उत्तसे वसने में सुविधा के जिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियंम, 1922 (1922 का 11) दें उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिया के सिद्धा

ब्तः अव, उक्त वीधिषयम की धारा 269-ग के जनुस्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ≈ अधीय: निम्निक्षित व्यक्तियों, अधीद :-- (1) श्रीनूर अमहद यसीन।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स पूजा कन्स्ट्रक्शन।

(ग्रन्तरिती)

(3) भाडोत्री।

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका एस० नं० 22, हिस्सा नं० 3, फलनी नं० 4, विलेज बांदीवली, जोगेश्यरी, बम्बई में स्थित

श्रनुसूची जैसा कि क्र० मं० श्रई-2ए-37ईई/23198/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए. बैद्य सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2 ए, बम्बई

दिनांक : 13-11-1986

नोहर:

प्रक्ष बाई. टी. एन. एसं. -----

नायकर निधित्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289 च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विमांक 30 भक्तूबर 1986

निवेश सं० त्रई-1/37-ईई/7237/85-86-अतः मुझे, तिसार अहमद,

श्रककार जीविनक्स, 1961 (1961 का 43) (विचे इत्तर्भे इसके नववात् 'त्रकड अधिनिक्च' कहा प्रया हीं), की पारा 269-स के सभीन स्थाप प्रतिकारी को, वह विस्ताद करने का कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति सिम्डका विचत वासार मृज्य 1,00,000/- रा. से सिमक ही

भौर जिसकी सं प्रलैट सं 11, जो, सी ग्लाइम्प्स, 69, पी के भने मार्ग, वरली, बम्बई—18 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूत्री में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा भायकर भिवित्यम, 1961 की धारा 269 कुख के भिवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 17—3—1986,

की पूर्णेयन कमारित में उपित गायार मृत्य से कम में करनाय इतिकास के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुझे वह विस्तास करने का कारण ही कि वधानुनीयत संपरित का उपित वासार अला, उसके वस्त्रमाण प्रतिकास से, दोने वस्त्रमाद प्रतिकास का उन्तर प्रतिकास से अभिक ही बीर जन्मक (अन्तरका) जीर कन्तरिती (जन्तरितियों) के बीम दोने जन्मरण के विस् तम गाया नवा प्रतिकास निम्मितिया उप्तिका से वस्त कन्तरण जिल्लित के जन्तरिक कम से कमित महीं किया गया है ८——

- (क) बन्दरंग वे हुई किसी बाद की बादत उक्त बांध-विदय की बचीन कह दोने की बन्दुटक में दादिस्त के कमी करने वा उत्तर्थ विदयं में कृतिभा के बिए; बीए/वा
- (क) एंडी कियी बाब वा किसी धन या अन्य आसितवों की, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या धन-कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजनरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वे किए;

जतः जव, उक्त विभिन्नम की भारा 269-व क जनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभास (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 1—366 GI/86 (1) श्री अतुल श्ररुण कमलंकर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भावना महेन्द्र दोणी श्रीर श्री योगेश वसंतराय दोणी ।

(अन्सरिसी)

(3) ग्रन्सरको । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

नी वह सूत्रका चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त बल्याति के नर्पन के सरहरूथ में कोई भी नाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक ते 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचवा ने राजपण में प्रकाशन की हाउटेक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में द्वित-क्यूच किसी कृत्य व्यक्ति दुनारा क्रेशेहस्टाशास्त्री के पास विद्याल में किए का सक्तेने।

स्थानिकरणः - इंतर्गे प्रयुक्त कर्ला बीर गरी कात आहे हुन्छ विविद्यम्, के अध्याय 20-क में परिकादिक ही, यही अधी होगा और उन्न अध्याम में दिका गया है।

धनुसूची

पर्लैट नं 11, जो, सी ग्लाइम्प्स, 69, पी० के० म्राप्ते मार्ग, वरली, बम्बई-18 में स्थित है ।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/10255/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजि–1, बम्बई

दिनांक : 30-10-1986

प्ररूप आहूर दी. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ब्रेगीन सूत्रका

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 40 अस्तूबर 1986

निवेश सं॰ श्रई-1/37-ईई/8071/85-86--- झतः मुक्षे; निसार शहमव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 3-ए, जो, तीसरो मंजिल, सुधाकर, इमारत, 26, नारायण वाभोलकर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 किया के सधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 17-3-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल को लिए अन्तिरत की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एसे उध्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से अधिक है जौर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) वे बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलीबर उद्वरिय से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिबक रूप से कांभित वहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय क'। बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बस्य बास्सिकों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ं अतः अतं, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-गं के उनुसरणं जै, मी, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) को अधीन, निम्निखिलित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सत्यनारायण ग्रग्रवाल ग्रौर श्री शामसुन्दर ग्रग्रवाल । (श्रन्तरक)
- (2) श्री गीतम चन्द धनराज श्री महावीरचन्द धनराज ग्रीर श्री यू० धनराज । (भ्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरकों । (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रन्तरितियों । (बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबंद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिथ या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सुभना की तामील से 30 दिन की अविथ, जो भी अविश्व को बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाप्रेग जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अन्सूची

ब्लाक नं० 3-ए, जो, तीसरी मंजिल, सुधाकर इमारत, 26, नारायण वाभोलकर रोड, बम्बई-6 में स्थित है । अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/10256/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) हैं श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 30-10-1986

प्रकल माह्नेत्र की ... एक एक एक व्यक्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकार बायुक्त (निरीक्षण)

· ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अन्तूबर 1986

निवेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8238/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भार 269-व के वधीन सक्त प्राधिकारी को, यह विषया करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ग्रीर जिसकी सं० पलैट सं० 404, जी, 4थी मंजिल, सुख्रसागर, ह्युजेस रोड, बम्बई-7 में स्थित है (भ्रीर इससे उपावड प्रमुस्ची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 196! की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 18-3-1986,

की प्रवास्त संपत्ति के उचित बाबार भृत्य से कम के व्यवनाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्थ्व उसके द्रश्यमान शिक्क से, एस द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरिसिया) के बीच एस बन्तरण के सिए अब पाया गया प्रतिफल, निम्निसिया उद्देश्य से उच्च स्थाप्य विविक्त में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया प्रया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की पायतः, उक्त अधिनियमः के अधीन कर देने के अन्तरक के द्यापित्व में कमी करने या उससे स्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इंती किसी बाध या किसी अन या अस्य आरिस्त्या करो, जिस्तू भारतीय जाय जर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरितं इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था स्थिपने में स्विधा से लिए:

वश्वः वश्वः, अवतं व्यथितियमं की भारा 269-म श्रं अनुभरण वी, पी, उत्ततं व्यथितियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः, निस्तिविक्तं व्यक्तिकों वर्षात् ए— (1) इंग० पी० ई० विलिमोरीया

(अन्तरक)

- (2) डा॰ (कुमारी) रोहिनी वि॰ चोगुले । (अन्तरिती)
- (3) म्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह स्वना भारी करके प्यान्त इंपरितः के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त बम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राज्याज में प्रकाशन की तारीज हैं
 4.5 दिन की जबभि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियां पृष्ठ
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किन्दी स्थाबत दवारा.
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य ध्यक्ति. इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किसू जो सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थी उस ध्यास में दिसा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 404, जो 4थी मंजिल, सुख सागर ह्यूजे रोड, बम्बई-7 में स्थित हैं ।

श्रन्स्ची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37—हेई/10257/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दितांक 18→3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **महमद** सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-1, **बम्बई**

ं विमृत्ति : 30–10–1986

THE REAL PROPERTY.

भावकर विधानिकात 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के विधीन क्षमा

TITE STATE

कार्यात्रक, सहामक बायकर कार्यक (टैनरीकन)

भर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 प्रक्षुबर 1986

निवेश सं० ग्रई-1/37-ईई/8283/845-86---- ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर बंदिशीनवंत्र, 1961 (1961 का 43) हिंगते द्वानी द्वानी द्वानी प्रवाद परवाद 'उन्दा निश्चित्रम' कहा गया हैं), की भारा 269-या के अधीन संसम्प्र प्राधिकारी को यह विद्याद करने का कार्य हैं कि स्थावर कम्मित, विद्यका उपित बाजार मुख्य 1,00:000/- रा. से अधिक है

भौर जिंसकी सं० पलैट सं० 112-बी, जो, हिरा पन्ना इमारत, भुलाभाई देसाई रोड श्रौर ताडदेव रोड, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-3-1986,

की पृत्रित तस्पत्ति के स्थित बाबार मृत्य से कम के स्थान मिर्तिकल के लिए अस्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तस्पत्ति का उचित बाबार भून्य, उसके स्थामान प्रतिकल से, एसे स्थामान प्रतिकल कर पन्नइ प्रतिकत से विश्व है जीर जंतरक (बंदरकों) जीर बंदरिती (जंतरिदियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिकल, निम्नलिखित उत्वेदस से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किंसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियन की जमीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा की कुर्तेषु; कींड/का
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों की विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उस्ते अधिनियम, या धने- कर जीविनवम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जंतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क्रें जबुतरेण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री रश्मीकांत पोपटलाल ग्रमीन । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पंकज कनकमंत्र विया ग्रौर श्रीमती शोभा पंकज विया । (ग्रम्तरिती)

को यह सूभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के द्रायमण को प्रकारन की तारीय वें
 45 दिन की अवींथ या तत्त्रस्वन्थी स्पन्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवींथ जो भी
 वेविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेंकित
 स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति ब्वारा;
- (क) इस सुचना को राजपण में जकाशन की तारीक है 45 विज् को भीतर उनत स्थानर सम्परित में हिसकेट्ट कियी बन्य व्यक्तित हवारा सभोहस्ताक्षरी के वास विक्रित में किए या वर्जों ने ।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना को उठ स्थाय में दिवा वर्षा ही।

बनुसुबी

फ्लैंट नं 112-बी, जो, हिा-पन्ना इमारत, भूलाभाई देसाई रोड, और ताडदेव रोड, बम्बई में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-1/37-ईई/10258/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमक सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक : 30-10-1986

प्रकृष बाह् ती.स्म.स्य : प्रकृष्ट

मानकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सुमना

नारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-1, बम्बर्ह

बम्बई, दिनांक:- 30 अक्टूबर 1986

निर्देश सं० म्राई-1/37ईई/7237/85-86-

ग्रतः मुझे निसार ग्रहमद,

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसक प्रमात जन्त अभिनयम कहा गण है), को धारा 269-स के अभीन संक्रम प्राधिकारी की यहिष्यास करने का का कारण है कि यथापूर्वीक्त संस्परित का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अभिके हैं

ग्रौर जिसकी सं० फलैट नं० 65, जो छठी मंजिल, ऋग्वेद को० ग्रापं० हाउसिंग सोसायटी, 344, वीर सावरंकर मार्ग दादर, बेंस्वई—28 में स्थित हैं (ग्रौर इसे, उपाबद्ध भनुंसूची में पूर्ण रूप वंणित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, खं, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986.

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूसय से कम के उपयोग शीतफास के सिए जन्मद्वित की गृह है और मुखे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपरित का उचित बाबार बुक्ब, उसके क्यमान प्रतिफास से एसे क्यमान प्रतिफाश का नन्दर प्रतिकात से विभिक्त है और अंतरक (अंतरकाँ) बीर बंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे कचने में सुविधा ■ किस; चरैर/या
- (ण) प्रेची कियो जान वा विजी पर वा सम्य वास्तियों की, विष्युं परितीय वाक्यर परिविध्यक्त, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या पन्-कर व्यक्तिप्रक, 1957 (1957 का 27) के प्रचोचनार्थ मन्त्रीरिती हुनारा प्रकट नहीं विजा बना भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. अन्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्नतिश्वित स्पक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती रजनीर्गधा राजेन्द्र गांधी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संतोष रामाराव करम्बेलकर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोच्छ संपत्ति के वर्षत के निष् कार्यवाष्ट्रियां करता हो।

इक्त सन्पत्ति के वर्णन के सन्वत्थ में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस न्यान के रायपन में प्रकारन की दारीय वं 45 विन की व्यविध का सरकानन्त्री क्वीच्यकों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधिः, जो भी अवधिः बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यविक्तयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकींगी

स्थायप्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शम्यों और पर्यों का, भी उक्त नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस मध्याय में विया गया है।

प्रनुस् धी

फलैट नं० 65, जो 6ठीं मंत्रिल, ऋग्वेद को-भाप० हाउसिंग सीसायटी, 344, वीर सावरकर मार्ग, दादर, सम्बर्ध-28 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा की कम सं० प्रई-1/37-ईई/10254/85+86 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 की रिजस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रैंज-1, बस्बई

विनाक: 30-10-1986

मोक्षर:

प्ररूप आइ. ती. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 27 अक्तूबर 1986

निर्देश सं॰ भई-1/37ईई/10954/85-86 भतः मुझे निसार श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फलैंट नं० 57, पांचवीं मंजिल, स्पेन्ट को-श्राप० हार्जीसम सोसायटी, बी० जी० खेर मार्ग (बिब्ज रोड), बम्बई-6 में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीवित्यम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रीवा बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज स्ट्र है तारीख 3-3-1986

को प्वेक्सि सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकाल के लिए बंतरित की गई है जार मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि वथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसमें दृश्यमान प्रतिकाल को पन्तृह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्ता) के बीच एसे अन्तरक के बिए तय पाया स्था शित्मा , निम्माखिक उद्देश्यों से उच्च जन्तरम लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त गीपनिष्य वी गपीन कर दोने के अन्तरक के क्रियाय में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ण) एंसी किसी आय था किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन, कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के विद्यः

अतः जन्, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गेंं, उन्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अधीन, मिस्निसितित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) इण्डस्ट्रटीण झाफ दी पारसी पंचायत फंड्स एण्ड प्रापर्टीण।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० फिरोज एफ सोनावाला, श्री डा० एफ० सोनावाला, श्री एफ०पी० सोनावाला, श्रीर डा० एफ० पी० सोनावाला।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचन संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी वाश्रोप :---

- (6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सध्यस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

• पद्मीकरण .— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह¹।

मन्स्ची

फलैट नं० 57, जो पांचवीं मंजिल, स्पेन्टा को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, बी० जी० खेर मार्ग (गिक्ज रोड), बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क्रम सं० श्रई-1/37—ईई/10157/85—86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनाक: 27-10-1986

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संरकार

ार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 श्रश्तुवर 1986

निर्वेश सं० ग्रर्ड-1/37ईई/10581/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है विस्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।
ग्रौर जिसकी सं० फलैंट नं० 19, जो तीसरी मंजिल, न्यू
को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, चौपाटी बस स्टैन्ड,
बम्बई-4, में स्थित हैं (ग्रौर इस उपाबद्धत श्रनुसूची में
ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा भायकर
प्रिधि नियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्राधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 3-3-1986

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरश मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री चंदू लाल एच० पटेल।

(भ्रम्तरक)

(2) श्री रमेण चंद्र एम० झवेरी ग्रौर श्रीमती राजूल ग्रार० झवेरी।

(श्रन्तरिती),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में गक्षा परिभा-है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्स्यी

फ़लैंट नं 19, जो न्यू श्री मिकेतन को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी तीसरी मंजिल, चौपाटी बस स्टैन्ड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि सं धर्म-1/37--ईई/10179/85--86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी ,बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टाई किया गया है।

निसार **ग्रहमय** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (नि**र्दाक्षण**) श्रर्जन रेंज~1, बस्बई

दिनांक : 30-10-1986

प्रकृप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्याक्य, तहायक जायकर शायुक्त (निरीक्षण) । श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बर्ष, दिनाँक 30 सितम्बर, 1986 निर्देश सं० ग्रई--1/37ईई/10586/85-86---यतः मुझे, निसार ग्रहमदः,

भौर जिसकी सं० फलैट नं० 24, जो ध्रान्मद दर्शन को-धाप हहाउसिंग सोसायदी लि०, 13, डा० गोपालराव देशमुख मार्ग, बम्बई-26 में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप विजत है),धौर जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ध्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वेक्ति सम्मत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के बर्वभात श्रीतफन के मिए अस्तिरित की गई है बौर मुक्ते यह विकास खरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार ब्रुच्य, उत्तके दंवयमान प्रतिफस से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरित (बन्तरितियाँ) के बौच एसे बन्तरच के भिए सच गया गया प्रतिफल, निम्नीविचित उच्चेष्य से उच्त बन्तरच लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरम से इंडर किती मान की सायव, उसक श्रीप-नियम के अभीन कर दोने के संतरक के दाशित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; वर्ष/का
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को बिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

ं कतः व्या ज्वा विभिन्यमं की भारा 269-ग के वनुसरण को , वी, क्या विभिन्यमं की भारा 269-ग की ज्यापारा (1) को अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अधीतः :-- (1) श्री मनहर पी० हेमतानी श्रीर श्रीमती कोकीला एम० हेमनानी।

(श्रम्तरक)

- (2) श्री जे० मी० कोठारी, श्रीमती सरस्वती जे० कोठारी ग्रीर श्री ग्रजीत जे० कोठारी। (ग्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरकों ग्रौर परिवार।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्तिप है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्त्राम्बन्धी व्यक्तियों दर स्वता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को की व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हैं।
- (क) इस स्वमा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, वी सक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिशा वया है।

अनुष्यी

फलैंट नं० 24, जो म्नान्नद दर्शन को-माप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 13, डा० गोपालराव देशमुख मार्ग, बम्बई--26 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37–ईई/10181/85–86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3–3–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक: 30-10-1986

प्ररूप बाइ े.टी. एन. एस. ------

ष्ठायक्तर बाँधनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

वम्बई, दिनांक 30 ग्रास्तूव 1986

निर्देश सं०म्रई-1/37र्ट्ड/11047/85-86 मुझे निसार म्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य वाजार मृल्य वाजार मृल्य वाजार मृल्य वाजार मृल्य

और जिसकी सं० फलैट नं० 4, जो पहली मंजिल, इमारत नं 3, सम्पत्त जिसका सी० एग० नं० 868और 1/868 वरली, बम्बई में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण हप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है व तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल शिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हुए से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की अखत टक्ट आप नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायितक में कमी करने या उससे दचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था व्यापने भी स्थित के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
8—
8

(1) बी० वाय० बिल्डर्स प्रायवेट लि०। प

(ग्रन्तरक)

(2) उत्तम चंद एण्ड सन्स।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शिवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) 4स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- वद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थ्टिकरणः — इसमें प्रथूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याद 20-क, में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्सूची

फलैंट नं० 4, जो पहली मंजिल, इमास्त नं० 3, सम्पत्ति जिसका सी० एस० नं० 868 और 1/868, वरली बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की क० मं० ग्रई-1/37–ईई/1022485–86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा निनांक 3–3–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायक (निरिक्षण)
ग्रर्जर्न रेंज-1, वस्बई

दिनांक: 30-10-1986

प्रकृष कार्ड्, टी. एन . एस. . २०००----

भागकर मीधीनगम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के संधीन सुधना

नारत संस्थार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 30 धकत्वर 1986

निर्देश सं०ग्रई-1/37ईई/11063/85-86--ग्रतः मुझे निसार श्रहमद,

बायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से मिधक हैं

और जिसकी मं० फलैंट नं० 305, जो तीसरी मंजिल, और इमारत मैं कृष्णा चेंबर्म, 59 न्यू मरीना लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं एमें द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के बिए वस नवा प्रसापितिका, निम्निसिंबत तब्दिय से उसल अन्तरण जिलान में वास्तिक रूप से करिया महीं किया मना है >---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त **अधिनियम से अधीन कर दोने के ब**न्तरक **में** दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुजिधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाध या फिली वन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गण था किया जान याहिए था, कियाने से सिनिक वै विद्या

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) मेसर्स एल्लोरा कन्स्ट्रकशन कम्पनी,। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रघुनाथ अप्रमाद राधेलाल और श्री सुरेन्द्र रघुनाथ प्रसाद गुप्ता। (ग्रन्तरिती)

की यह स्वता बारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में की व भी आक्षेप 🚛

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि ओ भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपथ में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर गम्पन्ति में हिनवद्ध रेकरो गन्य शांक द्वलारा अधानुत्रक्षरी की पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

द्धमार्थ

फलैट नं० 305, जो तीसरी मंजिल, और गैरेज जो इमारतों में कृष्मा चेंमर्स 59, त्यृ मरीत लाईन्स, वस्बई 20 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संरु श्रर्ध-1/37ईई/10228/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रिजस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्ष) श्रर्जन रेंज~1, बस्बई

दिनांक: 30-10-1986

प्रक्ष्य बाहु , दौ , एव <u>.</u> एए .-----

आक्षकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वनः भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक वायकर वावृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक: 30 प्रक्टूवर 1986 निर्देश सं० श्रर्ड-1/37र्डई/11079/85-86--धतः मुझे निसार श्रहमद,

बायकर विभिन्नियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० 81, जो श्राटवीं मंजिल एडवेंट इमारन, 12-ए, जनरल जे० बी० मार्ग बम्बई-21 में स्थित है (और इस उपाबद्धन श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका इकरारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित है। सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 3-3-1986,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्षयमित्र प्रिक्त को निर्मा कि स्वाप्त की निर्मा कि स्वाप्त की निर्मा कि स्वाप्त की निर्मा की स्वाप्त की निर्मा की स्वाप्त की कारण है कि स्थाप्त कित सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से., एसे स्वयमान प्रतिफल का चन्त्र प्रतिकत से विधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत की निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविका रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंती किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा ना किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए;

कतः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-गं के, अन्वरण वें, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-णं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मृंडठया देवी मेहरा।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री भानृ कुमार प्रताप और श्री विरेन्द्र प्रताप। (ग्रन्तरिती)
- (3) कल्याण पम्प एण्ड पेपर मिल्स लि०। (वह व्यक्ति जिसके श्राधभोग मे सम्पत्तिहै).

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्नत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो बी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त का किसों में से किसी अयिकत द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा, अधोहरताक्षरी के पास लिकित में किए का सकींगे।

ल्लाकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्जा और पर्यो का, को उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्सूची

फलैट नं० 8, जो आठवीं मंजिल एडवेंट इमारत फोरशोयर को-आप० हाउमिंग मोसायटी लि०, 12/ए, जनरल जे० बी० मार्ग, बम्बई-21 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा की क्र॰ सं॰ श्र\$-1/37ई\$/10230/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 की रजिस्दी किया गया है।.....

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा २69-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वम्वई

बावर्ड, दिनांक: 30-10-1986

निर्देग मं० ग्राई-1/37ईई/11083/85-36--ग्रतः मुझे निमार प्रहमद,

आयंकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मृस्य

1,00,000/- छ. से अधिक हैं।

और जिसकी स० कार्यालय नं० 406, जो मे तर चेम्ब - 5, नरीयन पांईट, बम्बई - 21 में स्थित है (और इससे उपाबद्धत अनुका में पूर्ण रूप से विधित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख़, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अलारका) और अन्तरिती (अन्तरितिशा) के न एसे ल्यूनरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालीखत उद्देश्य से उत्तत अन्तरण निश्चित में बास्तीक रूप स कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के राग्यत्य में कमी करन या उसस अन्तर में मृतिया के लिए, और मा
- (ख, एस किसी आय या हिसी धन दा अन्य नतीरतय। का, वर्णकी पारताय व किस अवस्थिम, 1922 का जिल्ला अभिनित्रम, 1913 विकास का पर का प्रत्य प्रवोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा अ किए;

बतः बन्न, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग कै बनुसरण कें, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स रामोनाक इंटरप्रायसेस।

(ग्रन्तरक)

- (2) मेसर्स संघवी एक्मपोर्टम प्रायवेट लि०। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितीयों।

(वह व्यकति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकर्ण।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कार्यालय नं० 406 जो मेकर चेंबर्स-5, परनाटीमन पांईट, बम्बई-21, में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा is ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10231/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया श्रया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाक: 30-10-1986

The second secon

प्रस्त बाह . टी. एन. एस. .----

मायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वाय्क्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, वस्वई वस्बई, दिनांक: 30 श्वन्त्व 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/11109/85-86—-ग्रतः मुझे निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्लास करने के बारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- कि. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फलैट नं० 2, जो तलमाला, इमारत नं० 4, पी० एम० बी० ग्रपार्टमेंस्ा, बी० जी० खेर, मार्ग वरली नाका, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य पे कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आब को बायत उक्त अभि-रियद के इक्षेत्र कर शर्म के स्टायत के कमी करने या उगमें बचने में सुविध्या के लिए बरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन धा लाय आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रदट नहीं किया ध्या था या किया जाना चाहिए था, छिपानी से स्विधा के निए;

अत: अव अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्ते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्ननिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) पी० एस० वी० कन्स्ट्रकशन कं० लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) एस० श्रवतार सिंह। (श्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी बरके पृवक्तिः ाम्मितः प्रभन के लिए कायमाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख हैं 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में से बिलीए जित द्वारा;
- (अ) इस सान के राजधान की प्रकाशन की हारी **स्था** 45 141 की भीतर तक्त स्थावर सम्पत्ति को हितव**द्ध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित का किए जा मकोंगे।

स्पच्डोकरण:----इसमें प्रमृक्त शब्दों और पद्म का, जो उक्क अधिनियम, के प्रध्याय १०-क म परिम जत है, वहीं कर्ष होंगा जो जल अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

फलैट नं० 2. जो तलमाला, इमारत नं० 4. पी० एस० बी० अरार्टमेंट्न, बी० जी० खेर रोड, बरली नाका, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की क्र॰ सं॰ ग्रर्ड-1/37ईई/10237/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रिन्स्टिई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-1., बम्बर्ड

दिनांक: 30-10-1986

धक्य नाहर्_य दौं , एन , एक , क न ननन

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 व (1) के नभीन सूचना

मार्त बहुकार

कार्यालव, सङ्घयक वायकर वाय्कर (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, वस्वर्ड वस्बई, दिनांक 30 अक्तूबर 1986

निर्देश मं० ग्र $\frac{1}{3}$ -1/37ईई/11122/85-86---यतः मुझे निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

को पूर्वेक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विद्यास करने का कारण है कि यथमपूर्वेक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निलिख में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की वासत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था, किया है सुविधा औ लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग में अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) वि० एण्ड एम० एसोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रभ्युदय को—ग्राप० बैक लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बाबत बुम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप क्ष--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की क्षामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में विषया गया ही।

अनुसूची

जो तल माले पर, जिसका क्षेत्रफल 10,000 स्कवे० फुट है, मनोरंजन एन्क्लेब" इमारत "ए" थ्रौर खुला टेरेस थ्रौर कार पाकिंग जगह, प्लाट नं० 3, जिसकी सी० एस० नं० 191 (श्रंश) परेल सिवरी डिविजन डा० एस० एस० राव रोड, परेल बस्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की क० सं० श्रई-1/37-ईई/10239/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

प्ररूप भार्षं .टी . एन .एस . --=---

नावकर निधितिसम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ए (1) के नुधीन सुचना

EUR SEAL

भन्नयासय, सहायक बायकर बायुक्त (भिरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अन्त्बर 1986

निर्देण सं० श्रई-1/37ईई/11128/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रत. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 45-बी जो एम्पायर इस्टेट्स बी-ब्लाक, ग्रागस्ट कॉलीं मार्ग, बम्बई-36, में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल को लिए रीजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य भे उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थ अन्तिरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विका काना काना महिए वा, छिपाने भें सविधा वै विश्वः

भराः वयः, उक्तः माधिनयमः की धारा 269-त के अन्मरण मी, मी, उक्तः अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीनः, निम्नसिधिकः स्पृक्तियों, सर्वादः ए—— (1) श्रीमती गीता प्रेम शिवदासानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रतिक विजय कुमार मेहता श्रौर श्री निकुंज विजय कुमार मेहता।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यंक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिसक में किए वा सकीने।

अनुसुखी

पलैट नं० 45-बी, जो एम्पायर इस्टेट्स बी-ब्लाक, श्रागस्ट र्कांतीं मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की क्र० सं० ग्राई-1/37-ईई/10235/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> निमार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

यक्ष बाह्रं टी. एन. एस . -----

बाबरार व^{ि क}ायम, 1961 (1961 वर 43) को ८८% 269-म (1) के हारीन सन्दरा

गारत मरकार

कायां लय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रें: -1. वम्बई बंम्बई दिनांक 10 स्वम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/3/3/11138/85-86--यतः मुझे निमार अहमद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1361 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'तुक्त अधिनियमं ऋहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकार 💛 यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, विशास उन्नित आजार अन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फलैंट 🐇 🕦 🖂 खा माला और गैरेज नं० 34, ग्राउन्ड फलोर पर एटलम श्रपार्टसेटन, नारायण दाभोलकर रोड, बम्बई में जिला है (सौर इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण ब्या अंग्रित) बाँग विस्ता करारनामा । श्रायकर श्रिधिनियम 1900 की बारा 269 के ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-1986

को पृथेषित सम्यक्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान **प्रक्रिक के लिए अन्तरिशी की गर्ड और मुभी यह दि**रुतम करचे का कारण है कि यथाप्योंकत सम्परित का उचित जातार मुख्य, खसके द्रयमान प्रतिफल सं, गुरेसे व्दश्मान प्रतिपक्ष्य का पब्द्रह प्रशिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरङ) और **बण्डरिती (बन्तरितियों) को बीच एरें ब**न्तरण के लिए तय भाग गया प्रतिकल निम्निकिति उद्गडेय / तस्त अस्टरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही विता गया है:--

- (या) करतरण से हुदूँ किसी काय की बाबत, सकत भीधनियम के अवत्त हर दोने के अन्तरक की क्षेत्रिक्य में कारी करते या असी राहते ही। सरिवना के निए; मरि/भा
- (ख) एंसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**मेधिनियम, 19**57 1957 का 271 के उन्नास नार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाता बाहिए था किया है । तिव " है । उ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उकेत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) इथेल गाजिना पालिन गहा ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
 - (2) इथेल गाजिना पालिन गहा ग्रौर ग्रन्य ट्रस्टीज श्राफ बी० ए० घहा ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में मम्यति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिर की अर्जार या नरसन्दर्नी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी गर्दा बाद में समाप्त होती हो, के मीलर पर्वोंकर व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उथत स्थावर सम्मत्ति में हिसबवन किसी अन्य व्यक्ति द्वारः प्रभोहरताक्षरी के पार लिखिन में दिल का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जा **उच**स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं अर्थ होता. को उन मार्ग में दिया गया है।

अनुसूची

फलैट नं० 11-ए, 1ला माला, ग्रौर गैरेश नं० 34 ग्राउंड फलोर तर एटलस ग्रपार्टमेंटस, नारायण दाभोलकर रोड, बम्बई-6।

श्रनुसूची जैसा की कर संर ग्रई-1/37-ईई/10247/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 10-11-1986

प्रकृष बाद् . टी . धुन , धुन -----

बाथकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सहस्रार

कायनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 अक्तूबर 1986 निदेश स० प्राई०-1/37 ईई/11183--मत: मुझे,

निसार श्रहमद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित काजार मूल्य

1,00,0∩0 /- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 213, जाकी मेकर टावर 'ए' कफ परेड, कुलाबा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-3-1986

कते पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्में यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार भ्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शक्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जन्तरण से हुई किसी आव की वाबत अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक का दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्त आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1057 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गान या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के निक्ष;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—-°—36601/86 (1) मैनी णिपिंग प्राइपट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डूंगर मल जी जयपृरिया और श्रीमती किर्ती डी० जयपुरिया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के थिए कार्यवाहमां सुक करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी प्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

भ्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया विश्व

षप्सूपी

फ्लैंट नं० 213, जो जाली मेकर टावर 'ए' कफ परेड, कुलाबा, बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कमण्सं० आई०-1/37 ईई०/10265/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ■

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिमांक : 30-10-1986

प्ररूप वार्ड . टी . एन . एस . ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा भाषा 269-भ (1) के अभीत सूचना

शस्य परमञ्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 भ्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ब्राई०-1/37 ईई०/11185/85-86---भ्रतः ग्रतः मुझेइ निसार श्रहमद

शास कर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० प्रिमिसेस नं० 21-ए, जो ममता 'ए' मराठे मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24-3-1986

को प्वोंबत संपत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के ध्यममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है सौर मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंबत सम्पत्ति का जीवत बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बहिर जन्तरक (बन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के जिए तय बागा गया प्रतिफन, निम्निसिकित उद्योदय से उसक बन्तदुभ निश्वत ए अस्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है क—

- 'क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावका विका समितिया में द्यीत कर दोने में शब्दक सें क्षित्व में कामी कारने वा उत्तर्व वचने में द्वीचना अ विक्: बोट/का
- (ल) एली किन्द्री बाय या किसी थन वा बच्च वास्तिवीं करें, जिन्द्री भारतीय वाय-कर विधिनियम्, 1922 (1922 का 11) वा अक्त विधिनियम, वा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया काना वाहिए था, कियाने की ब्युनिका की रिल्हा;

ात: कव. उक्त विधिनियम की भारा 269-न के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिल्सिस व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) मैं शिनियर ट्रेंबल्स प्राइवेट लिभिटेंड । (प्रन्तरक)
- (2) मै॰ सीनियर फार्मास्युटीकह्म खि॰ । (ग्रन्तरिती)

का यह स्थान बाड़ी कारके पूर्वोक्स संपृत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क बच्च औपरिया को बर्जन को संबंध में काई भी बाध्येप 🚁

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश न्य 45 दिन की बनीश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की सामील से 30 दिन की जनिश, वो भी जनिश बाद में बसाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचमा के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कच्च व्यक्ति वृवारा बभोहस्ताक्षरी के पात विविद्य में किए वा क्योंचे।

स्पष्टीकरण - - इतमें प्रयुक्त बन्दों और धरों का, वो उपव अधिनियम को अध्यास 20-क में परिभावित है, कही वर्ष होगा को उस अध्यास जें किए क्या है कि

संगातः च

प्रिमिसेस नं० 21-ए, जो ममता 'ए,' मराठे मार्ग, प्रभादेवी बम्बई-25 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-1/37 ईई/10266/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंग रेंज-1, बस्बर्फ

तारीख : 30-10-1986

प्रकार वार्ड के भीत प्रवाह पुरुत्त -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) मैं अधीय सुचना

नाइव चंडका

कार्यांत्रय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1986

निवेश सं० भाई०-1/37 ईई०/11191/85-86--भत: मुझे निसार भ्रहमद

कारकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उनत् जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के जभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से सिथक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 264, 26वीं मंजिल, फाल्कॉन्स क्रेस्ट, निवासी इमारत, प्लाट नं० सी० टी० एस० 1/202 जी० डी० प्रांबेकर मार्ग, परेल टंक रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-3-1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल् के निए जन्ति की गृह हैं और मुक्ते यह विश्वास कहने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अजित बाजार बुक्यू, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का बिक्यू प्रतिचत से विभक्त हैं और बुन्तरक (अन्तर्कः) हीर बंदरिती (बंतरितियों) के बीच् ऐसे वंतरण के लिए तय पाया भवा प्रतिकत निम्नतिचित उद्देश्य से अकत बंदरण मिनिया में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं 3—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) एती किसी बाम या किसी भए ता अन्य बास्तियां करें, जिल्हें भारतीय बाय-कर निर्मितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्यम, या भूम-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27% के प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया भाग भाहिए था, कियाने में स्थिक के विद्युः

बतः सब, उक्त विभिन्निय की भारा 269-न के बनुतरक कों, में उक्त विभिन्नियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के बुधीन, निम्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं टाटा झार्जिसग डेवलपमेंट कम्पनी लि॰ । अन्तरक
- (2) श्री के० एस० हिंगे, श्री ए० के० हिंगे और कुमारी ए० के० हिंगे।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्वरित के अर्थन के निक् कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के तंत्रंत्र में कोई भी बाखेप क्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए था सकोंगे।

अन<u>ृत्</u>ची

पलैंट नं० 264, जो 26वीं मंजिल, फाल्कांन्स क्रेस्ट, निवासी इमारत, प्लांट नं० सी० टी० एस० 1/202, जी० डी० श्रांबेकर मार्ग, परेल टंक रोड, बम्ब\$-12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-1/37ईई/10268 85-86 और जो सक्षम प्राधिकरण, बम्बई द्वारा दिनांक 24-3-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

तारीख: 30-10-1986

)_

प्रकृष जार्ष्युं होत् पुरस्क पुरस्कानमा

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सूचना

शास्त बहुकाड

कार्यालय, सहायक गायकर गायकर (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

थम्बई, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1986

निदेश सं० आई० 1/37 ईई०/11192/85-96--अत: मुझे, निसार हम्रमद

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार भूका 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 142, 152, 161, 173, 183 और 231, फाल्कॉन्स केस्ट, प्लांट नं० सी०टी० एस०/ 1/202, जी० डी० ध्रांबेकर मार्ग, परेल टैंक रोड, बम्बई-12 में स्थित है और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा ध्रायकर ध्रधिनियम 1961 के की धारा 269 के ख के ध्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 24-3-1986

को पूर्वोक्त तभ्यति के उचित बाजार मुख्य से कम के बहमजाब प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है

कि सथापूर्वोक्त सम्बन्धि का उचित बाबार मूल्य, उत्तके दश्य-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ते विभिक्ष हो और अन्तरक (अन्तरकों) वौर अंतिक्ति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निम्ब-मिनित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचित में दास्तिबक रूप वे किथित नहीं किया गया है के—

- (क) अन्तरण वे शुद्ध किथीं आप की वाबसा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्
- (भ) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर निधिनिध्य, 1922 (1922 का 11) या शक्त निधिनिजय, वा धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया वसा मा सा किसा बाना चाहिए था स्थिपाने में ज़्यिशा के लिए?

चतः वर्ष, उनतं विधिनियमं की भारा 269-मं की अनुसूर्ध में, में उनतं विधिनियमं की भारा 269-चं की संपर्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मै० टाटा **हा**उसिंग **डेंबल**पमेंट कम्पनी लि०। (घ्रन्तरक)
- (2) मैं० रैलिस इण्डिया लि०।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना बारी करके पूर्वोक्त स्थाति के अर्थन के जिल्ला कार्यमाहिनां सुक्त करता हुई ।

उच्छ क्रम्पत्ति के वर्जन के कम्पन्य में कीर्य भी माक्षंप :----

- (क) इस स्थान के राष्प्रभ में प्रकाशन की हारीका भे 45 दिन की सबीध या तस्सम्बन्धी व्यक्षितयों नेत्र स्थान की समीस से 30 दिन की अविध, मों भी सबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाराः
- (व) इत सुजना के राजपत्र मां प्रकाशन की ताराध के 45 विन के शीतर उचत स्थावर सम्पत्ति मां हिस्तकृष जिल्ही वन्त व्यक्ति इवारा जभीहरतालारी के पाइ जीवित में किए या बकीचे।

स्वक्षांकरण :---इसमें प्रमुक्त कव्यां कीर पवां का, को सबस विभिनियम को प्रभ्याय 20-क में परिभाषित ही बड़ी कर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया वस ही।

كروين

पलैट नं० 142, 152, 161, 173, 183 और 231 जो फाल्कॉन्स क्रेस्ट, प्लॉट नं० सी० टी० एस० नं० 1/202, जी० डी० प्रांबेकर मार्ग, परेल टैंक रोड, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि काम सं० धाई०-1/37 ईई०/10269/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 24-3-1986 को रजिस्तई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1, बम्बई

सारीख : 30-10-1986

era er en ren mederan aktiva **ettera er en e**

बाक्य बाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ब्रांगिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 श्रक्तूवर 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/11193/85-86-श्रहः मुझे निसार श्रहभद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 43 ौर 52 जो चौंथी
और पांचवीं मंजिल पर, फालकान्स केस्ट, प्लाट नं०
सीटी एस 1/202, जी० डी० श्रावेंकर मार्ग, परेल टेंक
रोड, बम्बई-12, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 25-3-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्बर्ति का उचित बाजार मून्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) वंतरण से हुई किसी नाथ की वायत, डक्ट विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमन गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के किया;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की की धारा 269-भ की उपधार (1) के मधीन,, निम्निलिसित व्यक्तियों, अभित्:— (1) टाटा हाउसिंग डेवलपमेट कर्णनी लि॰

(श्रन्तरक)

(2) दी टाटा श्रायणन एण्ड स्टील कम्पनी लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आयो करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

क्यत कम्प्रीत के अर्थन के संबंध में काई भी नार्थि :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हु।ती हा, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैंट नं० 43 और 52 जो चं।थी और पांचवीं मंजिल पर फालकान्स ऋस्ट, प्लाट नं० सीटी एस 1/202 जी० डी० श्रम्बेडकर मार्ग ,परेल टेक रोड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10270/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा विनांक 24-3-1986 को रिजस्टर्श किया गया है।

निसार श्रह्**मद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

प्रकृष जाड्^रू टी.. एव.. एव..-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2,69≡त (1) लो अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनांक 30 प्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० भई-1/37ईई/11204/85-86 यतः मुझे निसार भ्रष्टमद,

नासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 211 और 212 जो 21वीं मंजिल फाल्कान्स केस्ट, प्लाट नं० सी०टी० एस० नं० 1/202, जी० डी. ग्राम्बेडकर मार्ग, परेल टेंक रोड, बम्बई-12 में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के प्रशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 24-3-1986

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके क्ष्यमान प्रतिफल से, पुत्ते क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह बिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कितिफस, निम्निसिबत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में गिस्तिक रून से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुए किसी आय की भावत, उपने अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के सिए; आर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी बन सा अस्य आभिस्याँ का, जिन्हें भारतीय बाय-कर वीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उपल आ सामान, स भन्-कर विधित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती युवास प्रकट नहां किया गला ना वा जिना जाना जाहिए था, जिसाने में सुविधा के लिए;

अंतः वाच, उप्ता निचिनियम, की भारा 269-ग के बन्तरण वे, में, उप्ता निचियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के वे नभीन, निम्निसिद्धित व्यक्तियों, नथीत् क्र—

- (1) टाटा हार्जिसग डेव्हलपमेंट कम्पनी लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) टाटा इकामामिक कन्सल्टेन्सी सर्विसेस। (भ्रन्तरिती)

की यह त्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के मर्जन वे लिए कार्यवाहियां मूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वासीय ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (ह) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे वा सकते।

स्यव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विवा वया हैं।

अनुसूची

फलैंट नं० 211 और 212, जो 21वीं मंजिल फास्कास फ्रेंस्ट, प्लाट नं० सीटी एस 1/202, जी० डी० ग्रावेडकर मार्ग, परेल ठेंक रोड, बम्बई-12 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा की फ्र० सं० ग्राई-1/37ईई/10237/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधि कारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, बम्बई

विमांक: 30-10-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(1) टाटा हाउसिंग डेवेलपमेंट कम्पनी

(अन्तरक)

(2) पेरीयर द्रैडिंग कम्पनी प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनांक 30 ध्रकत्वर 1986 निर्देश सं० ध्रई-1/37ईई/11205/85-86--ध्रतः मुझे निसार धहमद,

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पवचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका विधित वाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

सं० और जिसकी सं० फलैंट नं० 32 जो तीसरी मंजिल, फास्कान्स क्रस्ट, प्लाट नं० 1/202, जी० डी० प्रम्बेडकर मार्ग परेल टेंक रोड बम्बई-12, में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 24-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिकल, निम्निलिखित उव्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिकल रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नि**लियत व्यक्तियों, वर्धात**्र— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में को हैं भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए जा सकेगा।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को इस अध्याय में विका गया है।

मन्स्यी

फ्लैट मं० 32, जो तीसरी मंखिल फाल्फाम्स म्लाट नं० 1/202, जी० डी० रोड ग्राम्बेडकर मार्ग, परेल टैंक रोड, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० स० श्रई-1/37ईई/10274/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 24-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमव सक्षम प्राधिकारी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण श्रजन रेंज-1, बम्बई

30-10-1986 मोहर् अष्ट्य साइं. टी. एन . एच . ------

नायकर क्रिपिटिएस. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नंधीन सूचना

भारत तरकार

क्रायलिस, सहायक **सामकर नामुक्त (निर्दोक्षण)**

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनांक 30 श्रक्तूबर 1986 निर्देण सं० श्रई-1/37ईई/11206/85-86-भ्रतः मुझे निसार श्रहमद,

जायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृल्य 1,,00,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 243 जो, 24वीं मंजिल, फाल्कान्स ऋस्ट, प्लाट नं० सीटी एस नं०1/202 जी० डी० ब्राम्बेडकर मार्ग, परेल टेक रोड, बम्बई-12 में स्थित हैं (और इससे उपाबदूत श्रनुभृषी में पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-3-86 को पूर्वोक्त सम्मित के जियत बाजार मूल्य से कम के अभवान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह निश्वास करने का कारण है कि एथापूर्वोक्त सम्मित का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का बल्द प्रतिकत से आधक है और बंतरक (बंदरकों) और बंदरिसी (अंतरितिमों) के बीच एसे बंदरण के जिन् तब पाना गन्य प्रतिकल, निम्मिजियत उद्विस्य से उन्तर बंदरका किस्ति में बारिय के सिम्मिज कप से किस्त नहीं किया गना है किस्त कप से किस्त नहीं किया गना है किस्त

- (क) अंतरण से हुई किसी माय की बाबत, जनत निध-नियम को अभीत कर दोने के संसरक के सर्विक्य में कारी करने का उसके बचने में सुविक्य के सिहू; ज़र/भा

बक्क बच, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्क अधिनियम की बात 269-म की उपभारा (1) में अधीनक निकासिक व्यक्तियोक मुक्ति का

- (1) टाटा हाउसिंग डेव्हलपमेंट कम्पती लि०। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रतुल ग्रम्ण कसबेकर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

चक्त सम्मत्ति के कर्जन के संबंध में कांद्र भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताराव से 45 दिन की बर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, अो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राइनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभि-नियम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो सब अभ्याय में दिया गया है।

मन्सूची

फलैंट नं० 243, जो 24वीं मंजिल फाल्कान्स ऋस्ट, प्लाट नं० सीटी एस 1/202, जी० डी० रोड आंबेकर मार्ग, परेल टेंक रोड, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा की ऋ० सं० श्राई-1/37ईई/10275/85-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा धिनांक 24-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी) सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 30-10-1986

मोह्रर:

प्ररूप बार्षः दौ. एत<u>.</u> एस. -----

आयकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से मंभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 30 श्रवटूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/11207/85-8**6**--ग्रत:

मुझे निसार श्रहमद,

नामकर निभिन्नयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2,69-क ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 171 भ्रीर 172, जो .
17वीं मंजिल, फाल्कान्स ऋस्ट, प्लाट नं० सी टी एस 1/202, जी डी ग्रांबेकर मार्ग, परेल ट्रंक रोड, बम्बई—12 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबछ ग्रानुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कुक, ख, के भ्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 24-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रमभान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रममान प्रतिफल से, एसे द्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम क्या प्रतिफल, निम्बसियात उद्देश्य से उस्त अन्तरण निवित्त ये बाम्तिक रूप से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) अश्राद्य से हुई किसी काय की बाबस्ं, उक्स अधिनियस के अधीन कर दोने के अस्टरक से दायित्य में कामी करने या उत्तरों बचने में तृत्रिका से लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाग जातिए था खियाने में सुविधा के सिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--10-366 GI/86

- (1) टाटा हार्डामंग डेव्ह्लपसेंट कम्पनी लि०। (श्रन्तरक)
- (2) दी इन्बेस्टमेंट कार्पोरेणन श्राफ इंडिया लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन को अविधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (■) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए आ सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिथितियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा हैं।

अनुसूची

फलैट नं० 171 श्रीर 172 जो 17वीं मंजिल, फाल्कान्स क्रेस्ट, प्लाट नं० सीटी एस1/202, जी० डी० श्रांबेकर मार्ग, परेल ट्रंक रोड. बस्वई-12 में स्थित है। श्रृनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रुई-1/37ईई/10276/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 24-3-1986 को रिजस्टई किया गया है।

निहार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजैंन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

प्रकथ बार्ड की इन प्रा -----

नायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन क्यांग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 30 श्रष्ट्बर 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधी- सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका अधित बाजार मृख्य 1,00,000/- ं. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 302 जो 3री मंजिल मेकर चेंबर 5, प्लाट नं० 221, नरीमन पांईट, बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के श्रधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 24-3~1986

को पृत्रं कित सम्पत्ति को लिखत बाबार मृन्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से, एक दूरयमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है है—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के बंतरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए:

भतः भव, उक्त जिथिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण ए. मै. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कै जधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स अ्यूरो श्रांफ डाटा प्रोसेसिंग सिस्टम। (श्रन्तरक).
- (2) श्रीमती पन्ना रमेश कुमार शहा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्मित्त के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्रेप ः—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शितर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाश्चम भी शारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 302 जो, 3री मंजिल मेकर चेंबर 5, प्लाट नं० 221, नरीमन पाईट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं श्रई-1/37ईई/10277/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 24-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 30-10-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्नाक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/13848/85-86--ग्रतः मुझे निसार ग्रहमव,

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सप्यत्ति, विसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

फलैट नं० 303, 3री मंजिल, धौर जिसकी सं० "विकी अपार्टमेंट, टी० पी० एस० 4, प्लाट नं० 1225, बम्बई-25 में स्थित ग्रोल्ड प्रभादेवी रोड, प्रभादेवी, है (श्रीर इससे उपाधव श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 3-3-86 को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यज्ञान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास क रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित कावार मृत्य,, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यथान श्रीतफल 🕏 पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और बैत-रिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाका गया प्रतिकम निम्नतिवित उद्योग्य से उक्त जंतरम् विवित्तः वी नास्तविक कप से कथिल नहीं हैंकवा नया है ह---

- (क) अन्तर्य में हुई किसी बान की बानका कर कर के बे बन्तरक में वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी कार वा किसी पन या कल्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवनयम, वा धव-कर जिथिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया चा वा किया चाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा सविधा के लिए;

बत्तः लब्दः, इन्त्रं विधिवन की धारा 269-न के बनुवरण कें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, कर्णत् स—- (1) मोतीराम तोलाराम

(प्रन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमारचंपालालकर्ता ग्राफ एच० यु० एफ० ग्राफ श्ररुण कुमार खंपा लाल ग्रौर श्रीमती मधू ग्ररुण कुमार।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह सम्पत्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हुं।

जनत सम्मिति में वर्षन में संबंध में कोई भी बाहरे है-

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वता की तासीत से 30 दिन की अवधि, जो भी जनित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित्यव्य किसी बन्च स्थिति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकरी।

स्वयान्तरणः—इसमें प्रयुक्त पन्यों भौर पया का को समझ नीभीनयम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही नर्भ होगा, जो उस कथ्याय के दिया यस है।

अनुसूची

प्लाट नं० 303, 3री मंजिल, विकी श्रपार्टमेंट, टी० पी० एस० 4, प्लाट नं० 1225, श्रोल्ड प्रभावेवी रोड, प्रभावेवी, बम्बई-25

म्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० म्रई-1/37ईई/10231-ए/85-86 मीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्श किया गया है।

निसार धहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अम्बई

दिनांक: 11-11-1986

प्रस्प आहो. टी. एन., एस., क्लान्यकान

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भशीन सुचना

नारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजेन रेंज-1, बस्बई बस्बई, दिनांक 30 प्रकटूबर 1986 निर्देश सं० प्रई-1/37ईई/11157/85-86—ग्रतः मुझे निसार प्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 43, एडवेंट बिल्डिंग फोरशोर को० ग्राप० हार्जिमा मोमायटी लिमिटेड फोरशोर, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क. ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 3-3-1986

को धूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंगान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंशापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य, उसके स्वयंगान प्रतिफल से, एसे स्वयंगान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के बिए तब पावा प्रवा प्रतिक का कि मिल तब पावा प्रवा कि कि का विश्व के बाक्क विश्व के बाक विश्व के बाक्क विश्व के बाक विश्व के बाक्क विश्व के बा

- (क) अन्तरभ से हुई किसी बाव की वावत, इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने वा उससे व्यने में सृति६. के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ज्विमा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) एल० जी. छन्नीया।

(भ्रन्तरक)

(2) शांतीलाल ग्रौर लूंकड

(भ्रन्तरिती)

विशेष क्षा प्रार्थ करने पूर्वोक्त कुन्दित से वर्षय ने तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त बन्दित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्क्ष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकर्गे।

स्था करणः — इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, वा उत्तर शिंपियम के अध्याय 20 के में परिशाविक् है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुस्ची

फलैट नं० 43, जो चौथी मंजिल, एडवेंट बिल्डिंग, फोरणोर को० ग्राप० हार्जिसग सोसायटी लिमिटेड, फोरणोर बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्र $\hat{\xi}-1/37\hat{\xi}\hat{\xi}/10249/85-86$ श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब $\hat{\xi}$ द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहभद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 30-10-1986

प्ररूप भार्च .दी .एन .एस , ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारत तरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अन्तूबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37इङ्/11155/85-86---श्रतः मुझे निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो उद्यान दर्शन इमारत, सयानी रोष्ट्र, प्रभादेवी, बम्बई-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसक करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, दिनांक 3 मार्च 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार जूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एोसे रूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितयों) के शिच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिबक रूप से किथत मही किया गया है...

- (क) अन्तरण संह्यू किमी साथ की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत. अव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के उपित, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स फेरानी डेव्हलोपर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स रेडीफयुणन एडवरटाईजिंग प्राईवेट लि॰ । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इगमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 102, जो, उद्यान दर्शन इमारत, सयानी रोड़, प्रभादेवी, बम्बई-28 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37—ईई/10248/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

प्रकप बार्च औ, एन ु एस ु ===========

बापकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

नारत सहका

कार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 ग्रक्तुबर 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37हर्|11065/85-86—ग्रतः मुझे निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 54, जो, 14वीं मंजिल, मातृ मंदिर इमारत, 278, ताड़देव रोड़, बम्बई—7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3 मार्च 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का काएण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अधिकक, मिन्नीनवित उद्योध्य से उस्त अन्तरण निर्मित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है है——

- (क) शंतरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्यम के खधीन कर दोने के बंतुरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर∕या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोखनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से लिए;

वर्षत क्षत्र, उक्त स्थिनियम की भारा 269-व के स्नुसर्थ को, सीत, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को नधीन, निम्नतिविक्त स्थितिकों, स्थिति के ... (1) मनूबेन धिरूभाई पटेल श्रौर रामभाई भिखाभाई पटेल।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती वर्षा एन० शहा श्रौर श्री नरेश एम० शहा। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के हिन्य कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति में अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इत त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, वो भी विधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्थितियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोइस्ताक्षरी के वास लिखित में किये वा सकीं के।

स्पष्ठीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिवा गमा है।

अनुसूची

पलैट नं० 54, जो, 14वीं मंजिल, मातू मंबिर इमारत, 278, ताड़देव रोड़, बम्बई-7 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-1/37–ईई/10229/85–86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3–1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

इक्न. बार्च टी. एक. एव. ----

भागकार गरिमिननमा, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) से मधीन स्पना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहाथक नायकर बायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 30 श्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्र $\xi-1/37$ हड/11107/85-86—श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

नासकर निषित्रमा, 196. (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उनत निर्मित्रभे कहा गया हु"), को भाषा 269-व के निर्मात सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्तास करने का कारन है कि स्थावर बस्त्रीता, जिलका उचित नाजार सुन्य 1,00,000/- रा. से निधक है

- (क) बन्तरण ये हुए विक्री बाब की बाबत उपत बिध-विषय की बनीब कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कबी करने वा उपने अपने में बृजिशा के जिल बीर्/बा
- (क) एंसी किसी भाव वा किसी भन या जन्म नास्तियों की, चिन्हों भारतीय वाव-कर निभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभन्नयम, बा भन-कार विभिन्नयम, बा भन-कार विभिन्नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना काहिए था कियाने में सुविधा से विश्व

वत: व्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, धनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गणेश बिठ्ठल पाटिल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रनिल नाथ विधानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

'बब्द बन्दरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई' भी **बाओद** इ—

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकारण की तारीज से 45 दिन की जविंध या तत्साम्बन्धी स्विक्तमों पड़ बूचना की तामील से 30 दिन की नविंध, को भी शक्कीय बन्द में समान्त होती हो, के भीतर वृजीवद व्यक्तिवारी में से फिसी न्यन्ति वृजारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वर्ष किसी कंप्य व्यक्ति द्वारा वशोइस्ताकारी के पात सिवित में किस जा सकोंगे।

रचक्कीकरण्:—इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, को उच्छ विशिष्ठम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, क्द्री अर्थ होगा, को उच्च नाथाय में विका चया हैं।

नगसची

फ्लैंट नं० 8, जो, 2री मंजिल, निलकंठ भ्रपार्टमेंटस्, प्लाट नं० 62, स्कीम 58, बरली इस्टेट, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रर्झ-1/37—ईई/10235/85—86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3—1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक सायकर आय्वत (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37६६/11108/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का भारण है कि स्थायन मणील, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, तल माला, ६मारत नं० 2, पी० एस० बी० ध्रपार्टमेंटस्, बी० जी० खेर रोड़, बरली नाका, बम्बई में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबढ़ ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), ध्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ध्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 3 मार्च 1986।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाः बृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचा प्रतिकृत से विश्वक है बार अंतरक (बंतरकों) बार अंत-रिती (बंतिरितयों) के बीच एसे बंतरण के निए तय पाया गया दृश्यका, विश्ववित्त उपूर्वेष्य से उक्त अंतरण जिसिक में बास्तीयक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण श्रेष्ट्र किसी माय की बाबत, उक्त सीधनियम के स्थीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में क्यी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए, और/सा
- (क) प्रेसी किकी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट महीं किया गया था या किया आवा काहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, विकास किया, विकास कि

(1) पी० एस० बी० कन्स्ट्रक्शन कंपनी लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० ग्रवतार सिह्।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारक पृथान्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त राम्परि के अपन कि राजन में काउँ मी राक्षण 🙅

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किए की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती है, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्या में कि (क) राष्ट्रीये।

ल्थक्टीकरण:---क्समे ध्युक्त शब्दी आर यदी का, आ उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा औं उस अध्याय में विद्या गया हैं।

नन्स्धी

फ्लैट नं० 2, जो, तल माला, इमारत नं० 2, पी० एस बी० प्रपार्टमेंटम्, बी० जी० खेर रोड़, वरली नाका, अम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैमा कि क० सं० म्रई-1/37–ईई/10236/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 3-3–1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 30-10-1986

मोह रः

इक्त बाई । टी । एन । इस । 👓 🗝

बावकर मधिनवन, 1961 (1961 का 43) वर्ष गए 269 (व) (1) वे सधीन क्षमा

वाचा परकार

कार्यातम, सहायक बावकार वायुक्त (निद्धीक्षण)

घर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 30 प्रक्तूबर, 1986

सं ॰ ऋई-1 | 37ईई | 11040 | 85-86--श्रतः मुझे, निसार घहमव,

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हवने परधात् 'उन्त निधिनियम' कहा पना ही, की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का कारण है कि स्थानर सन्पत्ति, जितका उचित बाचार नृत्व 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 11, जो, 5वीं मंजिल, फेन्नर लाउन, 128, एम० के० रोड, बस्बई-20 में स्थित है | (और इससे उपाबढ भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) भीर जिसका करारनामा आयकर भिधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986

का पूर्वोक्त राज्योत के जीवत बाबार ज्या से का के व्यवजान वित्यक्त के लिए जंगरित की वह है जार जूबी वह विश्वास करने का भारण है कि व्याप्नीक्त संज्ञात का स्वित्य वालार स्वाप्त असकी रावपान प्रतिकाल ते, एोडे व्यवजान प्रतिकाल का क्ष्मा प्रतिकाल का क्षमा प्रतिकाल का क्षमा प्रतिकाल के विषय है सिंह बंदरक (बंगर्डकी) बीह बंदर रित्ती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पारा विद्या प्रतिकाल निम्निकात स्वाप्तियों से स्वाप्त क्ष्मा की स्वाप्त की वार्तिका कर से अधिक मही किया करा है है ——

(क्यू) बंदरण के हुई किसी शाव की बाबत, कबत बीधीयबन के बधीन कर देने के बंदरक ती दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ने सिए; और/बा

शि: शेनी किसी जाव वा किसी अन या जन्य नारितयों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से विश्वा से निया;

शतः अवः, उक्त विभिनियमः, की धारा 269-गं के बनुसरण वां, में उक्त विधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के विधीतः, निस्तिवित व्यक्तियों, वर्षात् ह—— 11—366 (GI/86 1. श्रीमती हूर होंडा ग्रभिचन्दानी।

(ग्रन्सरक)

2. श्री एम० एल० रंजीत श्रीर श्रीमती सुमन रंजीत।

(भ्रन्तरिती)

3. प्रस्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को कह मुख्या भाषी करके पृष्टिक्य प्रकृतिय के तथा के विध कार्यवाहिकों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी विकत्यों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सके है।

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मचर्ची

पर्लंट नं० 11, जो, 5वीं मंजिल, फेग्रर लाउन, 128, एम० कर्वे रोड, बम्बई-20 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-1/37ईई/10223/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 30-10-1986

प्राप्टप आर्घा.टी.एन.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

क्षःयलियः सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर, 1986

िर्देश सं० अई-1/37ईई/11177/85-86:-- अत: म्झे, निमार ग्रहमद,

क्षायद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सहाम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण व कि स्थावत् सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार भूव्य 1,00,000/- रत. से आधिक है भ्रौर जिसकी संख्या सी० एस० नं० 1239, फ़ीर्ट डिविजन में, स्थित, मिट रोष, श्रोल्ड हरिलिला हाउस, बम्बर्ड में स्थित है (और इसमे उपाबज्ञ ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-3-1986 को पर्योक्त सम्परित के समित वाबार अल्य से कम के क्यमा। प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वावित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेंब्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोनें की जीतरक बी बाबित्य में कमी अपने वा तमसे समने में स्किन। यों सिए: और/मा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आरित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा अल-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ सन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा व्ये सिए;

नतः वन, उन्त विधिनियमं, की धारा 269-ग को जन्सरण में, में, उवत अधिनियम की घारा 209-म की उपधारा (1) के बंधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अवृत् र---

1. श्रीमती चन्द्रा शे० हरिलेला, श्रीमती पदमा एच० हरिलेला, श्रीमती ज्योति पी० हरिलेला,

(ग्रस्तरक)

2. इण्डो सायगान एजेन्सी (प्रोपराइटर श्री गोबिन्द के दयानानी)।

(ग्रन्तरिती

3. भाडोती

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्यक्ति है)।

की यह सुचना जारी करके प्रतिक्य सम्परित गर्ट **वर्चन के जि**ह कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जाओप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 विन्की व्यविध या तत्सविधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) क्रम स्थाना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुगरा अभोहस्ताक्षरी के पार लिचित में किए जा सकेगें।

स्पक्तीकरणः - असमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जी स्वतः बीधनियम, के बन्धाय 20-क में परिभाषित है, वही बर्ध होगा. को इस सम्याभ में दिन

वर्त्यो

बिल्डिंग सीउ एस० नं० 1239, फोर्ट डिविजन, में स्थित मिन्ट रोड, भ्रोल्ड हरिलिला हाउस, बम्बई ।

श्रन्**मूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-1/37ईई/102**65/र्ी 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनोक: 11-11-1986

इक्ष्य बार्षः दी एन एस . -----

भ∨यकार आभिनियम्, 1961 (1961 का 43) काँ) भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

eren ermi

श्चानंतव, तहानक बावकर नायुक्त (निद्धानिक) प्रार्थन रेंग-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1986

निदश सं० ग्रई-1/37ईई/11152/85-86:-- ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वाम काने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी संख्या पलैट नं० 11, 3रा माला, महेराबाद को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, 1/594, भुला-भाई देसाई रोड, बम्बई-27 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गड़ है और मुक्ते यह विदयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल जिन्निलिखत उद्वोष्य से उक्त अंतरण लिखित वा वास्तिक कर हो की पूर्व के लिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्ट अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की चिन्हों भाउतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन्त अधिनियम, या धन्- कह अधिनियम, या धन्- कह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अस्तिरती स्थाए प्रकट नहीं किया गया था वा क्रिया आना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए।

अतः वय उच्त अधिनियम कौ भारा 269-म सै अनुसरण में, में, उच्त अधिनियम कौ भारा 269-म की उपभारा (1) में सभीन, निम्निनियत व्यक्तियों, यचीह कुन्म मैसर्स फॉटलाईजरस एण्ड केभिकल्स (ब्रावणकार)
 लिमिटेड।

(अन्तरक)

 श्रीमती सावित्री एम० मिरचन्दानी भ्रौर श्रीमती शिला एन० खटाव,

(अन्तरिटी)

3. श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्थना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिख कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोड़ें भी नास्तेप '----

- (क) इस सूचना के एजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील एं 30 दिन की जबिंध, धो औं जबिंध बाद में समाध्य होती हो, से भीतर प्रविक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (अ) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उन्ते स्थानक स्मानि में हिनजद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किथिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस जध्याय में विका स्था हैं।

मस्षी

प्लैट नं 11, 3रा माला, मेहराबाद को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 1/594, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-1/37ईई/10246/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 3-3-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 11-11-1986

प्रास्त्र भारीय हीय हुन्य पुरु व्यापन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन स्पना

मारत बरकार

कार्याक्षय, सहायक मायकर बाब्क्स (विर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1986

निर्देश सं० मई-1/37ईई/10621/85-86:— मत: मुझे, निसार महमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3, 6वां माला, नवरंग बसन्त की-शापरेटिय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 101, कफ परेड, बम्बई-400005, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-3-1986

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एसे एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्टरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण सं हुई जिल्ली नाय की यानत, उपच वीर्यानवम के ज्योग कर देने के अन्तरक कें वादित्य में कामी करने या उत्तते मणने में सुविधा के जिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

बा॰ श्रीनती तारा काकर।

(ग्रस्तरक)

2. श्रीमती भारती इन्दु चुगानी।

(भ्रन्तरिती)

3. मन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह तृत्रवा चारी करके पूर्वीक्त कम्महित के नर्वन के जिक् कार्यशाहियां करता हूं।

उत्तत तन्तरित के अर्थन के बंबंध में काई भी वासरे ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समान्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिवित में किए वा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होता को उस अध्याय में दिया नवा है।

नन्त्रची

पलैट नं० 3, 6कां माला, नवरंग को-म्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 201, कफ परेड, बम्बई-4000051 म्रानुसूची जैसा कि क सं० ऋई-1/37ईई/10193/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-3-1986 को रस्टिक किया गया है।

> निसार ग्रहमव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बस्मई

बिनांक: 11-11-1986

THE RISE WAS TO DESCRIPTIONS

बावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) में बचीन स्वया

नाइत प्रस्कार

कार्णानन्, शहानक नानकर नागुक्त (नि<u>र्</u>राजन) प्रजेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 नवम्बर 1986 निर्देश सं॰ प्रई-1/37ईई/11174 85-86:---श्रतः मुझे, निसार प्रहमद,

कावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवें इसके प्रथात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है'), की भाक्र 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका स्थित वाजार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रोर जिसकी संख्या फ्लैट नं० जी-2, एडवेंट फोरफोश्नर को-श्रापरेटिव हार्जिम सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 9/8426, सी० एस० नं० 1729, फोरफोश्चर रोड, बम्बई-21 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिध-नियम 196₁ की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-3-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित वाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए स्य किया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से स्वत्र अंतरण किवार में वास्तरिक क्य से किया गड़ी किया वया है है----

- (क) अन्तर्प हो हुई कि ही बात की बाबरा, उक्ट श्रीविषय के अधीय कह दोने में अन्तर्क के खबिरन में क्रमी करने वा उससे बचने में स्विधा से विष्: सांद्र/का
- (थ) ऐसी किसी बास या किसी भन या अन्य बारिसयों को विन्हें भारतीय जायकार जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस जीभनियम, वा अव- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुनिभा के विष्।

बतः वन्, यस्त वीधीनवम की धारा 269-म की वनुबरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्रीमती रीना विग

(ग्रन्तरक)

2. इनारको लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

3. इनारको लिमिटेड

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति से सर्वन के संबंध में कोड़ भी काश्रव :----

- (क) इत सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीय के 45 विन की अविधि सा तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- [व] इस बुक्ना के हास्पूर्ण के प्रकारण की तारीय के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हित्यहम किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गाय लिखत में किए जा सक्ति।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अध्य विभिन्नम, के अध्याम 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में विया गया है।

जन्सूची

पलैंट नं० जी--2, एडबेंट'' प्लाट नं० 9/8426, सी॰ एस० नं० 1729, फोरशोग्रर रोड, फोरशोग्रर को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, बम्बई-21।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37ईई/10262/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-3-1986 की रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद; सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंड-1, यम्बई

दिनांक: 11--11--1986

मांहर 🗧

इक्क आहे. हो, छन एक

बाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) में धर्मीन मुखनः

मारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई अम्बई, दनांक 11 निवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-1 | 37ईई | 11337 | 85-86:-- ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, अह विकास कार्य के कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रिवत अधिक मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं 49, उपा किरण, 15, एम० एल० इहाणूक मार्ग, बम्बई-400026 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण ६प में वॉलत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षन प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारी ब 24-3-1986

को पृथीकत मम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य में कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, बसके वृश्यमान प्रतिखन हो, एसं वृश्यमान प्रतिखन का प्रश्यक्ष प्रति । त प्रति है बोद कर्नर (प्रश्तद में) भीर क्रिन्द । (ज्ञाति दियों) के बीख पेस क्रिन्द के लिए तब पाया प्रया प्रतिखन, क्रिक्स प्रिक्त नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई जिसी नाय की बाबबा, उक्त नीभनियम के मभीन कर योगे में अन्तरक के रायित्व मों कमी करमें या उमसे बावने मां स्कृतिका के लिए; मांड/मा
- (क) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकृट नहीं किया गया या वा किया बांग लाहिए वा, जियाने में बविधा के किए; और/वा

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, जी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, 1. मैसर्स कमानी टय्बस लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रनिल भिरूभाई श्रंबानी।

(ग्रन्तरिती)

3. हसमुख आर० कमानी

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह तुमना वारी करके पूर्वोक्त सम्मति के शर्मन के कियू कार्यवाहिमां मुक करता हूं।

अक्त सम्पत्ति को बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी कामोप :---

- (क) वस सूचन के सम्बन्ध में प्रकारण की दारीस के 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इंगरा, अभोहस्ताकारी के पास जिबित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरण ----इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदी का, को सब्ब विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अन्सूची

फ्लैट नं० 49, उपा किरण, 15, एम० एख० **इ**हाणूक मार्ग, बम्बई--26।

श्रनुसूचो जैया कि क सं० श्र $\frac{5}{4} - 1/37$ ई $\frac{5}{4}/10279$ -ए $\frac{1}{4}/86$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांग: 11-11-1986

दक्कप क्षाइं, ही, एनं, एक ,

कायकार काँधिनियस, 1961 (1963 का 43) स्टी गारा 269--च (1) के क्योंन सुरुता

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/ 37ईई/ 32656/ 85-86:-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बाबका विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को बारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह दिश्यान कर्वे का कारन है कि स्थान राज्यति, जिसका उचित ग्राज्य मूक्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सी० टी० एस० नं० 594, 594/1, श्रन्धेरी (पू०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावह अनुसूची में श्रीर पूर्ण व्य से विश्वत है), श्रीर जिनका फरारतामा स्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास सदने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित साजार कृष्य, उनके क्ष्यमान प्रतिफल से, एमें क्ष्यमान प्रतिफल के क्ष्यमान प्रतिफल से, एमें क्ष्यमान प्रतिफल के बीच एमें क्ष्यप्रत के जिए तम क्ष्या गया विद्या किया क्ष्य के क्ष्यमा गया विद्या क्ष्यम्य के क्षयम्य के क्ष्यम्य के क्षयम्य के क्ष्यम्य के क्षयम्य के क्षयम्य

- (क) बन्धरण है हुई जिस्ती बाब की वाधन अस्त स्वीप -पित्रस है वाधीय कार वीते से बन्धरफ हो वाधित्य से कवी करने या करवा बचने से ब्रुविधा के किए; श्रीवर्था
- (क) एंडी किसी मान या किसी भाग वा वास्थ महिस्तादां को , विन्तुं भागवीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उअल अधिनियम या धन अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज नार्ण अस्तिरियी वृंबाध प्रकट नहीं किया गुरा अस्ति विद्या काल बाहिए का स्थिति । अधिक अधिक के

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण पं, मं, अक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपकारा (1) वे वधीर , निम्मीविक स्वीक्टवी , प्रारीत करा श्री योना मार्टीन प्रौर श्रीमती द्वा मार्टीन

(अन्तरक)

2. मैसर्म मोनार्क बिल्डसं।

(श्रन्तरिती)

नीत यह सूचना जारी श्वरणी पूर्वीजय सन्तरित के सर्वत अर्थ शिक्ष कार्यवादियां करता होतु।

अक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कांग्रे की बाबीब अ---

- (क) इस मुचना के राजवन में प्रकासन की सारीस है 45 विभ की क्षविभ वा तत्त्रकारणी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत वे 30 दिन की बगीध, वो भी जनविभ वाद में समाच्य होती हो, के भीदत पूर्वोंका व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति ब्यास;
- (स) ६भ ज्ञाना के राजपन में प्रकाशन की ठारीस के 45 दिन के गीउर जनत स्थावर सम्परित में दिवस्थ्य किती तथ्य व्यक्तित द्वार अधात्रसाक्षरी के वास निर्माल के निरुष्ण सर्वोंने ।

श्राक्षीकरण:---द्वारों प्रमृत्त वर्णों थीड़ वर्षों खा, जी क्ष्य वीमीनवय जे बच्चाव 20-क में नीरवाधिक हुँ, शही वर्ष होता, जी क्य बच्चाव में विका महा है ।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा सी० टी० एस० नं० 594, 594√1, विलेज मरोल, ग्रन्धेरी (५), बम्बई में स्थित है।

श्रमुपूची जैसा कि क सं० श्रई-2/37ईई/32656/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, सम्बर्क

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप काइ ें दी , एवं , एसं ----==

आय्यार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ए.स १७७-घ (1) के जभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड वम्बर्ड, दिनोक 10 नवम्बर 1986 निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31251/85-86:---ग्रतः सुझे, के० सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा १69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कम्पार्टमेंट नं 33, मरोल को ग्राप इण्डिस्टियल इस्टेट. ग्रन्धेरी, बम्बई—59 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबब श्रन्स्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है, (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है. तारीख 1-3-1986

को पर्नोकत सम्पत्ति के लियत बाजार मत्य में कम के संग्रमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उपित बाजार मन्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का ग्रीतफल की श्रीत बाजार बाजार विश्वास में अधिक है और अंतरितों (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गर्मा प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हर्दा किसी बाय की बाबत, उथक नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) गोसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उतन अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण जै, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की खपभारा ((1)) को सभीन, निस्तिविक्त स्विक्तवों, सभीत ह—— 1. पहीलाजराय इस्सारमिंग हिन्दूजा

(भ्रस्तरक)

2. प्रिंस प्लास्टीक्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच त' 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरण: -- इसमें प्रयूतत शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पाँरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

भगुत्री

कम्पार्टमेंट नं० 33, जो प्लाट नं० 7, मरोल को० भ्राप इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एम० बी० रोड, मरोल, भ्रम्धेरी, बम्बई 400059 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-2/37ईई/31251/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्मई

विनांक: 10-11-19

प्ररूप आहें .टी .एन .एस .-----

भायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के गंधीन सुधना

मारत सरकार

कावजिन, सहानक नामकर नानुक्त (निर्दाक्षक)

ग्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31407/85-86:-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या सी० टी० सर्वे० नं० 369/189, श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनाम झायकर छिन्तियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 4-3-1986

को प्वोंकत सम्मित्त के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की पड़े हैं बीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत उम्मित्त का उचित शवार ब्ल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकत से विभिक्त है और नंतरक (वंतरकों), और वंतरिती (जन्तिरितियों) के बीच एसे ब्लिटल के लिए तब बाबा प्या प्रति-कल निश्नितिवत उच्चेक्स से उच्छ बंतरण विश्वित में बाक्सिकक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के जभीत कार क्षेत्र के अन्तरक के बादित्य में कजी कड़ने वा उत्तते अवने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था खिनाने में सुविधा के लिए;

1. जसवन्त कौर लुथरा ग्रौर ग्रन्थ

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सी० के० बिल्डर्स एण्ड डेवलोपर्स

(ग्रन्तरिती)

3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह स्थाना चारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

ं सकत संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्रसंबंधी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बदिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताकरी के पार निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, तहीं अर्थ होगा, को अल्ल अध्याय में विकास गया है।

अनुस्ची

अमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० सर्वे नं० 369/189, विलेज मोगा, प्लाट नं० 136 बी, श्रन्धेरी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/31407/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज--2, बम्बई

विनांक: 10-11-1986

प्रकप बार्च _टी_एन _एस _-----

जावकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) अही भारा 269-च (1) के जभीत सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जम रेंज-2, अम्बई अम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

वस्त्रक्ष, (दुनाक 10 नवस्त्र), 1980

निर्देश सं० धर्६-2/37ईई/31045/85-86:-- घत मुझे, के० सी० शाह,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाह करमें का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या फायनल प्लाट नं० 479, विर्ले पार्ले (पु), बम्बई में स्थित है धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) धौर जिसका करारनामा प्रायक र ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1986।

को प्रतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथा प्रतिकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिस्त से अभिक है बार बंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंच्य से उक्त अस्तरण लिकित में नास्ट्रिक रूप हो किया गया है:—

- (क) अन्तरण के हुइ किसी आध की बाबत, जक्त अधिनियक के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधितन में कभी करने या उसके सचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) एती किसी आप वा फिल्मी धम वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियत. 1000 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता जाहिए था, छिपाने में मृष्टिधा के जिल्हा;

कतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण पे, भे, जस्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तिगों, अधीत :--- 1. श्रीमती हलीमाबाई मूसा।

(धन्तरक)

2. मैसर्स एम० जी० बिल्डर्स ।

(धन्तरिती)

3. भाडोत्री

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पर्त्ति, है)।

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के निए कार्यपाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविश् या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविश, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वेक्ति स्पित्तसों से से सिस्ती व्यक्ति स्थारह;
- (स) इस सूलना के राजवन में प्रकाशम की तारीत सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गमा है।

नगुसूची

जमीन का हिस्सा जिनका फायनल प्लाट नं० 479, श्रद्धार्वेद रोड, विर्ले पार्ले (पु०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-2/37ईई/31045 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारी**ज**: 10-11-1986

शक्त आर्थुटाँ एन एस्_{र,}========

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर; 1986

निदण सं० ऋई-2/37ईई/33202/85-86:-- भत मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० वी 4, उद्योग सदन नं० 3, श्रन्धेरी (पु०), बम्बई-93 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 27-3-1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपित्ति का जावत बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल से मिर्फ है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाना वया प्रतिक्ता, विस्वविचित्त वृद्धदेव से उच्च बन्तरण मिर्मिक के बास्त्रिक कम से कियुत नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- महाराष्ट्र इण्डस्ट्रियल क्षेत्रलपमेंट कारपोरेणन। (भ्रन्तरक)
- 2. सायंटी फीक सी स्टमस (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

वनसम

यूनिट बी० 4, जो पहली मंजिल, उद्योग सदन तं 3 सेंट्रल रोड, सीप्ज बस टर्मीनल के पास मरोल इण्डिस्ट्रियल एरिया, श्रन्धेरी (पु०), बम्बई-400093 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क सं० श्रर्ष-2/37ईई/33202/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-3–1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बग्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाता :---

तारीख: 10-11-1986

RUN HIN'D KIN MIN STAN SERVE

नावनार थापिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-न (1) के धरीन कृतना

शास्त् प्रस्कार

कार्यक्षव, सहायक कायकर आधुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986 निर्दोण सं० क्रई-2/37ईई/32408/85-86:- ग्रतः मुझे, के० सी० ग्राह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 101, पहली मंजिल, विर्ले पार्ले (पु०), बम्बई-57 में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-3-1986।

को पृथांवर। सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इदयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृन्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नासिश्वस उद्योदय से उक्स अंतरण लिखित में बास्तिकक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुए पि.मी अहर की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (ध) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर बधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या जन्त शिमिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बस्तरिशी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, हिगाने में सुविधा के लिए;

अत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— 1. सीराज कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कोकीला प्रदीप दोशी और कुमारी तृप्ती बलीचन्द दोशी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करको पुने किस सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध को कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सृष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्मा की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिश शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में विग्र जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया है।

धनुसूची

फ्लैंट नं॰ 101, ओ पहली मंजिल, तेरेस के साथ, प्लाट नं॰ 27, परांजपे स्कीम, एम॰ जी॰ रोड, विर्ले पार्ले (पु॰), बम्बई-400057 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० प्रर्ह-2/37ईई/32408/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर भ्रायुक्तण (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

१६व बार्ड : टी. एउन्न एउन्-----

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की पादा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37 ईई- 32406/85-86 ग्रतः मुझे, के० सी० शहा

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 100,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं पलैंट नं 102 के साब्लें का, विर्ले पार्ले (पु०) , बम्बई – 57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिनका करानामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रिधीन उक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6–3–1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्त से आधिक हैं कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं विक्या गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्छ अधिनियम क अधीन कर दोने के सन्तरक के राधिनण में जबी भरने वा उसमें नचने वें स्वांत्रजा दे जिए: बीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हीं भारतीय आय-फर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगियों अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धार्मी किया किया कर है। तिहा

जत अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मां, उपा अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारत (1) के अपीत :— 1. सीराज कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रदीप दलीचन्द दोशी (कर्त्ता)

(ग्रन्तरिती)

की यह दूपना बारी करके प्रतिकत संपत्ति के तक वर्ष के हिंदा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जान १००

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन को अवाध, जा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतें कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र इं किसी जन्म न्यक्ति इवारा अधोहस्टाक्षरों के या निश्चत में किए बा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पौरप्रावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

फ्लैंट नं० 102, जो पहली मंजिल, तेरेस के साथ, के साब्लेंका बिल्डिंग, प्लाट नं० 27, पराजये स्कीम, एम० जी० रोड, विर्ले पार्ले (पु०), बम्बई-400057 में म्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/32406/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2.बम्बर्ड

दिनांक: 10-11-1986

प्र**कप बाह**ु **टो ् एत . एस** ुनन्यान्यका

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 289-म (1) के वधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/30936/85-86:—-श्रतः मुझे, के० सी० भाइ.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सख्या फ्लैट नं० 501, केसाक्लेंका, विले पार्ले (पु०), बम्बई—57 में स्थित है (और इसमें उपाबक्ष श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3—1986

को प्रांचित सम्मित् के उचित वाचार ग्रम्य से कम में क्ष्यमान्य प्रतिफर के लिए क्ष्यितित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वचाप्योंक्स सम्मित का उचित वाचार श्रम्य, इसके स्थ्यमान प्रतिफल से एंसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्ष प्रतिकत से नीयक है और जन्तरिती (अन्तरितमों) के बीच एंसे अन्तरक (अंतरकों) और जन्तरिती (अन्तरितमों) के बीच एंसे अन्तरक के जिए तम पाम कम हितकस, विम्लिसित उद्वेषय से उच्च व्यवस्थ विम्लिस

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचक अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

1. सीराज कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक

2. श्रीमती कोकीला जीतेन्द्र दोशी ।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्दा संपत्ति के नर्फान के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी स्थानतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्कि रिण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्कत्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमुस्यी

पर्लैट नं० 501, जो, पांचवी मंजिल, केमाब्लेंका प्लाट नं० 27, पर्रोजेग स्कीम, एम० जी० रोड, विले पार्ले (पु०) सम्बर्ध-400057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क ० श्रई-2/37ईई/30936/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

जतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग है अनुसरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अर्धान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् ----

तारीख: 10-11-1986

प्रक्ष आ<u>र्षे .टी .एन .</u>एस <u>. -----</u>

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986 निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/31663/85-86:--ग्रत मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आचार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लैट नं० 401, केसारूलेंका बिल्डिंग, विले पार्ले (पु०), बम्बई—57 में स्थित है (और इसमें उपा-बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाबार मूस्य से कम के दिस्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण को निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण, सिविद में शास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- (क) बंतरक से हुई किसी बाय की वावत , उक्त अधि -पियम के अधीन कार दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा को निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह⁷ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: क्व, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन∡ निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् ६—— 1. सीराज कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रवीत चन्द्र हरगोबिन्द दास माह, श्री भारत पी० शाह, श्रीमती प्रीती भारत गाह और श्री नितिन पी० शाह ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचनर के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 401, जो चौथी मंजिल, केसाक्लेंका बिल्डिंग, प्लाट नं० 27, परांजपे स्कीम, एम० जी० रोड, विले पार्ले (पु०), बम्बई-400057 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/31663/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख**: 10-11-1986

मोहर 🗓

प्ररूप आर्. टी. एन. एस -----

प्रथमकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

क्षभर्यालv, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्-2, बम्बई सम्बर्ध, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/32713/85-86:- ग्रत**। मुझे**, के० सी० शाह,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),. की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1..00.000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या बेसमेंट श्रौर तल माला, सी० टी० एस० 343, श्रन्धेरी (पु०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 7-3-1986।

को पूर्विक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उरूने दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्ष्ण प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्निलिखित सद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत , धक्त नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया श्रा या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा भी सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण औ, औ, संकल अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 2. ज्योति बिल्डर्स।

(श्रन्सरक)

 डा० रवी कुमार हण्डा भ्रौर श्रीमती मेरी हण्डा।

(भ्रन्तरिती)

4. ज्योति बिल्डर्स श्रीर भाडोत्री

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह स्वना अ।री करके प्योंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ज़क्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रय्वत शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्सूची

पूरा बेंसमेंट श्रौर तल माला जो सी० टी० एस० नं० 343, एस० नं० 26 ए, एच० नं 5, गूंडवली विलेज, भ्रन्धेरी (पु०), बम्बई में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि क सं० भ्राई-2/37ईई/32713/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीख: 10-11-1986

पस्य आहे.टी.एन.एस. ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नत्रम्थर, 1986 निर्देश सं० भ्रई-2/37ईई32077/86-86:-- भ्रत मुझे, के० सी० शाह,

भाषकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिरुधास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृख्य \$,00,000/- रा. से जिथिक है

श्रौर जिसकी संख्या गोडाउन नं० 3, 8, 10, 11, 12, 22, समे-हीता वेरहाउसिंग काम्पलेक्स, बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तरिख 5-3-1986

को प्रांक्त सम्मितः के उचित बाजार मृष्य पं कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपित्त का उचित बाजार प्रूप, उसके रहरमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और वंतरिती (वंतरितियाँ) के बीच के एके अन्तरण के निष् एथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा अबे निप्र; कर्नि/हा
- (बा) प्रेसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा अधियः।

णतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिसित व्यक्तियों, अथितः :---- 13.--366 GI/86

- 1. एम्बी कल्स्ट्रक्शन को० प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. देवेन्द्र नारायण भ्रौर राजीय श्ररोड़ा। (भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृथीयत संपरित की अजन के जिल्हा कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्रोप:---

- (का) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अविधि मा तत्संवंभी व्यक्तिनों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिष्य, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (श) इस स्थला के राजपत्र में अकाशन की सारी भ में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के बास प्रकृति के किस् जा सकी।

ं त्वचंकरणः --इसमें प्रयायत शब्दी और पदा का, जो उत्तर विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिर है, तही अर्थ होगा जो जस अध्याय में विधः गया है।

अनुसूची

गोडाउन नं० 3, 8, 10, 11, 12, जो तल मंजिल श्रौर गोडाउन नं० 22, जो पहली मंजिल, इमारत 16 ए, सेम-हीता वेरहाउसिंग कोम्पलेक्स, ऋउन मिल्स के पीछे, श्रन्धेरी कूर्ला रोड, बम्बई-400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्र\$-2/37\$\$/32077/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्ब\$ द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, बम्बई

तारीख: 10~11~1986

मोहर 🔞

प्रकप बादी, टी. एन. एस.------

भायकर मिश्रियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986 निर्देश सं०ग्नई-2/37ईई/32322/85-86:-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या बी० पी० नं० 322 (पार्ट), एफपी नं० 364, विर्ले पार्ले (पु०), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 6~3~1986

कां पृत्रं वित गणित वं उति व बाजार मृल्य सं का के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिग्रात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) सन्तरण सं धूर्य किसी भाग क्षी बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कार बान के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के जिए; और/धा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ह जारतीय आवकर अधिवियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिवियम, या धन-कर अधिवियम, 1957 (1957 को 27) के प्राजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चै लिए;

- श्रीमती सुलोचना सदाणिय नलावडे श्रौर श्रन्य (श्रन्तरक)
- 2. विजयलक्ष्मी कंस्ट्रक्ष्णन।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्त्वस्वरभी व्यक्तितमों पर प्रकाश की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के गास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त आयकर जिथितियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना को उस अध्यास में दिया नवा है।

मनुसुची

जमीन का हिस्सा जिसका बी० पी० नं 322(पार्ट), एफपी नं० 364, टी० पी० एम० 5 (फायनल), एम० नं० 114 (पार्ट), एच० नं० 5, यिले पार्ले (पू), बम्बई में है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० प्रई-2/37ईई/32322/85-86 श्रीर जो सक्षम प्रातिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, **बम्ब**ई

भरा: अथ, अक्त अधिनियम की धारा 269-त के जनुतरण में, मैं, अक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 10-11-1986

इक्ष नार्द् .ठी .प्रत .प्रत ..------

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

निविद्य बहुकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (विरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० ऋई-2/ 37ईई 31640/ 85-86:—- म्रतः मुझे, के० सी० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उनद अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-थ के वभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वाद कहने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 41, पाल्म स्प्रिग, माहीम डिबीजन, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रॉर पूर्ण रूप मे वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4–3–1986 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के ध्रयमान
बिक्तिस को निए अन्तरित की नई हैं और मुक्ते यह विक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (गतरकों) और अंतर
रिती (अंतरितियों) हैं गिच एसे अंतरण के निए तम पाम
मिया प्रतिकल निम्नसिक्त उद्देश से उक्त अंतरण निम्नसिक
में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त ध्रीधनिवम के अधीन कर दोने के बन्तरक के द्यावित्य में कमी करने वा उससे वचने में व्यविधा के लिए; बॉर/था
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जभिनियम, या भन्कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वाय प्रकट नहीं किया नया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिख।

- 1. मैंसर्स रिजेन्सी कन्स्ट्रकशन प्राइवेट लिमिटेड। (भ्रन्तरक)
- कुमारी स्कारलेट छन्ना श्रीर श्री एक्ले छन्ना। (श्रन्तरिती)

को बहु बुचना बारी करके पूर्वोक्य स्मारित के बुचन के दिव्य कार्यनाहियां बुक करता हो ।

उन्द हर्स्ट्रि के बर्चन के बश्चन्थ में कोई थीं नाक्षेत्र हरू---

- (क) इस बुचवा के रावध्य में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की संबंधि था तत्सम्बन्धि स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बब्धि, को औ व्यक्ति वाथ में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीक्त स्पिक्तियों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (ण) इस सूचना के याचपम में प्रकासन की ताड़ींच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्वयं किरण ह -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, को उवक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

फ्लैंट नं० 41, जो चौथी मंजिल, पालम स्प्रिग, प्रभा देवी, माहीम खिवीजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31640/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रिजस्टडं किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् क्ष-र

दिनांक: 10-11-1986

मोहह :

प्रकर् मार्चं हो पुर पुरस् वानाना वाना

भाषकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन तृष्ता भारत शहस्त्रर

कार्यालय, सहायक नाय्कर भायूक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज~2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० श्र $\xi-2/37$ $\xi\xi/31614/85-86$:—-श्रत मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या फ्लैटनं० 202, क्रुद्रत, खार, बम्बई-62 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 4-3-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वयं मात्र किए अन्तिरत की गई है और कृष्ठे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्वयं मात्र प्रतिकास से अधिक है और अंतरिका एसे स्वयं मात्र प्रतिकास से अधिक है और अंतरिका (अंतरितियाँ) के बीम एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखिल स्व्यं क्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से अभित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबसः, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भग या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय ब्रायकर ब्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधनियम, या भनकर ब्रिधनियम, या भनकर ब्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना वाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, व्यक्ति क्र--- ा. मैसर्स जी० एम० एन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शोभना कल्यनाजी गाला

(अन्तरिती)

3 बिल्डर

(धह व्यक्ति, जिसके **ग्रधिभोग** में सम्पत्ति है)।

बिल्डर

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के रायपत्र में त्रकायन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकतें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

फर्नेट नं० 202, जो दूसरी मंजिल, ऋुब्रत, प्वाटनं० 8, पधरवा, बम्बई 400052 में स्थित है

प्रातृसूची जैसा कि० सं० प्राई-2/37ईई/31614/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 4-9-1986 की रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बर्ड

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अपिनियम, 1931 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ई-2/37 ईई/33244/85-86--- अतः मुक्ते, के० सी० शाह,

णायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, बेला विला, बांद्रा (५०), बम्बई—50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णात है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 29~3—1986,

को पूर्वितित संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुस्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय की वावत उक्क अभिनिय्य के अभीत कर दोने के अन्तरक औ समित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा औं लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा भा यो किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा है लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पंचवटी बिसनेस कारपोरेशन।

(प्रन्तरक)

(2) श्री ऐलेन जे० डीसोजा श्रीर श्री श्रालफेंड जे० डीमोजा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस, स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुथ किसी अन्य स्थावत क्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकने।

स्यव्हीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अन्सूची

पलैट नं० 6, जी चौथी मंजिल, बेला बिला, 54, सेंट ऐनडूज रोड, बांद्रा (प), बम्बई-400050 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 र्दर्श/33244/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-3-1986 को रजिस्टर्श किया गया है ।

के० सी० शाह भक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–अम्बर्ड

तारीखा : 10-11-1986

मक्य बाह' ही पूर् एवं ----

बावकार निभ<u>ति</u>नसम, 1961 (1**961 का 43) क** धारा 269-म (1) के नभीन स्वयंग

बरदव ब्रद्धांत

कार्यात्तय, संहायक आयकर आयुक्त (निर्दासन) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं०् श्रई-2|37 ईई०|33169|85-86--श्रत: मुझे, के० सी० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शरवात 'उन्तरं अधिनियम' नद्धा गया हैं), की थाछ 269-४ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित्त वाचार वृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पसैट नं० ए/18, नन्दन सोसाइटी, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 26-3-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम ध्रयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (२) अन्यपुत्र वे हुन्दे किसी साय की वायत, उपर समितियम के अभीत कार दोने के अन्तर्क के दाजित्व को काबी कारने या उसके अवने में सुनिका से (सप्; जार/पा
- (व) एंसी किसी जाय या किसी धन या कत्य कर की, जिन्हों भारतीय बाब-कार अधिनियम, 1922 की 11) या उन्तत निधिनियम, वा अन-कार अधिनियम, वा अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री इस्माईल नूरमहमद मंसूरी ग्रौर श्रीमती बदनिसा इसमाईल मंसूरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जवाहर लाल सी० जैन भौर श्रीमती छाया जे० जैन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यशिष्ट्रियां करता हुई।

जनत सम्बद्धि के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इव वृचना के राचपन में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन की जनमि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामीस से 30 दिन की जनमि, को भी बविध नाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुगरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा सभोहस्ताकारी के पाड जिचित में किए का सर्वेणे।

नक्षांकरणः---इसमें प्रमुख्य कर्मां और पद्यों का, की उपस सीमीनसम के मध्यान 20-क में परिभाषिक है, वहीं मर्थ होगा, यो उस अध्यान में विशा गया है।

धनुसूची

पलैंट नंo ए| 18, जो तीसरी मंजिल, नन्दन को० भ्रापरेटिक हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 224, वीर सावरकर मार्ग, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37 ईई०33169/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-1986 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(1) श्रीमती हंसा श्रशकरन शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सूमन दतात्रय प्रभृ।

(भ्रन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रह-2/37 ईई/33079/985-86--ग्रतः मुझे, के० सी० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जहागीर आग, माहीम, बम्बई-16 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है तारीख 21-3-1986

को पूले कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल है लिए अंतरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करने का का एण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिव क्ष्य में किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का जो उक्त आधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

फलैंट नं० 1,जो साधवों मंजिल, जहांगीर बाग, 220/222 केंद्रेल रोड, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है। श्रतुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-2/37 ईई/33079/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-86 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष**ण)** श्रर्जन रेंज–2, **बम्ब**ई

अतः अब उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख: 10-11-1986

মকৰ বাৰ্ত্ত হাঁত হৰত হৰত তালাল

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) वौ वशीय सूच्या शारल सरकार

कार्यांत्रय, सहायक जायकर जायकत (निरास्त्रण) श्रर्जन रेंज-2, वस्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्मेण सं० ग्र\$-2/37 \$\$/33095/85-86—श्रतः मुझे, के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाबार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० तल मंजिल श्रौर बेसमेंट, श्रात्मगंगा श्रपार्टमेंट, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21-3-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के क्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त राम्पत्ति का उचित अजार मृश्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का सम्बद्ध प्रतिकात से अधिक हैं गौर अन्तरक (अंतरकों) जोर अन्तरित (अंतरितिकों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तम पाया क्या प्रतिक्र का कि विक्शितिकों के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए तम पाया क्या प्रतिक्र का कि विक्शित को अधिक हैं को अन्तर्थ के लिए तम पाया क्या प्रतिक्र का कि विक्शित को अधिक स्वार्थ कर के का स्वार्थ के का कि विक्शित को अधिक सक्षी कि का अपने हैं अपने के का कि विक्शित को अधिक सक्षी कि का का है के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को सभीत. निम्मनिवित व्यक्तियों, अविति डे—- (1) मै० साईसीधी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रमिला के० बोताडकर, श्री ग्राण्विन के० बोताडकर, श्री चन्द्रकांत के० बोताडकर, श्री दीपक के० बोताडकर, श्रीमती तारूलता ए० बोताडकर, श्रीमती दीपा सी० बोताडकर, श्रीमती नन्दा डी० बोताडकर, श्री विपिन ए० बोताडकर ग्रौर श्री राकेश सी० बोताडकर ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन् राज्यक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भैं अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कं पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्ध्वा

तल मंजिल, श्रौर बेसमेंट जो श्रात्मगंगा श्रपार्टमेंट, एफ० पी० नं० 1263 बी, टी० पी० एस०4, माहीम डिबीजन, प्रभादेवी, बम्बई--400025 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-2/37 ईई/33095/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई हारा दिनांक 21-3-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्ब

तारीख : 10-11-1986

मोहर 🖫

प्रक्ष बाई . ही . एत . एवं . --------

मायकर मिथीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुकता

भारत सरकार

भागसम्बद्ध, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निवेश सं० ग्रई-2/37 ईर्य/31506/85–86—ग्रसः मुझे, के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, सोलीटयूड, माहीम (प), बम्बई-16 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिमका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4-3-1986

क्ष्रे पृथींकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्:) अन्तरण से हुई किसी आय की वाव्यः, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अस्तरक औ शायत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; आरंप/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा वौ किए:

सारीक साव, उपल अधिनयम, की धारा 269-म की जनुसरण भों, मों, उक्रक अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अयिक्तियों, अर्थात् :---14-366 GI/86 (1) मै० श्राकृती।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नोयल क्रेस्टो ग्राँर श्रीमती बीना क्रेस्टो ।

(श्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक थे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो श्री अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना ले राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भातर उक्त स्थायर संपत्ति में हितब दुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के अक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

फ्लैंट नं० 701, जो सातवीं मंजिल, श्रीर श्रोपन पार्किंग स्पेस नं० 19, सोलीटयूड, प्लाट नं० 401, टी० पी० एस० 3, पीनाम्बर लेन, माहीम (प), बम्बई-400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37 ईई/31506/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> के० मी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज--2,बम्बई

तारीख : 10-11-1986

मोहर

इक्ष्म बारें, **टौ**ं, एमं तु **पश**ः संस्थान

बावकड़ जीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के जभीन स्वता

मारत बहुकार

क्षाबीचन, सहायक मानकार मानुबन्ध (निर्दाक्षाण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1086

निर्देश सं॰ मई-2/37ईई/31505/85-86---श्रतः मुझे, के॰ सी॰ शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाद 'उक्त निधिनियम' अहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101. सोलीटयूड, माहीम (प), बम्बई-16 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यिंगत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्री है नारीख 4−3−1986 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख से कम के इस्यमान श्रितफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विख्वास अर्दन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्प, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, मीँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, जिस्तीचिक अधिनायों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स भाकृती।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सीता शंकर मेट्टी भौर श्री शंकर नारायन मेट्टी ।

(भ्रम्तरिती)

को मह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य ध्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में प्ररिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

पलैट नं० 101, जो पहली मंजिल, धौर धोपन पार्किंग स्पेस नं० 5, सोलीटयूड, प्लाट नं० 401, टी० पी० एस०, नं० 3, पीताम्बर, क्षेन, माहीम (प), बम्बई-400016 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्राई-2/37 ईई/31505/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-11-1986

प्रकप बाह्य, टी., एन., एस., -----

बायकर बिधिनियम, 1964 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकार जायुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37 ईई/32854/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के जभीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, बजाज पर्ल, खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है तारीख 11-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित तों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीसिवत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित के बासाविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की शावत, अकत मीधिनियस के बधीन कर दोने के बन्तरक को वायित्व के कभी करने या उससे बचने में सुधिधा के सिए; बरि/या
- (क) एसं किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा वै लिए।

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण कें, मैं, उक्त विधिनयम की धारा 269-ज की उपधारा (1) कें बरूरिन, निम्निलि**वित व्यक्तियों** के खर्चात हरू--

(1) श्रीमती संतोष श्ररोड़ा।

(मन्तरक)

(2) श्रीरमेश के० चावला।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तिशती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोगमें सम्पत्ति है)। को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं सं 45 दिन की अविध या तत्सं नंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी जु से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख सं 45 विन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्वूध किसी स्युक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्दों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्**र्य**े

फ्लैट नं० 501, जो पांचवी मंजिल, बजाज पर्ल, प्लाट नं० 28, यृनियन पार्क, चियम विलेज, खार बम्बई- 400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37 ईर्रं/32854/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, अम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

बायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुबना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनाक 10 नवम्बर 1986

निदेश मं० ग्रई-2/37 ईई/32651/85-86—ग्रन: मुझे, के० सी शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं फ्लैंट नं 33, गैरेज नं 3, दी पैलेससी व्हीयू, बांद्रा, बम्बई – 50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 क ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-3-1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान विकल्स के सिष् अन्वरित की नहीं हैं बीर भूभे वह विकास करने का कारण है कि स्थाप्नोंकर कम्पत्ति कम स्थित बाजार कृष्य, उसके ध्रवमान प्रतिकास के एके ध्रवमान प्रतिकास के कृष्य प्रवच्या प्रतिकास के कृष्य प्रतिकास से विभिक्त हैं बीर बंबरक (बंबरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बौरतिक रूप से काथत नहीं किया गया है ---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरण के शायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा आर/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी भन वा अल्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया बाना चाहिए था, खिनार्थ में सुविधा की लिए।

अतः अबे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धरा 269-ग की उपधारा (1) के अभीत, निक्निसिवित क्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) श्री दयाराम दींगोमल वासवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुर्लीधर फतेहचन्द श्रसरानी ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मर्व्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त आयकर आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बहीं अर्थ होंगा जो उस् अध्याय में दिया स्वाही।

नगुज्जी

फ्लैंट नं० 33 श्रीर गैरेज न० 3. जी दि पैलेस सी व्हीयू, को० श्रापरेटिंव हार्जीसग सोसाइटी लिसिटेंड, 48 पाली हिल रोड, बांद्रा, बस्बई-400050 में स्थित है।

ग्रनुंसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37 ईई/ 32651/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख : 10-11-1986

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की भारा 269 प (1) के मधीन सुचन

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्र\$-2/37 ईई/31289/85-86—ग्रन: मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक्षे पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-अब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12 जो नम्प्रता श्रपार्टमेंट, खार, बम्बर्ड में स्थित है (ग्रीर इसम उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक स्प में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण वे हुई किसी बाब की बावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बल्लों में सनिधा के लिए, जीर/वा
- (य) देवी विश्वी वांच वा किसी भन वा बन्ध बाम्स्यां को, चिन्हें भारतीय वाव-कर सिंभनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त जिमिनयम, या वव-कर सिंभनियम, या वव-कर सिंभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए था. कियाने में स्विभा वी विष्:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर बे, में, उक्त जधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१ है अधीन, निम्निसियत स्पृतिसयों जधीत :---- (1) श्री हरेश ए० मीप्पी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुन्दरी ए० मीप्पी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्याक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के दर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किन्छ में । कर को । कर का सकरेंगे ।

स्थव्होकरण: — हममें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होएा जो जम अध्याय में दिया स्या है।

मम्प्षी

फ्लैट नं ० 12. जो गहली मंजिल, नम्प्रता श्रपार्टमेंट, सोलावा रोड, खार, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्र $\xi-2/37$ ईई/31289/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रिजस्टई किया गया है।

के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्रकृत आर्थ, दी. एवं. ११

भागमार बहुँचनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-म (1) में बधीन स्वमा

शास्त्रं सरकार

श्वासीमय, सङ्घायक बायकर बायुक्त (निरोक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० प्रर्१०-2/37 ईई०/32777/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' व्हा गया हो), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 61-ए, लेंड ब्रिज, बांद्रा, बम्बई में स्थित हैं (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रौर जिसका. करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-3-1986

को नृष्यंक्त सम्पत्ति के उपित शाषार मृन्य से कम के दरयमाम शितफल के मिए अन्वरित की गई है और मृश्वें यह विश्वास करने का कारण है कि सभापनिकत सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य उनके दरवमान प्रतिफल में, एसे दरयमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती , जन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफ से निम्मनिवित स्वृद्येय से उपक्ष अन्तरण विविद्य में सार्ताकक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (कां) बन्तरक से हुई किसी बाब की बाबस, उक्त बीजीनयम को बभीन कर दोने को अन्तरक को खिनरब में कनी करने वा उससे बचने में तुनिधा कालप् अप दे।
- (श) एसी किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 को 11) का अन्य व्यविनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वर्षा जा वा किया जाना चाहिए वा, स्विपान में सुनिया के जिए;

बतः वयः, उक्त विभिन्नियमः, की भारा 269-त व अन्सरणः . व्या. उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं इर्बर्ट सन्स लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बिन्द्रा पाल सिंह।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

का वह स्वान भारी करके प्यानित संपत्ति के वर्षन नै सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

क्कार क्ष्मरित में वर्षद के सम्बन्ध में कोई भी नामांधा--

- (क) इस सूच्या के राज्यन में प्रकारन की तारीय सं
 45 दिन की जनिए या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर
 बूचना की तानील से 30 दिन की नवीय को भी
 सूच्हींय नव में चन्ना होती हो, से जीवर प्रविक स्वाराधी में से दिस्सी महिन्द कुन्नाह;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन के भीतर जनत स्थानर संपर्ति में हित्तवक्ष किसी बन्य स्थीवत द्वारा, बभोहस्ताक्षरी के वास जिसित् में किए वा क्कींने।

रभ्यतोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों जरि पदों का, जां उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं², कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यौ

पलैट नं० 61-ए, जो लेंड ब्रिज, 52 पाली हिल रोड, बांद्रा बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कम सं० श्रई०-2/37 ईई०/32777/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक $7 \div 3$ -1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रापकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्राई०-2/37 ईई/32817/85-86—-श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर मुख्यति, जिसका उत्तित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पर्लैट नं० 402, काकाड भ्रपार्टमेंट, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (भ्रीर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मितिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वाश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दापित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॣि—

- (1) श्री मूर्जवान नूसेरवानजी खारी वाला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जोनेफ पौल परेरा, श्रीमती पमेला इजसबेला गोनसास्वीस श्रौर कुमारी होनोरा श्रगनेस परेरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस लूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया है।

अनुसूची

पर्लैट नं० 402, जो चौथी मंजिल, काकाड भ्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 4, टी० पी० एस० 3, पाली रोड, बांद्रा-400050 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि अप सं० श्रई-2/37 ईई/32817/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-11-1986

पसम् बाइ. टी. एव. इस. - - > ---

भाषकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-व् (1) के विभीन बूधना

नाइट सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (गिरीकण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्रई०-2/37 ईहै०/32609/85-86—श्रतः मुझे, के० सी० णाह,

इतने पश्चात 'उनत निभानयम' कहा गया हैं), की धार्थ 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 401, श्रेकोस्ट बान्द्रा (५) बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), और विसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 7-3-86

को पूर्वोक्त सम्पंत्त के उचित बाजार मृल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विविद्य में स्थित कप से कथित महीं किया पया है कि

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा काल्स, करिं/स
- (स) एसे फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का किन्स भारतीय आयक्त अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपस अधिनयन, या अन्क कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा अरावण,

अत. अब उक्त अभिनियम की भारा 269-म की ब्युक्रण मं, मंं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से बभीन, निम्नितिषक व्यक्तिमों, वर्भाव ६—- (1) मैसर्म ए० जी० बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुलाम नबी ए० गफूर सोलंकी ।

(भ्रन्तरिती)

को नह तुमना वारी करके पूर्वोक्त कुल्लील के वर्षक के हैन्द्र कार्यनाहिन करता हुन्।

उक्त सम्पृत्ति के ब्रावंत के सम्बन्ध में कोई भी बाकोर :---

- (क) इस त्वना को राज्यभ में अकरान की राहरिया से 45 दिन की नविथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिस की अवधि, जो भी वविथ बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वविक्तमें में से किसी व्यक्ति ब्रावाद;
- (क) इत श्वना के राजपण में श्रकावन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्वकृथ किसी मन्य न्यक्ति क्वारा वधोहस्ताकरी से पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्माच्योकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्ना वरि पर्यो काः, कां उकाः वीभीनयम के वभ्याय 20-क में परिकारिक हैं, नहीं वर्ष होगा को उस वभ्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 401, जो चौथी मंजिल, एकोस्ट,18/बी पाली रोड, सीटू एस० नं० थीं 538, बांद्रा (प), बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कम सं० श्रई०-2/37 ईई०/32609/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रैंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/32562/85-86— ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, कांती स्रपार्टमेंट, सीविग, बान्झा, बम्बई में स्थित (है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर स्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-3-1986

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति पल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालायिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत: अब, उत्तत औधनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) वसन्त लाखमशी और गैलेश लाखमशी। (ग्रन्तरक)
- (2) डा॰ कुमारी तारी काकर ग्रौर प्रहलाद काकर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवासा की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्यों भी धावितायों पर सूचना की तामील से 30 दिन को धाविस, जो भी अविधि बाद में समाप्य होई हो, दो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी धारीन दुसारा:
- (क) इस सूचना के राज्यक्ष सं क्याक्षन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सः नत स्मा हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किस् जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क से परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा को कर अध्याय सें दिया गया है।

जन्सूची

फ्लैट नं० 4, जो पहली मंजिल, कांती ग्रपाटमेंट, सीविंग, माउण्ट मेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० ग्रई-2/37ईई/32562/85-86 म्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड िया गया है।

के ० छी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, वम्बई

तारीख: 10-11-1986

मोहर

प्रथप बार्च . टॉ . एत . एम . ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भ (1) ने सभीन सूचना

शारत बज्जार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बर्द

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/31518/85-86-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का हारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1.00.000/⊢ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 201, (कोस्ट, बान्द्रा श्रप), बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधी, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उत्तित जाजार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिकन के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वाम करने का कारण है कि यथापृजींक्त संपत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल में, एसे स्थ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निम्मलिखित उत्तियों से उद्यु अन्तरक सिवत अस्तरिक स्था के किया वसी है अन्तरिक स्था के किया वसी है अन्तरिक स्था के किया वसी है अन्तरिक स्था के किया वहीं किया वसा है अन्तरिक

- (क) अभ्याहण दे हुई सिक्षी साम की बावक, स्वतं विभिनियम में सभीन कर दोने के बमरास्थ के शाबित्य में कमी करने था जसमें स्वतं में मुविधा के लिए, नौड्ड/मा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंक्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) है। उन्तर अधिनियम, या भन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए हो। दिख्याने में मुक्तिया के लिए:

अतः अव, उक्त विधिनयमं की धारा 269-म से बनुसरण वो, सें. उक्त विधिनयमं की धारा 269-च की उपधारा (1) वे विधिन, निल्मिसिया व्यक्तियों ल क्योंग क्ल- (1) मेससं ए० जी० बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) शकील ग्रब्दुल करीम घोरी।

(भ्रन्तरिती)

को बह स्वना वारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के मर्वन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उदल स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी कम्य क्यक्ति ह्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

श्राव्यक्तिया :---इसमें प्रयुक्त सम्बां और पतां का, वा उपक वृष्टितया को वश्याय 20-क में परिभाषिय है, वही अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिवा नवा है।

अभृस्ची

पर्लैट नं॰ 201, जो 2री मंजिल, एकोस्ट, 18/बी, पासी रोड, सी॰टी॰एस॰ नं॰ 538, बान्ब्रा (प), अम्बई में स्थित है।

श्रतुसूची जैसाकि ॐ० सं० ग्रई-2/37ईई/31518/85-86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

मोहर ।

प्रक्ष नाइ .टी.एन.एव.-----

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 नवम्बर 1986 निदेश सं० भाई० 2/37ईई/3/404/8-866--- भतः मुझे, के० सी० गाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यहविद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9-ए, सोसायटी बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिल्ला कारनामा श्रायकर मधिनियम, की धारा 269 कवा के भधीन समक्ष श्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हैं तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफाल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जीभनियम की अभीन कर देने के जन्तरक के श्रीयस्थ में कमी करने या अवसे क्या में सुविभा के लिए; जौर/या
- (द) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भरकार अधिनियम, या भरकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

नतः नम, उक्त निभिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उर्पधारा (1) के नधीप, निम्नलिकिन स्यक्तियों, नधीत्:— (1) श्रीमति रीटा सारगोन।

(भन्तरक)

(2) श्री सुधाकर सीना हेगई और अन्य।

(मन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--- इसमें प्रगृक्श शब्दों और पदों का, जो उक्त जिधिनयम, के मध्याप 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगर जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 9-ए, जो नववी, मंजिल, बेलार को-झाप० हाउसिंग सोसाइटी यूनियन, पार्क, पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसािक ऋ० सं० श्रर्द-2/37ईई/31404/85-86श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायगर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11986

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस_ु-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के अधीन सुक्रमा

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निर्योक्तण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/33118/85-86— ग्रत: मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके प्रभात् 'उस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अभीन सक्त प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज्य संभिक्त हैं

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिक्रल को किए बाकार को नहाँ हैं और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है। कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का अभिक वाजार मूल्य, उसके उसकान प्रतिक्रत से, एव सम्मान प्रतिक्रत के पन्छ प्रतिक्रत से अधिक हैं और अंतरक (अवस्था) की स्वाधिक का अधिक हैं और अंतरक (अवस्था) की स्वाधिक स्वाधिक से प्रतिक्रत के अधिक हैं और अंतरक (अवस्था) की स्वाधिक स्वाधिक से अपनिष्ठ के स्वाधिक से अधिक से अधि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दर्शिक के अभी करने या उससे बचने में सुविक्स के सिष्ट: और/या
- (स) ऐकी किसी लाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भवकर विभिन्नम, दिन्तिर्देश का 1957 (1957 का 27) के अधिन्तिर्देश किया क्या का मा किया जाना चाहिए था, डिन्पाने में सुविधा के लिए:

बत: बच, उक्त विश्वितिक की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, जान की किए की पारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलिखित व्योजनीत अर्थात् :--- (1) परेरा प्रापर्टी डैबलपमेंट कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरेश छगन लाल।

(भ्रन्तरिती)

(4) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सार्वविका करवा है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टांकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में टिया गया है।

अनुस्ची

फ्लेट नं० 1, जो, पांचवी मंजिल, ग्रववेल्स, प्लाट नं० 227, सी०टी० एस० नं० 812/ सेंट एड्ज रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि लें श्रिई-2/37ईई/33118/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारी**ख** 10-11-1986 मोहर: प्ररूप आई, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/31576/85-86-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 4, कांती अपार्टमेंट, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाब द्व अनुसूची में और पूर्णकप से विणत है) और जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम, 1961की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

कौ पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (का) बन्तरण से हुइ किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह³ भारतीर ग्रंथकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरा निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स बीना कारपोरेशन

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमित रिजवना महमूद सलीम खान (ग्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चूक करता हूं।

स्वतः सञ्चितः में अर्धुन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बर्बाध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मति मां हितबद्ध किसी जन्म विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः — इसम् प्रयुक्त घट्यां और पदां का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क के परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

मन्स्यों

फ्लेट नं० 4, जो, ए- विग सातवीं मंजिल, कांती श्रपार्टमेंट, माउण्ट मेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-2/37ईई/31576/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-2, बस्बई

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप आहे हो. एन. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा 2**69 घ (1) के अधीन सुधार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वस (निर्शक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/31430/85-86--- प्रतः मुत्रे, के० सी० शाह,

शायकर विश्वित्यमः, 1961 (1961 का 13) 'तिहर २०६ हस्के परभात् 'स्क्यु मिनियम' कहा गया हो), भी धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी का या यहार असे जा कारण हो कि स्थावर सम्मति, जिल्ला अभित असर श्राम ग्राम ग्राम जीवा असर श्राम १,00,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 403, परीक्षा, बान्हा, यस्वई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद शनुसूची में और पूर्वहर्ग से विणत है), और जिसका उरारनामाँ आयका कि शिंदा है, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, वस्बई स्थित अक्षम वाजिष्टा के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 4-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित गायार मूहे अस्य को कानसार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अहि अहा अहा के उपाप करने का कारण है कि समाप्नें कहा समाप्य करने का कारण है कि समाप्नें कहा समाप्य करने का कारण है कि समाप्नें कहा समाप्य करने का मारण है के प्रतिकार के प्रतिकार के प्रतिकार से अधिक है कि र लेन्स्य (अवस्थान प्रतिकार का अहा कि र लेन्स्य (अवस्थान का अहा का अहा रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के अहा का प्रतिकार में प्रतिकार निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त का तरण कि खिल में आस्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी डाक पर्व करा . जा का बिधीनबंध के अभीन के प्राप्त के करा स्वाप्त करा स्वीक्षिय के किसीन के प्राप्त के स्वाप्त करा स्वीक्षिय के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन सा धार असंस्त्या को, जिन्हीं भारतीय अपनार अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त सांका एक, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1947 का 23) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा रूप के कुर विकास स्वा था वा किया जाना चाहिए था, किया व स्विका के जिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उनधारा (1) वे सभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्रीमति शालरदा शाह मेहरा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विमल अग्रवाल

(अन्तरिती)

का नह ब्रुपना नारी करके दुर्नोक्त सम्मति के मर्थन थे सिष्

रका रुमिश्त से स्वीत से संबंध में कोई भी वासेए ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति वृद्धारा, अभोहस्ताकरी के शास िस्तित में किये सा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हर्म, मही वर्ष होंगा, जो उस कथ्याय में दिशा

वनस्थी

फर्जेट नं ० ३03, जो, 4थी मंजित परीश्रम बिल्डिंग, प्लाट न० 40 पालो हिल रोड वान्द्रा, अम्बई—400050 में स्थित है। अनुपूची जैला कि क० सं० अई—2/37ईई/31430/85—86 थार जो शक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4—3—1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

(भ्रन्तरक)

प्रक्रमः बाह्रोः दी. एतः एतः ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-आ (1) के अधीय सुखना

(2) श्री रमेश गोपालदास सिप्पी।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० म्रई-2/37ईई/31429/85-86--- म्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० शाप नं० 4 कारटोन कोर्ट, वान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्त्य में रजिस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत कि निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिवृक्त क्या के किया वहीं किया नवा है कि

- कि निकास है हुई कि ती बाय की बावता, उपत कि नियम के शभीन कार दोने के बारतरक के दादित्व में कभी कारते या समसे त्याने के स्पृतिकात के विष्कृ, महि√या
- (णा) होती किसी जाज या किसी पन या जना अपिस्तारों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियंत्र, १९७० (1922 का 11) या उक्त अधिनियंत्र, या भन-कर अधिनियंत्र, या भन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का १८ के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया, गया था या किया जाना जाहिए था किया, स्वीवार वी किया,

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण ब्रें, प्र', उक्त आँपनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात ह को बहु सूचना नारी करके प्रवेक्त सम्मत्ति के नर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुई ।

(1) श्रो उस्मान जमल शामा और उमर जमल शामा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस मूचना के राजपण के प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समझ्द होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ के से किसी व्यक्ति द्वारा;
- नि १४ शक्या क राज्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अभ्य क्यांक्त ब्वारा, वशेहसाक्षरी के पाम विकित नित का सकती।

स्तब्दोकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा बो उस अध्याय में दिवा गका है।

अनुसूची

णाप नं० 4, जो, कारटोन कोर्ट, जंक्शन स्राफ पेरी रोड, और पाली रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

स्रतुमूची जैसा कि कि कि सिं प्रई-2/37ईई/31429/85-86 द्यार जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रें ज-2, बम्बई

. तारीख: 10-11-1986

प्रच्य बाइ^{*}.टी.एन.एस.----

ार रहा दियस, 1961 (1961 का 43) की २०११ (१) की अधीन सुचना

धारत सरकार

असर्निक सहायक आसक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्वई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/31413/85-86-- श्रतः मुझे. के० सी० शाह,

बायका प्रियं 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार प्रियं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज में अभीत राज्य प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मुख्य 1,00,200/- मा में विधिक हैं

और जिसकी लंब पलेट नंब 7, जो मेंगन, इमारत नंब 5, बान्द्रा, (प), बम्बई-50 वें स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्वदिश से विश्व है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

की पूर्विया सन्पति के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतियात किया परित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करते । वाकार के किया प्रतियान को गई है और मुम्ने यह विश्वास करते । वाकार परित का प्रतियान ये एसे दश्यमान प्रतियान का पन्द्रह प्रतियान के विश्वास के विश्व किया क्या प्रतियान के विश्व किया क्या प्रतियान के विश्व के विश्व

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की आगत, उक्त कि विश्व की अभीन कर दोने के अन्तरक के वर्षावाण में धनी करने या उससे वचने में स्विधा की नेम : और/जा

थनः प्रांत्राः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, दंं, इस उीलीत्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) डिल्किन, नियमितिका व्यक्तिसमें क्षा मधीस के — (1) श्रीमति माधा सहदेव कारना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हेमन्त के० मोनी, श्री नवनीत एच० सोनी और श्री सजय एच० सोनी।

(अ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके प्रशिव्हत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध एं काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं
 45 जिन की अपधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना को लाजीय में 30 दिन की अत्रिक्त, को भी
 लाग नाम की जान होने काली हो, के भीतर पूर्वकित
 वर्ग काल के काली हो के स्वारः
- (ग) इस लुकना ३ एकप असे प्रकाशन की तारीस से 45 विकास प्रेमें एकप एक्स प्रभावन सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास मिलिए मी किस ना सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इया अध्वा शब्दा शर्प पदा का, जो जन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक की, बड़ी वर्ष हाया के इस अध्याय में दिया

अनुसूची

पलेट नं ० 6, जो 1ली डमारत नं ० 5, जर मेंशन, **ग्राफ दर्न** १ रोड, बान्द्रा (प), बम्बई 50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० स० ग्रर्ड-2/37ईई/31413/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, **बम्ब**ई

तारीख: 10-11-1986

प्रकृत आहे . टी . एक् . एक्

भाषकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वधीन स्थान

मारत सहकाह

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्रई-2 | 37ईई | 32890 | 85-86— श्रत: मुझे, के०सी० शाह,

अप्तयकर ओधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लेट नं० 302, रीगल ग्रपार्टमेंटस, शांताकुज, (प), बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विंत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियमग्र 18.1 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 11-3-1986

को प्रॉफ्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार वृद्ध, जसके रहयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से शिए तब धाना जया प्रतिफल, निम्नसिचित सस्वयम से स्वत अन्तर्य किया नया है —

- (क) अन्तरण ते हुई किसी शाव की वावत, उच्च श्रीध-शिवस की अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के शिए; अदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, किया विकास के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ;---

(1) मेसस रविराज कन्स्ट्रक्शन्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री खेमचन्द फगवानी।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्ट सन्धत्ति के अर्थन के किस् कार्यवाहियां करता हुं।

बन्द बन्दीत्व के वर्षन के बन्दन्थ में खोद भी बाधोद्ध-

- (क) इस सुचना ने राचपन में प्रकाशन की तारीब धें
 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दह
 सूचना की तामीस से 30 दिन की जब्धि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा ज्योहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकोंने।

स्थव्यक्षित्र प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्छ अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाविद हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्स्ची

फ्लेट नं० 302, जो 3री मंजिल,, रीगल भ्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 4/बी, सी॰टी॰एस० नं० 56, टी॰पी॰एस० नं० 2, एस०बी॰ रोड, शांताऋज(प), बम्बई में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/32890/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० माह् सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज-2, बस्बई

तारीखा: 10-11-1986

प्रकप आई.टी.एन.एच.,-----

भावकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत प्ररकार

भागांकच, सहायक आयकर बायुक्त (निर्देक्कण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवस्बर 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/32687/86-86--- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

क्रायकः जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 4/सी, श्रपूर्व वैभव, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम, 1961 कीधारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करू का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिकल सो, एसे स्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कत, निम्निलिसित उद्देष्य में उक्त बन्तरण मिणिह में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाधत, उक्त श्रीधनियान के अधीन कर दोने के इंटरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अरः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण रं. मं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) कुसुम वीरसेन, दीपक वीरसेन।

(भ्रन्तरक)

- (2) **वीर**सेन कल्यानजी श्रौर प्रकाश वीरसेन । (श्रन्तरिती)
- (3) भन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है),।

का बहु स्वान कारी करके पूर्वीकत संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इ.र. सूचना कं राषपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए वा सकेंच।

स्वत्वक्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्पी

फ्लेट नं० 4/सी, जो, श्रपूर्व वैभव को०-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 140, एस० वी० रोड, इर्ला, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32687/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) -श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

शास्त्र आहें .टी.एन.एस. 🚉 🚉 🦏 🚓

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन क्षमा

भारत संग्कार

कृत्यिय, तक्ष्यक नायकर नातृत्व ([नरीक्षण]

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० म्नई-2/37ईई/31397/85-86—- म्नतः मुझे, के० सी० शाह,

जिल्कार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) विषये इस्ते इसके प्रस्थात् 'उक्त विभिन्नम' कहा गया हैं). की पारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वासं करने जा कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 2, रीगल भ्रपार्टमेंतटस, शांताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (भीर इससे उपायद श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), श्रौर ित्सका काररनामा भ्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986 को पूर्वांश्स सम्पन्ति के ्षित बाजार मृस्य स कम क दश्यमा

- (क) सन्तरक वं शुर्च किथी साथ की बासका, उक्छ सीभिनिशन के अभीन कर दोने के अन्तरक के ब्राधिस्य मंकमी करने वा उससे दचने में सुविभा के सिए; सीर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों का, किन्हुं भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा स्कला जाना चाहिए या कियाने में स्विभा के तिए;

क्छ अन्य क्या विशिवक की भारा 288-य के वनुष्क्रक में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-में की उपभाग (1) के अभीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थीत :----

(1) मेसस रविराज कन्स्ट्रक्शन्स।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमति रेखा म्नार० इहाबी।

(ग्रन्तरिती)

काँ वह भूचना चारी करके प्वाँक्त कम्मित्त की वर्षन के सिक् कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्न समात्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकावन की तारीच सं 45 दिन की नशीय ना तरसंबंधी व्यक्तियों दह स्थान की तामीथ में 30 दिन की नयीथ, का भी अधीय नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (वा) ध्व स्थान के राज्यक में प्रकाशन की हारीच के 45 धिन के भीतर अनत स्थानर सम्पत्ति में दिलबक्क किसी बन्ध व्यक्ति इतारा जभोहस्ताक्षरी के पाल जिक्कित में किए वा तकी थे।

स्वव्यक्तिरणः -----इसये प्रयुक्त कक्यों बीर पर्दों का, वो उक्त विधिवयं के वध्यान 20-क में परिभाषिक हैं, नहीं वर्ष होगा जा उन्हें कथ्याय में दिवा क्या हैं।

पनुसूची

यूनिट नं० 2, जो, तस मंजिल, ग्रपार्टमेंट, प्लाट नं० 4/बी, सी०टी०एस० नं० 56, टी०पी०एस० नं० 2, एस०वी० रोष, शांताऋज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-2/37ईई/31397/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 4-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **ग्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/32740/85-86—- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 51, पूनम भ्रापार्टमेंट, शांताऋज (प), वश्म्बई-54 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में भीर पूर्णरूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई में रजिस्दी है तारीख 7-3-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तर बचने में सुविभा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीतिवित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री मधुकर श्रनन्दराव कोप्पीकर श्रौर श्रीमति वीरा एम० कोप्पीकर ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्री भूपतराय हीराचन्द दोशी धीर श्री जनक भूपत राय दोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगें।

स्पव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिनियम के बध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया पया हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 51, जो पांचवीं मंजिल, पूनम प्रपार्टमेंट, सारस्वत कोलोनी, बाल्मीकी रोड, शांताऋुज (प), बम्बई 54 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/32740/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-2, बम्बर्ड

तारीख: 10-11-1986

प्रकृष वार्षाः, हाँ । प्रमान प्रकृतन्त्रकारमञ्ज्या

भावक्द भौभागियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन मुचना

बाइव शहरू

कार्यास्य, सहायक बायकर बायुक्त (विरोक्तिय)

ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/31645/85-86--- झत: मुझे के० सी० शाह,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विच इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ाौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, रीगल, ध्रपार्टमेंट, (प), बम्बई-54 में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध प्रनृष्ची में ध्रौर पूर्णरूप से विणत है), ध्रौर जिसका कररनामा प्रायकर प्रिधिनयम, 1962 की धारा 269 कख के ध्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृका से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृका से कम को प्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह (अतिरित्तियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आग की बावत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बाह्र/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतस बंब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की वनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिबिस व्यक्तियों, वर्षात् ह—

(1) मेसर्स रविराज कन्स्ट्रवशन्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति नीलम एच० गोलानी।

(अन्तरिती)

को यह ब्रूचना चारी करके प्वॉक्त संपत्ति के वर्षन के ब्रिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वाना के राज्यन में प्रकाशन की तार्यां से 45 रिन की नविष या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों इस स्वान की तानील से 30 दिन की वविष, से भी कर्शि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रांचित क्यें करायों में से किसी व्यक्ति स्वान्य ह्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबबुध भिक्ती अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहरताक्षरी खें पास त्तीचत में किए का सकोंगे।

स्पथ्यक्रिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं ० 502, जो 5वीं मंजिल, रीगल अपार्ट मेंट, प्लाट नं ० 4/बी, सी॰टी॰एस० नं ० 56, टी॰पी॰एस० नं ० 2, एस० वी॰ रोड, शांताऋज (प), बम्बई 54 में स्थित है –।

प्रनुसूची जैसा कि कि कं प्रई-2/37ईई/31645/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, **बम्बई**

तारीख: 10-11-1986

प्रकर लाहु*्टी<u>-पून-पुस</u>ु------

सायकर अधिनियम, 1(°61 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सूचना नारा प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्वेश सं॰ भ्रई-2/37ई ई/31662/85-86- भ्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बा**चार** मूक्य ।,00,000/- एउ. से आश्रिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, गजवार ग्रपार्टमेंट बी, बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब द्वाग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), ग्रौर जिसकारारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बश्बई में है रजिस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

की पूर्वीयक्ष सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्क्यमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिकत से अधिक हैं बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी अाथ की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अस्तरक क्षायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा म्बेलिए; और∕या
- (ख) एेसी किसी आय_ेया किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनिम्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-14 की बन्सरण हों, ब्रॉ, ज़क्स अधिनियम की धार 269-व की उपधार (1) को अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) जायस्मीन कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स लोखेडवाला प्रा० लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्थन को आिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना को राजवन में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर ल्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

लब्दीकरणः—-इसमें प्रश्वत शब्दों और पर्शों का, ओं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा आये उस अध्याय में विद्या गया हुँ।

बगुस्ची

पर्लेट नं० 201, जो 2री मंजिल, गजदार श्रपार्टमेंट, बी० जुट्टतारा रोड, बम्बई-54 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31662/85 86 सीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर अध्युक्त ऋनिरीक्षण) श्रर्जनरें ज-2, बम्बई

तारीख : 10=11-1986

प्रस्थ भार्यः थीः एनः एसः ॥ - - ----

भागभर विधित्रका, 1961 (1961 का 43) मी भाग 269-ग (1) के वासीन स्माना

शार्य सहस्रात्

कार्यालय, सहाबक बावकर बावक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986 निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/31504/86-86—- ग्रतः मुझे, के०सी० शाह,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्ते इसमें इसके वश्वास् 'उक्त वरिविचम' कहा गया हैं), की भाग्य 269-क के अभीन सज्जन प्राविकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति विस्तान के जिस वाचार मुक्य 1,00,000/-रा. से विभिक्त हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 चन्दन भ्रपार्टमेंट, विले पार्ले (प), बम्बई-57 में स्थित है (भौर इससे उपाबक धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिन्नका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की भारा 269 कल के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारील 4-3-1986

को पूर्वोचत तस्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यनान इिक्रिल के विश्व अन्तरित की नद है और मुफ्ते यह विद्याल अस्ते का कारण है कि अवस्पूर्वोच्य क्यांचित का दिवल बाकार भूक्य, सबसे क्यामान प्रतिकत से एवं क्यामान प्रतिकत का पंदह प्रतिकत अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्यों) के बीच होते अन्तरक के निए तथ बाया बया प्रतिकत, निम्मसिवित क्यूबंद्य से उच्च बन्तरण जिल्लित से व्हर्स्यविक कप में अधित नहीं किया बया है है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अर्थ अर्थ के बधीन कर देने के अन्तरक के अधित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/शः
- (भ) इसी किसी बाव वा किसी भव वा तस्य वात्सवां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से बसा नार्व कर रिली इकरा प्रभट कही किया नवा था वा किया जाना प्रीकृष् था. किया से स्विधा के रिल्प;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ंग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की भारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सुन्दर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनमोहनदास छजन लाल शाह श्रीर दिव्येश मनमोहनदास शाह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता॥ हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 1, जो, 2री मंजिल, चन्दन ग्रपार्टमेंट, सी०टी०एस० नं० 417/एस० वी० रोड, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है। ग्रनुसूची जसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31504/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी,बम्बई द्वारा विनांक 4 मार्च 1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्रकृष मार्च . दी. एन्. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वधीन सुमना

भारक सदकरर

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986 निदेश सं० श्रई-2/37ईई/32582/85-86— श्रतः मुझे, के०सी० शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उकत अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित्त वाकार मृज्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 120 ,हिस्सा नं० 17, विले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), स्नौर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के प्रधीन, बम्बई में स्थित है सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 7-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृस्य से कम को स्थयमान लिए वन्तरित म्प्ते विच्चास QE. िक यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके **र**ूयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के कीक एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्नसिकत उद्याच्य से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तविक रूप से अप्रीवत बढ़ा किया गया 🗗 ६---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी नाव वा किसी पत्र वा नाव वास्तिनों का, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 की (1922 की (1)) या उन्हें निधिनियम, वा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ नगरिती ब्वारा प्रकट वृद्धी किया नगरित प्राप्ति के किया की निय;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--:

(1) बाब्लाल खीम चन्द वर्धन ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स हिमांश इन्टरप्राईसेन।

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) मीगल वेनेडीक्ट राटो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को बहु सूचना चारी कारके पृशांचत संपत्ति भी वर्षन के जिए कार्यशहियां कारता हो।

सक्त बंदरित के ब्रॉन के बंबंध में कोर्ड भी बासरे है---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत विकास में से किसी व्यक्ति हुए।
- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर सकत स्थानर सम्मित्ति में हितनस्थ किसी बन्य व्यक्ति ब्नारा नथोहस्ताक्षरी के पाड सिचित में किस् वा स्कोंने!

स्वाकरणः -- इतने प्रवृत्त कर्मा नीर पर्यो का, वा उपक् वीधीनयम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहु वर्ष होगा, यो उस अध्याय में दिशा प्रशा

धनुचची

जमीन का हिस्सा जितका सर्वे नं० 120, हिस्सा नं० 17 भोरीजीनल प्लाट नं० 346, फाईनल प्लाट नं० 365, टी०पी० एस० नं० 5, विले पार्ले, बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37ईई/32582/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० **गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

मोहर ।

प्ररूप बाइ^{*}. टी. एन_ु एस् ू-----

शायकर बिधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० आई०-2/37ईई०/33092/85-86--- अत: मुझे, के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्नके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 501, रीवैरा, जुहू, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21-3-1986

की ्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्रेप से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरक से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त निधिनयम के नधीन कर दोने के अन्तरक को शिवह में कमी वारने या उसमें बचारे में माँविका के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियान मानुवधा के लिए,

(1) दी मार्डन होम लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गोरधन दास ग्रार० पंजाबी ग्रौर श्रीमतीं लीला जी० पंजाबी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास

स्यब्दीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

फ्लैट नं० 501, जो पांचवी मंजिल, रीवैरा, गांधी ग्राम रोड, जुहू, बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/33092/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 21-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

बायकर बिधिनियम. 1981 (1981 का हु) का धाम 269-क (1) के सभीन मुख्या

I MILLION MANAGEMENT

कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्रकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/33015/85-86--- अतः मुझे, के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1969 क्य १८३) मिलसे एएसी इसके एक्वात जित्त अधिनियम' कहा भाग हो। की अब्द 269-ख के अधीन मध्यस एपिकाडी से यह विकास करणे का कारण है कि स्थावर सम्मालित, जिल्ला एपिन राजाय साम्मा 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 6, सालेत सांताकुज (प), बम्बई—54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावतः ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, की धारा 269 क ख के ग्राप्ति सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार एक ने का के नगमान प्रतिकल के लिए अन्तरिय ही रूप है है ने दूर्ण का नहार प्रतिकल के लिए अन्तरिय ही रूप है है ने दूर्ण का नहार करने का कारण है कि स्थाप्त्र लित संपति र का चौकार राजात कृत्य, उसके स्त्यकाब प्रतिकास के, गोरों ने एका विकास है का स्वाप्त का प्रतिकास के विधिक है और अंतरक (अंतर्की) हो ता कर यहा पर्विक कि कि सम्विक के विश्व के कि ता का प्रवास के कि का का प्रवास के कि ता का का प्रवास के का नाम कि का उपयोग का का प्रवास के का नाम कि का उपयोग का का प्रवास के का नाम कि का न

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की ग्रांतर, उन्न अधिनियस की अभीत तक दोगे की अस्तरण हैं दासित्य में कमी करने या उन्ने तचत्र हों सुविभा को निए; और/वा
- (क) होती किसी बाम मा किसी घर वा सन्य आसिताली को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ कन्त्रीर्थ व्यापा प्रथम कर्त्री के मा बा किया काला खर्जन कर अधिनाम का किया काला खर्जन का अधिनाम का विकास काला खर्जन का अधिनाम का विवास काला खर्जन का अधिनाम के लिए;

मतः क्व, उक्त अधिनियम की भारा 269 के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री विनोद कि कुट्टी ग्रःर डा० कुमारी विनोदीनी कुट्टी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० ग्रार० देनाई।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

अध्यत् सम्मानितः सर्वे सार्वे र स्त्रे १ के १ व व व व व व व व व व व व व व व व व

- (क) इस श्रीना के राजापत्र की प्रकाशन की तारीख से हर किया करिया प्रकाश साम्याध्ययके स्थानिताओं तर सुकार की सामील में 10 दिन की खर्जिए, को भी कर्माण एक की मान्यक भी ने हों के भीतर पृक्षा कर सामा कर की मान्यक सामित कर सामा
- श्री अन्यक्षण अ रायक्षण की रक्षणाव की शारीस सं 45 किन की भावन समान नक्षणाव, सम्बद्धित से हितवहुष किसी राज्य अर्थका (अ.६. अ. सम्बद्धासवी के पार किसी राज्य अर्थका (अ.६.)

रवस्त्रीकरणः -- इसर्वे प्रवृत्ति स्वक्षी और पत्ती का, भी उपन अधिनयम्, के अध्याय 20-क में परिजावित है, स्ट्री सभी हाईन जो एग अध्याय में दिना

अनुसूची

फ्लैंट नं० 6, जो भांकेत 82, सारस्वती रोड, सांताऋज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

ग्रानुस्ची जैंगा कि ऋम सं० ग्राई०-2/37 ईई०/33015/85-86 ग्रौर जो सक्षग प्राधिकारी , वम्बई द्वारा दिनांक 18-3-1986 की रिजस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राप्तकर म्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-11-1986

मोइर :

प्रकृप बाह् दी एग स्व

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सचन

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० म्राई०-2/37 ईई०/33114/85+86—-म्रतः मुझे, के० सी० शाह

आवकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाध् 'उक्त बिधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० $\sqrt{6}$, कुमकुम श्रपार्टमेंट, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 21-3-1986

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित वाकार मृश्य ते कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और सुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिक से, विस्तियों के अधिक उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिविक का से अधिक नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण की दिल्या में कभी करने वा उच्च व वर्ग में सुविधां के सिष्ट; और/धा
- (ख) एंसी किसी बाव या किसी धन वा जन्य कारितकों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर खिषानिवस, 1922 (1922 को 11) या उथरा खिषानियस, बा धय-कर जिथिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वारा प्रकट वहीं किया क्या या वा किया कावा वाहिए था, छिपाने के सुविका के खिला;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रीमती जयश्री सुधीर शाह।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लाजू ग्रार० मेहता ग्रौर श्री राजेश के० मेहता ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी कर्ये पृथींक्त सम्पत्ति वे अर्थन वे विक्रु कार्यवाहियां करता हैं :

बक्त सम्मित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षी ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के एास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलैंट नं० ए/ 6, जो तीसरी मंजिल, कुमकुम श्रपार्टमेंट, को० श्रापरेटिव हार्डीसंग सोसाइटी एस० वी० रोड, विले पार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/33114/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-11-1986

प्रस्त मार्च . टी ् एन . एस . ------

भायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

शाहरू सर्वेद

कार्यक्षम, बहाबक भावकार बागुक्त (निरांताण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10-11-1986

निर्देश सं० ग्रर्ड-1/37ईई/32508/85-86 भ्रत: मुझे के०सी० भाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गथा है), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पात्त, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० दूसरी मंजिल, डी-3, फीरा नगर, मान्ताकुज (प) बस्बई-54 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबढ़ प्रनुसूवी में पूर्ण क्य में वर्णित है) प्रीर जिसा करारनामा ग्रायकर प्रधिवियम की धारा 269 क, ख, के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है नारीख 6-3-86 को पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि येथा पूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाबार करने का कारण है कि येथा पूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाबार करने का कारण है कि येथा पूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाबार करने का कारण है कि येथा पूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बावार करने का कारण है कि येथा पूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बावार विश्वत सं विभक्त है और यह कि अधरक (बंबरका) और अंतरिती रिती (बन्चरितवों) को बीच एसे बन्तरण के लिए सब पाया क्या प्रविकल, मिन्नसिवित उद्योग से उच्य बन्तरण निचित को वास्तविक रूप से किया गया है उ---

- (क) बस्तरक में हुई किसी क्षाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बांड/बा
- (ल) श्रुष्ती किसी काय या किसी अन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था कियाने में यनिया को लिए;

लतः जय, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-गं को जनुसरण में, में, उक्त जीभीनयमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) है बधीन, निम्निनियन स्पित्तसमों, अर्थात :--- (1) मेसर्स सरल इन्टरप्रायसेस

(अन्तरक)

(2) हेमंत डी० शाह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथींकत सम्पत्ति के सर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई मी बार्लेप डे—

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की वनिभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वर्गीं में से वनिभ वाद में समान्त होती हो, के नीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इत सूचना के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्थळकिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदौं का, आं प्रथल मिथिनियम के अध्याय 20-क में परिशासिकत है, वहीं अर्थ क्षोगा, जा उस अध्याय में विशास

अवस्थी

पूरी दूसरी मंजिल, जो इमारत डी-3, खीरा नगर, एम० बी० रोड, मान्ताऋुज (प) बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० ग्रई-2/37ईई/32508/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायार स्रायुक्त (निरिक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-11-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री प्रशोक रघुनाथ जूकार और श्रीमती सूरेखा अणोक जूकार श्रीर अन्य।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ के अधीन सुचना

(2) मेसर्स वालिया कन्स्ट्रक्शन को०। (भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

की कीरण है कि स्थावर सम्पात, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट बी. सर्वे नं० 43, जुह विलेज, बम्बई, में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्णक्र्य में विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कख, के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 7-3-1986 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल को एसे दिस्यमान प्रतिफल का गंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में

- कमी करने या उससे अधने में सिविधा के लिए; जौर/या

 (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त भीधिनियम की भारा 269-गे की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुर्ने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

''प्लाट बी जो सर्वे नं० 43, हिस्सा नं० 2 (पार्ट) सर्वे नं० 51, हिस्सा नं० 9, सीटू एम नं० 96,, 68, 69, जूकार बाडी जुह विलेज, वम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32801/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

दिनांक: 10-11-1986

क्षार बाह्य हो एक एस.

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

शहत सरकार

कार्यनम . सहायक नामकर वाय्क्त (निर्जाजन)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांह 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ग्रईई/31644/85-86—ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

लाएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्टब्के पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वान करमे का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आधार मूर

1,00,000/- रा. सं अधिक हैं
और जिसकी सं० फ्लैंट नं 501, रीगल अपार्टमेंट, सान्ताऋुष (प), बम्बई 54 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है,) और जिसका करारनामा आयार अधिनियम की धारा 269 तख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनाँ व 4-3-1986

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्म जास्तियां को, सिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ध्रे प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट वृहीं किया चना बा किया जाना बाहिए था, क्षिपन धर्म से विधा के लिए;

सरः शक, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अगृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स रवीराज कन्स्ट्रवशन्स

(ग्रन्तर क)

(2) श्री किशोर एस० गोलानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना खारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के किए कार्यनाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जासे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच दें 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बब्धि, आहे भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कांक्रतमां में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थध्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया बदा है।

प्रतुत्रुची

फ्लैंट नं० 501 जो पांचवीं मंजिल, रीगल ग्रपार्टमेंटस प्लोट सं० 4/|बी, सी० टी० एस० नं० 56, टी० पी० एस० 2, एस० वी० रोड, सान्ताऋुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाहि क० सं० ग्रई-2/37ईई/31644 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधि हारी बम्बई द्वारा दिनां ह 4-3-1986 को रजिस्टर्ड हिया गया है

> के० सी० शाह सछम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां ः 10-11-1986

म्बर् मार्ड व दीव प्रगत प्रकारका

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

नाइत इहकार

कार्यालय, सहायक गायकर शायकत (मिद्रीक्षण) ग्रर्जन रेंज -2, बम्बई

बम्बई दिनांक 10-11-198 6

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/31227/85-86-ग्रत: मुझे के० सी० शाह,

हारकर विधिन्यम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयन' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० ए-3, सर्वे वं० 287 (पार्ट) विले पार्ले, बम्बई, में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है श्रौर जिसका जारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 छ ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-3-1986 को पूर्वेक्श संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है :----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) हा उस्त लिखिनयम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा जै लिए:

बतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीग, निम्निसिसित व्यक्तियों, वर्धात् हु— (1) शमशेर राजकपूर उर्फ शम्मी कपूर।

(अन्तरक)

(2) नान त चंद डी० मूत्रेजा शोला देवी एन० मूत्रेजा नंदलाल एन० मूत्रेजा, सूरेश एन० मूत्रेजा, विनोद एन० मूत्रेजा, धर्मेंद्र एन० मूत्रेजा, सूनील एन० मूत्रेजा श्रीर ललित एन० मूत्रेजा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त हम्पीत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्दाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील जे 30 दिन की अविधि, जो भी अपीय कार्य का मा सभाषा होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों को से किमी न्यक्ति द्वारा:
- (ल) इस रावतः व राकत्य मी प्रकाशन की तारीख एं 45 विन के भीतर उदल स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किरीय पर किस्स का मन्नीरो ।

स्वष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

"जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० ए-3, सर्वे नं० 287 (पार्ट) सी० टी० एस० नं० 5-2, मोडेरा टाउन का० ग्राप० हाउसिंग लिमिटेड विले पार्ले बम्बई में स्थित है ग्रनुस्ची जैसा की क० सं० ग्रई-2/37ईई/31227/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्रांधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनां क 10-11-1986 मोहर : वक्षप कर्ता . ११. एस. एवं स्वयन्त्रास्था

बायकर केथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) से बचीन सूचना

M. S. M. M. M.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 10 नवम्वर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/33035/85-86--ग्रत: मुझे के० सी० शाह,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमे इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 57, मंगल की रन जुहु बम्बई-57, में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्व श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिस ा ररारनामा श्राय र श्रिधिनियम की धारा 269 है, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय बम्बई में रिस्ट्री है तारीख 19-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्नविचित उद्हेश्य से उक्त अन्तरण निकित के वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) करारण से हुई किसी बाय की बानता, उक्त कांध-वियम के अधीन कर दोने के बत्तरक के वाधितक में कभी करने या उससे वचने में मृत्रिधा के लिए; बरि/शा
- (का) एसी कि भी बाय या कि भी धम या जन्य आफिन्यां भी जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने औ ध्विधा के लिए:

बतः, अवं, उक्त अधिनियम को कारा 269-म के अनस्तारम में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, विस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- · (1) नान स थःट ईश्वः दराबर। (ग्रन्तरः)
- (2) श्री मोहनला विश्व सीगतिया ग्रौर श्री ग्रिभमन्यू विनोद सीगतीया।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूखना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ट व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति इवाद;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थात्रर सम्परित में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किमा का भूजों में 1

स्थान्यके : इस्मा प्रयुक्त शासी और पदी का., जो उत्कर अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो तम अध्याय से दिख सदा हो।

अनसची

"प्लाट नं० 57 जो मंगल कीरन को० स्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड , स्रायरीम पार्क, जुहू, बम्बई-400057 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि०सं० ग्रई-2/37ईई/33035/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्रांधिारी बम्बई द्वारा दिनां हि 19-3-1986 को रिजस्टर्ड या गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राय∋र म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक 10- 11-1986 मोहर : प्रकलप आहाँ.टी.एन.एस.-----

त्रावकर विधिनियव, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन क्वना

ETEG SERVE

कार्यांचय , रहायच बायका जाव्यत (मिट्रीलण)

धर्णन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986 निर्देश सं० ध्रई-2/37ईई/31613/85-86--ध्रतः मुझे के० सी० शाह,

सायकर गाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परवात् 'उनत नाधिनयम' कहा गया ह"), की भाड़ा 269-स के मधीय समाम गाँधकारी को यह विश्वास करने का भारत है कि स्थापर तम्परित, विश्वका उचित गांधार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सीटू सर्वे नं० 934, जुहू विलेज बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावस श्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है (श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

श्रो प्वानित सम्मिति के श्रीयतं वाचार मूल वे कान के जानान वित्रका के निए नंतरित की गई है बीर मुक्ते वह विश्वात करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य क्वके क्वभान प्रतिकास से, एसे क्वमान प्रतिकास का पन्नद् वित्रकृत से निथक है बीड अन्तरक (नंतरकों) भीर नंवरिती (बन्तरित्वां) के बीच होते बन्तरण के चित्र स्व शासा भवा प्रतिकास, निम्नलिसित उद्योगों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्त्रविक्य कम से का विक्य वहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एकी किसी जाय या किसी अन या कत्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, या अन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) जै अवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यहा वा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा जै किया।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--18-366GI/86

(1) श्रीमती बी० सरला मेनोना

(मन्तरक)

(2) श्री मोड्न ठाकुर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वनाहिनी करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी अविक्यों पर स्वना की तानील से 30 दिन की नविभ, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस बूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वास अधीहस्ताकरी के राज जिल्लाक में किस वा सकोंने।

स्वव्यक्तिरणः—इसमां प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया निया है।

मन्स्ची

"जमीन का हिस्सा जिसका म्युनिसपल नं० के-9569 (1-2) स्ट्रीट नं० 89, सीटी सर्वे नं० 934, सर्वे नं० 10, हिस्सा नं० 2, जुहू विलेज, बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31613/85-86श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह्य समक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज∽2; यम्बई

दिनांक: 10-11-1986

मोहर

प्ररूप आहें.टी.एन.एसु.,-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 265 थ (१) के अधीन स्वनः

बार्ड सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निवेश सं० श्रई-2/37 ईई $\circ/31298/85-86$ - स्रतः मुझे, के \circ सी \circ शाह,

बावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिन्नम' कहा गया है), की बारा 269-क के वभीन सक्तम प्राधिकारों को यह भिश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सभ्यत्ति. विस्तका उपित वाधार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 2-3-1986

को व्योक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि संवाप्योंकत संपरित का उचित आवार वृष्य, उसके क्यमान प्रतिभल से, ऐसे क्यमान प्रतिभल का वृष्य प्रतिभल का वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल का वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल का वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल का वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल का वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल का वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल का वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल से वृष्य प्रतिभल का विम्नलिखित उद्य प्रतिभल अन्तरण में लिखित वास्तियक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :—

- पुँकों अध्यक्षण में शुद्ध देखती भाग की सामय स्वयः अधिदित्यम से अधीन मद्ध योगे में सम्बद्धक से अधिद्य में कभी समने या उत्तम अपने में सुनिधा को लिए; तीहर/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैस नटराज कारपोरेशन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बूलचन्द ग्राहूजा श्रीर श्री नरेश श्राहुजा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से 45 चिन की नविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में किया चक्का है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 112 जो ग्यारहवीं मंजिल, क्षितीज, सी० टू० एस० नं० 566-569 हिल रोड ब्रांद्रा (प), बम्बई-400050 में स्थित हैं ।

भ्रनुसूची जैसा कि कम सं० भ्रई-2/37 ईई०/31298/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम याधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्ते ैं (निरीक्षण) श्रर्जन टेंज-2, बस्बई

बंदः बंद, उक्त अधिनियम की भारा 269-क के अनुबारक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) कि अधीन, निम्मसिक्ति स्थानकरोंक अर्थात कि ---

तारीखा : 10-11-1986

श्रह्म जाहु[®]्टों. एन<u>. एस</u> ु -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन

मारत करकार

कार्यासव . सहायक बायकर बाव्यक (निडीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निवेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/31300/85-86--श्रत: मुझे, के० सी० शाह,

कारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धियां इसमें नुमके प्रथात 'उक्त जिमिनयम' कहा प्रया हैं), को भारा 269-व में स्थीन तक्त प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर कम्पक्ति, धिसका उचित राजार सूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 71, क्षितीज, बांन्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कथा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-3-1986

का पूर्वेक्स सम्मत्ति के उचित बाजा हु मूक्य से कम के दश्यमान अतिक क के निए जन्तरित की गर्थ है जार मुक्ते यह जिल्ला करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजा हु मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त सं, एसे दश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीय कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा मैं जिए।

बतः अव, उक्त विधितिसम की धारा 269-व वी विवृद्यस्य की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधास (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैं० नटराज कारपोरेशन।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती रूहिया एस० माहीमवाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई।

वक्त तम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तार्डीं हैं 45 किन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जनिंध, जो भी जनिंध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय वभोहस्ताक्षरी के पास तिवित भे किए जा सकींगे ॥

स्यक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और वर्षों का, जो उनक ब्रापिनियम, के बन्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस मुख्याय में दिया बया ही।

नगसची

फ्लैट नं० 71, जो सातवीं मंजिल, क्षितीज, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई—400050 में स्थित है ।

भ्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-2/37 ईई०/31300/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी असहायक ायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 **बम्बई**

तारीख : 10-11-1986

क्ष्म आहें हों तुन्य पुत्र अस्तर्भ

भायकर मीपॉनवन 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मुपीन कुमता

TOP STREET

कार्यास्त्र_क ब्हाबक जासकर जास्कृत (निर्देशक) ग्रर्जन रेज--2, बस्बई

बम्बई विनांक 10 नवम्बर 1986

निवेश सं० माई०-2/37 ईई०/32730/85-86--- मतः मुझे, के० सी० शाह,

आयुक्तर जिथितिक्त, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकी इसकी पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के जभीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, सी० एस० नं० 337 (पार्ट), माहीम, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा भायकर श्रिधनियम, की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 7-3-1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्ष्यमान शित्रफान के विषय नंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य नृश्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमाण प्रतिफल का नंत्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और (अन्तरिश्चित्) में बीच एसे जन्तरम् के जिए तब गावा व्या प्रतिफल, निम्नसिचित ज्युक्तस्य से समुत क्ष्यरण विक्रित वास्त्रिक अप से काँचत नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरण प्रदूष किली भाष की वायस । समझ नियम के अभीन कर बोने के बन्तरक के समित्य में कर्मी कड़ने वा उनके बचने में सुनिभा के लिए। निधिया
- (क) एसी किसी अस्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

शतः नवः, उन्त अधिनियमं की भारा 269-ग के जन्सरण में", में", उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीरः व्यक्तिका व्यक्तिवर्गाः अधीर क्रिक्त (1) मैस मेक बिल्डवर्स एण्ड एसोसिएट्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयन्त कुमार नटकरलाल राजा

(भ्रन्तरिती)

को यह तुमना चाडी करनी पूर्वीक्त सम्पृतिस ही अर्थन में जिल्ला कार्यनाहियां सुक करता हुई [i]

उक्त सम्मृतित् में अर्थन् के तेथंश में कोई भी बालेप् ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बर्बीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध बब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा व्योहस्ताक्ष्री के पास सिवित में किए का वर्की के

स्पच्छीकप्रमृश्र—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवत वाधिनियम् के वश्याय 20-क में परिभाविद् ही, बही वर्ष होगा को उस वश्याय में दिवा प्या हींंंंंंं

वयुक्ती

फ्लैंट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, सी० एस० नं० 337 (पार्ट), फायनल प्लाट नं० 649, टी० पी० एस० 4, माहीम, भ्रमिगो होटले के पीछे, शिवाणी पार्क, बम्बई में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-2/37ईई $\circ/32730/85-86$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-11-1986

प्रारूप वाइ . टी. एन . एस . ------

जायकर जिभिनयम, 1961 (1961 का 43) क्षी भारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण) मर्जवे रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं अग्रई०-2/37 ईई०/32254/85-86--- प्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, सतकार्तार सोसायटी, खार (प), बम्बई-52 में स्थित है (भौर इससे उपावत अनुसूची में भौरपूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिप्तियों) के बीच एेंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने को अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः क्षत्रं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों 🗸 अर्थात् :---

- (1) श्री ठाकुर दास तोलाराम मूलचन्दानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पूनम व्ही ग्रडनानी। (अन्तरिती)

की वह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बुक्त के विक कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

जक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारीया 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चनाकी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः – ⊸इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा नया है।

नन्स्य

फ्लैंट नं० 14, जो तीसरी मंजिल सतकातीर हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, एस० वी० रोड, खार (4), बम्बई-40052 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋम सं० ग्राई-2/37 ईई/32254/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6+3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> **के० सी० शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 10-11-1986

मोहरः

प्रकृत आहु^र्टी<u>. एन. एस. अन्य-स्थ</u>

नावनक्क निर्मानवस्यः 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) से नभीन सूचना

भारत बहुका

कार्यालग, सहायक गायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नबम्बर 1986

निर्देश सं० भ्र ξ $-2/37\xi\xi/32344/85-86--$ श्रतः मुझे के० सी० शाह,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 रुपये से श्रिधिन है

- हुँक) जन्महरू है हुई जिल्ली आप की बाब्स बक्त विधिनवन् के अधीन कर दोने से बन्तरक के स्वित्व वो कनी करने वा उससे वजने में सुविचा के किए; और/वा
- (क) प्रेची किसी बाय या किसी धन वा बन्य वास्तियों को , चिन्ही आरतीय वावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्ट विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना काहिए था , कियाने के सूथिया से जिल्हा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसंरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स एम० के० कन्स्ट्रक्शन कं०

(ग्रन्तरक)

(2) डा० वछानी प्रेम प्रकाश जे० और डा० श्रीमती बछानी मोहीनी पी०

(म्रन्तरिती)

(3) बिल्डर्स

(बह व्यक्ति जिस श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आही करने पूर्वोंचर सम्मरित के नर्गन के विश् कार्यवाहिमां सूच करवा हो।

उक्त कमरित के बर्डण के संबंध में कोई भी वासेव ह---

- (क) इब ब्रुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बदिश या तत्सम्बन्धी स्पेक्तयों पर ब्रुवना की तामील से 30 दिन की अविश्व, को भी बदिश बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त स्पित्तयों में से किसी स्पक्ति द्वारा?
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी जन्म म्बन्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाव सिक्ति में किए जा सकोंने ।

लाकाकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों वरि गर्यों का, वो उन्तेत अभिनिवय, के कथ्याव 20-क में परिभाषित ही, नहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया नवा ही।

अनुसूची

"फलैंट नं 102, जी पहली मंजिल, नसीब, प्लाट नं 115, एस० बी० रोड, खार (प) बम्बई 400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि क सं श्रई-2/37ईई/32344/ 85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह ृसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, बस्बई

विनांक 10-11-1986,

मोहर : 🛔

भक्य **वार्**्दी . एन . एता नु वद्याननस्थानसम्ब

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

मारत सरकार

कार्थालय, सहायक नायकर नायक्त (निर्दाक्त)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निषय सं० ग्रई-2/37ईई/31756/85-86—ग्रतः मुझे के० सी० शाह,

नायकर निर्मित्सम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रकार 'उन्त निर्मित्सम' कहा गया हैं), की भारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरम्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 12 ला एम० रोड खार (प) बम्बई—52 में स्थित है भीर इस उपाबद्व भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा भीर भ्रिष्टिनयम की धारा 269 कख, के भ्रिष्टीन सक्षम प्राध-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986 की पूर्वों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986 की पूर्वों के सम्पत्ति की उचित बाजार म्स्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिखत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितिवां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेदय से उद्यत अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप ते कथित नहीं किया क्या है ह——

- (क) बन्तरण से शृष्ट कियी शाव की बावत, अवत विभिन्नम के बधीन कर देने के बन्तरक के बावित्य में कमी करने या उससे वचने में श्विधा के लिए; और/या
- (या) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य ारित्यों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनेयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधि में निए।

बतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-च के, अनुसरण वें, वें, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के बभीन⊕ निस्मित्कित व्यक्तियों, वर्भात ६-- (1) श्रीमती निशा सिंह

(म्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीचंद एम० गीयानानी भ्रौर श्रीमती राधारानी लक्ष्मीचंद गीयानानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उदत सम्पत्ति के अर्जभ के सम्बन्ध में कोई जासेप ध-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्य ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताकरी के पास जिल्लान में किए ता सकी।

स्पष्टीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उपक् विभिनियम के विध्याय 20-क में परिभाषित् हूँ, वही वर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिवा सदा है।

वनुसूची

फलैंट नं॰ 12, जो एमरेड प्लाट नं॰ 407, 408 एस एस नं॰ 7, सीट एस॰ नं॰ ई/244,ई/245 चौदवां रोड खार (प) बम्बई 400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31756/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन् रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 10-11-1986

मोहरः

म्क्य जा**इं्टी**_एव**्एच**्रकारकारक

कावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूत्रका

भारत सरकार

कार्याच्या, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्ष)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० मई-2/37ईई/32018/85-86 म्रतः मुझे के० सी० शाह

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1.00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिमकी सं० फलट नं० 702, बजाज पिलं खार
बम्बई-52 में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर
श्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्रधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए कत्तिरत की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उमके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का
पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं
(अन्तिप्तियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया
प्रतिफल निम्निविचत उब्देश्य से उक्त अन्तरण एलिकित में
वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियय के बधीन कर घोने के बीतरक के बाबित्य के कमी करने वा डबसे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (थ) एसी किसी नाय या किसी थन या कन्य वास्तिनी की, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, फिनाने में कृष्यिमा से निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण कें. कें. अपन अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जया टी॰ हरदासानी।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती गीता भार हरवासानी।

(मन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके ब्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।;

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि या में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी कन्य व्यक्ति वृद्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहाँ का हा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वन हों।

अनुसुची

फलैंट नं० 702, जो बजाज पर्ल, यूनियन पार्क; पाली हील; खार, बम्बई-400052 में स्थित है अनसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-2/37ईई/32018/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्रकृष भार्^क. द<u>ो . एन . एव .</u> -------

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत बरकार

कार्यांसन, सहायक नामकर नामकर (निर्देशिक)

ग्रर्जं न रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 10 नवम्बर 1986

मई-2/37ईई/33256/85-86-मतः निर्देश सं० मुझ्ने के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्षको पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00.000/- रह. से अ**भिक हैं**

भ्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 4, कूल-ईन, बान्द्रा बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर जिसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है। श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख, के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 27-3-1986

को पूर्वोक्त सम्परित को उभित बाजार मुख्य से कम को बरयमान, प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मन्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिफल् का पमद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के सिए तब **बाबा थया प्रतिपत्रम, निम्नसिवित उद्देश्य से उदत अस्तरक** हिनीचत जो बास्तविक रूप से किंतित नहीं किया पना है :---

- (कः) बन्तरण से हुई किसी काय की बावत, विधिनियस के वधीन कर दोने हैं वितरक के दायित्व में कभी करने वा सकते बचने में स्विभा के चिए; बार/वा
- (४) एेसी किसी भाय वा किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्ही भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **बनकर विधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के** बयोचनार्थ अंदरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा B (V)[;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

🕏 बधीस, निरम्भिषित ध्यक्तिथी, अर्थात् 🛎 🗕

(1) श्रीमती लारेन नीकौलस

(ग्रन्तरक)

(2) दाबूदभाई एच० नलवाला ग्रीर श्रीमती शहरा बाई दाव्दभाई नलवाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वभा जारी कहने प्रॉक्ट सम्मति भी नर्जन के क्रिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्ट सम्मत्ति को कर्णन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इत स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा वी 45 विन की स्वीभ या तत्सम्बन्धी स्यक्तिको पर सचना की तामील से 30 दिन की वर्गभा, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्व व्यक्ति वृत्रारा अभोहस्ताक्षरी के गांध मिचित में किए का सर्वोगे।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अवक जिभिनियम, के अभ्याद 20-क में परिभाविद्य है, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विदा नया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4, जो दूसरी मंजिल कूल-इस, एक्सटेंशन श्राफ बाटरफील्ड रोड-बान्द्रां बम्बई 400050 में स्थित है धन्सची जैसा की ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/33256/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारी बम्बई द्वारा दिनां ह 27-3-1986 क़ो रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 10-11-1986 मोहर:

19-366 GI/86

प्ररूप बाइ.टी.एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरौक्षण) धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 नवस्वर 1986

निदेश सं० ग्राई०-2/37 ईई०/31968/85-86--ग्रत: मुझे, के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसक सं० फ्लैट नं० 601, जो प्लाट नं० 722/2, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा झायकर प्रधिनियम, की धारा 269 क, ख; के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5-3-

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान
प्रिष्टिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का
पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उद्यक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उद्यत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) अधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाम् :--- (1) मैसर्स महेश बिल्डर्स ।

(भ्रन्तर∌)

(2) श्री मोहन दास टी० ग्राहुजा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-ित्यमें को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैंट नं० 601, जो प्लाट नं० 722/2, सी० टी० एस० नं० ई-408 बी, बारहवां रोड, खार, धम्बई-400052 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा ि क्रम सं० श्राई०-2/37 ईई०/31968/85-86 और जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनां 65-3-1986 को रजिस्टर्ड िया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

तारीख : 10-11-1986

प्राक्ष्य बार्वे दरी एम् एक् वन्नवन्त्रमञ्ज्य

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत बरकार

कार्यांत्रय, सहायक आवकार आयुक्त (निरीक्श)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/31507/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह भिरवास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, सोलीट्यूड, माहीम (प), बम्बई—16 में स्थित है (और इससे उपाब द्व प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कर्लाहित की नहीं हैं और मुक्ते यह निक्तास करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिकात से अधिक हैं और कन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय नामा नया प्रतिफल, निम्निजियित सद्देश्य से सक्त कन्तरण जिल्हा में अस्तरिक क्य से किया नहीं किया गया है ध—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीभृतियम् के अधीन कर वने के बन्दरक अ दानित्य में कमी करने या उठते व्यन में सुविधा से किए; श्रीर/या
- (य) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को चिन्हों अग्रतीय वायकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः । व, उक्त वरिपनियम की भारा 269-न के बन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै॰ श्राकृति ।

(धन्तरक)

(2) श्री सी० मुकुन्दन और श्रीमती इन्दिरा मुकुन्दन ।

(धन्तरिती)

व्यं स्व श्वना चारी करने प्रांचित स्वारित वे वर्षन से व्रिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

यक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई औँ वाक्षेप E--

- (क) इस सूचपा के राजपण में प्रकाशन की तारीस सी 45 विन की सबिध या तत्संबंधी स्थितियाँ पर सूचना की ताशील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतप्र पूर्वोक्त स्थितियाँ में से किसी स्थित इवाराः
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सै 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिक्षित में किए का सकों में।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ अपर विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिका क्वा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 401, चौथी मंजिल, ओपन पार्किंग स्पेस नं० 12, सोलीट्यूड, प्लाट नं० 401, टी० पी० एस० नं० 3, पीताम्बर लेन, माहिम (प), बम्बई --400016 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/31507/85-86 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक \$ 10-11-1986 मोहर **!**

प्रकल् आहे. टी , एक , एस , ==========

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अभीन क्ष्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्क)

मुझे के० ही० शाह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्रूब्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अगैर जिसकी सं फलैट नं 301, सोलीटयूड, माहीम (प) बम्बई 16 में स्थित है और इस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रुप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269 कख, के अधीन सक्षम आधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4-3-1986 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के जिसता बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचत में बास्तिक कप से किथान नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण बैं, मैं, छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स श्राकृति

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बेलीजा ग्रंगीयार श्रीर श्री जेरोमी मार्टी-नीयानो श्रंगीयार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिएं कार्यवाहियां शुरू करता हुई (३)

उक्त सन्यक्ति को बर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायज से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 हिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए चा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**पी**

फलैंट नं० 301. तीसरी मंजिल, और ओपन पार्किंग स्पेस नं० 9. जो सोलीटयूड, प्लाट नं० 401, टी पी एस नं० 3, पीतांबर लेन, माहीम (प) बम्बई 400016 में स्थित है।

भ्रमुसूची जैसा की ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/31508/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-ष (1) के ज्योग स्य**ना

नारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/31509/85-86-श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, सीलीट्यूड, माहीम, (प). बम्बई—16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्राधिनियम की धारा 269 क ख के प्राधीन सझम प्राधिकारी के कार्यालय, 1986 बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वस करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दूरयमान प्रतिफल से, एस दूरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में थास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) लश्वरण ये हुए किसी नाय की नावत. अकत अधिप्रियक्ष के वधीन कर को के नंदरक के न्यास्त्र में अभी करने वा उससे क्षण में सुविधा के किए: गीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, शिक्त आरतीय बायक र विधिविषय . 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिविषय . या धन-अर विधिविषय . 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ वन्तरिती दवारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैं० श्राकृति ।

(श्रन्तरक)

(1) श्री ग्रारविन्द चन्द्रूलाल शाह और श्रीमती चन्द्रिका ग्रारविन्व शाह।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बास्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि जो भी नव्दि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त स्थितयों में से किसी व्यक्तित द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, औ अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 203, जो दूसरी मंजिल, और ओपन पाकिंग स्पेस नं० 8, जो सालीद्यूड, प्लाट नं० 402, टी० पी० एस० नं० 3 पीताम्बर लेन, माहीम, बम्बई-400016 में है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/31509/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼2, बम्बई

तारीख : 10-11-1986

शक्य जार्<u>य हो . एव . एक _{प्रका}शकारमञ्</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नत्रम्बर 1986

निर्वेश सं० श्रई-2/37ईई/31971/85-86--श्रतः मुझे के० सी० शाह,

नायकर निंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरचात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फलैट न० 301, मगन धाम, माहीम, अम्बई—10 में स्थित है (श्रीर इससे उपावव अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका वारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह त्रितिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्विष्य से उक्त बंतरण लिखित से अधिक हमा से उक्त वंतरण लिखित से अधिक हमाने विश्वास से अस्त करण से किया गया है :---

- हुँक) बंतरच से हुइं किसी नाय की बाबत, अवस अभिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; बौर∕या
- ंच। ऐसी किसी नाथ या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या वन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) कै प्रयोगनार्थ जंगरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें स्विधा के निए;

कतः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिक व्यक्तिसार, अर्थात :--- (1) मेसर्स एम० पी० कन्स्ट्रक्शन

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी शालिनी दत्ताराम सबनीस। (भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस तृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयाकरण:—हसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पयों का, जो उक्त मिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

फर्लैट नं० 301 जो तीसरी मंजिल' मंगल धाम 191 केंड्रेल रोड, माहीम, बम्बई-400016 में स्थित है।

धनुसूची जैसा की ऋ० सं० ध्रई-2/37ईई/31971/ 85-86 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक: 10-11-1986

प्रारूप आईं.टी.एन.एस्.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत संरकार

कामीलय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्काका) प्रजीन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्वेश सं० ग्रई-2/37ईई/31709/85-86—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकार अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) हिंचन इसमें इसके प्रयात जनत अधिनियमं कहा यस ही, की पाल 269-क में नपीन सक्तन प्राधिकारी को यह विक्थान नारने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिल्ला उचित नायार मृल्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० माला नं० 108-109, न्यू उद्योग मंती माहीम, बम्बई 16 में स्थित है ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) (ग्रीर जिसका करारनामा प्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986

को पृथितित संपत्ति के अधित वाचार क्रव से क्या के द्रम्माश मितिक में सिए अंतरित की गई है और बुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पति का अधिक वाचार मूल्य उसके द्रम्भान प्रतिकत से, एोर क्यान प्रतिकत का पत्त्र प्रतिकत से विश्व को पत्त्र प्रतिकत से विश्व के विश्व को पत्त्र प्रतिकत से विश्व के प्रतिकत से अस्तिक के विश्व के व

- (क) मृत्यूरण से हुई किसी बाव की बावता जनत मृत्युत्वम् से मृत्येष कश्च दोने से श्वाहक से वापित्व में कमी करने या उद्दर्श स्वने में स्विधा के जिए; शेष्ट्रीया
- (क) ऐसी किसी बास या किसी सन वा सम्ब शास्तिवाँ कां, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त निभिनयम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा चौ लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) एम मेनीफोल्ड प्राईवेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) म्रोमेगा कम्पूटर एण्ड सोफटवेर इंडस्ट्रिज प्राईवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(षह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की तार्थिंस में 45 दिन की अवधि या तत्थेंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील थे 30 किन की बनीन, की भी स्थान काद में सवान्य होती हो, को भीतन प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वान्तः;
- (च) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक विविद्य में किए जा सकेंगे।

क्यूक्टीश्वरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बा बर्दर पर्वो का, जॉ उक्त कीपनिवच, के सम्बाद 20-क में परिभाषित हैं, बहुई कर्य होगा जो उस सम्बाद में विद्या गया है।

जन्सूची

इडेस्ट्रियल माला नं० 108-109, जो पहली मंजिल न्यू उद्योग मंदिर को० श्राप० सोसायटी लिमिटेड, मोगल लेन, माहीम बम्बई 400016 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० ग्रई-2/37ईई/31709/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

दिनांक: 10-11-1986

प्रकप नाइ. टी. एन. एस. ------

मायकर निर्मानवस्, 1961 (1961 का 43) कौं भारत 269-स् (1) को समीद सूचना

भारत सरकार

कार्य^तलय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 0 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/31970/85-86-ग्रतः मुझे, के० सी० शाह;

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें प्रवाद 'उन्त निधिनियम' कहा गया है। की बाद्य 269-व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

बम्बर्ष-16, में स्थित है और इसके उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क, ख, रूप के अधीन सक्षम प्राधिकारी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से क्षम के द्रवसान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, उगके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और (अन्तरित्यों) से बीच एचे दन्तर्ज के लिए त्य पाया गया कम निम्मिलिंद उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिश्वित में वास्तविक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण् सं हुई किसी बाय की बाबता, अब्ब विभिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एचे किसी नाम या किसी भन या जन्य जास्तिकों की, विन्हें भारतीय जायंकर व्यक्षितिकत, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्ष-कर अधिनियम, या क्ष-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के क्रिय;

श्रद्धः अभः, सक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अवृत्तरक में, में सक्त विभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीग, निक्तिविक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ;—— (1) मेसस एम० पी० कन्स्ट्रकशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इंदरवेव सूद ग्रीर श्री रिवन्द्र पौल सूद (श्रन्तरिती)

की वह तकना वारी करके पूर्विक्त संस्तित से सर्वत के जिल् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में और भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जविश या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, थो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसबुध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सक्ति।

स्मध्यीकरणः --इसमें प्रयुक्त कट्यों और पदों का, जो उक्त जीध-नियम वे जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होता, को उस कथ्याय में दिया गया है।

बन्त्जी

फलैट नं० 1001, जो दसवीं मंजिल मंगल धाम, 191 केडेल रोड, माहीम, बम्बई 400016 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० धाई-2/37ईई/31970/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्रक्ष असुर् डा व्या प्रवासन्त

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/31636/85-86— श्रन: मुझे, के०सी० शाह,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पक्षेट नं० 201, क्दरत खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्य से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निष् अन्तरित की गई और मभ्ते यह विक्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्यरम से हुई किसी बाय की वाबत, उनत विभिन्न के स्पील कर देने के सन्तरक वी वावित्व में कनी करने वा उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तयों की जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अय-कर विधिनियम, या अय-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वा था वा किया बाना वाहिए वा, किनाने में सरिधा के लिए;

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मैं, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मेसर्स जी० एम० इन्टरप्राईजेज।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कल्याणजी सामजी गाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध , वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त चिकता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 किन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूष किसी वन्य ध्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताक्षरी व पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हरेगर नां उस अध्याय में दिश्र-गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 201, जो 2री मंजिल, कुदरत, प्लाट नं० 8, पंधरवा रोड, खार, बम्बई-51 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31636/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-2, अम्बई

नारीख: 10-11-1986

प्ररूप आई. बी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/31917/85-86— श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परवात: 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजितः बाजार मृत्य 100,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेंट नं० 701, लिकवे खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है। तारीख 5-3-1986

को पृथितिस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान वितिष्ठल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि सभाप्येंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः उसके दृष्टमान प्रतिफल से एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अव्देष्ट से उच्ते अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत प्रति किया प्रया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में मृद्धिधा के लिए;

जतः वन, उक्त विधितिषय की भारा 269-ग के बन्हरभ ने, मे, उक्त विधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमति स**ज**नी पी० लालवानी श्रौर श्रीमति लीला एच० लालवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कन्हैयालाल तहीलराम पारवानी श्रौर श्रीमति मीरा कन्हैयालाल पारवानी।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ-

- (क) इस सृचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त किं जियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगे। जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 701, जो 7वीं मंजिल, सिकवे चोहदवां रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31917/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप बाइ'. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रें ज-2, बम्धई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० भई-2/37ईई/31771/85-86—श्रतः मुझे, के०सी० शाह,

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमें' कहा गया हैं), की धार 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,06,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, कल्पक गुलिस्तान, बान्द्रा(प), बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णेरूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उच्चके दश्यमान अंतिफल से, एसे दश्यमान अंतिफल का पंद्रह प्रतिचय से विभिक्ष है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एमें अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में दास्तिवक रूप से कथिय नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) कल्पक बिल्डर्स एण्ड कन्ट्रक्टर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री संजय सी० मेहरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा। ह्या करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजधित में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध कि सी बन्च व्यक्ति व्याग अधिहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लेट नं० 2, जो 2री मंजिल, कल्पक गुलिस्तान, प्लाट नं० 9ए, पेरी, कास रोड, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31771/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी०शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

मतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 10-11-1986

प्रका बाही, हों , एवं , एवं ,-----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निरौक्षक)

प्रजीन रें ज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/31778/85-86-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० नं० 2, कल्पक कार्नर, बान्द्रा (प) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष्प से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार बूस्थ, उशके दृदयभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्ष्मु प्रतिकृत से बीभक है और संतरक (संतरकों) और अंतरिती (संतरितिकों) के शीच एसे संतरण के लिए तय पाया च्या कृतिफल निम्हिलिखत उद्देश्य से उच्त अंतरण किचिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण संहुइं किसी नाम की शक्ष, उक्क अभिनियभ के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुशिक्षा के लिए; औद्र/या
- (श) ऐंसी किसी बाग मा किसी धन या बन्स आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :——

(1) मेसर्स कल्पक कन्स्ट्रक्शन्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० के० मेहरा।

(श्रन्तरिती)

को बहु सुचना बारी करको पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील वे 45 दिन की जनिश्व मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश्व, जो भी जनिश्व में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति मों हितब्बध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पार्ध लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्कर्ध अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका गया हैं।

नन्त्ची

फ्लेट नं० 2, जो पांचवीं मंजिल, कल्पक कार्नर, 11/1, टर्नर रोड, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कल संल श्रई-2/37ईई/31778/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रिजस्टई किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

मोहर ः

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------कोस्भीक कम्बाइन।

(भ्रन्तरक)

(ा) श्रीमति दुर्गा श्रार० तलाचेरकर।

(भ्रन्तरिती)

अगयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2,

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं अई-2/37ईई/31977/85-86- अत: मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 51, प्लाट नं० 148बी, बान्द्रा, बम्बई -50 (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिप्तका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से एसे इदयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी कारको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (का) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासक गैं।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

फ्लेंट नं० 51, ओ, प्लाट नं० 148बी, सेंट सीरिल रोड, बान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/31977/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-86 को रजिस्टर्डकियागयाहै।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख : 10-11-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/31976-85-86-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

श्वापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लेंट नं० 61, प्लाट नं० 148 बी, बान्द्रा(प), बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है। नारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) कास्मीक कम्बाइन।

(श्रन्तरक)

(2) एरीक बोकेरो, श्रौर सेलिसया बोकेरी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेटनं० 61, जो प्लाट नं० 148बी, सेंट सीरील रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं अई-2/37ईई/31976/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

अक्स बाही, दर्ग, एगा, एवा, --------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) वे विभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक वायकार वायुक्त (विरोधान)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/32070/85-86—— ग्रतः मझे, के०सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० एच० ग्राई० जोली हाईराइज, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्य में वर्णित है), श्रीयर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रंतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार कृत्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उभत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर ६ ने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; आहर/या
- (क) एसी किसी बाव वा किसी वन वा वन्य आस्तियों की, विनद्दं भारतीय बायकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नयम, वा वय- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के ैंगए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269- की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

(1) श्रीमति सुनन्दा दयानन्द बांदोडकर।

(अन्तरक)

(2) श्री वामन गनपत कैसारे।

(भ्रन्तरिती)

को न्धु ब्राचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्यत बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी शक्तीप :---

- (क) इब स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिश की वर्षीय या तत्सम्बन्धी कावित्यों पर स्थान की ताथील से 30 दिन की स्थाप, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितत्वों में से किसी व्यक्तिय क्यांत्रत्वों में से किसी व्यक्तिय क्यांत्रत्वों में से किसी व्यक्तिय क्यांत्रः
- (व) इस बूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा सभोड्डस्ताक्षरी के पाम लिक्ति में किस्स का बक्तिन।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगे। जो उस अध्याय में दिया भवा है।

ननुसूची

फ्लेट नं० एच० श्राई० जो 8वीं मंजिल, श्रीर बन्द गैरेज, जोली, हाईराईज को०-श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, 241-ए, पाली माला रोड, बान्द्रा(प), बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32070/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्रकम बाहै ही एक एस.

(1) मेसर्स क्लासिक इन्टरप्राईजेज ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हनीफ कन्ट्रेक्टर।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) ने अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जनरें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेण सं० श्रई-2/37ईई/32035/86-86-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूरू 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लेट नं० 501, रोक क्लीफ, बान्द्रा, बस्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है जीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया पदा प्रतिफल, निम्नीनिवत उद्देश्य ते उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम् वं हुई किसी बाय की बाबर, उपन विभिनियम के नभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) एस किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तिवां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अकः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिशेकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 501, जो 5वीं मंजिल, रोक क्लीफ, प्लाट नं० 39, सी०टी०एस० नं० सी/315, कार्टर रोड, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32036/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

कें०सी० शाह वे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें **ण**-2, बस्बर्द

तारीख: 10-11-1986

भक्त वार्ष हो हो एवं पुरस्त स्टब्स्स अस्टिस्स अस्टिस्स अस्टिस अस्टिस अस्टिस अस्टिस अस्टिस अस्टिस अस्टिस अस्टिस

जायकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन मुचना

भारत चरकाह

कार्यांत्रय, सहायक वायकर वायुक्त ([नरीक्ष)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/31696/85-86--- भ्रतः मुझे, के० सी० शाह,

जायकर जिभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 7, पेकिंग स्पेस नं० 1, पार्क वी०यू० बान्द्रा, बस्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध झनुसूची में और पूर्णेरूप से विणित है), श्रीर जिसकी करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 5-3-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कम के ख्रथमान बित्कन के निए कन्तरित की नई हैं जोर मुन्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृश्य, उसके ख्रथमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का निष्म, उसके ख्रयमान प्रतिफल का निष्म हैं और कन्तरक (जन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया विकल्प, विश्वतिचत्त च्या स्थार बंदित से पास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है स्थान विविद्य से स्थार विविद्य से स्थार विविद्य से स्थार विविद्य से पास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है स्थान

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्रुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविष्ण के लिए;

(1) मेसर्स काजीहोम बिल्डर्म।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी चेरील मेरी कूटीन्हों श्रौर श्रीमित शेलीहा पी० कूटीन्हों।

(ग्रन्तरिती)

(3) प्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हुई।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वास्तेप ह—

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्भ किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

फ्लेट नं० 7, श्रौर पेकिंग स्पेस नं० 1, जो 4थी मंजिल, पार्क व्यू, प्लाट नं० 95, टी०पी०एस० नं० 4, सी०टी०एस० नं० सी०/444, सेंट, एडूज, रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31696/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

जारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त '(निर्दाक्षण)'

म्रर्जनरें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2/47ईई/31635/85-86--- श्रत: मुझे, के० सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इसमें इकके प्रचात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्तास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 52, क्षितिक्षज, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिजस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास असने का कारण है कि वधाप्योंक्त सम्पत्ति का अधित नामार ब्रुश्व, स्तर्क स्वयमान प्रतिप्रम् से एवं स्वयमान प्रतिप्रस का पन्नस् प्रतिस्त से अधिक है जोर बंदारक (बेदारकों) बेट बंदारिती (बंदारितियों) के बीच एवं मन्तरण के निए स्व वाना वना प्रति-स्त्र विक्रासिक स्वयोग्य में स्वय बंदारण विविद्ध में भारतीयक स्व विक्रासिक स्वयोग्य में स्वय बंदारण विविद्ध में भारतीयक स्व से किथत नहीं किया नमा है है

- (कः) सम्बद्ध में क्ष्युं किस्सी अन्य की नावक करक करिक् निवय के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे स्थाने में जुनिया के तिपु ब्रोहर/पा
- (स्) होती विश्वते काव का विश्वती पत का कर्म कारिएकी की, विश्वते पास्त्रीय वाक्कर विधित्रका, 1922 (1922 का 11) वा वर्गत वृष्टिनियम, वा पत- कार मिलियम, वा पत- कार मिलियम, 1957 (1957 का 27) की अधोवनार्थ क्लारियी द्वारा त्यक नहीं किया द्वार का वा किया वाना जाहिए था, कियाने में बृहिन्दा को सिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-ग **को अनुसरण** जो, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-मुकी उपधारा (1) (1) मेसर्स नटराज कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति लीना हरणद श्रौर श्रीमति कोकीला शांती-लाख।

(मन्तरिती)

की यह सूचना आही करके पूजीका संपरित के वर्षन के किस कार्यनाहिया शुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाकोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकर्गे।

स्यटब्रोकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परेंदि नं० 52, जो 5वीं मंजिल, क्षितिज बिल्डर्सग, हिल रोड, बान्ड्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि० सं० भई-2/37ईई/31525/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-2, **बम्बई**

तारीख: 10-11-1986

त्रक्ष बाह्", टी.; एम : एस<u>ः</u> -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
प्रजीन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, विनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/321288/85-86-- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेटनं० 82, क्षितिज, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायचरक ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्तय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 2-3-1986

की पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रीक्षण के निए बन्तरित की गर्द हैं और मूझे यह विक्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का बंक्ट प्रतिचल से बच्चिक हैं और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण में निए तम बामा जबा इतिसक निम्नकिवित स्वविध वे बच्त बन्तरण किवात में बालाविक कर से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी शाबा की बावत, उनक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सुविधा के किए; बीर/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य जास्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिया व्यक्तियों, अर्थात —

(1) मेसर्स नटराज कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स एस० म्रार० इस्टेट एण्ड फाईनेन्म प्रा० लि०। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मास के अर्थन के कियू कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप र---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से यिश्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपक में प्रकाशन की तारीश वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्रभोहस्ताक्षरी के पाड़ सिवित में किए का सकेंगे।

स्पब्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्बों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा है।

अनुसूची

फ्लेट नं ० 42, जो 4थी मंजिल, क्षितिज विलिंडग, हिल रोड, बान्दा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/31288/85-86 भीर जो सक्षपम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2; बम्बई

सारी**ख: 10-11-198**6

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ---- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/32436/85-86— ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्थास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं. 602, देवपूजा, शांताकुज (प), बम्बई 54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। नारीख 6-3-1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाचार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरम के निए तब पाचा च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बंदरण से हुई किसी शास की शाव्यक्त करता करिय-विश्वस में अभीत कर दोने में अंतरक के दिवाल में करी करने वा उससे वचने में सुविधा के शिक्ष और/शा
- (क) एसी किसी आव या किसी धन वा बन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जंतरिती इंगरा प्रकट नहीं किया यदा था वा किया धाना आहिए वा, कियाने में वृधिया के लिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सबत जीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति इन्दिरा एन० भारद्वाज।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हाचपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पड़ सूचना की तानील से 30 दिन की वनिथ, वो भी जनिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतड पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के हाजपन में अकावन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए वा व्यक्ति ?

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों जीर वर्षों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं कर्य होंगा को उस अध्याय में दिवा यस है।

मनुसूची

फ्लेट नं० 602, जो देवपुरा, प्लाट नं० 65, नार्थ एवेन्यू० शांताऋुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/32435/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

श्रुक्त आहुँ तुर्वे प्रस्क क्रायाना व्यवस्था विश्व क्रायाना विश्व क्रायाना विश्व क्रायाना व्यवस्था विश्व क्राया व्यवस्था व्यवस्

म्प्रजैन रेंज-2, बम्बई अम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ऋई-2/37ईई/32446/85-86— ऋतः मुझे, के ०सी० शाह,

आधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उनत् विधिनियम,' कहा गया हूं), की पहर 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० के० देवपार्क बंगला विले पार्ले (प), बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनाम श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 6-3-1986,

की पूर्वोक्त सम्परित के अधित बाबार मृश्य से कम के स्वयान शिक्षक के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार अस्य, उसके स्वयान प्रतिकास से, एसे स्वयमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंदारक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरबा के सिए तय पाया श्वासक निम्नसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (!922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अतः, उक्त निधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थानु :--

(1) मेसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमित लता कांतीलाल कोतटक, श्री निखिल के० कोटक, श्रीर श्री कांपीतीलाल जो कोटक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनप् संपरिष् के नर्पन् के संबंध् में आदि श्री नाश्रेष् ड—

- (क) इस ब्यान के रायपन में प्रकायन की तारीस से 45 किन की क्यूपि या तत्त्यां भा स्वित्यां पर स्थान की ताशीस से 30 विन की अविध, जो भी शामित में कनी करने वा सबसे वस्ते में सुविधा स्वित्यों में से किसी स्वित् प्रवास;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच च 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-45 दिन की ब्रुवीय या तुल्लस्बन्धी स्थानतयों प्र पास सिचित में किए जा सकीने।

ल्क्योकरणः --- इसमें प्रमुक्त संबंधें और पूर्वों का, को शब्द स्थि-मिनन के क्ष्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष होता, जो सस क्ष्याय में दिवा गया ही।

अनुसूची

यूनिट नं के देवपार्क बंगला, जो प्लाट नं 2, धन्वन सिनेमा के सामने, जुहू बिलेज विले पार्ले (प), बम्बई-49 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई-2/37ईई/32446/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप मार्च े टी., एत. एस:-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/32447/85-86— श्रतः मुझे, के०सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकीं सं० यूनित नं० 8, देवपार्क, बंगला विले पार्ले (प), बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), श्रवेर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रिराफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रितिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिसिक व्यक्तियों अधीत ह—— (1) मेसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन।

(मन्तरक)

(2) श्री सूरज योगेन्वपाल हंडा भौर श्रीमित कविता सूर हंडा।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगुसूची

यूनिट नं० 8, जो वेबपार्क, बंगला प्लाट नं० 2, चन्दन-सिनेमा के सामने, जुहू विलेज, विले पार्ले (प) बम्बई-49 में स्थित है।

> के०सी०**शाह्** ृंसक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-2, **ब**म्बई

सारीख: 10-11-1986

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) क्षेत्रभीन सूचना

बारव तरकार

कार्यास्य, सहारक वायुक्तर वायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० भ्रई-2/37ईई/32452/85-86- भ्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावंर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० पलेट नं० 202, देवशक्ति, बिल्डिंग शांताकुज, बिल्डिंग (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से विणित है), श्रीर जिसका करमरानामा मायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कल्ब के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्यदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) नभारण से हुई किसी नाथ की बाबत, उक्स विधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के विधित्य में कमी करने या उसने वचने में सुविधा कें लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे सुविभा के निए;

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-थ की रूपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अभीत :---

(1) मेसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन।

(भन्तरक)

(2) श्री श्ययामसुन्दर जी० चोखानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 विन की सबीभ या तत्स्यक्यभी व्यक्तियों पड़ सूचना की सामीज से 30 दिन की नविभ, वो धीं सबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्वना के रावपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय नघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक्त वृद्धिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस बध्याय में दिया स्या है।

अन्त्रची

फ्लेट नं 202, जो 2री मंजिल, देवशक्ति, बिस्डिंग, प्लाट मं 49, दी०पी०एस० नं 9 फु, तालूक रोज, शांताऋुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-2/37ईई/32451/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बस्बई

सारीख: 10-11-1986

हरूप साह[®]छ होंड प्रमळ प्रस्कान

श्रीयकर नौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुवना

प्रार्थतं सरकारे

कार्यालयः, सहायक जायकर जायुक्त (निराक्षाण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32455/85-86---श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उबत् अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-कृषे अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 302, देवशक्ति बिल्डिंग, सान्ताकुज (प), बम्बई—54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का बंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिस्ति उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है ---

- [क) अंशहण से हुइ किसी नाय की नान्त, उक्त जीवनिव्य में अभीन कोई दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे मुचने में सुविधा जै लिए; जीर/या
- (च) एसी फिसी जाव या फिसी भग या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भग-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ बंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

ब्रुता बब्, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग् के अनुवरण को, बी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वै वर्धीम्, निम्मविधिट व्यक्तिमी, वर्धात करू

- (1) मेसर्स नैशनल बिल्डिंग कारपोरेशन। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री दिलीपकुमार बाबूलाल रंका स्रौर श्रीमती विना डी० रंका । (स्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां सूक्क करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों वृद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति बुवारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीं जा ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाबिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसभी

"फ्लैंट नं० 302, जो तीसरी मंजिल, देवशकित बिल्डिंग, प्लाट नं० 49, टी० पी० एस० 2, तिलक रोड, सान्ताकुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-2/37ईई/32455/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टई किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 10-11-1986

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

शारत धरकार

कार्याक्षयः, सहायक बायकर वायुक्तः (निरीजेच)

प्रार्जन रेंज-2, बस्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्वेश सं० भ्रई-2/37ईई/32700/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रुपये से अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 65 (जैंड) 4, लिंकिंग रोड, सान्ताऋुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है (श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 7-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए च्य पाया गया प्रतिफल, निम्मितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तर्श निस्ति सास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तर्थ से हुई किसी बाव की बावस अक्स कथि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्त में कभी करने या उससे वचने में सुद्धिश के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिम्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा लै सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
22—366 GI/86

- (1) दी मैंब्रेयी को० माप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रजनीकांत झवेरचन्द मेहता। (भ्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसं 45 श्विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (वं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितवबुध किसी अन्य व्यक्ति ध्वार वशोहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया नवा हूँ॥

प्रवस्त्र प्रति

जमीन का हिस्सा जो 65 (जेड) 4, लिंकिंग रोड, साता-कृज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32700/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, सम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्रकप आई.ही.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) से सभीन मुखना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जावूक्त (निरौक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० म्रर्ड-2/37ईई/32189/85-86—मनः मुझे, के० सी० शाह,

कायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-च के अभीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर स्थाति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० पलैट सं० 5, बी विंग, राजपी प्लाट, सान्ताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयान मूलिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त गुम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सहयमान प्रतिफल से, ऐसे सहयमान प्रतिफल का स्लाइ शिवात से निभक्त है और जंतरक (संवर्ध) और वंतरिती (संतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक के निए तस पासा नया प्रतिक्षा का शिव्यतिवित उद्वर्धिय से उस्त जंतरण निवित में वास्त-विक कम से कथित महीं किया यहा है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिन्यम् के अधीन कार दोने के असरक के बायित्व में कामी कारने था उससै बचने में सुक्रिधा के लिए; और/या
- (रा) ऐसी किसी आय रा किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ किए;

बतः, बन, उपत विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती साविस्रीबेन मूलचन्द हसानी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती चन्द्रादेवी नकूलचन्द साद ग्रीर श्री विनयकुमार नकूलचन्द साद। (ग्रन्तरिनी)

को बहु बुचना चारी करके न्वींक्त स्थारित के वर्षन में सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की समिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधिः, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-विभी किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नेभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्यक्षीकरण: — इसमें प्रतन्त राज्यों अर्थ पदौ का, वो उक्छ अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट सं० 5, जो बी बिंग, वूसरी मंजिल, राजपी प्ला सोसायटी, लिंकिंग रोड, सान्ताकुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रर्ड-2/37ईई/32189/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गर्या है ।

के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी, महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, वस्वर्ड

दिनांक : 10-11-1986

प्रकप आर्द . दी . एन . एस . - - - -

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुकता

भारत सरकार

कायालय, महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० भ्रई-2/37-ईई/32134/85-86--श्रतः मुझे, के० मी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी पलैट सं० 401, मेटलाईट, सान्ताकुज (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कव के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है औड बन्तरक (बन्तरकों) औड बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिक कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित् में बास्तिवक कल से कथित नहीं किया गया है धन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधर के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) सेटलाईट डेबलोपर्स प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्सरक)
- (2) श्रीमती लीना पी॰ दोशी। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के गर्भन के संबंध में कोई भी नाक्षंप हा--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी स्पन्तिमाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ बाद में सन्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तमों में से किसी स्पन्ति इसारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रथुष्तः शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अभ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्स्ची

पलैट सं० 401, जो सेटलाईट, प्लाट नं० 58, टी० पी० एम० 2, टगोर रोड, सान्ताकुज (प), बम्बई में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा कि कर सं० ग्राई~2/37ईई/32134/85~86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० शा**ह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज–2, **बम्बई**

दिनांक: 10-11-1986

प्ररूप मार् .टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तव, बहावक बाचकर बायूक्त (निर्देशक)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986 निर्देश सं० भ्रई-2/37-ईई/33128/85-86---भ्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रकार जनत अधिनियम, महा बना है), की धारा 269-न के अधीन तकाम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारन है कि स्थानर सम्पत्ति, चिसका स्वित्त वाचाड मृत्यू, 1,00,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी फ्लैंट सं० 52, ग्रायोना, सान्ताकुज (प), बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान बितिक को निए बंतरित की नहें हैं नीर मुक्ते यह निक्यां करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, सक्षक स्वयमान प्रतिक्रम के, एसे स्वयमान प्रतिक्रम का बन्तर प्रतिक्रम का बन्तर प्रतिक्रम की विद्या प्रतिक्रम की विद्या प्रतिक्रम की विद्या प्रतिक्रम की विद्या के विद्या तथा प्रतिक्रम कि विद्या पर्ति के विद्या के निय तय पाया व्या प्रतिक्रम विक्रमितिक के विद्या विद्या में विद्या के विद्या करा के विद्या के विद्या

- (क) मण्डाम् चं हृदं शिक्षी नाम की पान्छ_ा क्या मरिनामम के बचीन कर दोने के मन्दरण के कविरम् ने कनी करने ना उन्हों नमने में स्विधा के शिक्षा के साम्बद्ध
- (क) एसी किसी थान वा किसी धन वा सन्त बास्तिथीं को, जिन्हें भारतीय बाव-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अवल विधिनवम, या व्य-कर निधिनवम, 1957 (1957 का 27) के ब्रब्धेयार्थ क्लार्डिटी द्वारा प्रकट नहीं किया पता वा वा विभा जाना वाहिए था, क्लिये में सुविधा के सिए;

में अब उन्त अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, भी, उन्त निधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भेसर्स की होमस् एण्ड एसोसिएट्स । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र वनरावन लाखानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास तिथित में किए जा सकों ने ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 52, जो पांचवीं मंजिल, ध्रायोना, प्लाट सं० 35/सी 2, टी० पी० एस० 2, घ्राजाद रोड, जुहू कोली- वाडा, सान्ताकुज (प), बम्बई-400049 में स्थित है। घ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37ईई/33128/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्रकृष बार्ष दी. एन . एक

शायकड न्हिन्त्वन्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न् (1) के श्भीन सुन्ता

TISO SERVE

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दालक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

नावकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त मिपिनियम' कहा गया हूं")., की धारा 269-च को मिपिन सक्षेत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी प्लाट सं० 12, न्यू इंडिया सोमायटी, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, दिनांक 7-3-1986

को प्योंबल सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य हो कम की स्वयमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है जार मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित वाजार मृत्य,, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंस्त्र प्रतिस्ति से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) जार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्निचित उच्चेच्य से उच्च अन्तरण निचित में वास्त-िक कप से किथन नहीं किया क्या है ——

- [क] अल्कारण को शुर्द सिक्सी आव की वावसा, उन्नर शीपीनवान को अचीन कर दोने के अल्पारक की बाबिरण में कभी कड़ने या उत्तरसं व्यन में सुविधा के जिल्हा और/धा
- (थ) एसी फिसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कड विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती ब्वास प्रकट नहीं किया यवर वा वा किया जाना जाहिए था, किया में सुनियम के किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तिसयों, अर्थात्:—— (1) श्री महेन्द्र जशभाई पटेल ग्रीर ग्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती तरला बी० पटेल श्रीर श्रीमती हीना एन० पटेल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारि करको पृथाँकत सम्परित के अर्थन के किए कार्यनाहिया करता हो।

डन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काओ।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि सा तत्संबंधी व्यक्तियों पत्र सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना को राज्यक में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य ब्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्थक्तिकरणः इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, को उपर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भग है।

जन्सूची

प्ताट नं 12, जो न्यू इंडिया को० भ्राप० हाउसिंग सोमायटी निर्मिटेड, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है । भ्रमुसूची जैसा कि फ्र० सं $2\sqrt{37-5}$ ई $\sqrt{32633}/85-86$ भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–2, **बम्ब**ई

दिनांक : 10-11-1986

प्रकप बाइ . टी. एन. एस. -----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के मभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर वायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/32442/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

धारकार भी धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें पहचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी यूनिट मं० डी० देवपार्क बंगलो, विले पार्ले (प), बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-3~1986

को पूर्शिक्स सम्पंक्षि के उचित बाजार मूला से कम के धरममान प्रतिफश के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरममान प्रतिफल से, ऐसे धरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उसत अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मेसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन । (अन्तरक)
- (2) श्री प्रताप बाहरा ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति को जर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---- इसमें प्रयुक्त शृब्दों बाँद पदों का, वाँ सक्द विभिनियमं के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एसा है।

अनुसूची

यूनिट न० डी०, जो देवपार्क बंगलो, प्लाट नं० 2, चन्दन सिनेमा के सामने, जुहू विलेज, विलेपार्ने, (प), बम्बई400049 में स्थिन है ।

ग्रनुमूर्ची जैसा कि क्र० मं० श्रर्ड-2/37ईई/32442/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-2, बम्बई

विसाक : 10-11-1986

प्रस्ता आहें. टी. एवं गत

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को नधीन सुमन्

मार्व पर्कार

आर्यासय, सहायक भायकर बायुक्त (निरुक्तिक)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेण सं० ग्रर्ड-2/37ईई/32438/85-86--ग्रनः मुझे, के० सी० शाह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

. श्रीर जिसकी एलैट सं० 601/701, देवशक्ति, सान्ताकूज (प), बम्बई 54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधितियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-3-1986

कायालय, बम्बड में राजम्द्रा है, प्रताक त्या प्राचित को पूर्वा कित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वा कत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखन यो यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत पथिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन। (श्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र सिंह भाटिया । (श्रन्तरिती)

की यह स्वना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, इही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

प्लैट मं० 601/701, जो छठवीं/सानवीं मंजिल, देव-शक्ति बिल्डिंग, प्लाट सं० 49, टी० पी० एस० 2, तिलक रोड, सान्ताऋज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

श्चनुसूची जैसा कि कि० सं० श्चर्ड-2/37ईई/32438/85-86 श्चीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टिई किया गया है।

के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्ररूप आर्षे. ट**्रिएन** . एस . -----

न्यार सम्मारकारमान्यः अञ्चलकृत्यसम्बद्धानम् स्थानम् । स्थानम् अस्य स्थानम् अस्य स्थानम् । स्थानम् अस्य स्थानम्

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32443/85-86---श्रतः मुझे के० सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट सं० ई०, देवपार्क बंगली, विले पार्ले (प), बम्बई-49 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-3-1986

को प्रतिका सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के नश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मूज्य, असके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल का बच्चह प्रतिकात से विश्वक है बीर अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निक्नलिबित उच्च श्य से उक्त अन्तरण निकात में यास्तिबक रूप से किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुन्हें किसी आव की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- हो एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए;

ं जतः अथः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् क्र-

- (1) मेसर्स नेशसल बिल्डिंग कारपोरेणन । (स्रन्तरक)
- (2) श्री विमलकुमार चौधरी, श्रीमती सरोज ए० चौधरी ग्रीर श्रीमती कांतादेवी चौधरी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"यूनिट सं० ई, जो देवपार्क बंगलो, प्लाट सं० 2, **च**न्दन सिनेमा के सामने, जुहू विलेज, त्रिले पार्ले (प), बम्बई-400049 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कर संर ग्रई-2/37ईई/32443/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज~2, बस्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्रकृप बार्च , टी . एन . एस ------

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्स)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/40237/85-86--श्रत: मुझे, के० सी० णाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' क्या गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. में अधिक ही

श्रौर जिसकी श्राफिस सं० 10, विकास सेंटर, सान्ताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधि- नियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1986,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मूल्य सं सभ के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तरूप, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तरूप, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तरूप, उसके दश्यमान प्रतिफल के जिर्मा कार्र अंतरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य सं उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ को दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्त, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या सित्या जाना नाहिए था किया में सित्या

अतः सन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुनरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत क्रिस्ता, अधीत:—

23 -366 GI/86

(1) भेसमं विकास एसोसिएट्स ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्दरपाल कहाई श्रीर श्रीमती चंचल कहाई। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ऋण्ता हुं।

स्वतः सध्यक्ति के अर्थन के संबंध में काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नद्भ जिस्सी जन्म स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस्न जिस्सा में किए जा सकींगे।

स्पन्टिकरण.----इसमें प्रयुक्त धन्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही क्यों होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.ध

लप्चुच्छे

श्राफिस सं० 10, जो पहली मंजिल, विकास सेंटर, 104, एस० वी० रोड, सान्ताऋज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्र $\frac{5}{2}$ -2/37 $\frac{5}{2}$ $\frac{1}{40237}/85$ -86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्ररूप आहु . टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निवेश सं० श्रर्ध-2/37ईई/32457/85-86---श्रतः मुझे, के०सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रह्मात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502, देवणिक्त बिल्डिंग, शांताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबंब श्रमुम्ची भीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिष्टित्यम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 6-3-1986 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य में उपत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बौर/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानी में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित :— (1) मेसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जोयेब टी० बूटवाला।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए के सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

फ्लैट नं० 502, जो 5वीं मंजिल, देवशक्ति, बिल्डिंग, प्लाट नं० 49 टी०पी०एस० नं० 2, तिलक रोड, शांताकुज (प), बम्बई-40 0054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-2/37ईई/32457/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह मक्षद प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप जार्च ,द्री ,एस ,एस , -------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त निरीक्षण)

> श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/32459/ 85-86—-श्रतः मुझे, के०सी० शाह,

गायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, देवशक्ति, विल्डिंग, शांताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 6-3-1986

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का शंद्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्नलिखित उच्चेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उत्तत अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, मैं, उत्तत सिंभनियम की भारा 269-ण की उपभारार (1) 'के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अ्थित् कर्

- (1) मेसर्स नेशनल बिल्डिंग कारपोरेशन । (ग्रन्सरक)
- (2) श्री सदानन्दन एन० चन्नार ग्रौर श्रीमति उपा एस० चन्नसर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी अरके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के शिलप् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्थी

पलैट नं ० 402, जो 4थी मंजिल, देवशक्ति बिल्डिंग, प्लाट नं ० 49, टी ०पी ०एस ० नं ० 2, टीलक रोड, शांताऋज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० सर्द-2/37ईई/32459/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्रकथ नादाँ की एन , एस ., ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचका

मारत रहकाड

कार्यामय, सद्दायक जानकर नायुक्त (निरीक्षक)

श्वर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/32426/85-86-- भ्रतः मुझे, के०सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 41, एच० नं० 2 (पार्ट), जुहू विलेज; बस्बई में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विलित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 26 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 6-3-1986

को पुनांबत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है जोर सुके यह जिल्लास नुमें यह जिल्लास करने का कारण है कि वधा पूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार सूख्य,, उसके कल्लाम अतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिधित उक्षेण से उसत अन्तरण जिचत में बास्तिक रूप से कथित नह किया गया है है—

- [क) मन्तक संसूत्र कियाँ बाय की बायत , शक्त विकास के वर्षीय कर की के सम्तरक के बासित्य में क्षत्री करने या उससे बचने में स्थिश के लिए; बीर/बा
- 'ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अधीत् रू—- (1) श्री राजेन्द्र झार० छापनाला और श्री रमेश डी॰ णाह ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स सिण्डीकेट बिल्डर्स ।

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए। कार्यकाहियां करशः हुं।

उक्त इन्होंने के क्वन के सम्बन्ध में कोई भी वास्ते हु---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूजना की तामीन से 30 दिन की जनिभ, को धी जविच बाद में सजाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीकत - व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति पुनारा;
- (थ) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशित की तारीच है
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति भें द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिक्टि में किए या सकों ने।

स्थळकिरणः;--- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, को जवक नौभनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विदा नजा ही।

नम्स्ची

जमींन का हिस्सा जिसका एस० नं० 41, एच०नं० 2 (पार्ट), प्लाट नं० 7, सी०टी०एस० नं० 175, जुहू विलेज, श्रंघेरी, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/32426/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बस्बई

तारीख: 10-11-1986

प्रचल चार्च . बो . पूर्व . प्रवत्सार र र र र

मायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वे अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर जायकर (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बभ्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37 37 31578/85-86— यत: मुझे, के०सी०शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपंति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सा० फ्लैंट नं० 2, मंगल किरन सोसाइटी, जुहू, बम्बई-57 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूषी में श्रौर पूर्नक्ष से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रुधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रथमान प्रतिफल सं, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुक्क किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या निःसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्थित के लिए।

ात. अथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुनरण मीं, मीं, अक्त अधिनियम की पारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत् :-- (1) श्री अभयकुमार एस० जैंशं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति दमन ग्रोबराय श्रीर श्रीमति राजिन्द्र रानी। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पात्त के अर्थन के सम्बन्ध में कांग्ने भी आक्षेप :--

- (क) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्वीत्रंधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसर्ग रणुकर रब्दों और पदों ता, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पलैट नं ० 2, जो, छठवीं मंजिल, मंगल किरत क०-म्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, प्लाट नं० 57, एच० नं० 2, भ्रायरिस पार्क, जुड़ बम्बर्ड -57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/31578/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 क़ो रिजस्टर्ड किया गया है।

के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 10-11-1986

प्ररूप बार्च : दी , धन : एस :------

बाधकर बिधिनियम, 196! (1961 का 43**) की**

भारा 269-म (1) के व्योग स्थान। सारत सरकार

कार्यसम, सहायक शायकर जामुक्त (निडिकाण) अर्जन रेंज-2, जम्बई

वम्बबई दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० अई-2/ ईई/33162/85-86--- यतः मुझे, के० सी० णाष्ट,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 103, जुहू, ट्रीटोन, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य से विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राक्रिकारी के कार्यालथ में रजिस्ट्री है। तारीख 26-3-1986

का पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकर अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में दायित्य में कमी करने या उससी अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क ज्योजनार्थ जन्तरिती द्वास प्रकट महीं किया गमा जा या किया जाना जाहिए का, स्थिपाने में सुविधा के लिए:

बतः सब, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमति सी० पींटो।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कल्पना एल० सलवानी।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरिस के अर्जन वे सिध कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति भी वर्जन भी बंबंध में कोई भी बाजीय है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति रा
- (ख) इस-सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकाँगे।

स्पष्टिमिकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त कामकर किं भिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही,

भ्र<u>न</u> सू**थी**

पर्लंट नं० 103, जुहू ट्रीटोन क्रों०-म्राप० हाउसिंग सोसायटी ए०बी० नायर रोड, जुहू, बम्बई-44 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-2/37ईई/33162/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-3-86 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० **गाह** सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2,बम्ब**ई**

तारीख: 10-11-1986

प्रारूप आई .टी .एम .एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रें ज-2, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० प्राई-2/37ईई/32774/85-86-- स्रतः मुझे, के**०सी० शाह**,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं अग्रांकिस नं 37 विकास सेन्टर, शांताकुज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष मे विण्त है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है। नारीख 7-3-1986

का पृत्रोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान क्रितन्त के लिए अन्तरित की गई और मृभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, जिम्निलिखत उद्योग्य से उकत अन्तरण मिसिस मे वास्तिक रूप से कथित नहीं कथा गया है ——

- (क) बन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक त वाजित्क में कमी करने या उससे क्कम में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा चै लिख;

जतः अत्र, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरक राँ, गाँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) शं अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अधितु क्षा— (1) मेसर्स विकास एसोसिएट्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) फर्नीचर कन्सेप्ट्स।

(ग्रन्तरिती)

कारे वह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बनतः सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वमा के राषपण में अकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किए ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा वया ही।

अनुसूची

श्राफिस नं० 3, जो, पहली मंजिल, विकास सेन्टर, 104, एस० वी० रोष्ठ, शांताऋ्ज (प), बम्बई 54 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32774/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी०णाह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 10-11-1986

प्रकृप बाइ .टी.एम.एख.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेण सं० अर्ध-2/37ईई/32775/85-86— श्रतः मुझे, के० सी० शाह.

आधकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 5, विकास सेन्टर, शांता श्रुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित स्थम श्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-3-1986 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त संपित्त का उचित् बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रीतफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) जम्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी लाय का किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

मधः, भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसीट ध्यक्तियों, अर्थात् ्---

(1) मेसर्स विकास एसोसिएट्स ।

(अपन्त एक)

(2) कमल किणोर जैन श्रौर मास्टर मोभाराम जैन । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काहे भी वासेपु :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाहां।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अधे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्यूजी

श्चाफिस नं० 5, जो, 1ली मंजिल,विकास सैन्टर, 104, एस०वी० रोड, शांताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० सर्ध-2/37ईई/32775/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> के० सी० **धाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन **र्रे**ज-2, **ब**म्बई

तारीख: 10-11-1985 मोहर। प्ररूप भारते. द्वी. एवं. एक्,-----

भाधकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के अभीन सुभवा

भारत संस्कार

कार्याल्य, सहावक मावकारु बाय्क्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 10 नवम्बर, 1986

निवेश सं० म्रई-2/37ईई/जी/3878/मार्च, 1986—म्प्रत: मुझे, के० सी० शाह, ज ज

नायकर निर्धित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त निर्धितयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के निर्धान सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं। क स्थावर स्थास, जिसका उण्डित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 92, टी० पी०एस० 6, एस० नं० 151, हिस्सा नं० 2-बी, (पार्ट), 4,5-बी, एस० नं० 132, हिस्सा-नं० 2-ए, शांताऋज, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कछ के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाकार मूक्य से कम के क्ष्यमान प्रिपफ्स के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफ्त से, एसे क्ष्यमान प्रतिफ्स का पंद्रह प्रतिकृत से सिक्क है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितमों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाग बदा प्रतिफ्त, निम्नसिचित उद्देश्य से स्वत्त अन्तरण सिक्डिं के वास्तविक क्य में क्षिण नहीं किया क्या है डे—

- (क) अन्तरण से ह्यां जिल्ली काय की शक्य, सक्त विधियम के अधीन कहा दोनें को बंदारक के योगित्य में कभी करने वा बस्ते वचने में स्विधा के जिए, आर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 । 1922 का 11) या उत्तर विधिनयम, या ववल्कर विधिनयम, शिक्रिश (1957 का 27) की गयांक्र आई अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना वाहिए वा, छिपाने में स्विधः वै लिए।

नतः: जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
24—366 GI/86

(1) श्री बेअंतर्सिह मीठासिंह मानन्द।

(भ्रन्तरक)

(2) होटल मिलन इन्टरनेणनल प्रा० लि०।

(श्रन्तरिति)

को वह ब्रावा ब्रा<u>डी</u> करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विध् कार्यवाहियां सुक करता हुं।

सक्य सम्मत्ति को वर्षन की सम्बन्ध हो कोई भी आओप :---

- (क) इत सूचना के ट्राचपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नदीध या तत्स्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीन से 30 दिन की जनधि, को भी अवधि हार में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआत;
- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूथ किसी व्यक्ति ब्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो सम्ब जीभीनयम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्भ होगा, जो उस जध्याम बैं विद्या गया है।

अनुस्ची

श्रनुसूची जैसा विलेख एस-2964/85 श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

परूप आई.टी.एन.एस.-----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निर्वेग सं० श्रर्द-2/37ईई/31639/85-86--- श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें गरात् 'उन्दर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अर्थान नशम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि ग्रंथवर अंपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1 00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10-बी, शांताऋुज (प०), बम्बई में स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से बर्णित है) ध्रौर जिसका काररनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वियत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रि फल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का करिए है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नार् गरित्वत से अधिक ही और अंतरक (अन्तर्यों) और अन्तरिति। (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात निम्मतिवित उव्वदेश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में स्वर्य अन्तरण से स्वर्य से स्वर्य अन्तरण सिम्बत में

- ्र) अतरण संहुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अनरफ के दायिए मों कमी करने या उससे बचने मां गुविधा के लिए. और/या
- (भ) एंसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय खायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर गहीं किया भागा था या किया जाना चाहिए था, खियाने की सविधा के लिए।

का. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के गन्सरण ने, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) शांतादेवी गोविन्दप्रमाद नेवाटिया।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मखीजा बोहरा बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भाडोली

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह सुभना भारी करके पूर्वोक्त सध्याँतः के वर्षम औ निकः कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के ब्राप्टनन में कोई भी मार्क्षप ८---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी नविभ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से अब्बादन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी बन्य व्यक्ति धुनारा अभोइस्टाक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष शोगा, जो उस अध्याम में दिवा अथा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 10-बी, जो कार्नर म्नाफ सरोजिनी रोड भौर साज्य एवेन्यु, शांताकुज (प०), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37 ईई/31639/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 10-11-1986

मोहरः

इक्ष्यः बार्वः दी . एत . एव . -----

जायकर अर्थिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यासम, सहायक नायकर नाव्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 , बम्बई बम्बई, विनांक 10 नवम्बर, 1986

निदश सं० अर्द-2/37ईई/32074/85-86— ग्रत: मुझे, के०सी० शाह,

जायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं बंगला नं 1, दरी बादल सोसाइटी, जुहू तारा रोड, बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से बणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है। तारीख 5-3-1986

को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के बस्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने कर कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके बस्यमान प्रतिकल से, एसे बस्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-कास निम्नतिश्वित उद्देश्य से उचित अंतरण निश्वित में वास्तविक कप के कथित नहीं किया यथा है:--

- (क्षः) जन्तरण से हुद्दं किसी जाग की बावता, उपस विविवस औं विधीन कर दीने के जलारक जी दाबित्व की कसी करने या अगरे अनरे में सबिधा को लिए; जाँद या
- (क) एनी किसी बाब वा फिसी पन वा जनन नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः स्वतः उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के नन्सरण भें, भें, अनत अधिनियम की धारा २६९-च की उपभारा (1) के अधीनः निम्निणिनितः स्विष्टियों अर्थातः : » (1) श्रीयोगेश जैन और म्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुष्णानी श्रीर अन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के हिंगष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

टाक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी माओप :---

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकादम की हारीस सं 45 दिन की जविभ मा तत्स्वन्त्रभी व्यक्तियों प्रक स्चान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अवृष्टि धाद में समान्य होती हो, के भीतम प्रविक्त अविन्दान में से फिसी व्यक्तिस स्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपण में प्रकावन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ब्रम्परित में हितबपुर किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अपहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किस भा सकति।

स्पत्कीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त वन्दों और वर्षों का, वो उपा अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा. को उस अध्याय में दिया गशा है।

अन्स्ची

बंगला नं० 1, जो दरीबादल को०आप० हार्डासग सोसाइटी लि०, सिल्वर मेंडस, जुहू तारा रोड, ब्रम्बई-54 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-2/37ईई/32074/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्रक्ष बाइ .टी. एन. एस . ------

बायकर विभिन्नियमः 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के भूभीत स्वता

भारत सरकार

कार्याक्षय, बहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/32659/85-86—, श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उदत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 172, कांताबाड़ी, बम्बई-50 में स्थित है (धौर इसमें उपाबद्ध ध्रनुम्ची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है) धौर जिसका करारनामा श्रायकर भ्रधिनियम , 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है । तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त संपरित् के उचित्त वाजार मूल्य से कम के ध्ययमाण् प्रतिकाल के सिए बस्तिरित की नहां हैं और मुक्ते वह विश्वास् करने का कारण हैं कि यथाप्योंक्त सम्परित का उजित बाजार मून्य, उसके ध्यमान प्रतिकाल से, एसे ध्यममान प्रतिकाल का बंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निश्नसित्त उद्वेष्य से उक्त कम्तरण कि सित्त में वास्त-विक रूप में किथत नहीं किया वया हैं:---

- (क) मजान्य से सुद्दी क्रिकी बाव की बाबता, उक्त मिनियम के बचीन कर बाने के बन्तरक औ बाबित्य में कमी कर्ड़ने या उससे बजाने में सुजिधा में सिए; ब्राह्म/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरं प्रयाजनाथं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था बा किया बाबा बाहिए वा कियाने में सुविधा के सिए;

गतः जय, उसत जिभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को जधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधित् (1) एन०एन० भोर्जधानी।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स इफीन बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरिती)

(3) सालसेत केथोलिका को० श्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०।

> (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्तपि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की वर्षीय या तत्संबंधी कायितवाँ पर स्वा की कायील से 30 दिन की अवदि, को भी वर्षीय वाद में तथाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारिन की तारींस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिक में व्यक्ति वा सकींगे।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त बन्धों और पर्यों का, जो उभः विशेष विशेष के अभ्याद 20-क में परिभाविष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 172, जो सेंट जॉन रोड, कांतवाडी, अम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/32659/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी०णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 10-11-1986

भक्ष्म . बार्ड . टी. एन . एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के स्थीन स्थान

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/31429/85-86-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- से के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० शाप नं०4 कारटोन कोर्ट, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्त्र में रिजस्ट्री है। तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कि निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक कि से कि बाद बहाँ किया क्या है कि

- विक्री मन्तराय है हुई क्रिकी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के मुभीन कार दोने के अन्तरक के बादित्य में कभी कारने या इससे बखने थे कृतिक्या के निष्क, मीड√या
- (णा) श्रेसी किसी आय या किसी पन या बन्य आसिस्सी को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियंश, 1993 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंश, या भन-कर अधिनियंग, 1957 (1957 को 21) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अनी चहिए था. जिल्ला स्विष्या स्विष्या विकास

कतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भ', उक्त जाँधनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के जबील, निम्नसिधित व्यक्तियों, क्यांत ह

- (1) श्री उस्मान जमल शामा और उमर जमल शामा। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश गोपालदास सिप्पी।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के नर्जन के जिल् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (हा) इस स्वना क राज्यत्र में प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में दितवक्ष किसी वन्य व्यक्ति वृतारा, वशेष्ट्रस्तासदी के पाछ विकित किस सकते।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अन्सूची

शाप नं० 4, जो, कारटोन कोर्ट, जंक्शन स्नाफ पेरी रोड, और पाली रोड, बान्द्रा, वम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31429/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्रचल बाह्यं, टी. एवं , एवं , नननन्न

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन क्षका

सारत सरकार

कार्यासय, तहायक भावकर शावुक्त (विरक्षिक)

श्रर्जन रेंज-2, गम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/31192/85-86-- ग्रतः मुक्ते, के० सी० शाह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- उसे अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 16,27, सालसेत केथोलिक सोसा-यटी, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाश्चर अनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से विणत है), भ्रौर जिसका करारनामा आय कर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्व से कम से कारणान प्रितिम्ल के सिए अन्तरित की गई है और मुन्ने वह विकास करने का कारण है कि वसम्पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाखार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अंतरकाों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को निए तम गया प्रतिफल, निम्निलिकत उद्देवस से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आव की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के तिक; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उ ग जिमिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया

नतः नन, उक्त निर्मिनयम की धारा 269-न के नमुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जोसेफ लेजेल डीग्राब्रो, क्लेटस, एले।यसिस डीग्राब्रो, पर्सी लारेन्स डीग्राब्रो, ग्रौर जेम्स विकटर डीग्राब्रो।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स पंचवटी बिजनेस कारपोरेशन। (ग्रन्तरिती)

क्षेत्रे यह सूचना जारी करके पूर्वकत सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्षन के इंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यका के राजपण में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन की जनिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी? से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक् के किसे वर सकते।

स्वक्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटरें का, जी उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-के में परिभाजित हैं, वह वर्षहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्य

जमीन का हिस्सा जिकका प्लाट नं० 16, 27, सालसेत केथोलिक को०-प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, सी०टी०एस० नं० 102, बान्द्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं श्रई-2/37ईई/31192/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

मोहर

पक्त वार्षु^{*}ा स्टी_न प्रकार प्रकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) वं स्थीन स्थान

मारत सरकार

का औरत्र , प्रकृतक बायकर बाज्यस (निष्ट्रीसक)

श्रर्जन रें ज-2, बम्बई बम्बई, बिनांक 10 नवम्बर 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/33107/85-86— श्रतः मुझे, के० सी० गाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिमयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी-3, बी-4, खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रौर उससे उपाधक श्रनुभूची से श्रौर पूर्णरूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है। तारीख 21-3-1986

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार बृश्य से कम के क्सनान प्रितिफ न को निए अंतरित की नद्दें हैं जीर मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार अल्ख, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे रस गन प्रतिफल का कल्ख प्रतिकृत से जिथक है जीर अंतरि है (अं रका) बीर अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे जनारण के लिए तय पाया गया बवा प्रतिकृत निक्तिसित उद्देश्य से स्वत अंतरण विश्वत हैं वास्तिक के को कि स्व से को स्व

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब. उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- (1) बालकृष्ण धरम जाधव श्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) बलराम सुबकाजी जाधव।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्य सम्पत्ति के अर्जन के जिला कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के नर्थन के संबंध में कोई भी जाकीय--

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविच या तत्सम्बन्धी स्विव्यों पर मूचना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और शबों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ष ह ना को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

मीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० बी-3, बी-5, जंक्शन-ग्राफ तेराया ग्रीर ग्रठाहरवां रोड, बेस्ट साइड लिकिंग रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-2/37ईई/33107/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 21-3-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के०सी०शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीखा: 10-11-1986

प्ररूप बाहाँ .टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/32534/85-86-- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परयात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000∕-रा. से अधिक **ह**ै

और जिसकी संप्लट नं० 201, 165, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्स भी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजिस्दी है। तारीख 6-3-1986

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उिचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से शुर्द किसी जाय की बाबत, विधिनियम के वधीन कर दोने के वंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने स सुविधाको लिए।

अत: शब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् 🤃 —

(1) श्रीमति रीटा जेम्स ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) बी० जी० पारेख भ्रौर ए०जी० मालकन। (भ्रन्तरिती)

 यह सुभाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रांपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 🔻 4.5 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पनार्कातामील से 30 दिन की अविधि, जामी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त अधिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित यो किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दौ और पदौं का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्क्री

प्लाट नं० 201, ग्रौर 165, पाली हिल बान्द्रा वस्वई-50 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि क सं० श्राई-2/37ईई/32.534/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

तारीख: 10-11-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली

नई पिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/33220/85-86— श्रतः मुझे के० सी० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ं श्रीर जिसकी सं० सी०टी०एस० नं० सी०/1230, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्प से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्राय कर श्रीधिनियम, 1961की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 27-3-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिवत बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उिवत बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् है—— 25—366 GI/86

(1) मेसर्स वैशाली बिल्डर्स ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स सतगुरू कन्स्ट्रक्शन्स श्रंधेरी) ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिस के श्रिधभोग में सम्पत्ति है)।

(4) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिस के बारे में श्र<mark>धो-</mark> हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सी०टी०एस० नं० सी/1230/ सर्वे नं० 427, बी, विलेज वाडा, बान्द्रा में बम्बई में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० प्राई-2/37ईई/3322/85-86 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 27-3-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> कें० सी० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रें ज-2, बस्बई

दिनांक: 14-11-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्वेश सं० धई-2/37ईई/31627/85-86— श्रतः मुक्ते, के०सी०शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी०टी०एस० नं० 828, 834, 835ए, 836 बान्द्रा, बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा श्रायकर मधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भ्ल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) जोसेफं पौल परेरा।

(भ्रन्तरक)

- (2) विपकोन प्रापर्टी डेवलपमें ट सर्विसेज प्रा० लि०। (भ्रन्तरिती)
- (3) भाकोन्नी।

(वह व्यक्ति, जिसके म्र्**धि**भोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

जमीन का हिस्सा जिसका सी०टी०एस० नं० 828, 834, 835-ए, 836, विलेज, दांडा, पालीमाला रोड, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/31627/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां ह 4-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

दिनांक: 10-11-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देक्तिण) शर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/31941/85-86— श्रत: मुझे, के०सी० गाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 345, टी०पी०एस० नं० 3, बान्त्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से बणित है), श्रौर जिसका करारनामा भ्राय कर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य सं कम को ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) को बीच ऐसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक रूप से कारिय का कारिक रूप से कारिय में

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; वहर/वा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकत् अधिनियम, या भनकत् अधिनियम, या भनकत् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान में सुविधा के सिए;

- (1) सीलीलेया टीटीयाड डिसूजा घौर ईवाजेलीन-एलायस डिसूजा।
 - (भ्रन्सरक)
- (2) शरोख फिरोज बलसारा।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिः 'करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विकसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्टाक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और क्यों और, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बृही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 345, टी॰पी॰एस॰ 3, सी॰टी॰एस॰ नं॰ एफ/502, 33वां रोड, ुबान्द्रा, बम्बई 50 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/31941/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रिस्टर्ड ्िया गया है।

> के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

सत्भ जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) बै सधीन, निम्नसिवित व्यक्तिकों भ्रथांड मान्स

तारीख: 14-11-86

प्ररूप आहें.टी.एन.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सं० श्राई०-2/37 ईई०/32903/85-98--श्रतः मझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 91, सी० टी० एस० नं० 440, सांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्व श्रनुसूची और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 12-3-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तीबक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में क्रामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रचाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

शतः अंब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के सभी ६ निम्नलिखित व्यक्तियाँ. अधिर् ६—- (1) कुमारी मार्टीना परेरा और अन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स कोजीहोम बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन का हिस्सा प्लाट नं० 91, सी० टी० एस० नं० 440, सेंट एडूज रोड, बांब्रा, बम्बई-400050 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-2/37 ईई०/32903/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 14-11-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निदेश सैं० भ्राई०-2/37 ईई०/32991/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाउ 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

का पूर्वोक्त कम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपात्त का उचित बाजार मृल्य उसकी दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृति कि निल्लित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में क्या विश्व के किए तथा पाया निष्

- (क) मन्तरण से हुई िकसी क्रीय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स मीरा ट्रस्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमंती निम्मी टी० चैनानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों तौर पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"डू लेक्स फलैंट नं० 6-बी, जो तीसरी और चौथी मंज़िल, पालम कोर्ट, नववा रोड, प्लाट नं० 39, टी० पी० एस० 4, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37ईई/32991/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

मोहर

प्रकल बाइं⊕ टी. पुत्र पुत्र व व व

शायकर विधितयमः, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्र जीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/32541/85-86+- अतः मुक्ते के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट शेथ निवास, खार, बम्बई में स्थित है और इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है और जिसका केरारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिकल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा च्या प्रतिकल का, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण किखित में बास्तिवक क्ष्य से कृथित नहीं किया गया है ह—

- हुंक) बन्तहरू से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अक्रि/या

भारा विवा अवत सीधीनयम की भारा 269-य की अवस्थान में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अवित है—

(1) श्री जगदीश शेथ और ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स काकड एण्ड सन्स।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के वर्षम् के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उच्छ उम्मत्यि के बर्चन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी जब्धि बाद में समान्त होती हो, की भीतर पूर्वों कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-युष् किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास् सिखित में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमस वी

"प्लाट जो सी० एस० नं \circ ई/118, शेथ निवास, सोलावा रोड, खार, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा की क० सं० ऋई-2/37ईई/32541/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्रारूप बाह्र दी. एन . एस् . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर शायुक्त (विरोधक)

धर्जन रेंज-2, बम्ब ξ बम्ब ξ , दिनांक 10 श्रक्तूबर 1986 निर्वेश सं० श्र ξ $-2/37\xi\xi/33117/85-86--श्रतः$ मुझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) (जिसी इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी 25 प्स, खींबाई रोड, बान्ब्रा, बम्बई में स्थित है और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है) और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम की धारा 269 कख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-3-1986

को पूर्विक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृख्य से काम को प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य से अक्त अन्तरण निलिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियस से अधीन कर दोने के अंतरक के दाधित्य के कभी करने या उच्च अखने में सुनिधा भी किए; और/वा
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या जन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 तूँ(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के सिए;

वतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की रमधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) श्री विलियम जोसेफ परेरा, श्री श्रार्थर लूक परेरा और श्री डौगलास जोसेफें परेरा । (श्रन्तरक)
- (2) लेस्दी मनचंदा।

(मन्तरिती)

(3) श्रीमती सेरीना बेप्टीसा और श्रीमती मारेलीना फर्मीय।

> (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह \सूचमा जारी करके पृत्रोंकत संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

सक्त सम्पत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्थानित व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविधत में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त सक्यों और पनी का, जो उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुस्ची

जमीन का हिस्सा सी ग्लींप्स बिल्डिंग के साथ, जो ओल्ड कांतवाडी, चींबाई रोड, सी टी एस 374, बान्द्रा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं $\sqrt{\frac{1}{85-86}}$ और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 21-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक :10-11-1986

प्रकृप बार्च . टी . पून . एस . -----

पाशकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

ारत् सूर्यकार

कार्यावय, बहायक जायकारु नायुक्त (विक्रांकक)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्वेश सं० ग्र $\xi-2/37\xi\xi/32238/85-86$ —ग्रतः मुझे के० सी० शाह,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अभि भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 101, डैक्कन हाउस, बान्द्रा, बम्बई-50, में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 6-3-86 को पूर्वे क्या सम्पत्ति के उपावत बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है बार मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि संभाप्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्यमान प्रतिफल का कारण है कि संभाप्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल के स्थमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल के बावार प्रतिफल का प्रतिफल के बावार संविध्य है बार बंदरित (बंदरित) जोर बंदिरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाया नवा प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चरेय से उसत कन्तरण निचित पर बारतिफल, निम्नलिचित उच्चरेय से उसत कन्तरण निचित पर बारतिफल, निम्नलिचित उच्चरेय से उसत कन्तरण निचित

- (क) अन्तरण **वे हुई किथीं** जाक की बावसा, उन्तर अभिनियम के बभीन कर दोने की अन्तरक अने दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधः अमे लिए; बारू/मा
- (स) ऐसी किसी जाब या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए;

क्तः चया, उस्त सीधीनयम की धारा 269-म के अनुसरम हो, ही. इस्त शीधीनयम की धारा 269-म की दमवारा (1) के अधीन, निकासियद व्यक्तियों∫ संसद्दि ह— (1) डेक्कन इन्टरप्रायसेम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजीव श्ररोडा, श्री हीरा लाल श्ररोडा और श्री व्ही एच० सोमेश्वर।

(भ्रन्तरिती)

को यह ब्यमा बादी करके पूर्वांक्य सम्बद्धि के अर्थन के लिए कार्यमाहियां स्क करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वात अभोहरताक्षरी के शास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरून:—इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो अक्त निर्धानिक के अध्याव 20-क में परिभावित ही, वहीं नर्भ होगा जो अध्याव में दिया बना ही।

नन्यूत्री

फलैट नं० 101, जो पहली मंजिल, डेक्कन हाउस, भ्राफ टर्नर रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/32238/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सीं० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्रस्प. बाइं. टी. एन. एस. ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाः

कार्यानय, सहायक वायकर बायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986 निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/32239/85-86-ग्रतः मुझे के० सी० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फलैट नं० 102, डेक्कन हाउस, बान्द्रा, बम्बई 50, में स्थित है और इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 कख, के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित द्रद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी जाय की बावर, स्वस्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 26--366 GI/86

(1) डेक्कन इन्टरप्रायसेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजीव ग्ररोडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति से सर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविश्व में किए जा सकते।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु³।

<mark>प्रनुसूची</mark>

फलैंट नं० 102, जो डेक्कन हाउस भ्राफ टर्नर रोड बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/32239/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनींक: 10-11-1986

मोहर ।

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.----

बायकर बाधिनियम, 196! (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) वे बधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यां भीय, सहायक आदकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश मा० श्रई-2/37ईई/32746/85-86-- अतः मुझे के० सी० शाह,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्था प्रचात (जिसे विश्व विधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतित साजार ध्राय 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 55सी/401 सोसायटी इस्टेट प्लाट नं० 1 बान्द्रा; बम्बई 50, में स्थित है श्रीर इस में उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षमा प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 7-3-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार सूल्य में कम के दृश्यमान पितफल के लिए अत्तरित की गर्द में और को यह विद्यास करने का कारण है कि यथा विद्यास संपाद का एकित का आपर मूल्य, उसके स्पयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य गया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिन्ति में बस्तिवक रूप से किया नहीं किया बना है

- (क) बसरण में हुई किसी बाय की माबत, उक्त अधिनियम को अधीन कार दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दयने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी ६न पा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मारी एगनेस डायस, श्रीमती प्रानीता टी ० चेकर, श्रीमती सिथिया लुडकवीस्ट ग्रीर श्री जोय जोसेफ डायस। (ग्रन्तरक)
- (2) द्रीसन विल्डर्स

(ग्रन्तरिती)

(3) भाडोत्री ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित्त में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्षन के जिल् कार्यशाहियां शुरू करता हो।

उक्त सन्मित्ति के नर्जन के सन्तन्थ में कोई भी बाखेए :--

- (क) इस स्था के राजपम में प्रकाबन की तारोच हैं
 45 दिन की खबिष वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, वो भी
 क्षत्रिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतह पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्यव्योकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, चो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा हो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

रेसीडेंशियल हाउस जो प्लाट नं० 55 सी/401, सोसायटी इस्टेट प्लान नं० 1, सेंट पौल रोड, बान्द्रा बम्बई 400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि के सं 2 = 2/37 ईई 32746 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी॰ शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त निरोक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्ररूप आर्हे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

मिर्देश सं० प्रई-2/37ईई/32106/85-86-- स्रतः मु**प्ते के०** सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-व के स्थीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने की कीरण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार स्वस् 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट आठवां रोड खार बम्बई, में स्थित है भीर (इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क, ख, के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्झ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रस् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सिक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारार (1) के अधीत, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) डा० रमेश मोहनलाल शाह और हरीश अचूभाई। (धन्तरक)
- (2) मेसर्स कांतालक्ष्मी टेड्रिंग कार्पोरेशन । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गी।

स्पष्टीक रण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुख्यी

प्लाट जो श्राठवां रोड, विलेज वांडा, खार बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की किं सं० श्रई-2/37ईई/32106/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 की रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 10-11-1986

प्रकम बाह्रील श्रीत हुन , हुन , - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निराक्षिण),

ग्रर्जन रेंज- 2 बम्बई बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देण सं० प्राई-2/37ईई/31906/85-86--- अतः मुझ्ने, के० सी० शाह

अध्यकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा पत्रा है कि धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर कन्मित, जिसका अचित वाजार मूक्य 1,00,000/- क. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फायनल प्लाट नं० 402, माहीम, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 5-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यभान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रत्फिल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष्;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--- (1) श्रीमती संतोष प्रकाश मेहता श्रीर श्रीमती केवल कुमारी जगदीश मेहता।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शीलाराम विद्यानी।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारक पूर्वांक्त सम्मात्त क अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर गम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागों।

स्पष्टीकरण :---इसमे प्रमृद्द अब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्र्यो

जमीन का हिस्सा जिसका फायनल प्लाट नं 402, टी पी एस 3, माहीम एरिया सी० एस० नं 809, सर्वे नं 39/120, माहीम डिविजन, बम्बई है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/31900/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 की रजिस्टई किया गया है।

के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण**) ग्रजेंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक ; 10-11-1986

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32986/85-86--श्रतः मुझे के० सी० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकों पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग गैरेज के साथ सान्ताकुंज (प) बम्बई 54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विजित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख, के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14-3-1086

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सावित्री सी० ग्रसनानी, सुन्दरदास एम० केवलरमानी, सुखराम एच० केवलरमानी, इंदिराएस० केवलरमानी श्रौर ग्रंजली एस० केवलरमानी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुलोचना ग्राय केवलरमानी। (ग्रन्तरिती)
- (३) भाडोत्री।

(वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बादी करके पूर्वो ति सम्मत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किये का सकोंगे

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

बिल्डिंग गैरेज के साथ जो प्लाट नं० 35 टी० पी० सी० 4 सान्ताकुंज (प) एवहेन्सू रोड बम्बई 400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37ईई/32986/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० **शाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 10-11-1986

मोहर 🚁

प्रकृत वार्ड . टी . एन . एस . -------

नावकर नर्जुनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बजीन तुममा

gree every

कार्याभय, सहायक नायकार आयुक्त (मिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1986 निर्वेस सं० ग्रई-2/37ईई/32710/85-86---श्रत : मुक्ते कें० सी० शाह,

नावकर गिंधिनयम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् (जन्त गिंधिनयम) कहा पना हैं), की पारा 269-व के वधीन पक्षम प्राधिकारों को यह निहनांच करने का सारच हैं कि स्थापर चन्यति, चितका उचित गक्षार मृत्य 1,00,000/- रा. से गिंधक हैं

भौर जिसकी सं० फलैंट नं० 601, मीना श्रपार्ट बान्द्रा, बम्बई 50, में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर मिश्रिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 7~3-1986

को प्रामित सम्परित को विकत बाजार मूच्य से कम को असमान बित्यम को किए अन्तरित की कहाँ और जुमें वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बामार बूच्य, उसको अस्त्राम प्रतिपास हो हो अयमान प्रतिपास का पन्तरह प्रतिपात से अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिसित उद्विषय से उनत अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्दरम वे हुए किसी बाप की रावस्त, सन्द बहुँक्टैनर्थ के बन्दीन कर बोर्च के बन्दरम की बहिदर के किसी करने वा सबसे बचने के बुद्धिया के सिद्ध; करि/बा
- (क) एंडी किसी नाव वा किसी धन ना नाव सारितकों की, चिन्हों भारतीय नाव-कर माधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनता अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की अवधिनार्थ अन्तरिती ब्रुवारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया नाव चाहिए था, छिचाने में सुविधा की बिहा;

नेतः नव, उपत निधिनयम की धारा 269-ए के जन्सरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के नधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जयराम चावला भौर श्रीमती दीपा चावल। (ग्रन्थरण)
- (2) श्रीमती गुनवती ए० मिरचदानी, श्री श्रर्जन के० मिरचदानी, श्री जगदीश ए० मिरचदानी श्रीर श्री सतीश ए० मिरचंदानी।

(भ्रन्तरिती)

का मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अपन के सिए कार्यनाहियां कुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वता को राजपन में प्रकाशन की शारीक वें 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तत्मील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, अ भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना को राजपंत्र भी प्रकाशन की सारीच की 45 दिन को भीतर उन्त स्थानर राज्यित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथाहस्ताकारी की गास निधित में किए जा सकेंगे।

त्वका किरण:---इसमे प्रयुक्त वाक्यों और पर्यों का. की अभव निर्मा विवास के वाध्याय 20-क मा परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

पर्लंट नं० 601, जो मीना भ्रपार्टमेंट को० भ्राप० हार्जिसग सोसायटी लिमिटेड, 82, हील रोड, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क० सं० ग्रई-2/37ईई/32710/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-3-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶2, बम्बई

विनांक : 10~11-1986

प्रक्य बाइं, टी. एन. एस.,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्ट (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बस्बई, दिनांक 10 नवस्बर 198०
निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/32987/85-86→-अत:

मुझे के० सी० शाह,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० गुलमोहर बिल्डिंग, सान्ताकुज (प) बम्बई में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14-3-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक कें वावित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा की लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनयम, या धन-यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जो या किया जाना चाहिए था. लिपाने में मृविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यंक्तियों, अर्थात् क्रिक्

- मैं (1) श्रीमती सावित्री सी० श्रसमानी, सून्वरदात एम० केवलरमानी,सुखराम एच केवलरमानीसुन्दर दास एम० केवलरमानी श्रौर इंदिरा एस० केवलरमानी, ग्रंजली एस केवलरमानी। (श्रन्तरक)
 - (2) ईश्वर डी० केवलरमानी, महेश **माई० केवलरमानी** ग्रौर मदन ग्राई० केवलरमानी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो स्वक विभिन्तियम के विभाग 20-क में परिभावित हैं, बही वर्ष, होना जो उस वश्याय में रिसा क्या हैं।

बग्स्की

जमीन का हिस्सा जो गुलमोहर विल्डिंग, व्लाट मं॰ 35, टी॰ पी॰ एस॰ 4, वेस्ट एवेन्यू, सान्ताकुज (प), बम्बई में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा की क० सं० श्रई-2/3कईई/32987/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर **धायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-2, वस्वह

दिनांक : 10-11-1986

प्ररूप आईं.टी.एम.एम.----

ातकर मित्रिस्यस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीन सूचना

नाराज सरकार

कार्यास्त्र, सहायक सायवार वायुक्त (निर्देशिष)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ग्रई-2| 37ईई| 32276| 85-86--ग्रतः के० सी० शहर

मुझे के० सी० शाह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्रकत अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का मारण है कि श्वाहणवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1;00,000 / रि. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 148 श्रार, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्व ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 2 \$ 9 क, ख, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वसाई में रजिस्ट्री है तारीख 6-3-1986 को पूर्वो त सम्बद्धि के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकतः है कि अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारा है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके स्थामान परिफल से, गुंसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत में अक्षीयक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्ववा) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पाया नथा प्रतिफाल . निमानिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में क्षुस्तिका हम में करियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिधा के निष्य और/श्र
- (स) एकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया राग था था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वीवधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विकासित व्यक्तिनों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती होटेन्य मारिया विस्टोरिया डीसूजा (ग्रन्तरक)
- (2) मेमर्स परेरा बिल्डर्स

(अन्तरिती)

(3) भाडोवी।

(वह व्यक्ति जिसके <mark>ऋधिभोग</mark> में सम्पत्ति है)

(4) (ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए वार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों से कियी श्रांक्स द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अन्स्ची

रेसीडेंशल हाउस जो कि प्लाट नं० 148 ग्रार, सीटभ एस०नं० 545, सेंट एलेक्सीयस रोड, वान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की क० सं० ग्रई-2/37ईई/32276/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है $^{"}$ ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ंग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 10-11-1986 मोहर प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-11, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986 निर्देश सं० ए श्रार2/37 जी-3875/मार्च 86--श्रतः मुझे,के० सी० शाह, अभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्राधा हिस्सा, प्लाट नं० 2ए, एस एस नं० 6, न्यू सीटी एस नं० सी/743, सी/744,/सी 745, बान्द्रा, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-3-1986,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदाह से अधिक व्रं और अंतरिक (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) जे अभीन नियमितिखत व्यक्तियों. अभिति :—— 27—366GI/86

- (1) दी सेंट्रल एकजीन्यूटर एण्ड ट्रस्टी को० लिमिटेड फामरोज ग्रार० मूस मेराजी एफ मूस, डेजी एफ बाबा ग्रौर जीमी एस मृस। (श्रन्तरक)
- (2) वेवलेश प्रीमायसेस को० ग्रांप० सोसायटी लि०। (श्रन्सरिती)
- (3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके <mark>प्रधिभोग</mark> में सम्पत्ति है)

(4) दोमाभाई श्रादेंशीर टर्न

(बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के तियू कार्ययाहियां शुरू करता हुं। उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **य से**45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सुजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-रह में गरिभाषित है, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

बन्स्ची

ग्रनुसूची जैसा की विलेख सं० एस−281/1980 ग्रौर जो उपरिजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रिजिस्टर्ड किया गया है,।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकाकी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, बम्बई

विनांक 10-11-1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-II, अप्टबई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश सं० ए म्रार 2/37 जी-3877/मार्च 86---मतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्राधा हिस्सा प्लाट नं० 2ए,/एस एस नं० 6, न्यू सी एस नं० सी/743, सी/744, सी/745, बान्द्रा बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकर श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5~3–1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्श के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविद्, रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थत् :—— (1) दोमाभाई श्रार्देशीर टर्बर।

(भ्रन्तरक)

- (2) वेवलेश प्रीमायसेस को० ग्राप० मोनायटी लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती।

(बह र्व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) दी मेन्द्रल बैंक एक्जीक्यूटर एण्ड ट्रस्टी को० लि०। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह कि सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याक 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

श्रनुमूची जैसा की विलेख सं० एस-283/1980, और जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 5-3-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, बम्बई

विनांक 10-11-10986 मोहर: प्ररूप आहाँ. टी. एत. एस. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक बायकर वायुक्त (नि.रीक्षक)

म्रर्जन रेंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 नवम्बर 1986

निर्देश मं० ए ग्रार 2/37 जी-3876/मार्च 86 - श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं०2 एस० एस० नं० 6, पेरी कोस रोड, बान्द्रा, बम्बई 50 में है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचा प्रतिफल को पंचा प्रतिकल को पंचा प्रतिकल से बिध प्रतिक्त (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक कन निम्मीलिचित उद्योध से उक्त अंतरण निम्मित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरम् में हुई किसी आय की शावत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के ब्रायित्व में कमी करने या उसस अधने में श्रीविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियः की, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर नियानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाना जाहिए था जिना में स्थितः व लिए?

अतः सब, उक्त वीभिनियम की थाडा 269-ग के वनुबर्ण के, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थस् :---

(1) श्रीमती नर्गीस दोसाभाई टर्नर श्रीर कुमारी गूल इराछाव गीमी।

(ग्रन्तरक)

- (2) वेबलेश प्रीमायसेस को० श्रॉप० सोसायटी लिमिटेड । (भ्रन्तरिती)
- (4) अन्तरिती

(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्बाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अक्षोह स्ताक्षरी के पास जिन्दा में किए या सकोंगे।

ार्ट्यकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अमुस्ची

ग्रनुसूची जैसा वित् ा सं० एस+282/1980 भीर जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 5−3−1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, बम्बई

दिनांक 10-11-1986 मोहर:

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 19th November 1986

No. F. 22/86/SCA(G).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court Holidays during the year 1987:—

Name of Holidays	Date & Month	Day of the Week	No. of Days
Republic Day .	26th January	Monday	1
Maha Shivratri	26th February	Thursday	1
Holi	16th March to 20th March	Monday to Friday	5
Ram Navami .	7th April	Tuesday	1
Good Friday .	17th April	Friday	1
Id-Ul-zuha (Bakrid)	6th August	Thursday	1
Independence Day	15th August	Saturday	1
Muharram .	5th September	Saturday	1
Dussehra Holidays	28th September to 1st October	Monday to Thursday	4
Mahatama Gandhi'a	s	-	
Birthday	2nd October	Friday	1
Balmiki's Birthday	7th October	Wednesday	1
Diwali Holidays	21st October to 24th October	Wednesday to Saturday	4
Guru Nanak's Birthday/ Id-e-Milad	5th November	Thursday	1
Christmas and New Year Holidays	21st December, 1987 to 1st	Monday to	12
	January, 1988	1 riday	

By Order

H. S. MUNJRAL Additional Registrar Supreme Court of India

UNION PUBLIC SFRVICE COMMISSION

New Delhi, the 20th October 1986

No. A. 19014/3/80-Admn. I.—In pursuance of Department of Personnel & Training's order No. 29/17/86-EO(MM) dated 7-10-86, Shri B. B. Murmu, Deputy Secretary (ad-hoe) has been relieved of his duties in the Commission's office with effect from the afternoon of 20-10-1986. His services are placed at the disposal of the Ministry of Water Resources, New Delhi.

The 31st October 1986

No. A. 19014/10/83-Admn, I.—The President is pleased to appoint Shri A K. Murarka, (CFS: 75), at present working as Under Secretary, as Deputy Secretary in the Office of Union Public Service Commission w.e.I. 31-10-1986 (AN) for the remaining period of his tenure i.e., upto 27-1-1988 or until further orders, whichever is earlier.

M. P. JAIN Under Sccy. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 17th November 1986

No. 2/18/85-Admn. (ii).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Hari Ram, Assistant Engineer (Civil) of the Central Public Works Department as Assistant Technical Examiner (Civil) in the Commission in an officiating capacity on deputation basis in the revised scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with special Phy of Rs. 150/- per month, with effect from the forenoon of 10th November, 1986, until further orders.

The 18th November 1986

No. 2/19/86-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Arora a permanent P.A. of this Commission, as Sr. P.A. in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from the forenoon of 13-10-1986 for a period of three months or until further orders whichever is carlier.

MANOHAR LAL Under Secy. (Admn.)

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING,

ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 17th November 1986

No. K-12/65-AD-V.—Shri K. K. Chaturvedi, Deputy Legal Adviser/CBI relinquished the charge of his office in the afternoon of 31st October, 1986, on superannuation.

The 18th November 1986

No. A/19036/22/79/AD-V.—On his repatriation from Special Investigation Team (MHA), Shri V, M. Pandit, Deputy Superintendent of Police/CBI has been taken on the strength of CBI in the same capacity w.e.f. the forenoon of 1st November, 1986 and has been posted to Coordination Division.

No. 3/28/86-AD-V.—In continuation of H.O. Notification of even number dated 15-7-1986, the President is pleased to appoint Shri P. UNNIKRISHNAN, as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation on regular basis with effect from 1st November, 1986 and until further orders.

The 21st November 1986

No. 3/45/86-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri N. S. Rana, IPS (UT: 1975) as Superintendent of Police, on deputation basis, in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 11th November, 1986 and until further orders.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 29th October 1986

No. 3/21/86-Adm. I.—The President is pleased to appoint Shri Ram Nath, Assistant Naval Store Officer, Naval Hqrs. New Delhi, as Senior Scientific Officer (Grade 1) Weapons Branch, Bureau of Police Research & Development, Ministry of Home Affairs, New Delhi on deputation w.e.f. the foremoon of 26th September, 1986 for a period of three years.

S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 14th November 1986

CORRIGENDUM

No. P. VII-1/85-Estt-I-Vol. III.—In notification No. P. VII-1/85-Estt-I-Vol. III dated the 22nd July, 1986, the date of taking over charge by Shri Bachan Yatee against Scrial No. 33 shall be read as under:—

or "11-4-86 (AN)".

Read "12-4-86 (AN)".

No. D.I-46/86-Estt-I.—The services of Shri P. K. Sharma, Assistant Commandant (JAD Works), Directorate General,

CRPF, New Delhi are placed at the disposal of C.I.S.F. on deputation basis with effect from the forenoon of 24th October, 1986.

The 20th November 1986

No. O. II-1482/80-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. (Mrs.) Sneh Gupta, General Duty Officer Grade II of Base Hospital-I, New Delhi with effect from the afternoon of 4th November, 1986.

KISHAN LAL Deputy Director (Estt.)

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 17th November 1986

No. 515/A.—The undersigned is pleased to appoint Shill B. C. Lodh Accountant, ISP to officiate as Accounts Officer in India Security Press Nasik Road in the Scale of Rs. 840-1200 (Pre-revised)/Rs. 2375-3500 (Revised), on ad-hoc basis on usual terms and conditions, for a period from 9-12-1985 to 8-12-1986 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 18th November 1986

No. 523/A.—The undersigned hereby appoints Shri V. B. Malve, Inspector Control, India Security Press Nasik Roud to officiate as Deputy Control Officer (Group B Gazetted) in the revised Scale of Rs. 2000-3500 on regular officiating basis with effect from 28-10-1986 until further orders.

No. 524/A.—In continuation of this office Notification No. 246/A, dated 10-7-1986, the ad-hoc appointment of Shri G. V. Karankal as Deputy Control Officer is regularised w.e.t. 26-9-1986 until further orders.

P. S. SHIVARAM General Manager India Security Press

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES-II

New Delhi 110002, the 7th November 1986

O.O. No. Admn./133.—Consequent upon attaining the age of Superannuation, Shri Kartar Chand Jain, an Audit Officer of this office will be retiring from Govt. Service w.c.f. the afternoon of 30-11-86. His date of birth is 18-11-1928.

(Sd.) ILLEGIBLE It. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I WEST BENGAL

Calcutta, the 12th November 1986

No. Admn. 1/Promotion-93/A.A.O./2222.—The Accountant General (Audit)-1, West Bengal has been pleased to appoint Shri Kalpan Chowdhury, Section Officer, (Audit) to officiate as Assistant Audit Officer (Group 'B' Gazetted post in the scale of Rs. 2000-60-23000-FB-75/3200/- in temporary and officiating capacity with effect from the afternoon of 12th November 1986.

The promotion is subject to the final outcome of the writ petition now pending before the Hon'ble High Court, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officer will have to exercise option within one month in terms of 2(b) of GIMF O.M. dated 26-9-1981, for either to fix his pay under FR-22(a)(i) on the date of promotion and then under FR 22-C

from the date of next increment in the lower post or under FR-22-C on the date of promotion straightway.

H. S. MURTHY Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION DEPTT. OF LABOUR (LABOUR BUREAU)

Shimla-171 004, the 5th December 1986

No. 5/1/86-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by nine points to reach 685 (Six hundred eighty five) for the month of October, 1986. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of October, 1986 works out to 833 (Eight hundred thirty three).

VIJAY KUMAR Deputy Director Labour Bureau

OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER (C)

New Delhi, the 17th November 1986

No. Adm.I/4(1)/86 (i).—On transfer Shri M. C. Joseph relinquished charge as LEO(C) Bangalore on 28-5-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Trivandrum on 2-6-86 (FN).

No. Adm.1/4(1)/86 (ii).—On transfer Shri Nathu I ul relinquished charge as LFO(C) Ajmer on 30-5-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Bikaner on 2-6-86 (FN).

No. Adm.I/4(1)/86 (iii).—On transfer Shri k. M. R. Pillai relinguished charge as LFO(C) Trivandrum on 2-6-86 (FN) and assumed charge in the same capacity at Bangalore on 16-6-86 (FN).

No. Adm.I.4(1)/86 (iv).—On transfer Shri S. D. Singh, relinquished charge as LEO(C) Jabalpur on 13-6-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Katrasgarh on 18-6-86 (IN).

No. Adm.1/4(1)/86 (v).—On transfer Shri Mohan I al relinquished charge as LFO(C), Bhusawal on 14-7-86 (FN) and assumed charge in the same capacity at Hubli on 28-7-86 (FN).

No. Adm.I/4(1)/86(vi).—On transfer Shri N. R. S. Kalyani telinquished charge as LEO(C), at CLC's Hqts., New Delhi on 30-6-86 (FN) and assumed charge in the same capacity at Bhusawal on 14-7-86 (FN).

No. Adm.1/4(1), 86(vir).—On transfer Shri B. S. Rana relinguished charge as LEO(C), Bilaspur on 16-6-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at CLC's Hqrs., New Delhi on 30-6-86 (FN).

No. Adm.1/4(1)/86(viii).—On transfer Shri P. N. Gambhir relinquished charge as LEO(C), Satna on 10-7-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Bilaspur on 15-7-86 (AN)

No. Adm.1/4(1)/86(ix).On transfer Shri J. C. Das relinquished charge as LEO(C), Jagdalpur on 30-6-86 (AN) and assumed charge in the same carucity at Asansol on 9-7-86 (EN).

No. Adm.I $^{14}(1)$ /86(x).—On transfer Shri U. M. Chauhande relinquished charge as LEO(C), Jabalpur on 13-6-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Hyderabud on 2-7-86 (EN)

No. Adm.I/4(1)/86(xi).—On transfer Shri M. Nag relinquished charge as LEO(C), Bankura on 26-6-86 (AN), as assumed charge in the same capacity at Shillong camp Guwahati on 21-7-86 (FN), after availing leave/joining time etc.

No. $\Lambda dm_* 1/4(1)/86(xii)$.—On transfer Shri N. S. Kaundal linquished charge as LFO(C), Jammu on 30-6-86 (AN), and

assumed charge in the same capacity at Chandigarh on 1-7-86 (FN).

No. Adm.1/4((1)/86(xii).—On transfer Shri P. Anandraj relinquished charge as LEO(C), Salem on 9-5-86 (AN), and assumed charge in the same capacity at Madras on 12-5-86 (FN).

No. Adm.I/4(1)/86(xiv).—On transfer Shri P. K. Gondanc relinquished charge as LEO(C), Pune on 16-6-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Vijnyawada on 1-7-86 (FN).

No. Adm.1/4(1), 86(xv).—On transfer Shri Sree Kumar Roy relinquished charge as LEO(C), Patna on 30-6-86 (AN), and sssumed charge in the same capacity at Rourkela on 2-7 86 (FN).

No. Adm.I/4(1)/86(xvi).—On transfer Shri Vyas Rai relinquished charge as LFO (C), Calcutta on 1-7-86 (AN) and assumed charge in the same capacity as Bhubaneswar on 14-7-86 (FN).

No. Adm.1/4(1)/86(xvii).—On transfer Shri P. K. Singh relinquished charge as LEO(C), Gaya on 3-6-86 (AN), and assumed charge in the same capacity at Hooghly camp Calcutta on 13-6-86 (FN).

No. Adm.1/4(1)/86xviii).—On transfer Shri C. Gope relinquished charge as LEO(C), Lucknow on 1-7-86 (FN), and assumed charge in the same capacity at Dhanbad on 11-7-86 (FN)

No. Adm.1/4(1)/86(xix).—On transfer Shri N. S. Panwar telinquished charge as LEO(C), Jharia at Dhanbad on 16-6-86 (AN), and assumed charge in the same capacity at Baroda on 30-6-86 (FN).

No. Adm.I/4(1)/86(xx).—On transfer Shri P. K. Jadia relinquished charge as LEO(C), Baghmara on 14-6-86 (AN) and assumed charge in the same capacity at Sawainadho, ur on 20-6-86 (FN).

No. Adm.1/4(1)/86(xxi)...-On transfer Shri S C. Sharma relinquished charge as LEO(C), Udaipur on 7-8-86 (FN), and assumed charge in the same capacity at Ajmer on 11-8-86 (FN).

No. Adm.J/4(1) '86(xxii).—On transfer Shri G. B. Pandit relinquished charge as LEO(C), Dibrugarh on 21-7-86 (AN), and assumed charge in the same capacity at Udaipur on 7-8-86 (FN)

No. Adm.1/4(1)/86(xxiii).—On transfer Shri A. K. Chowdhury relinquished charge as LEO(C), Asansol on 30-6-86 (AN), and assumed charge in the same capacity at Colcutta on 1-7-86 (AN).

No. Adm.I/4(1)/86(xxiv).—On transfer Shri N. K. Singh relinquished charge as I.FO (C), Dehri-on-Sone on 8-8-86 (AN), and assumed charge in the same capacity Jharia at Dhanbad on 21-8-86 (FN).

No. Adm.I/4(1)/86(xxv).—On transfer Shri P. S. Phougat relinquished charge as LEO(C), Neamatpur on 4-7-86 (AN), and assumed charge in the same capacity at Jammu on 8-7-86 (FN).

No. Adm.I./4(1) '86(xxvi).—On attaining the age of superannuation, Shri R. Prasad, relinquished charge of the post of the LEO(C), Titlagarh on 31-8-86 (AN).

No. Adm.I/4(1)/86(xxvii).—On attaining the age of superannuation, Shri P. N. Pyke relinquished charge of the post of the LEO(C), Raniganj on 31-8-86 (AN).

No. Adm.1/4(1)/86(xxviii).—On attaining the age of superannuation, Shri Shanti Lul relinquished charge of the post of LEO(C), Jhansi on 30-9-86 (AN).

MADAN MOHAN, Administrative Officer

MINISTRY OF TEXTILES

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the 13th November 1986

No. 2(68)/EST.I/86/4738.—Shri K. J. Sangani, Regular Assistant Director, Gr.II(P&D) who was officiating as Gr.I (P&D) on ad-hoc basis in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, retired from service on superannuation in the afternoon of 31-8-1986.

ARUN KUMAR, Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 21st November 1986

No. A-19018(294)/77-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Smt. Sunita Kumar, Assistant Director (Grado I) (Chemical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Deputy Director (Chemical) at the same Office with effect from the forenoon of 29th October, 1986 until further orders.

C. C. ROY, Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 27th October 1986

No. A-17011/326/86/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Suchit Kumar Sur, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same office from the forencon of 16th September, 1986 and until further orders.

The 10th November 1986

No. A-17011/327/86 A N.—The Director General of Supplies and Disposals appoints Mrs. Swapna Nandy, Examiner of Stores (Assaying) in the office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur to officiate as Assistant Inspecting Officer (MetChem) on regular basis in the same office from the forenoon of 29th September, 1986 and until further orders.

The 14th November 1986

No. A-17011/328/86/A-6.—The Director General of Surplies and Disposals hereby appoints Shri V. Balasubrmanian, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Deputy Director of Inspection, Hyderabad to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same office from the forenoon of 15th September, 1986 and until further orders.

R. P. SHAHI,
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th November 1986

No. 7526B/A-19011(1-SD)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Shailendra Dashora to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 25-8-86, until further orders.

The 13th November 1986

---<u>--</u>-

No. 3637D/A-19012(2-RNA)/85-19B.—Shri Rajan Nambiar A, is appointed by Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the G.S.I, in the minimum of pay in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 11-9-86, until further orders.

The 14th November 1986

No. 7613B/A-19012(2-GVS)/85-19B,—Shri Gadepulli Venkata Satyanarayan is appointed by the Director General Geological Survey of India as Asstt. Geophysicist in the GSI in the minimum of pay in the scale of pay of 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18-9-86, until further orders.

No. 7625B/A-19011(2-GV)/86-19B.—The President is pleased to appoint Shri G. R. Valsangkar Asstt. Geophysicist (Insttn.), G.S.I. to the post of Geophy. (Ir.) (Insttn.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity w.e.f. the (FN), of 2-9-86 until further orders.

No. 7638B/A-19011(1-KSM)/19A.—Dr. K. S. Misra, Geologist (Senior), Geological Survey of India has been released with effect from 31-10-85 (AN), on retention of lien for two years for joining the post of Resource Scientist in the Remote Sensing Application Centre, M.P. Council of Science and Technology, Bhopal.

No. 7648B/A-19011(AK)/85-19A.—The President is pleased to appoint Dr. Alok Kumar to the post of Mineralogist (Jr.) in the G.S.I. in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 29-8-86 until further orders.

The 17th November 1986

No. 7673B/A-19011(2-GRR)/86-19B,—The President is pleased to appoint Shri Goli Rama Rao to the post of Gepphysicist (Jr.) (Insttn.) in the GSI in the minimum of pay in the scale of pay Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29-9-1986, until further orders.

No. 7685B/A-19011(1-IR)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Lokinder Ravi to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating caracity with effect from the forenoon of the 29-8-1986 until further orders,

No. 7698B/A-19012(2-DB)/85-19B.—Shri Debojyoti Bhattacharjee, is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the G.S.I. on minimum of pay in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1-9-86, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 20th November 1986

No. A-19011(328)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri A. S. S. Hargopal, Assistant Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been appointed to the rost of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31-10-1986.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA New Delhi, the 17th November 1986

No. A.19018/4/86-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Urmil Rehni to the

post of Homoeopathic Physician in Central Govt, Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of the 31st October, 1986, till further orders.

P. N. THAKUR Dy. Director (Admn.) (GGH\$.I).

New Delhi, the 18th November 1986

No. A-38012/9/85-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Dr. S. P. Aggarwal, A.D.G. (NCD) in the Directorate General of Health Services retired from Govt. service on the afternoon of 31st October, 1986.

No. A-38013/1/86-Adm.J.—On attaining the age of superannuation Sh. R. S. Sethi, Section Officer in the Directorate General of Health Services retired from Government Service on the afternoon of 31st October, 1986.

No. A-38013/3/86-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri R. N. Malhotra, Section Officer in the Directorate General of Health Services retired from the Government Service on the afternoon of 30th September, 1986.

P. K. GHAI Dy. Director Administration (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND RURAL DEVELOP-MENT'

(DFPTT, OF AGRI. & CO-OPERATION) DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 17th November 1986

No. 1-2/82-Adm.I. (Vol.II).—In continuation of this Directorate's notification of even number dated 22nd January, 1986 and with the approval of the Department of Agriculture and Cooperation conveyed vide their letter No. 20-40/82-PP II dated 29-10-1986, the ad-hoc appointment of the following officers has been extended upto the date indicated against each or till the posts are filled up on regular basis whichever is earlier:—

Date upto which ad-hoc appointment extended.
. 30-12-1986
15-12-1986
23-12-1986
28-2-1987

S. P. KUTAR Chief Administrative Officer for Plant Protection Adviser. to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay, the 14th October 1986

No. PA/79(17)/84-R-III/2142.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri P. R. Rajagopalan. Permanent Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-FB-100-3500 in this Research Centre with effect from the forenoon of August 5, 1986 until further orders.

C. G. SUKUMARAN Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 7th November 1986

No. NFC/PAR/0703/1965.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/1890 dated October 25, 1986, the

appointment of Shri N. Bharathan, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-fiB-75-3200 on ad-hoc basis is extended upto 5-12-1986 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH Manager, Personnel & Admn.

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560 017, the 12th November 1986

No. 020/1 (15.1)/86-Est-I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders:—

Sl. Name No.	Designation	Date	
1. Shri V. Ramakrishnan	Scientist/ Engineer 'SB'	1-4-85	
2. Shri G. Ramesh .	Scientist/Engineer	25-9-86	
3. Kum. P. Kalpana .	Scientist/Engineer 'SB'	02-6-86	

H. S. RAMDAS Admn. Officer-IJ

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th November 1986

No. A.19011/78/80-EI.—On attaining the age of Superannuation, Shri S. R. Das, Director of Airworthiness refired from Government service on 31-10-1986 (AN).

M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration

New Delhi-110 066, the 17th October 1986

No. A.32014/4/85-EC(Vol.II).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants (at present working as Assistant Communication Officer on ad-hoc basis) in the grade of Assistant Communication Officer in the pay scale of Rs. 650—1200/-on regular basis with effect from June 11, 1986 and until further orders:

S. Name No.	- — — - —-	 	
S/Shri		 	
1. P.V.K. Rao			
2. N. K. Rattan			
3. A.H. Baxi			
4. N.R. Bardhan			
5. A. K. Başu			

The 5th November 1986

No. A.32013/1/82-ES.—The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness in the Civil Aviation Department for a period mentioned against each:

S Name No.		Extension of period of adhoc appointment		
	 	 From	То	
S/Shri				
J. M.S. Ibrohim		16-1-86	15-1- 87	
K. Prabhakar		11-2-86	10-2-87	
Kailash Narain		7-2-86	30-11-86	

No. A.12025/1/84-ES.—On the recommendation of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri D. S. Banga to officiate as Airworthiness Officer in the Scale of Rs. 700—1300 with effect from the forenoon of the 17th October, 1986 until further orders.

Shri D. S. Banga is posted in the Office of the Director of Airworthiness, Bombay.

No. A.32013/7/84-EC(.).—In continuation of this Department's Notification No. A.32013/7/84-EC dated December 24, 1985, the President is pleased to appoint the following nine (9) Assistant Technical Officers who are on deputation to National Airports Authority as Technical Officers (ad-hoc) in the grade of Technical Officer on a regular basis with effect from June 06, 1986 and until further orders:—

These officers would continue to be on deputation with National Airports Authority until further orders:—

No.	 	
S/Shri		
1. S.P. Sharma		
2. I.S. Vedi		
3. P. L. Bajaj		
4. G. L. Akolkar		
5. H. M. Prabhakar		
6. D. Pichumani		
7. H. L. Chawla		
8. G.J. Mchta		
9. S.P. Srivastava		

No. A.32013/12/85-E.1.—The President is pleased to appoint Shri C. D. Kolhe as Director of Airworthiness in the scale of pay of Rs. 1800—2000/- at Hyderabad, with effect from the forenoon of 11th October, 1986 until further orders.

The 6th November 1986

No. A.32013/6/84-EC.—The President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of the following officers in the grade of Senior Communication Officer in the Civil Aviation Department during the period indicated against each:—

S. Name No.		Period	
	 ,, <u></u> .	 From	To
S/Shri			
1. B.R. Sena		1-4-86	31-5-86
2. L.R. Singh		1-4-86	31-5-86
3. P.N.S. Kushwaha		1-4-86	31-5-86
4. P. K. Jha		1-4-86	31-5-86
Jagmohan Jolly		1-4-86	31-5-86
6. D.P. Chohan		1-4-86	31-5-86
7. V.R. Srinivasan		1-4-86	31-5-86
8. S.S. Chowdhury		1-4-86	31-5-86

2. The extension of the period of ad-hoc appointment of the aforesaid officers in the grade of Senior Communication. Officer will not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the service so rendered on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in the grade or for eligibility for promotion to the next higher grade.

M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 18th November 1986

No. 16/187/76-Ests-I.—On his attaining the age of superannuation Shri Prem Nath, Research Officer, Forest

Research Institute & Colleges, Dehra Dun retired from service with effect from the afternoon of 30-9-1986.

J. N. SAXENA Registrar Forest Research Institute & Colleges

ti i litara a tambi i kanana a kanana a

COLLECTORATE OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Bangalore-560 001, the 30th October 1986

CENTRAL EXCISE

No. 7/86—In partial modification of this Collectorate Notification No. 4/86 dated 21-4-86, wherein Collectors powers under Rule 57F(1)(ii) was delegated to Jurisdictional Assistant Collectors, has now been delegated to Range. Superintendents of Central Excise to exercise within their jurisdiction the powers under Rule 57(1)(ii) of Central Excise Rules, 1944.

SUKUMAR SHANKAR Collector

Coimbatore, the 29th October 1986

C. No. II/3/74/85-Estt.—Shri T. M. Gopalan, Inspector of Central Excise has been promoted to the grade of Superintendent (Group B) (Scale Rs. 650—1200) and posted in this Collectorate with effect from the FN of 24-09-86.

The 17th November 1986

C. No. II/3/74/85-Estt.—The following Inspectors of Central Excise have been promoted to the grade of Superintendents of Central Excise (Group B) in the scale of Rs. 2000—3500 and posted in this Collectorate with effect from the dates mentioned against them.

SI. Name No.	Date of appointment as Superintendent (Gr. B)
 Shri P.R. Chandrakumar Shri K. Subramaniam 	. 31-10-86 (FN) . 16-10-86 (AN)

G. V. NAIK
Dy. Collector (P&E)
for Collector

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110 066, the 14th November 1986

No. 8/86 F. No. 2/9/86-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Dalip Chand, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Power Engineering (Group 'B') Sorvices in the Central Electricity Authority, New Delhi in an officiating capacity with effect from the forenoon of 6th October, 1986.

R. SESHADRI Under Secy. for Chairman

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Bricks & Ceramics Private Limited

Hyderabad, the 17th November 1986

No. 1005/TA III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 28—366GI/86

1956 that the name of Bricks & Ceramics Private Limited, has this day been struck off the Registrar and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Muruganand Agencies Private Limited

Hyderabad, the 17th November 1986

No. 1716/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Muruganand Agencies Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. T. K. Mudaliar Agencies Private Limited

Hyderabad, the 17th November 1986

No. 1717/TA.III/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of T. K. Mudahir Agencies Private Limited, has this day been strack off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Caldyn Apparatus Fabrication Private Limited

Hyderabad, the 17th November 1986

No. 3275/TAJII/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Caldyn Apparatus Fabrication Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. K. BHATTACHARJEE Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Elvl Spin Private Limited

Bombay-400 002, the 17th November 1986

No. 720/23410/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Elvi Spin Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. RADHAKRISHNAN Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay-2

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Open University System Private Ltd.

Bangalore-9, 20th November 1986

No. 4595/560/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Open University System Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Hydronauts Granite Private 1 td.

Bangalore-9, 20th November 1985

No. 6135/560/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/s. Hydronauts Granite Private Itd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Registrar of Companies Karnataka, Bangalore FORM ITNS ---

(1) Mr. Anil Kumar Shaw.

(Transferor)

(2) Machineworks (International) Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

The second secon

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1986

Ref. No. C.A. 163/86-87/Sl.1257 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I. I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value-exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, situated at Auckland Place, Calcutta-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 163 dated 17-3-1986

for an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely interpretable.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the undivided one fourth part of share in the five storeyed brick built building together with the piece and parcel of land thereunto situated at 1, Auckland Place. Calcuttn-17. Registered before the Competent Authority, J.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A, 163 dated 17-3-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 5-11-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1986

Ref. No. C.A. 174/86-87/Sl.1258 J.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I. I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 8, situated at Rai Charan Pul Lane, Calcutta-46, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48 DD(4) of Incometax Rules. 1962 under registration No. C.A. 174 dated 24-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- is) facilitating the reduction or evasion of the liabilitation of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Suresh Jhunjhunwalla.
- (2) Sunil Bothra & Sulove Bothra (Minor), Father Madanlal Bothra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exclanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land with shed measuring 13 cottahs 7 Chittacks 3 sq. ft. being a portion of premises No. 8 Rai Charan Pal Lane, Calcutta-46. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 174 dated 24-3-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 5-11-86.

(1) Chitrakoot Properties Ltd.

(Transferor)

(2) Mst. Vineet Dhingra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1986

Ref. No. TR-228/86-87/Sl.1259 I.A.C./Acq.R-I/Cal.--Whereas, I, I. K. GAYEN,

Whereas, I, I. K. GAYEN,
Deting the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000- and bearing No.
71, situated at Park Street, Calcutta
(and repute the hydrography) or the Schadule appeared hereto).

(and more tody described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta under Registration No. I-4835 duted 29-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the office space No. 6F on 6th floor at 71, Park Street, Calcutta. Area 1976 Sq. ft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-4835 dated 29-3-1986.

> 1. K. GAYEN .
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-11-86.

(1) Mrs. Beena Deva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Wall Street Holdings & Enterprises Pvt. 1.td. (Transferee)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1986

Ref. No. TR-229/86-87/Sl.1260 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I. I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

8, situated at Little russel Street, Calcutta, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta under Registration No. I-3318 on 4-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in re pect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that revenue free land measuring 4 cottahs more or less together with structure, godown and one tenanted showroom standing thereon situated at and being portion of premises No. 8, Little Russel Street, Calcutta. Registered before the Registur of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-3318 dated 4-3.

> I. K. GAYEN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date: 5-11-86.

(1) M/s Park Chambers Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. S. P. K. Commercial Co.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1986

Ref. No. TR-230/86-87/St. 1261 I.A.C./Acq. R-I/Cal.--Whereas, I, I, K, GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

119, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta I-3958 on 15-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the office space No. 4A on 4th floor at 119 Park Street, Calculta with 4 car parking space No. 57 to 60 in basement (Area 5643 sq. fl.). Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-3958 dated 15-3-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-86.

(1) Mr. Bimal Kumar Shaw.

(Transferor)

(2) Machineworks (International) Ltd.

(Trnsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 5th November 1986

Ref. No. C.A.164/86-87/Sl.1262/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1, situated at Auckland Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C. A. 164 dated 17-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consuleration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for one purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 at 1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property mny be made in writing to the undersigned :-

- (A) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one fourth part of share in the five storied brick built building together with the piece and parcel of land thereunto situated at 1, Auckland Place, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, 1.A.C. Acq. Range-I, Calcutta vide Serial No. C. A. 164 dated 17-3-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-11-1986

(1) Lardine Handerson Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Chandan Construction Pvt. Ltd.

(Trnsferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th November 1986

Ref. No. 2383/Acqn.R-IJI/Cal/86-87.— Whereas, J. I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 201, 202 & 203 situated at Old China Bazar Street, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta under Registration No. I 4935 dated 31-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesold property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesold exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that 1 Bigha, 3 Cottahs, 4 Chittaks & 13 sq. ft. with partly one storied and partly two storied building at 201, 202 & 203, Old China Bazar Street, Calcutta. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. I 4935 dated 31-3-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I
> 54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1986

(1) Smt. Chitra Ranjan Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Conquest Commercial Company Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th November 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 2384/Acqn.R-III/Cal/86-87.--Ref. No. 2384/Acqn.R-111/Cal/80-6/.—
C. A. 164 dated 17-3-1986
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 33 situated at Kankurgachi Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta under Registration No. 1 4243 dated 11-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 73, Five storied building at 33, Kankurgachi Road, Calcutta ,Area-272.43 Sq. mtr. Registered before S.R.A., Calcutta, vide Deed No. I 4243 dated 1-3-86,

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

I. K. GAYEN Acquisition Range-I Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I terrby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1986

Scal:

29-366GI/86

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED ΚΙ**D**WAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th November 1986

Ref. No. 2385/Acqn.R-III/Cal/86-87.— Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 52/6C situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No.

1 3429 dated 6-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Business Development Consultants Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Business Development Consultants Pvt. Ltd. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with 5 Cottahs, 6 Chittaks & 37 Sq. ft. of land being premises No. 52/6C, Ballygunge Circular Road, Calcutta. Registered before S.R.A., Calcutta vide Deed No. I 3429 dated 6-3-86,

J. K. GAYEN
Acquisition Range-I
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1986

(1) Quandong Investments Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vikram Forgings & Allied Industries Pvt Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 54, RAFT AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th November 1986

Rf .No.e 2386/Acqn.R-III/Cal/86-87.—
Whereas, I, I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
No. 1, 2, 2/1 & 2/2 situated at Old Court House corner & 21 & 23, Lal Bazar Street, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. I 3316 Uated 4-3-1986

of an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(v) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4C on 4th floor measuring 2175 Sq. ft. at 1, 2, 2/1, & 2/2, Old Court House Corner and 21 & 23, Lal Bazar Street, Cal. Registered before S.R.A., Cal., vide Deed No. I 3316 dated 4-3-86.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

I. K. GAYEN Acquisition Range-I Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1986

FORM J.T.N.S .-

(2) Samsen Developments Private Limited.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sunder Sharma.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TARK ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th November 1986

Ref. No. 2387/Acq.R-HI/86-87.-Whereas, I, K. GAYEN,

1. R. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/5 situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 37EF/R-[II/744 dated 10-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1942 (11 et 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXV of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A on the 7th Floor measuring 2247 Sq. ft. at 2/5, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before the I.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/744 dated 10-3-86.

> K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Uma Tandan.

(Transferor)

26673

(2) 1. Sri Babulal Agarwal,
2. Sri Om Prakash Agarwal,
3. Smt. Nirmala Devi Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUITA-16

Calcutta-16, the 12th November 1986

Ref. No. 2388/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10 situated at Gurusaday Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 37EE/Acq.R-III/713 dated 4-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning us given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2D on 2nd floor measuring 1909 Sq. ft. with Garage & Servants Room at 10, Gurusaday Road, Calcutta. Registered before 1.A.C., Acqn.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/713 dated 4-3-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Secion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-11-1986

(1) Mr. Manherlal K. Doshi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I. Mr. Jitendra B. Desai,

Mr. Mahendra B. Desai,
 Smt. Asha M. Desai, all residing at 63A, Bentick Street, Calcutta-69.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th November 1986

Ref. No. 2389/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 25A situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration 37EE, Acq.R-III/749 dated 12-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C on 7th floor measuring 1726.13 Sq. ft. at 25A, Sarat Bose Road, Calcutta. Registerd before I.A.C., Acq.R-III, vide 37EE/Acq.R-III/749 dated 12-3-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1986

(1) Samson Developments Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sushma Madhok.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th November 1986

Ref. No. 2390/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, J. I. K. GAYEN,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/5 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 37EE/Acq.R-III/712 dated 4-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed the parties has not been truly stated in the said

between the parties has not been truly stated in the said

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition to the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A on 8th floor at 2/5, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before 1.A.C. Acq.R-III, Calcutta, vide 37I:E Acq.R-III/712 dt. 4-3-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1986

070

FORM ITNS----

(1) M/s. Preeti Comm. Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 1. Mrs. Indumati C. Doshi,
 2. Mrs. Pitti A. Doshi,
 3. Mrs. Versha A. Doshi,

4. Mrs. Suman K. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th November 1986

Ref. No. 2391/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent

No. 2 situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 37EF/Acq.R-III/734 dt. 7-3-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redustion or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I properly by the issue of this notice under sub-

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5 & 9 on 7th floor measuring 1773,46 Sq. ft. at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta, Registered before I A.C., Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/734 dated 7-3-86,

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Date: 12-11-1986

(1) M/s. Preeti Commercial Company Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Techno Pack Private Limited.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAL ROAD, CALCUTTA-16

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta-16, the 12th November 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used havein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 2392/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

1. R. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent

has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 37EE/Acq.R-III/731 dated 6-3-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Office space No. 7 on the 6th floor measuring 1580 Sq. ft. at Premises No. 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta. Registered before the J.A.C. Acquisition Range-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/731 dated 6-3-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date : 12-11-1986

Seal:

30—366GI[86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA, BOMBAY Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR.IIA/37EE/30967/85-86.--Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
F. P. No. 67 of T.P.S.-I of Vile Parle (E), CTS No. 959,
959 (1) to 959 (10), Vile Parle (E), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Avinash Krishnaji Damle,
 Shri Sunil K. Damle &
 Smt. Vatsala Krishnaji Damle.

(Transferor)

(2) M/s. Bal Enterprises.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F. P. No. 67 of T.P.S.-I of Vile Parle (E), CTS No. 959, 959 (1) to 959 (10), Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIA/37EE/30967/85-86 on 1-3-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA, Bombay

Date: 13-11-1986

FORM ITNS-----

(1) Rajasthan Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Y. K. Kunju & Mrs, Thankamma Kunju.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IIA, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

Objections, if any, to the acquision of the said property

may be made in the writing to the undersigned :-

Ref. No. AR.IIA/37EE/32399/85-86.--Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 42, CTS No. 2, 27, Jivan Vikas Kendra, Vile Parle (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 42, CTS No. 227, Jivan Vikas Kendra, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, IIA/37EE/32399/85-86 on 6-3-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Bhalchandra Anantrao Nerurkar.

(Transferor)

(2) M/s. Elvid Corporation.

(Transferce)

YTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-IIA, BOMBAY

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 13th November 1986

(b) By any other person interested in the immovable property, within 24 days from the date of the pulication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IIA/37EE/31891/85-86.—Whereas, I,

ting the Competent Authority under Section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immovable coperty, having a fair market value s. 1,00,000/- and bearing

lot No. 16, TPS No. 7, Hanuman Rd., Vile Parle (E), ombay-57.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the said Act in the Office of the competent Authority at combay on 5-3-1986

or an apparent consideration which is less than the fair tarket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more can fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between a parties has not been truly stated in the said instrument it transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot No. 16 of Town Planning Scheme No. V, Original Plot No. 6A, Hanuman Road, Vile Parle (E), Bombay-57. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIA/37EE/31891/85-86 on 5-3-1986.

2 2 2 1200,

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIA, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-11-1986

Scal:

(1) M/s. Shilpi Builders & Developers.

(Transferor)

(2) M/s. Nandkripa Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR.IIA/37EE/32725/85-86,---Whereas, I. A-BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 334 (Pt.) & 336 (Pt.) F. P. No. 353, TPS V,

Vile Parle, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)i

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 334 (Part) and 336 (Pt.) Final Plot No. 353, TPS V, Vile Parle, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIA/'7EE/32725/85-86 on 7-3-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA, Bombay

Date: 13-11-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) or section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Shantibai B. Parulkar & Others.
- (Transferor)
- (2) M/s. Veejay Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR, IIA/37EE/32517/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
CTS No. 1316, Original Plot No. 251, F. P. No. 146, TPS
Vile Parle (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land alongwith structure bearing CTS No. 1316, Original Plot No. 251, F.P. No. 146, TPS Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIA/37EE/32512/85-86 on 6-3-1986.

> Λ. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dute: 13-11-1986

Scal:

(1) Shri Gurdeep Singh Nagpal,

(Transferor)

(2) Mrs. Kusum Lata Sureka,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IIA, BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR.II(A)/37EE/31969/85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A/5, Model Town, CHS., Vile

Vile Parle (W).

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structures on plot No. A/5, Model Town, Co-op. Housing Society, 1st Road, J.V.P.D. Scheme vile Parle (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent AUTHORITY, Bombay under No. AR.II(A)/37EE/31969/ 85-86 on 5-3-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IIA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 13-11-1986

- (1) Smt. Dano K. Anand,
- (Transferor)
- (2) Kakad Property Developers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2A BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II(A)/37EE/31095/85-86.—Whereas, I. A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land at Village Kondivita South Salsette Taluka, Andheri (E), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 31A, Hissa No. 2, N.A. No. 31B, 32 & 113 at Kondi vita Mathuradas Vassanji Road, Andhri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/31095/85-86 on 1-3-1986.

A. BAIDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIA
Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to hte following persons, namely:—

Date: 13-11-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-2A BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Rcf. No. AR-II(A)/37EF/32333/85-86.—Whereas, I. A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Land at Village Marol Andheri (East), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-3-1986

af Ramnagaram/with the competent authority under Section for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 4ct, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the 'alth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--31--366GI|86

(1) Mr. Gulab Manghasingh Adwani.

(Transferor)

(2) Blaze Toura & Travels Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Frigmaires Engineers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land bearing S. No. 79, Hissa No. 7(Pt.), 76 Hissa No. 6(Pt.), 76 Hissa No. 15 (Pt.), 76 Hissa No. 8(Pt.), 79 Hissa No. 8(Pt.) 79 Hissa No. 2(Pt.) & 76 Hissa No. 7(Pt.). Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/32333/85-86 on 6-3-1986.

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA Bombay

Date: 13-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rukmani Motiram Punjabi Jagdish Motiram Punjabi Geet Radheyshyam Punjabi.

(Transferor)

(2) Asgar A. Mun & Sabir A. Mun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-IIA/37EE/32718/85-86.--

Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 66A. at Marol Industrial Estate. Marol, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is I ess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarries has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 66-A, with structures, situate at Marol Industrial

Estate, Marol Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IIA/37EE/32718/85-86 on 7-3-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt, Muktaben H, Waghela Smt, Ramaben R, Rathod Smt, Anjuben H, Rathod.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) M/s. Mistry Lalji Narsi Dev. Corporation. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT OFFICE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-II/37EE/31460/85-86.—Whereas, I, A, BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Survey No. 47, Hissa No. 2, CTS No. 502, Kondivita, Andheri (E), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein no are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Property being plot of land bearing S. No. 47, Hissa No. 2, CTS No. 502 at village Kondivita. Andheri. Bomaby.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/31460/85-86 on 4-3-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJA Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, amely: -

Date: 13-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-II/37EE/32739/85-86,-

Rel. No. AR-II/3/EE/32/39/03-00.— Whereas, I. A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 148, H. No. 8, Marol Andheri (E), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Stanislaus Joseph Creado Aloysius Bertrand Creado Godfrey Hedwing Creado.

(Transferor)

(2) M1. Altaf Abdul Latif Furniturewala.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Sybil Creado & Norcen Creado,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the respective persons. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 148, H. No. 3. Marol, Andheri (East), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/32739/85-86 on 7-3-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA Bombay

Date: 13-11-1986

FORM ITNS-NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-JIA BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Rcf. No. AR-II(A)/37EE/32610/85-86.— Whereas, I. A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Village Kondivita, Andheri (East), Bombay

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

- (1) Mr. Micheal D'Silva,
- (Transferor)
- (2) M/s, Monarch Builders.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land bearing CTS No. 492, 492/1 to 492/5 at Village Kondivita, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/32610/85-86 7-3-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IIA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1986

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS----

(1) Crystaline Exports Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Gemini Creations Pvt. Ltd.

(3) Transferce.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-II(A)/37EE/32186/85-86.--

Ref. No. AR-II(A)/3/EE/32186/85-86.— Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3 of F. 11 & 12 in Cepz MIDC Marol, Bombay situated at Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

Bombay on 6-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 F. 11 & 12 in Cepz M.I.D.C. Marol, Andheri (East), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/32186/85-Authority, Bor 86 on 6-3-1986.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-10-1986.

(1) Mr. Charles A. Gonsalves & 3 others.

(2) Mr. Micheal D'Silva.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Monarch Builders.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-IIA **BOMBAY**

SIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 13th November 1986

(a) by any of the aforesaid persons with na period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-II(A)/37EE/32657/85-86.— Whereas, J. A. BAIDYA,

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

Land at Village Kondivita, Andheri (E), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 72,1006 Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Land bearing S. No. 50/7 & 50/9 and CS No 492, 492/1 to 492/3 at Village Kondivita, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/32657 185-86 on 7-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1986 Scal:

and the state of the second of (1) Mr. Shabanali Ibrahimbhai & Others.

(Transferor)

(2) Mchmood Habib Sunasra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IIA **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-II(A)/37EE/32206/85-86.-

Whereas, I. A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 22, Plot No. 1, SV Road Andheri (W), Bombay, situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Property being land bearing S. No. 22, Plot No. 1, situate at S.V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. $\Delta R\text{-H}(A)/37FE/32206/85-86$ on 6-3-1986,

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-11-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mahesh Kantilal Jhaveri.

(Transferor)

(2) Dayaram Dingomal Vaswani,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-II(A). BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-II(A)/37EE/32650/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 111, 11th floor, Jasmine Apartments, Andheri (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

Bombay on 7-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : stansfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. 111, 11th Floor, Jasmine Apts., 31 S. V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(Λ)/37EE/32650/85-86 on 7-3-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A) Bombay

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) a Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely: 32-366GI/86

Date: 13-11-1986

FORM I.T.N.S.

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Alok Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II(A) **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1986

Ref., No. AR-II(A)/37EE/32832/85-86.—Whereas, I, A. BAIDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. T1-103/104, Sanjcev Tower No. 1, Versova, Andheri (W), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideratios and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this actice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of noitce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. T-1-103/104, Sanjcev Tower No. 1, Behram Baug, CTS No. 41 (Part), Oshiwara Village, Versova, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/32832/85-86 on 7-3-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II(A), Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 13-11-1986

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA BOMBAY,

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-II(A)/37EE/32756/85-86.—

Whereas, I, A, BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Bldg. No. 31, Swatantrya Sainik Nagar Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri (W), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. V. B. Patel & Co.

(Transferor)

(2) M/s. S. B. Ajmera & Co.

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, No. 31, Swatantrya Sainik Nagar Co.op. Housing Society Ltd., Amboli. Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/32756/85 86 on 7-3--1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IIA Bombay

Date: 13-11-1986

FORM ITNS ---

- (1) Sanjecv Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Alok Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIA BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-II/37EE/32831/85-86.—

Whereas, I, A. BAIDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. T1-101/102, Sanjeev Tower No. 1, Andheri (West),

Bombay

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair research value of the afterward reconst.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excueds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of, such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. TI-101/102, which is situated at Sanjeev Tower: No. 1, Behram Baug, CTS No. 41 (Part), Oshivra Village, Versova, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/32831/85-86 on 7-3-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :---

Date: 13-11-1986 Seal:

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Alok Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II(A) BOMBAY

Bombay, the 13th November 1986

AR-II(A)/37EE/328'0/85-86,---Whereas, 1. Ref. No. A. BAIDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. T3-43/44 Sanjeev Tower No. 1, Behram Baug,

CTS No. 41(Pt.), Versova, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986 Coimbatore/Doc. No. 3407/85 on August, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever peried expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. T-3-43/44, situated at Sanjeev Tower No. 1, Behram Baug, CTS No. 41 (Part). Oshivra Village, Versova,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EE/32830/85-86 on 7-3-1986.

> A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-IIA Bombay.

Date: \$3-11-1986

(1) Shri Noor Mohammed Yasin.

(Transferor)

(2) M/s. Poonja Construction.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IIA **BOMBAY**

Bombay, the 13th November 1986

Ref. No. AR-II(A)/73EE/32198/85-86.—

Ref. No. AR-II(A)/73EE/32198/85-86.—
Whereas, I, A. BAIDYA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
at the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 22, Hissa No. 3 & F. No. 4, Village Bandivali,
Jogeshsari, Bombay
situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing S. No. 22, Hissa No. 3 and F. No. 4 of Village Bandivali, Jogeshwari, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II(A)/37EF/32198/85-86 on 6-3-1986.

A. BAIDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIA Bombay

Date: 13-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-WAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7237/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, Sea Glimpse, 69, P. K. Atre Marg, Worli. Bombay-400 018

situated at Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eventor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- it facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Atul Arun Kasbekad.

(Transferor)

(2) Smt. Bhavana Mahendra Doshi & Shri Yogesh Vasantrai Doshi.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

(4) None.

(Person whom the undersigned knows to be interested in tre property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Sea Glimpse, 69, P. K. Atre Marg, Worli, Bombay-400018,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/10255/85-86 on 17-3-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 30-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8071/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Block No. 3-A, 3rd floor, Sudhakar Bldg., 26 Narayan Dabholkar Road, Bombay-6

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomaby on 17-3-1086 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consider with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income sticing from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any. moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Satyanarayan Agarwal & Shri Shyamsunder Agarwal.

(Transferor)

(2) Shri Gautamehand Dhanraj Shri Mahavirchand Dhanraj & Shri Ugamari Dhanrai

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

(3) Transferec.

(Person whom the undersigned knows to be interested in tre property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULB

Block No. 3-A, 3rd Floor, Sudhakar Bldg. 26, Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-1/37EE/10256/85-86 on 17-3-1986.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 30-10-1986

(1) Dr. P. E. Billimoria.

(Transferor) (s)

(2) Dr. (Miss) Rohini V. Chowgule.

(Transferee) (s)

(3) The Seller Dr. P. E. Billimoria.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and exprossions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-II/37EE/8238.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th Floor, Sukh Sagar, Hughes Road, Bombay-400 007

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authorty at

Bombay on 18-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- 1) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 404 4th Floor, Sukh Sagar, Hughes Road, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10257 on 18/3/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33—366GI/86

Date: 30-10-1986

FORM ITNS...

- (1) Shri Rashmikhant Popoatlal Amin.
 - (Transferor) (s)
- (2) Shri Pankaj Kankamal Ghia and Smt. Shobha Pankaj Ghia
- (Transferee) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-1/37EE/8283.—Whereas, I, NISAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'uald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

112-B, Heera Panna Bldg. Bhulabhai Desai Road, Tardeo Road, Bombay (and more fully desail)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/3/1986

18/3/1960
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concentraces of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112-B, Heera Panna, Bldg. Bhulabhai Desai Road.

and Tardeo Road, Bombay
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10258 on 18/ 3/1986.

> **NISAR AHMED** Competent . Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30/10/1986

Scal:

FORM I.T.N.S.---

(1) Mrs. Rajanigandha Rajendra Gandhi

(Transferor) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Santosh Ramrao Karambelkar. (Transferee) (s)

GOVERNMENT OF INDIA

__jections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 30th October 1986

EXPLANATION: -The terms and exprossions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. AR-1/37EE/8864/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 65, 6th Floor Ripved Co.op. Hsg. ociety, 344, Veer Savarkar Marg, Dadar-400028 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income stising from the transfer: and or

Flat No. 65, 6th Floor, Rigved Co-op. Hsg. Society, 344 Veer Savrakar Marg, Dadar-400028. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10254 on 5/3/ Competent 1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :---

Date: 30/10/1986

FQRM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I37EE/10954/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/2, and begging No.

able property having a fair market value exceeding
Rs: 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 57, 5th floor, on land situated at B. G. Kher Road
(Gibbs Road) bearing C. S. No. 434 (pt) of Malabar Hill
Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Trustees of the Parsi Panchayat Funds & Properties.

 (Transferor) (s)
- (2) Dr. Phiroze F Soonaalla Mr. Darius F Sonawalla and Mr. Zahir F Soonawalla Dr. Fardoon P Soonawalla and Mrs. Katy F Soonawalla,

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 57 on 5th floor, on land stitute at B. G. Kher Marg (Gibbs Road), bearing C. S. No. 434(pt) of Malabar Hill Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10157/85-86 on 3 3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 30/10/1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10581/85-86.--Whereas, I,

Ref. No. AR-I/37EE/10581/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 19, 3rd floor New Shriniketan CHSL, Chowpatty Band Stand, Bombay-400004 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

3/3/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Chandulal H Patel

(Transferor) (s)

(2) Shri Rameshchandra M Jhaveri Smt. Rajul R Jhaveri

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the Official Gazette or a period of 30 days n the service of notice on the respective sersons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and exprossions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, New Shrniketan Co-op. Housing Society, 3rd The agreement has been registered by the Competent Authority, ombay, under No. AR-1/37EE/10179/85-86 on 3/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :-

Date: 30/10/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/10586/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 24 in Anand Darshan CHSL, 13, Dr. Gopalrao Deshmukh Marg, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986. 3/3/1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, I respect of any income arising from the trasad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, er the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1937);

(1) Shri Manhar P Hemani Smt. Kokila M Hemani

(Transferor) (s)

(2) Shri Joravermal C Kothari Smt. Saraswati J Ko thari and Shri Ajit J Kothari

(Transferee) (s)

(3) Transferor & their family (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24 in Anand Darshan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 13, Dr. Gopalrao Deshmukh Marg, Bombay-400026.

Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10187/85-86 on 3/3/1986. The agreement has been registered by the

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30/10/1986

(1) Sy. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Uttamchand & Sons.

(Transferee) (s)

(3) B. Y. Builders Pvt, Ltd.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11047/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Ist Floor, Bldg. No. 3, Property Bearing C.S. No. 868 & 1/868 Worll, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986

for an apprent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) fucilitating the reduction or evadom of the limbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any facome arielay from the transfer; under
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ist Floor, Bldg. No. 3, Property bearing C. S. No. 868 & 1/868 Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10224/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30/10/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11063/85-86.--Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 305 on 3rd floor & Garage in the building 'Krishna Competent Authority at Bombay on

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at B ombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Ellora Construction Co.
- (Transferor) (s)
- (2) Shri Raghunath Prasad Radhyelal Shri Surendra Raghunath Prasad Gupta.

(Transferce) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305 on 3rd floor & Garage in the building Krishna Chambers 59, New Marine Lines, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10228/85-86 on 3/3/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 30/10/1986

en illingen elet e FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EF/11079/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/, - and bearing No. Flat No. 81, 8th floor Advant building, 12-A, Gen J. B.

Marg Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

market value of the arctesial property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—34—366GI/86 (1) Mrs. Mundya Devi Mehra

(Transferor) (s)

(2) Mr. Bhanu Kumar Pratap Mr. Virendra Pratap

(Transferec) (s)

(3) Kalyan Pulp & Paper Mills Ltd, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ask, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fat No. 81 on 8th floor, Advant Building, Foreshore The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I 37EE/10230/85-86 on 3/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 30/10/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-I BOMBAY**

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11083/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 406 in Maker Chambers V. Nariman

Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andio
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Ramonak Enterprises

(Transferor) (s)

(2) M/s Saughvi Exports Pvt. Ltd.

(Transferec) (5)

(3) Sanghvi Exports Pvt. Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 406 in Maker Chambers V, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been regisered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10231/85-86 on 3/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 30/10/1986

FORM I.T.N.S.-

(1) PSB Construction Co. Ltd.

(Transferor) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S Avtar Singh

(Transferee) (a)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11109/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. TWO on Ground floor in Bldg. No. FOUR in
PSB Apartments at B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3/3 [^]1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. TWO on Ground floor in Bldg. No. FOUR in PSB Apartments, at B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10237/85-86 on 3/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30/10/1986

(1) V & M Associates

(Transferor) (s)

(2) Abhyudaya Co-op. Bank Ltd.

(Transferce) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I, 37EE/11122/85-86.--Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Premises admeasuring about 10,000 sft, on ground floor of Manoranjan Finclave, Building 'A' & open terrace thereon & car parking spaces on Plot No. 3, C.S. No. 191 (pt) of Parel Sewri Divin, at Dr. S. S. Road, Parel, Bombay and more fully described in the space is required annexed hereto), has been transferred and the reaps is required under section

has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, so the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a pariod of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Premises admeasuring about 10000 sq. yds. on the ground floor of 'Manoranjan Enclave' Building 'A' and open terrace thereon & car parking spaces on plot No. 3, bearing C. S. No. 191(pt) of Parel Sewri Division at Dr S S Rao Road, Parel, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No, AR-I/37EE/10239/85-86 on 3/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely .---

Date: 30/10/1986

(1) Mrs. Geeta Prem Shivdasani

(Transferor) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pratik Vijaykumar Mehta Shri Nikunj Vijaykumar Mehta

(Transferee) (s)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11128 1985-86.-Whereas I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 45-B, Empire Estates, B Block, August Kranti Marg, Parphay 400 036

Bombay-400 036

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3/3 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and thta the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 45-B, Empire Estates, B Block, August Kranti Marg, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10235-A/85-86 on 3/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30/10/1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ethel Georgine Pauline Shah & Anr.

(Transferor)

(2) Ethel Georgina Pauline Shah & Others, Trustees of B. A. Shah Trust.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

No. AR-I/37FE/11138/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11-A on the 1st floor & Garage No. 34 on Gr. floor, Atlas Apartments, Narayan Dhabolkar Road, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfevor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 11-A on 1st floor and Garage No. 34 on Ground iloor of the building known as Atlas Apartments, Narayan Dhabolkar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/19247-A on 3/3/1986.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-I, Bombay

Dated: 10-11-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-L, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/11183.—Whereas. 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No 213, Jolly Maker Tower 'A' Cuffe Parade, Golaba, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the Offlice of the Competent Authority Bombay on 24/B/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferee for the purposes of the Indian Incorporate Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Ac ; the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Maini Shipping Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Dungermal Ghasilal Jaipurla Mrs. Kuti Dungarmal Jaipuria

(Transferce)

(3) N.A. (4) N.A.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. 213, Jolly Maker Tower 'A' Cuffe Parade, Colaba. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10265 on 24.3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 30-10-1986

Scal:

(1) M/s. Senior Travels Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Senior Pharmaceuticals Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

No. AR-I: 37EE/11185/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Premises No. 21A, Mamta A', Marathe Marg, Prabhadevi Bombay-400 025 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

Premises No. 21A, Mamta 'Al Marathe Marg, Prabhadevi, Bombay-400 025.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10266/85-86 on 24/3/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 30-10-1986

FORM ITMS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/11191.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 16 the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 264, 26th Floor, Falcon's Crest, in the proposed residdential bldg., on Plot No. CTS 1/202, G. D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Bombay on 24/3/1986 Bombay on 24/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration intereor by more than infrien per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 35-366GI/86

(1) Tata Housing Development Company Limited. (Transferor)

(2) Mr. K. S. Hinge, Mr. A. K. Hinge and Miss A. K. Hinge

(Transferee) (3) None

(Person in occupation of the property) (4) None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 264, 26th Floor, Falcon's Crest, in the roposed residential Bldg., on plot No. CTS 1/202, G. D. Ambedkar Marg, Parel Tank Road, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10268 on 24/3/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 30-10-1986

FORM I.T.N.S.----

(1) Tata Housing Development Company Ltd. (Transferor)

(2) Rallis India Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) (1 THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-1/37EE/11192/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding As. 1,00,000/- and bearing
Flat Nos. 142, 152, 161, 173, 183 & 231 in 'Falcon's Crest'
Plot No. CTS 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank
Road, Bombay-12, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 142, 152, 161, 173, 183 & 231 in 'Falcon's Crest', Plot No. CTS. No/202, G. D. Ambekar Marg, Farsi Tank Road, Bombay-400 012

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10269/85-86 on 24/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bomba;

Dated: 30-10-1986

and the second s

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/11193.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 043 & 052, 4th & 5th Floors, Falcan's Plot No. CTS 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay-12 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bembay on 24/3/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fit en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-lax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Tata Housing Development Com. Ltd.
- (Transferor) (2) The Tata Iron & Steel Company Ltd.
- (3) None (Person in occupation of the property)
- (4) None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats No. 043 & 052, 4th & 5th Floors, Faicon's Crest', Plot No. CTS 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10270 on 24/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 11) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 30-10-1986

26720 THE GAZETTE OF INDIA, DECEMBER 13, 1986 (AGRAHAYANA 22, 1908) [PART III—SEC. 1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Tata Housing Development Company Ltd.

(Transferor)

(2) Tata Economic Consultancy Services

(Transferee)

(3) None

(Person in occupation of the property)

(4) None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-1/37EE/11204.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flats No. 211 & 212, 21st Floor, Falcon's Crest Plot No.
CTS 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank Road,
Bombay-12, situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

The head transferred to the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

Bombay on 24/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 211 & 212, 21st Floor, Falcon's Crest, Plot No. CTS 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 24/3/1986. No. AR-I/37EE/10273 on Bombay, under

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 30-10-1986

NATICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-1/37EE/11205.--Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 032, 3rd Floor, 'Falcon's Crest' Plot No. 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400 012,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the Office of the competent authority at I.A.C., Acqu. Bombay on 24/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Tata Housing Development Company Ltd. (Transferor)

(2) Periyar Trading Company Private Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 032, 3rd Floor, Falcon's Crest, Plot No. 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10274 on 24/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 30-10-1986

(1) Tata Housing Development Company Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Atul Arum Kasbekar

(Transferre)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/11206.-Whereas, J. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 243, 24th Floor, Falcon's Crest' Plot No. CTS 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay-12, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered u/s 269AB of the 'said Act' in the Office of the Competent Authority at I.A.C., Acquisition Range, Pune Bombay on 24/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . . .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 243, 24th Floor, 'Falcon's Crest Plot No. CTS 1/202, G. D. Ambekar Marg. Parel Tank Road, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10275 on Authority, 24/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 30-10-1986

MOVICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE *NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986 No. AR-I/37EE/11207/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 171 & 172, on 17th floor in 'Calcon's Crest' on Plot No. CTS 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400 012 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 24/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to isclieve that the fair market value of the property as aforesaid receds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :-

- of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and Aor
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Tata Housing Development Company Ltd.

(Transferor) (2) The Investment Corporation of India Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats No. 171 & 172 on the 17th floor in 'Calcon's Crest', Plot No. CTS. 1/202, G. D. Ambekar Marg, Parel Tank Road, Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10276/85-86 on 24/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 30-10-1986

n de la composition della comp (1) M/s. Bureau of Data Processing System

(Transferor)

(2) Mrs. Panna Ramesh Kumar Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/11209/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 302, 3rd floor, Maker Chamber V, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-400 021, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said

Act in the Office of the competent authority at I.A.C., Acqn. Bombay on 24/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 302 on 3rd floor, Maker Chamber V, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-400 021,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10277/85-86 on 24/3/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance o fSection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Dated ; 30-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1986

No. AR-I/37EE/13848/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 303, 3rd floor, 'Vicky Apartments' TPS. IV, Plot No. 1225, Old Prabhadevi Road, Prabhadevi, Bombay-25 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 17 (2) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in surrauance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acquisition of the said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following passage that the said Act, to the said Act, to the following passage that the said Act, the ing persons, namely:—36—366GI/86

(1) Motiram Tolaram

(Transferor)

(2) Shri Arunkumar Champalal Karta of HUF of Arunkumar Champaklal & Smt. Madhu Arunkumar

(3) Transferor

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immon-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 303, 3rd floor, 'Vicky Apartments' T.P.S. IV, Plot No. 1225, Old Prabhadevi Road, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10231-A/85-86 on 3/3/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated 11-11-1986 Seal:

(1) L. G. Chhabria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shantilal R. Lunkad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

No. AR-I/37EE/11157.--Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 43, 4th Floor, Bldg. Advent, Foreshore Co-Op. Hsg Socty. Ltd., Foreshore, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 3/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 43, 4th Floor Advent Bldg., Foreshore Co-Op. Hsg. Socty. Ltd. Foreshore, Bombay & covered parking

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10249 on 3/3/1986.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

How, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section ?69D of the said Act, to the following Persons, namely :-

Dated : 30-10-1986

FORM ITNS———

(1) M/s Ferani Developers.

Transferor(s)
Transferee(s)

(2) M/s. Rediffusion Advertising Pct. Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-1/37EE/11155/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, Bldg. Udyan Darshan, Mahim, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400 028

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Bldg. Udyan Darshan Mahim, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Commanthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10248/85-86 on 3-3-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 30-10-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Manuben Dhirubhal Patel & Rambhai Bhikhbhai Patel

Transferor(s)

[PART III-SEC. 1

(2) Smt. Varsha N. Shah J. with Shri Naresh M. Shah

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/11065/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 54, 14th Floor, Matru Mandir Bldg. 278 Tardeo

Road, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparatus consideration which

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this motive in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used become are the fiscal in Chapter XXA of the case-Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 54, 14th Floor, Matru Mandir Bldg., 278 Tardeo Read, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10229/85-86 on 3-3-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 30-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/11107/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plat No. 8 2nd floor Neelkant Apartments, Plot No. 62. Scheme 58, Worli Hill Estate, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section

has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be transfer the property and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ganesh Vithal Patil.

Transferor(s)

(2) Anil Nath Widhani (Trading in the name and Stule of Bina Processors)

Transferee(s) (3) N.A.

(Person in occupation of the property) (4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd Floor, Neelkant Apartments Plot No. 62, Scheme 58, Worli Hill Estate, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10235 on 3-3-86.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 30-10-1986

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE. 11108/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Ground Floor, Bldg. No. 2, PSB Apartments, B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in temperate of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1924) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) PSB Construction Company Ltd.

Transferor(s)

(2) S. Avtar Singh.

Transferec(s)

(3) N.A. (4) N.A.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

TAPIAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Bldg. No. 2, P.S.B. Apartments, B. G. Kher Road, Worli Naka, Bombay.
The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10236 on 3-3-86.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 30-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/11040.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, 5th Floor Fair Lawn, 12B, M. Karve Road, Bombay-400020 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such accounts. as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, t hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Hoor Hoonda Abichandani.

Transferor(s)

(2) Mr. N. L. Ranjit & Smt. Suman Ranjit,

Transferee(s)

Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Nil.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nav be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interesed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 5th Floor, Fair Lawn, 128, M. Karve Road, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10223 on 3-3-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 30-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th October 1986

No. AR-I/37EE/11177/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building situated on C.S. No. 1239 of Fort Division Mint Road. Bombay known as HARILELA HOUSH, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269-AB of the Income-tax Act, 1951 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be neve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not over power which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Chandra J Harilela. Mrs. Padma H. Harilela, Mrs. Jyoti P. Harilela Transferor(s)
- (2) Indo Saigon Agency (Prop. Gobind K. Daryanani).
- Transferee(s)
 (3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned in

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the addication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building situated on C.S. No. 1239 of Fort Division, Mint Road, Bombay known as 'Old Harilela House' Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10264/85-86 on 18-3-86.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Dated: 30-10-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 11th November 1986

No. AR-I/37EE/11152/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11. 3rd Floor, Meherabad Coop. Hsg. Society Ltd. 1/594 Bhulabhai Desai Rd., Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Messrs. Fertilisers & Chemicals (Travancore). (Tansfeor)

(2) Smt. Savitri M. Mirchandani Smt. Sheel N. Khatau.

Transferee(s)

(3) Transferee. (Person in occupation of the property)

(4) Nil.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd Floor, Meherabad Coop, Hsg. Socty. Ltd., 1/594, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10246/85-86 on 3-3-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-37-366GI/86

Dated: 11-11-1986

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1986

No. AR-I/37EE/10621/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, 6th Floor, Navrang Basant Coop. Hsg., Soey.
Ltd. 101, Cuffee Parade, Bombay-400 005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomba yon 3-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. MS TARI KAKAR.

Transferor(s)

(2) Mrs. Bharati Indru Chugani.

Transferee(s)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Nil,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 6th Floor, Navarang Basant Coop, Hsg. Socty. Ltd., 101, Cuffee Parade, ombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10193/85-86 on 3-3-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated:11-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1986

No. AR-I/37EE/11174/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-2, Advent, Foreshor CHSL, Plot No. 9/8426 C.S. No. 1729, Foreshore Road, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the nair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Reena Wig.

Transferor(s)

(2) Inarco Limited.

Transferee(s)

(3) INARCQ Limited.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. G-2, Advent Foreshore CHSL, Plot No. 9/8426 C.S. No. 1729, Foreshore Road, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10262/85-86 on 18-3-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated:11-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Kamani Tubes Limited.
- Transferor(s)
- (2) Shri Anil Dhirubhai Ambani.
- Transferee(s)

(3) Hasmukh R. Mamani.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th November 1986

No. AR-I/37EE/11337/85-86.—Whereas I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 49, Usha Miran, 15, M. L. Dahanukar Marg, Bom-

bay-400 026

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 49, Usha Kiran, 15, M. L. Dahanukar Marg, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-I/37EE/10279-A/85-86 on 24-3-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated:11-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Bona Marin & Mrs. Iva Martin.

Transferor(s)

(2) M/s./ Monarch Builders.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-2, CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR 1I/37EE/32656/85-86.—Whereas, 1. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 594 & 594/1, at Village Marol, Andheri (East), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the ch ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; REG/or

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land at Village Marol, Andheri (East) bearing CTS No. 594 & 594/1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-Π/37EE/32656/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following _persons namely :---

Date: 10-11-1986

(1) Pahilajrai Issarsingh Hinduja,

Transferor(8)

(2) Prince Plastics.

Transferce(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31251/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Compartment No. 33, Marol Cooperative Industrila Estate.

Bombay-59 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under session 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons, interested in the said immovable Property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Compartment No. 33, Plot No. 7, at the Marol Cooperative Industrial Estate, M. V. Rd.; Andheri Marol, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31251/85-86 on 1-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bobmay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31407/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing City Survey No. 369/189, Village Mogra, Plot No. 136-B,

Andheri (É), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Jaswant Kaur Luthra & Others.

(Transferor)

(2) M/s. C. K. Builders & Developers.

(Transferee)

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

City Survey No. 369/189 Village Mogra, Plot No. 136-B at Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31407/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Halimabai Moosa,

(Transferor)

(2) M/s. M. G. Builders.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bobmay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.Π/37EEI/31045/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 119, H. No. 12 (Pt.) & S. No. 119C, CTS Nos. 1888/ 13, Vile Parle (E), Bobay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on -3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing Final Plot No. 479, at Shradhanand Road, Vile Parle (E), Bombay, and Survey No. 119, C, CTS Nos. 1888 and 1 to 1888/13 and original Plot No. 403.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31045/85-86 on

1-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM ITNS———

(1) Maharashtra Industrial Development Corporation, (Transferor)

(2) Scientific Systems (I) Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bobmay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33202/85-86.--Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. B4, Udyog Sadan No. 3, Andheri (E), Bombay-93 has been transferred and the agreement is registered under (and more fully described in the Schedule annexed hereto), section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on Authority at Bombay on 27-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. B-4, 1st floor, Udyog Sadan No. 3, Central Road, Near Seepz Bus Therminal Marol Indl. Area, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/33202/85-86 on 27-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-- 38-366GI/86

Date: 10-11-1986 Seal:

NO FICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bobmay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32408/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authory under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, Paranjpe Scheme, M.G. Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Siraj Corporation.

(Transferor) (2) Mrs. Kokila Pradip Doshi & Miss Trupti Dalichand Doshi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor with terrace at Plot No. 27, of Paranjpe Scheme, M.G. Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32408/85-86 on 6-3-1986.

> K. C SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32406/85-86.—Whereas, I, K, C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102 (with Terrace) on the 1st floor of the Bldg. Casabalanca ut Plot No. 27, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Siraj Corporation.
- (Transferor)
 (2) Pradip Dalichand Doshi (Karta), Pradip D. Doshi (HUF).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gapatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 (with terrace) on the 1st floor of the building CASABLANCA at Plot No. 27 of Paranipe Scheme, M. G. Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/32406|85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/30936/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 501, Paranipe Scheme, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (*) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Siraj Corporation,

(Transferor)

(2) Mrs. Kokila Jitendra Doshi Sh. Niket Apartments.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor of the Bldg. Casablanca at Plot No. 27, of Paranjpe Scheme, M.G. Road, Vile Parle (East), Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/30936/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Siraj Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pravinchandra Hargovinddas Shah & Mr. Bharat Pravinchandra Shah &

Mrs. Priti Bharat Shah & Mr. Nitin Pravinchandra Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref .No. AR.II/37EE/31663/85-86.—Whereas, J, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, Paranjpe Scheme, M.G. Road,

Vile Parle (E), Bombay-57, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. 401 on 4th floor of the building Casabianca at Plot No. 27 of Paranjpe Scheme, M. G. Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37F.E/31663/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-11-1986

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32713/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land bearing CTS No. 343, S. No. 26A, H. No. 5, Andhen

(E), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1937).

(1) Jyoti Builders,

(Transferor)

(2) Dr. Ravi Kumar Handa, and Mrs. Mary Handa,

(Transferce)

(3) Jyoti Builders & 14 tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 343, S. No. 26A, H. No. 5, at Village Gundavali, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32713/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1986

Seal

(1) Embee Construction Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Devendin Narain HUF & Raicey Arora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

2000

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32077/85-86..—Whereas, J, Ref. No. AR.II/37EF/32077/85-86..—Whereas, J, K. C. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown No. 3, 8, 10, 11, 12 Bldg. 16A, Sam-Hita Warehousing Complex, Bombay-72, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent

section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a property to the consideration for such transfer as a property to the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the elect electrical contracts.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter:

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax THE SCHEDULE

Godown No. 3, 8, 10, 11, 12 on ground floor & Godown No. 22 on first floor in Bldg 16A, Sam-Hita Ware Housing Complex, Behind Crown Mills, Andheri-Kurla Road, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32077/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

(1) Smt. Sulochana Sadashiv Nalavade & Ors.

(2) Vijayalaxmi Constructions.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32322/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH

k. C. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Vile Parle (E) bearing B.P. 322 (Pt.) F. No. 364 of TPS., Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :— 6-3-1986 transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vile Parle (E) bearing B.P. 322 (Pt.) F. No. 364 of TPS, Vile Parle No. V (Final) forming part of S. No. 114 H. No. 5 of Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32322/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bonibay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM ITNS—

(1) M/s. Regency Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Scarlet Chabra & Mr. Ashley Chabra. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31640/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH

k. C. SHAH
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 41, Palm Spring, Mahim, Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the office of the Competent

section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 4th floor, Palm Spring at Prabhadevi, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31640/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--39 -366GI /86

Date: 10-11-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31614/85-86.--Whereas, I,

K. C. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have teason to believe that the hillhovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 'Kudrat', Khar, Bombay-52 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s. G. M. Enterprises.
- (Transferor)
- (2) Smt. Shobhana Kalyanji Gala.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions ased herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, 'Kudrat', Plot No. 8, 15th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31614/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Panchvati Business Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Alan J. D'Souza. Mr. Alfred J. D'Souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE./33244/85-86.--Whereas, I.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 'Bella Villa' 54 St. Andrews Road, Bandra (West), Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 'Bella Villa', 54, St. Andrews Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/33244|85-86 on 27th March, 1986.

> K, C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATF, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33169|85-86.—Whereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
A/18, Nandan Co.op. Housing Society Ltd., Mahim,

Bombay-16 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- -row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Ismail Noormohamed Mansuri & Mrs. Badrunissa Ismail Mansuri.

(Transferor)

(2) Mr. Jawrilal C. Jain & Mrs. Chhaya J. Jain.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-18, 244, Veer Savarkar Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 33169/85-86 on 26-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

(1) Mrs. Hansa Ashkaran Shah.

(Transferor)

(2) Mrs. Suman Dattatraya Prabhu.

(Transforce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33079|85-86.—Whereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Jahagir Baug, Mahim, Bombay-16

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 7th floor, Jahagir Baug, 220/222 Cadle Road, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent thority, Bombay under No. AR.II/37EE/33079|85-86 on Auhority, 21-3-1986.

> K. C. SHAH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33095/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 1,00,000/- and bearing

Ground floor & Basement on Plot No. F.P. 1263 B of TPS

IV, Mahim, Bombay-25 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Saisidhi Builders.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Pramila K. Botadkar,

2. Ashvin K. Botadkar,

3. Chandrakant K. Botadkar, 4. Decpak K. Botadkar,

Mrs. Tarulata A. Botadkar,
 Mrs. Deepa C. Botadkar,
 Mrs. Nanda D. Botadkar,

Vipin A. Botadkar,
 Rakesh C. Botadkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days and the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor & Basement, 'Atmaganga Apartment on plot No. F.P. 1263B of TPS IV, Mahim, Division, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 33095/85-86 on 21-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

(1) M/s. Akruti.

(Transferor)

(2) Mr. Noel Crasto & Mrs. Veena Crasto.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31506|85-86.---Whereas I. K. C. SHAH,

K. C. SHAH, theing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 701, Solitude Pitamber Lane, Mahim (W),

Bombay-16 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor & open parking space No. 19 in the bldg, Solitude' at Plot No. 401 TPS III, Pitamber Lane, Mahim (West), Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 31506/85/86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UDNER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. K. C. SHAH, AR. II/37EE. 31505/35-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 'Solitude' Pitamber Lane, Mahim (West),

Bombay-16

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Akruit.

(Transferor)

(2) Mr. Shanker Narayan Shetty & Mr. Shanker Narayan Shetty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor & open parking space No. 5, 'Solitude' situated at Plot No. 401, TPS III, Pitamber Lane, Mahim (West), Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE. 31505/85-86 on

4-3-1986,

K, C, SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice nuder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date ! 10-11-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Santosh Aurora.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh K. Chawla.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE. 32854/85-86.—Whereas, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, Bajaj Pearl, Khar, Bombay-52 situated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforespid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough? to be dislcosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax A *, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcaton of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Bajaj Pearl, Plot No. 28, Union Park Chuim Village, Khar, Rombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 32854/85-86 on 11.3 1986 11-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Z Act, to the following persons, namely:--

40 -366GI/86

Date: 10-11-1986

26758 THE GAZETTE OF INDIA, DECEMBER 13, 1986 (AGRAHAYANA 22, 1908) [PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

(1) Shri Dayaram Dingomal Vaswani.

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar Fatehchand Asrani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE. 32651/85-86.—Whereas, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 33 & Garage No. 3, The Palace Sea View Co.op. Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act. to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33 & Garage No. 3, The Palace Sea View Co.op. Housing Society Ltd., 48, Pali Hill Road, Bandra, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32651|85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

- (1) Shri Haresh A, Sippy.
- (Fransferor)
- (2) Smt. Sundri A. Sippy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

AR. II/37EE. 31289/85-86.—Whereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,0000/- and bearing No.
Flat No. 12, Namrata Apartments, Khar, Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is tegistered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have scuson to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; E ... and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, Namrata Apartments, 16th Road, Khar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 31289/85-86 on 1-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thies notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 10-11-1986 Seal :

FURM PINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR. 11/37EF. 32777/85-86.--Whereas, J. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0000/- and bearing No.
Flat No. 61A, Land Breeze', Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitatoing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) M/s. Herbertsons Limited.

(Transferor)

CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF

(2) Brindra Palsingh.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 61A, Land Breeze, 52 Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 32777/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

(1) Mr. Murzban Nusserwanji Khariwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Joseph Paul Pereira. Mrs. Pamela Isabella Gonsalves. Miss Honora Agnes Perejra.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE. BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

AR. JI/37EH. 32817/35-86.--Whereas, I. Rcf. No.

Kci. No. AR. 11/3/EF. 32817/83-85.--Whereas, 1, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, Kakad Apartments, Pali Road, Bandia, Partments.

Bombay-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986,

Bombay on 7-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any second arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapte: XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 402, 4th floor, in the Kakad Apartments, Plot No. 4, TPS III, Pali Road, Bandra.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 32817/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I tereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

OVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. A. G. Builders.

(Transferee)

(2) Gulam Nabi Abdul Gafoor Solanki.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BI.DG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. ΛR. 11/37EE. 32609/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Compatent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable groperty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, CTS 538, 'Accost', Bandra (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-3-1986

for an appreent consideration which is less than the fair market value of the afor said property and I have maken to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patter has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Flat No. 401 'Accost', 18/B Pali Road, CTS 538, Bandra (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32609|85-86 on 7-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32562/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Kanti Apartments, Bandra, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the said Act or the Wealth-tax (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Vasant Lakhamshi, Shailesh Lakhamshi.

(Transferor)

(2) Dr. Miss Tari Kakar, Prahlad Kakar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on the lower first floor, Kanti Apartments, 'C' Wing, Mount Mary Road, Bandra, Bomaby.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32562/85-86 on 7-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

(1) M/s. A. G. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shakeel Abdul Karim Ghori,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31518/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No. Flat No. 201, Accost, Bandra (W), Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; undjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, 2nd floor, Accost, 18/B Pali Road, CTS No. 538, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/31518/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-11-1986

(1) Mrs. Rita Sargon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sudhakar Seena Hegde & Another.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II / 37EE / 31404 / 85-86. Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 9-A, Belair Co.op. Housing Soc. Ltd., Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated by the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9-A, 9th floor, Belair Co.op. Housing Society I.td. Union Park, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31404|85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-41-366GI/86

Date: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33118/85-86.-Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 'Avbels' St. Andrew Road, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Pereira Property Development Corporation. (Transferor)

(2) Mr. Harcsh Chhaganlal.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floor 'Avbels' Plot No. 227, CTS No. C/812 St. Andrew Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/33118/85-86 on 21-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

(1) M/s. Bina Corporation.

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rizwana Mohammed Salim Khan. (Trainster

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31576/85-86.—Whereas, 1, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Kanti Apartments, Bandra, Bombay situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the anid instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Wing A, 7th floor, Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31576/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

- (1) Mrs. Sharda Shah.
- (Transferor)
- (2) Mr. Vimal Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE. BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31430/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403, 'Parishram' Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 403 on the 4th floor of the bulding known as 'Parishram' situated on Plot No. 40, Pali Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31430/85-86 on 4-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. Usman Jamal Shame and Umar Jamal Shamar

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Gopaldas Sippy.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR-II/37EE/31429/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4, Cartoon Court, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instructions of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transteror to guy an under the said Act, is respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1987 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, shever period expirer later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Cartoon Court Junction of Perry Road and Pali Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent utbority, Bombay under No. AR.H/37EE/85-86 on Authority, 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

(1) Mrs. Maya Sahdev Karna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hemant K. Soni, Shri Navneet H. Soni and Shri Saniay H. Soni.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG, BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Rcf. No. AR.II/37EE/31413/85-86.—Whereas, 1, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6 Jer Mansion Co-operative Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1522 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as a compared to the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Bldg. No. 5, Jer Mansion Off. Turner Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/31413/85-86 on 4-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—

Date: 10-11-1986

(1) M/s. Raviral Constructions.

(Transferor)

26771

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Khemehand Fagwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32890/85-86.--Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, Regal Apartments, SV Road, Santacruz (W),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

Bombay, situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Flat No. 302, Regal Apartments, 3rd floor, plot No. 4/B, CTS. No. 56, TPS. II, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/32890/85-86 on 11-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Seal:

Date: 10-11-1986

(1) Kusum Virsen and Deepak Virsen.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Virsen Kalyanji, Prakash Virsen.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Person in occupaion of the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EF/32687/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1 s. 1.00,000/- and bearing Flat No. 4/C, Apurva Vaibhav CHS., Vile Parle (West),

Bombay-56

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 4/C, Apurva Vaibhav Co-operative Housing Society Ltd., 140, S.V. Road, Irla Vile Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/32687:85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent, Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM ITNS-----

(1) M/s Raviraj Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Rekha R. Whabi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-11 BOMBAY

Bombay 400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EF./31397/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-19x Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 2, Regal Apartm ents, Santacruz (W), Bombay-

54

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any in-come arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42-366GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 2 on Ground floor in Regal Apartments, Plot No. 4/B, CTS No. 56, TPS II, SV Road, Santacruz (W) Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FF./31397/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Madhukar Anandrao Koppikar & Mrs. Vera alias Veera M. Koppikar.

(Transferor)

(2) Mr. Bhupatrai Hirachand Doshi & Mr. Janak Bhupatrai Doshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay 400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE./32740/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.
Flat No. 51, Poonam Apartments, Santacruz (West),
Bombay-54

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the soid Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Poonam Apartments Saraswat Colony, Talmik Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE./32740/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Raviraj Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neelam H. Golani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II **BOMBAY**

Bombay 400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE,/31645/85-86,-Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 502, 'Regal Apartments', Santacruz (W), Bombay-

situated at Bombay

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Plot No. 4/B, C. T. S. No. 56, TPS.11, S. V. Rd., Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE./31645/85-86

on 4-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 10-11-1986

- (1) Yasmin Corporation.
- (Transferor) (2) M/s Lokhandwala Consuitants Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay 400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE./31662/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incone-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 201, Gazdar Apartments-B. Juhu Tara Road, Bombay-54

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor in the Bldg. Gazdaar Apartments-B, at Juhu Tara Road, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE./32662/85-86 on 4-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

FORM ITNS----

(1) Sunder Builders.

(Transferor)

(2) Shri Manmohandas Chhaganlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay 400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE '31504/85-86. - Whereas 1,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chandan Apartments, C. T. S. No. 417, Viic Parle (W), Bombay-30, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authory at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date de the publication of this notice in the Gozetta

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, CTS No. 417, at Swami Vivekanand Road, Vile-Parle (West), Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE./31504/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

FORM ITNS- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Babulal Khimchand vardhan.

(Transferor)

(2) M/s. Himanshu Enterprises.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Mingel Benedict Ra to.

(3) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-11 ΒΟΜΒΛΥ

Bombay 400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE./32582/85-86.—Whereaas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 120, Hissa No. 17, TPS V. Vile Parle (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 120, Hissa No. 17 & original Plot No. 346 & Final Plot No. 365 of TPS No. V, Vile Parle (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32582/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 10-11-1986

Seal -

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Apt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITMS-----

(1) The Modern Home Ltd.,

(Transferor)

(2) Mr. Gordhandas R. Panjabi & Mrs. Lecla G, Panjabi,

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQJISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33092|85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 'Rivicra' Gandhigram Road, Juhu, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, 'Riviera' at Gandhigram Road, Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR,II/37EE/33092/85-86 on Competent 21-3-1985.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vinod K. Kutty & Dr. Miss Vinodini Kutty. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesald persons within a period of 4) days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

the service of notice on the respective persons, whichever period entires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(2) Shri B. R. Desai.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE.33015/85-86,—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, Saket, Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 18-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

that Chapter.

(a) facilitating the reducing or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Flat No. 6, Saket, 82 Saraswati Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.33015/85186 on 18-3-1986.

> К. С. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons agrees. ing persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Jayshree Sudhir Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Laju R. Mehta & Mr. Rajesh K. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE.33114/85-86,-Whereas, I,

Ref. No. AR.II/3/EE.33114/85-80,—whereas, 1, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-- and bearing No. Flat No. 5 Kumkum Apart, Vile Parle (W), Bombay-56, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ansterred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument o

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuence of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43—366GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used bettern as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 6 on the 3rd floor, Kumkum Apartment Co. op. Housing Society Ltd., S. V. Road, Vile Parle (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under AR.II/37EE.33114/85-86 on 21-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 10-11-1986

(1) M/s. Saral Enterprise.

(Transferor)

(2) Memant D. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BIDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR II/37EE.32508/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Entire second floor of D-3 Bldg. Santacruz (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1986

at Bombay on 21-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given (a that Char:

THE SCHEDULE

Entire Second floor of D-3 Bldg. Extension, Khira Nagar, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE,32508/85-86 on

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heretoie, in initiative of Section 2050 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 10-11-1986

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Ashok Raghunath Jukar & Smt. Surekha Ashok Jukar & Kumar Ashirwad Ashok Jukar. (Transferor)

(2) M/s. Waha Construction Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32801/85-86.—Whereas, I,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot B, S. No. 43, H. No. 2, (Pt.) CIS No. 96, 68 & 69,

Juhu, Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer, and/or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purpones of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imsnovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B, S. No. 43, Hissa No. 2 Part & S. No. 51 Hissa No. 9 CTS No. 96, 68 & 69 at Jukarwadi, Juhu Village Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32801/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691 of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

Seul:

(1) M/s Raviraj Constructions.

(2) Mr. Kishore S. Golani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

AR.JI/37EE/31644/85-86.—Whereas, I, Ref. No. K. C. SHAH.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 'Regal Apartments', SV Road, Santaeruz (W), Bombay-54 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) hus been transferred and the agreement is registered undo section 269AB of the said Act in the Office of the Comprient Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occus truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- in) meditating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income wising from the transfer and /es
- (b) facilitating the concealment of any mornic or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 'Regal Apartments', 5th floor, Plot No. 4/B, CTS No. 56, TPS. II, SV Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31644/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31227/85-86.-Whereas, 1. K. C. SHAH,

N. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. A-3, S. No. 287(Pt) of Juhu Vile Parle Dev, Scheme, Modern Town CHSL., Bombuy, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule approach formula.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Compenent Authority at Bombay on

2-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shamsher Rajkapoor alias Shammi Kapoor. (Transferor)

(2) Nanakchand Dayaldas Mutreja, Sheeladevi N. Mutreja Nandial Nanokchand Mutreja Suresh Nanakchand Mutreja Vinod N. Mutreja Dharmendra N. Mutreja Sunil Nanakchand Mutreja Lalit Nanakchand Mutreju.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforcsuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, of Survey No. 287 (Part) of Juhu, Vile Parle Development Scheme bearing CTS No. 5-2 in Vile Parle Modern Town Co.op, Housing Soc. Ltd. Hombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31227/85-86 on 2.3.1986.

2-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM ITNS----

(1) Nanaksar Thath Isher Darbar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Mohanlal B. Sigtia & Sh. Abhimanyu Vinod Sigtia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33035/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the fine Competent Authority inder Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 57, Mangal Kiran Co.op. Hsg., Soc. Ltd.,

Juhu, Bombay. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 57, Mangal Kiran Co.op. Housing Society Ltd., 1rs Park, Juhu, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/33035/85-86 on 19-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

(1) Mrs. B. Sarla Menon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Mohan Thakur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31613/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/~ and bearing No.

CS No. 934, Juhu Village, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any secome or any secome or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with structures and building thereon bearing Municipal No. K-9569 (1-2) St. No. 89, at Village Juhu, bearing CS No. 934 Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31613/85-86 on 4-3-1986.

K. C. SHAH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1986

FORM ITNS----

THE CONTROL OF THE PROPERTY SERVICE AND ASSESSMENT CONTROL OF THE PROPERTY OF

(1) M/s Natraj Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Bulchand Ahuja & Mr. Naresh Ahuja.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31298/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 112 'Kshiji', Hill Road, Bandra (W), Bomay-50

situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires tarer:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATESM :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 112, 'Kshitij' Plot bearing CTS No. 566-569 at Hill Road. Bandra (W), Bombay 50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31298/85-86 on 2-3-1986,

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely — Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Natrai Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Ruhiya S. Mahimwala,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31300/85-86.—Whereas, I, K, C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 71, 'Kshitij, Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

44—366GI/86

Date: 10-11-1986

Scal:

Flat No. 71, on 7th floor of 'Kshijij' Building at Hill, Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/2-3-1986/85-86 on 2-3-1986.

> K. C. SHAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

(1) M/s. MEC Builders & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jayant Kumar Natvarlal Raju.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32730/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, C.S. No. 337 (Pt.) F. No. 649 TPS IV Mahim, Bombay-16. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annual hands)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, C.S. No. 337 (Pt.) Final Plot No. 649, TPS IV, Mahim, behind Amigo Hotel, Shivaji Park, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent, Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32730/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombny.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-11-1986

(1) Sh. Thakurdas Tolaram Mulchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Poonam V. Adnani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32254/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, 3rd floor, Satkartar Housing Society Ltd., Khar (West), Bombay-52. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, und/or

Flat No. 14, 3rd floor, Satkarthar Co.op. Housing Society 101, S.V. Road, Khar (West) ,Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32254/85-86 on 6-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR,II/37EE/32344/85-86,—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, 'Naseeb', Khar (West), Bombay-400 052.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (1) M/s Amkay Construction Co.
- (2) Dr. Vachhani Premprakash J. Dr. (Mrs.) Vachhani Mohini P.
- (3) Transferor,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, 'Nasceb', Plot No. 115, S. V. Road, Khar (West), Bombay-400 051.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32344/85-86 on 6-3-1986.

> K, C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-11-1986

Seal.

(1) Mrs. Nisha Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1941 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laxmichand M. Gianani & (Transferce) Mrs. Radharani Laxmichand Gianani,

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said imshie property, within 45 days from the date of the

Bombay, the 10th November 1986

nation of this notice in the Official Genetic.

Ref. No. AR.II/37EE/31756/85-86.—Whereas I, K. C. SHAH,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

that Chapter.

Flat No. 12, CTS No. E/244 & E/245, 14th Road, Khar (W), Bombay-52

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration intereror by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 12, Plot No. 407, 408 of S. S. No. VII of Khar, CTS No. E/244 & E/245, 14th Road, Khar (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31756/85-86 on 5-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHATI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ::-

Date: 10-11-1986

(1) Mrs. Jaya T. Hardasani.

(Transferor)

(2) Mrs. Geeta R. Hardasani.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32018/85-86.-Whereas, I, K, C, SHAH,

N. C. SHAII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable jrojerty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 702, Bajaj Pearl, Bombay-52 cituated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, Bajaj Pearl, Union Park, Khar, Pali Hill, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23018/85-86 on 5-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Dawoodbhai H, Nalwalla & Mrs. Zeharubai Dawoodbhai Nalwalla,

(Transferee)

(3) Transferor.

(1) Mrs. Laraine Nicholls.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33256/85-86.—Whereas, I,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impact value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, 'Cool-Inn', Waterfield Road, Bandra. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 2nd floor 'Cool-Inn' Waterfield Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/33256/85-86 on

> K. C. SHAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986.

(1) M/s Mahesh Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Mohandas T. Ahuja.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31968/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601 with closed garage under stilt, Khar,

Bombay-52

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, with closed garage under stilt, Plot No. 722/2, CTS No. E/408 B, 12th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31968/85-86 on 5-3-1986

> K. C. SHAH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 10-11-1986.

(1) Messis, Akruti,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 114E INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. C. Mukundan & Mrs. Indira Mukundan. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31507/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 401, & Open parking space No. 12, Solitude, TPS. III, Pitamber Lane. Mahim (W), Bombay-16 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The corms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hat No. 401, 4th floor & open parking space No. 12 Pitamber Lune, Mahim (W), Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31507/85-86 on 4-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—366GI/86

Date: 10-11-1986

(1) M/s. Akruti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Beliza Aguiar & Mr. Jerome Martiniano Aguiar, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31508/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-ble property, having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, Solitude, Mahim (W), Bombay-16 situa

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor & open parking space No. 9 in the Building proposed to be named as 'Solitude' and situated at Plot No. 401, TPS III, Pitamber Lane, Mahim (West), Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31508/85-86 on 4-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-11-1986

(1) M/s. Akruti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 267D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Arvind Chandulal Shah & Mrs. Chandrika Arvind Shah. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1I, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31509/85-86.—Whereas. I. K. C. SHAH.

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 203, 'Solitude' Mahim (West), Bombay-16 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I've terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor & open parking space No. 8 in the Building proposed to be named as 'Solitude' which is under construction and situated at Plot No. 401 TPS III, Pitamber Lane, Mahim (West), Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31509/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 10-11-1986

(1) M 's. Empee Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Shalini Dattaram Sabnis.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE, 31971, 85-86.-Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 301, Mangal Dham, Mahim, Bombay-400 016

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, 'Mangal Dham' 191, Cadell Road, Mahim, Bombay-400 016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EH/31971/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

PART III—SEC. 1]

FORM NO. 1.T.N.S.—

(1) M. Manifold Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Omega Computer & Software Industrial P. Ltd. (Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR II, 37EE/31709/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial Galas No. 108-109, New Udyog Mandir Co-op. Society Ltd., Mahim, Bombay-16 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 5-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evanton of the thatifity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferbad /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tay act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Galas (Units) No. 108-109, on the 1st floor of New Udyog Mandir Co--operative Society Ltd., Moghul Lane, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31709/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

(1) M/s. Empee Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Inder Dev Sood & Mr. Ravinder Paul Sood. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II, 37EE, 31970/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1001, 'Mangal Dham', Mahim, Bombay-16 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mmd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1001 on 10th floor, 191, Cadell Road, Mahim, Bombay-400 016,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31970/85-86 оп 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S .--

(1) M/s. G. M. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kalyanji Samji Gala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31636/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR.11/37EE/31636/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Kudrat, Khar, Bombay-52 situated at Rombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, 'Kudrat' Plot No. 8, 15th Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31636/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-11-1986

FORM ITNS----

(1) Mrs. Sajni P. Lalwani, Mrs. Lila II. Lalwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kanyalal T. Parwani, Smt. Meena Kanyalal Parwani.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE,

Bombay-400 038, the 10th November 1986

BOMBAY-400 038

Ref. No. AR.II, 37EE, 31917, 85-86.—Whereas, I, K, C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 701, Linkway, Khar, Bombay-52 situated at Rombay-

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tex Act, 1957 (27 od 19#7):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experes later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor, 'Linkway', 14th Road, Khar,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/31917/85-86 on 5-3-1986.

к. с. ѕнан Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

(1) Kalpak Builders & Contractors.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay C. Mehra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 ()38, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31771/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 2. Kalpak Gulistan, Bandra (W), Bombay-50 situated at Beembay

ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 2nd floor in the proposed bldg. known as 'Kalpak Gulistan' at Plot No. 9A, Perry Cross Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31771/85-86 on 5-3-1986.

K. C. SHAH Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--46-366 GI/86

Date: 10-11-1986

(1) M/s. Kalpak Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. C. K. Mehra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31778/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, Kalpak Corner, Bandra (W), Bombay-50 situational of the competence of the compete

ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objectious, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer. und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any geoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Hlat No. 2 on 5th floor in the proposed bldg. Kalpak Corner situated at 11/1, Turner Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.U/37EE/31778/85-86 on 5-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings rfo the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM ITNS...

(1) Cosmic Combine.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Durga R. Talcherkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31977/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, Plot No. 148B, St. Cyril Road, Bandra (W), Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Cartestal).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent **Authority** at

Authority at Bombay on 5-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or a salon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, Plot No. 148 B-St. Cyril Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31977/85-86 on 5-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this a tice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-11-1986

(1) Cosmic Combine.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Eric Bocarro, 2. Celsia Bocarro.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EF/31976/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 61 on plot No. 148B, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent enosideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Camete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 61, on plot No 148B, St. Cyril Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31976/85-86 on 5-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1986

FORM ITNS ----

(1) Mis. Sunanda Dayanand Bandodkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Waman Ganpat Kaisare.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE.32070/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000- and bearing 1 lat No. H-1, and on closed Garage in Jolly Highrise Co. op. Housing Society Ltd., Bandra (W), Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H. 1, and 8th floor and 1 closed Garage in Jolly Highrise Co-op. Housing Society Ltd., 241-A Pali Mala Road, Bandra (W), Bombay-50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/32070/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Contractor Building, Ballard Estate Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Date: 10-11-1986

(1) M/s. Classic Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Hanif Contractor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.11/37EE.32035/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, Rock Cliff, Carter Road, Bandra, Bombay-50, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Authority at Bombay on 5/3/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI (NATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor in the building Rock Cliff at Plot No. 39 of CTS No. C/315, Carter Road, Bandra, Bombay-

The agreemeent has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.32035/85-86 on 5-31986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Contractor Building, Ballard Estate Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10/11/1986.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Kum. Cheryle Mary Coutinho & Mrs. Sheliha P. Coutinho.

(1) M/s. Cozyhome Builders.

(Transferor)

(Transferec)

INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37FF.31696/85-86.--Whereas, I,

Ref. No. AR.11/3/FF.31696/85-86.—whereas, 1, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 7 & parking space No. 1, 'Park View', Bandra,

Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property umy be made in writing to the undersimed :--

(3) Trensforor. (Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 7 & Parking space No. 1, 4th floor in 'Park View' Plot No. 95, TPS. IV CTS C/444, St. Andrew's Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreemeent has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31696/85-86 on 531986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Contractor Building, Ballard Estate Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10/11/1986.

(1)M /s. Natraj Corporation,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lina Harshad & Mrs. Kokila Shantilal.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE.31635/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 52, Kshitij, Bandra, Bombay-50. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent

section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5/3/1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by mor than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concentracat any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre fittle purposes of the Indian Income-tax Act, 197 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-te Act, 1957 (27 of 1957); 1922

Objections, if any, to the acquisities of the said property may be made in writing to the undersig

- (a) by any of the aforesaid phrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given that Chanter

THE SCHEDULE

Flat No. 52, Kshitij. Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreemeent has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.31635/8586 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VII. Contractor Building, Ballard Estate Bombay,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10/11/1986.

FORM ITNS-

(1) M /s. Natraj Corporation.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. S. R. Estate & Finance Pvt. Ltd. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31288/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 42, Kshitij, Bandra, Bombay-50.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Rombay on 2-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—366 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazetto or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period supires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 42, 4th floor, Kshijij at Hill Road, Bandra, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.II/37EE/31288/85-86 on 2-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Contractor Building, Ballard Estate Bombay.

Dated: 10/11/1986.

(1) M/s. National Bldg. Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Indira N. Bharadwaz.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE.32435/85-86.--Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 602, 'Devpooja', Santacruz (W), Bombay-54

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 'Devpooja Santacruz (W), Bombay-54. 'Devpooja' Plot No. 65, North Avenue,

The agreemeent has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE.32435/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-П Contractor Building, Ballard Estate Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10/11/1986. Seal:

(1) M/s. National Bldg. Corporation.

(2) Mrs. Lata Kantilal Kotak.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE.32446/85-86.—Whereas, 1, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Devpark Bunglows, Unit No. K, Vile Parle (W), Bombay-

49.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejet of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eard Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :-

Mr. Nikhil K. Kotak & Mr. Kantilal G. Kotak.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. K, 'Devpark' Bunglows, Plot No. 2, Opp. Chandan Cinema Juha Village, Vile Parle (W), Bombay-49.

The agreemeent has been registered by the Competent Authorty, Bombay under No. AR.II/37EE.32446/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Contractor Building, Ballard Estate Bombay.

Dated: 10/11/1986.

(1) M/s. National Bldg. Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suraj Yogendrapal Handa. Mrs. Kavta Suraj Handa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32447/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
'Devpark' Bunglows, Unt No. 8, Plot No. 2, Opp. Chandan Cinema, Juhu Village, Ville Parle (W), Bombay-49.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Anthority at Bombay on 6-3-1986 Authority at Bombay on 6-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Devpark' Bunglows, Unit No. 8, Ville Parle (W), Bombay-49.

The agreemeent has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.32447/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10/11/1986.

FORM ITNS-

(1) M/s. National Bldg. Corporation.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shyamsunder G. Chokhani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

.....

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE.32451/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, Devshakti, Santacruz (W), Bombay-54.

Flat No. 202, Devshakti, Santacruz (W), Bombay-54. (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the J.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the registering officer at Bombay on 6/3/1996,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, 'Devshakti' Building 2nd floor, plot No. 49 TPS II, Tilak Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreemeent has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.32451/85-86 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Dated: 10/11/1986.

(1) M/s. National Bldg. Corporation.

(2) Mr. Dilipkumar Babulal Ranka &

Mrs. Veena D. Ranka.

(Transferee)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE.32455/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the 'said Act'), have reason to believe that the infinite reproperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 'Devshakti', Santacruz (W), Bombay-54, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6.3.1986

Authority at Bombay on 6-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 'Devshakti' Building 3rd floor, Plot No. 49 TPS II, Tilak Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE.32455/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay

subwing Dated: 10/11/1986.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

FORM ITNS----

- (1) The Maitreyi Co. op. Housing Society Ltd.
 (Transferor)
- (2) Shri Rajnikant Zaverchand Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32700/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

65, (2) 4, Linking Road, Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o:

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Cimpter.

THE SCHEDULE

65 (2) 4, Linking Road, Santacruz (W), Bombay-54. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37/EE/32700/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 10-11-1986

- (1) Smt. Savitriben Mulchand Hasani
- (Transferor)
- (2) Smt. Chandradevi Nakulchand Sada Shri Binaykumar Nakulchand Sada

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32189/85-86.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, Rajpipla Society, Santacruz (W), Bombay-54 situated at Bombay

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration has not been truly attention between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 5, 'B' Wing, Raj Pipla Society, 2nd floor, Linking Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32189/85-86 on 6-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Π, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

(1) Satellite Developers Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Leena P. Doshi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOYERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32134/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, Tagole Road, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 6-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

Flat No. 401, 'Satellite', Plot No. 58 of TPS II, Tagore Road, Santacruz (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32134/85-86 on 6-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :— 48—366 GI/86

Dated: 10-11-1986

FORM ITNS-----

(1) M/s. Key Homes & Associates

(Transferor)

(2) Mr. Narendra Vanravan Lakhani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33128/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 52, 'Iona' Santacruz (West), Bombay-49 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, 'Iona' Plot No. 35/C 2, TPS-II Azad Road, Juhu Koliwada, Santacruz (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/33128/85-86 on 21-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Doffons, namely :---

Dated: 10-11-1986

(1) Shri Mahendra Jashbhai Patel & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tarla B. Patel & Smt Hina N. Patel

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32633/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to beleve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 12, CTS. No. 808, Village Juhu, Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) l'accitating the conceulment of any income any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- by any other person interested in the immovable property, within 45 days from (b) by any an lef the date of the publications of this notice Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in New India Co. op. Housing Society Ltd., bearing No. Plot No. 12, CTS. No. 808, Juhu, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32633/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 10-11-1986

(1) M/s. National Building Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pratap Bohra & another.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32442/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. Unit No. D. 'Devpark' Bunglows, Vile Parle (West), Bombay-

49 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Devpark Bunglows, Unit No. D, Plot No. 2, Opp. Chandan Cinema, Juhu Village Vile Parle (West), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32442/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. National Building Corporation

(Transferor)

(2) Mr. Mahendrasingh Bhatia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wilting to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37HE/32438/85-86,—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Auhority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing Flat No. 601/701, 6th/7th floor, 'Devshakti Bldg., Santacruz (W). Romboy: 44 situated at Romboy:

(W), Bombay-54 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other access which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601/701, 6th/7th floor 'Devshakti' Building, Plot No. 49, TPS II, Tilak Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, 11/37EE/32438/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Dated: 10-11-1986

(1) M/s. National Building Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vimalkumar Choudhary Mrs. Saroj A. Chaudhary & Mrs. Kani devi Chaudhary

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BI.DG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32443/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Scotion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. E, Devpark Bunglow, Vile Parle (W), Bombay-49

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Unit No. E. Devpark Bunglow, Plot No. 2, Opp. Chandan Cinema, Juhu Village, Vile Parle (W), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/32443/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Vikas Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Surinderpal Kahai and Mrs. Chanchal Kahai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in the writing to the undersigned:-

Ref. No. AR.II/37EE/40237/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'; have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 10, Vikus Centre, Santacruz (West), Bombay-54

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Office No. 10, on the 1st floor, Vikas Centre, 104, S. V. Road, Santacrub (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/40237/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursionce of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10-11-1986

(1) M/s National Building Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Zoeb T. Bootwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32457/85-86.—Whereas, J, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 502, 5th floor, 'Devshakti', Santacruz (West),

Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair warket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 'Devshakti' Building, 5th floor, Plot No. 49 TPS II, Tilak Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32457/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

(1) M/s National Building Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Sadanandan H. Channer and Mrs. Ulka S. Channar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Liver color (1901 - 1901) with the color of the transmission of the color of the co

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32459/85-86.--Whereas, J. K. C. SHAH,

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, 'Devshakti' Bldg., Tilak Road, Santacruz (W), Rombays 54

Bombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the end increment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arisins from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, 'Devshakti', Building, 4th floor, Plot No. 39, TPS II, Tilak Road, Cantacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32459/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---49-366 GI/86

Dated: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rajendra R. Chhapwale, and Shri Ramesh D. Shah.

(Transferor)

(2) M/s Syndicate Builders

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32426/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 41, H. No. 2 (Pt.), CTS No. 175 of Juhu Village,

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have icason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested In the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 41, H. No. 2 (Pt.) formerly bearing Plot No. 7 & CTS No. 175 of Juhu Village, Andheri, Taluka.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32426/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 10-11-1986

(1) Mr. Abhay Kumar S. Jain.

(Transferor)

(2) Mrs. Daman Uberoi and Smt. Rajinder Rani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/31578/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2, Mangal Kiran Co-op. Hsg. Society Ltd., Juhu,

Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Mangal Kiran Co-op. Housing Society Ltd., 6th floor, Plot No. 57, H. No. 2 Iris Park, Juhu, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31578/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-11-1986

(1) Mrs. C. Pinto.

(Transferor)

(2) Mrs. Kalpana L. Sabnani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33162/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 103, Juhu Triton Co-op. Housing Society, Juhu,

Bombay-49

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 26-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitily of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 103, Juhu Triton Co-operative Housing Society, A. B. Nair Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/33162/85-86 on 26-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, namely:—

Dated: 10-11-1986

(1) M/s Vikas Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Furniture Concepts.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR.II/37EE/32774/85-86.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 3, Vikas Centre, Santacruz (W), Bombay-54

Office No. 3, Vikas Centre, Santacruz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986

at Bombay on 7-3-1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the trability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Office No. 3, 1st floor, Vikas Centre, 104 S. V. Road, Santactuz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32774/85-86 on 7.6-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 10-11-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Vikas Associates.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamal Kishore Jain and Master Sorabh Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.11/37EE/32775/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Compatent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Office No. 5 on 1st floor, Vikas Centre, Santacruz (West), Hombay-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority

at Bombay on 7-3-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansler with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wilsing from the transfers and/or

Office No. 5 on 1st floor, Vikas Centre, 104, S. V. Road, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37El²/32775/85-86 on 7-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-11-1986

(1) Shri Beant Singh Mithasingh Anand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hotel Milan International Pvt. Limited.

(Transferge)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37G/3878/Mar.-86.—Whereas, J,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Plot No. 92 of TPS Santacruz No. VI, No. 157, Hissa Nos. 2-B Part, 4 & 5-B & S. No. 152, Hissa No. 2A, Santacruz (W),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2964/84 and Registered on 4-3-1986 with the Sub-Registrar, Bombay.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-11-1986

in terribula di interpreta <u>il la companya della propositiona della propositiona della propositiona della proposi</u>

FORM I.T.N.S.----

- (1) Shantadevi Govindprasad Nevatia.
- (Transferor)
- (2) M/s Makhija Vohra Builders,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATF, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR II/37EE/31639/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 10-8, Corner of Sarojini Road and South Avenue, Santacruz (West) Rombay

Santacruz (West), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noitce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot with Old structure, Plot No. 10-8, Corner of Sarojini Road and South Avenue, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31639/85-86 on

Authority Competent Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Yogesh Jain & Another

(Transferor)

(2) Suresh Krishnani & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 938, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32074/85-86.--Whereas, I,

K.C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Bunglow No. 1, Silver Sands Juhu, Bombay-54

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is 'registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerts the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bunglow No. 1, Dariyadal Co.op. Housing Society Ltd., Silver Sands, Juhu, Tara Road, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under N.o AR-II/37EE/32074/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : 50-366 GI/86

Dated: 12-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) N. N. BHOJWANI.

(Transferor)

(2) M/s, Irfan Builders.

(Transferec)

13) Salsette Catholic C.H.S. Ltd. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32659/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot 172 at St. John Road, Kantwadi, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto),

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per offst of such apparent. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ilnstrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 172 at St. John Road, Kantwadi, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/32659/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bombay.

Date: 10-11-1986

(1) Mr. Anthony Gonsalves.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Patel Housing Finance & Constructions P Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR-II/37EE/31143/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS Nos. C/965B, C/979, C/980, C/981 & C/982 at Pali

Mala Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1986

Authority at Bompay on 1-3-1760 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iinstrument of transfer with the object of :-

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing CTS Nos. C/965B, C/979, C/980, C/981 & C/982 at Pali Mala Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31143/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR-II/37EE/31192/85-86.-Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 16 & 17 of the Salsette Society & Cl'S No. 102,

No. 54, St. Andrews Road, Bandra, Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 1-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percentn of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweenn the

parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Joseph Lessel D'Abreo: Cletus Aloysius D'Abreo Percy Lawrence D'Abreo & James Victor D'Abreo.

(2) Panchwati Business Corporation.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing Plot Nos. 16 & 17 of the Salsette Society and CTS No. 102, No. 54, St. Andrews Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31192/85-86 on 1-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

(1) Balkrishna Dharma Jadhav & Others.

(Transferor)

(2) Balaram Sudkaji Jadhav.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JL CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No.AR-II/37EE/33107 85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. B3, B4 & B5, Jn. of 13/18th Road Khar, Bombay-52, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared berefo).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 2-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. B3, B4 & B5 alongwith structures at the Junction of 13/18 Road west side of Linking Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/33107/85-86 on 21-3-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by tht issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-11-1986

FORM ITNS———

(1) Mrs. Rita James & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. G. Parekh & A. G. Kalkhan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR-11/37EE/32534/85-86.--Whereas, 1,

K. C. SHAH,

being the Cometent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot Nos. S. No. 201 & 165 & CS 861 & 576, Pali Hill, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said linstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 201 & 165 and CS Nos. 861 & 576 situated at Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32534/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

FORM ITNS——

(1) M/s. Vaishali Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Satguru Construction.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay-400 038, the 10th November 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ρ_{Γ} a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/33220/85-86.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. C/1230 & S. No. 427B, at Village Danda,

Bandra Bombay

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AP of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land bearing CTS No. C/1230 & S. No. 427B at Village

Danda, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/33220/85-86 on 27-3-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM ITNS———

(1) Joseph Paul Percira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vipkon Property Development Services Pvt. Ltd. (Transferee)

(3) Occupied by tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR-II/37EE/31627/85-86.- Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 828, 834, 835-A. 836 of Village Danda at Palimala Road Bandra, Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

under section 269AB of the said Act in the Oilice of the Competent Authority at Bombay on 4-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percentn of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweenn the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in thne said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

CTS Nos. 828, 834-A, 836 of Village Danda at Palimala Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31627/85-86 on 4-3-1986.

> K. C. SHAH Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

(1) Cecilia Letitia D'Souza & Evangelist Elias D'Souza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2.) Sharokh Phiroze Bulsara.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay-400 038, the 10th November 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR-II/37EE/31941/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 345 TPS III, CTS No. F/502 33rd Road,

Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :— (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 345, TPS III, CTS No. F/502 of Bandra, 33rd Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/31941/85-86 on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

51-366 GI/86

Date: 10-11-1986

Seal;

THORM BENS !!

(1) Miss Martina Pereira & 8 Others.

(Transferor)

(2) M/s. Cozyhome Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3)! Tehlahts.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT FOR INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BUILDING BALLARD PSTATE BOMBAY-700 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR-II/37EE/32903/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, theing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafted referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 91, CTS No. 440, St. Andrew's Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred and the agreement is registered under Section 269AR of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 177/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the itemsfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (10 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Mobilections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a region of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

Extra Nation: The terms and expressions used herbin as the defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 91, bearing CTS No. 440 alongwith the structure situate at St. Andrew's Road, Bandra, Bombay-50.

And the encount was to impended period and dilital (d) to Their lagreoment delibrate been registered by other Competent to Authority, a Bombay 1 under No. ARAI/37EE/32903/85-86 on \$123-3-1986.20

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under onth section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1986

FORM ITMS -++-

(1) M/s Mira Trusts.

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nimmi T. Chainani.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION ANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMRAY: \$409.038.

Bombay 400 038; the 10th November 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/32991A/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing, for a situated at Bombay and Court, Bandra, Bombay 50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986,

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market galue of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration, therefor by more than fifteen per consideration and that the consideration for such transfer, as a speed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at unaster with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concessment of any income or any moneys of other assess which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- by the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LANATION: The fermis and expressions used theretill as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same picating as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Duplex Flat No. 6-B on the 3rd & 4th floor of the said building 'Palm Court' at 9th Road, Bandra, Bombay bearing Plot No. 39 of TPS IV, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under, No. AR, II/37EE/32541/85-86

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

ाDiate⊍ा10-111-11986↑ | Scal :

(1) Mr. Jagdish Sheth & Others.

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kakad & Sons.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION ANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE. 32541/85-86.--Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing C. S. No. E/118, Sheth Nivas, 16th Rd., Khar, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no' been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot at Sheth Niwas, 16th Road, Khar, C.S. No. E/118, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomba# under No. AR. II/37EE/32991A/85-86 Competent

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-11-1986

on 6-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038. the 10th November 1986

Ref. No. AR. 1L/37EE. 33117/85-86.---Whereas, I,

K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land together with 'Sca Glimpse', Bandra, Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. William Joseph Pereira, Mr. Arthur Luke Pereira & Mr. Douglas Joseph Pereira.

(Transferor)

(2) Leslie Manchanda.

(Transferce)

(3) Mrs. Serona Baptise—Tenant and Mrs. Marle ina Fermie.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

Piece of land together with building thereon known as 'Sea Glimpse' Old Kantwady, Chimbai Road, Bearing CTS No. 374, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE. 33117/85-86 on 21-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-11-1986

(1) Deccan Enterprises.

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rajeev Arora. Mr. Hiralal Arora & Mr. V. H. Somethwar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

No. AR. II/37EE. 32238/85-86.---Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income--tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 'Deccan House, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective, persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said, property may be made in the writing to the undersigned

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 'Deccan House', Off. Turner-Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Connectent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE, 32238/85-86 on 6-3-1986.

к. с. ѕнан Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 10-11-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Deccan Enterprises.

((Transferor)

and the same of t

(2) Mr. Rajeev Arora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR, II/37EE 32239/85-86. Whereas, I. K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flath No. 102, 'Deccan House', Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Competent Authority at Bombay on 6-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than infirerin per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purpulance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Deccan House, Off. Turner Road, Bandra,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 32239/85-86 on 6-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32746/85-86.—Whereas, I, К. С. ЅНАН.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Lumovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 55, C/401, Society Estate Plan No. 1, Bandra,

Bombay-50

situated at Bombay

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 7-3-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the solution or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes fo the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I before initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Marie Agnes Dias, Mrs. Anita T. Checker, Mrs. Cynthia Lundquiest & Mr. Joe Joseph Dias.

(2) Trison Builders.

(Transferor) (Transferee)

(3) Transferor & tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 55, C/401 Society Plan No. 1, St. Pauls Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 32746/85-86 on 7-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE. 32106/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the sucome-tax Act, 1961 (43 of '961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot at 8th Road, Khar, Village Danda, Khar, Bombay-52

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the atoresaid property and I have reason o believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

52-366 GI/86

(1) Dr. Ramesh Mohanlal Shah Harish Bachubhai.

(Transferor)

(2) M/s. Kantalaxmi Trading Corporation

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khar, Village Danda, Khar, Plot at Road, 8th Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 32106/85-86 on 6-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 10-11-1986

(1) Mrs. Santosh Prakash Mehra Mrs. Kevalkumar Jagdish Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sheela Ram Vidhani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

No. AR. II/37EE. 31906/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the 'ncome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatte, referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. F. No. 402, of TPS III, Mahim Arca, Cadestral S. No. 809 of Mahim Division, S. No. 39/120 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-3-1986, for an a parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; anu/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 402, TPS III, Mahim Area, S. No. 39/120. Cadestral S. No. 809 of Mahim Division, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE. 31906/85-86 Competent on 5-3-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th November 1986

No. AR. II/37EE. 32986/85-86.—Whereas, J, Ref. K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 35, TPS IV, West Avenue Road, Santacruz (W), Bombay-54, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **4/er**
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53-366 GI/85

(1) Smt. Savitri C. Asnani, Sunderdas M. Kewalramani, Sukhram H. Kewalramani, Indira S. Kewalramani, Anjali S. Kewalramani.

(Transferor)

(2) Smt. Sulochana 1. Kewalramani.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective paraces, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing plot No. 35, F.P. No. 136, TPS IV, 'Gulmohar' West Avenue Road, Santacruz (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32986/85-86 on 14-3-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Arett Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombav

Date: 10-11-1986

(1) Mr. Jairam Chawla & Mrs. Deepa Chawla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gunwanti M. Mirchandani, Mr. Arjan K. Mirchandani Mr. Jagdish M. Mirchandani & Mr. Jagdish M. Mirchandani and Shri Satish A. A. Mirchandani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay-400 038, the 10th November 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32710/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 601, Meena Apartments Co. op. Housing Society Ltd., Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, Meena Apartments Co-op. Housing Society Ltd., 82 Hill Road, Bandra, Bombay-50.

Ahe Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32710/85-86 on 7-3-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1986

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32987/85-86.—Wheeras, I, K. C. SHAH,

being the Cometent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 35, TPS IV, West Avenue Road, Santacruz (W),

Bombay-54,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly cated in the said interviween the parties has not been truly stated in the said finstrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Smt. Savitri Chimanlal Asnani Sh. Sukhram H. Kewalramani Sh. Sunderdas M. Kewalramani Indira S. Kelwalramani.

(Transferor) (2) Jswar D. Kevalramani, Mahesh I. Kewalramani & Madan I. Kewalramani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 35, TPS. IV, 'Gulmohar', West Avenue Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/32987/85-86 on 14-3-1986.

> K. C. SHAH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

Scal;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37EE/32276/85-86.—Wheeras, I. K.-C. SHAH,

being the Cometent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 148-R, CTS No. 545, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 6-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iinstrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Hortens Maria Victoria Desouza.

(2) M/s. Pereira Builders.

(Transferor) (Transferee)

(3) Transferor & tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House property on Plot No. 148R., C.T.S. No. 545, S. Alexius Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Auhoriy, Bombay under No. AR.II/37EE/32276/85-86 on 6-3 986. 6-3-986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 10-11-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. AR.II/37G/3875/March 1986.-Whereas, I, K. C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Half share in the Plot No. 2A of SS No. VI, New City S. No. C/743, C/744 & C/745, Perry Cross Road, Bandra, Bombay-50. situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) The Central Executor & Trustee Co. Ltd. Framroze Ratonshaw Moos, Peroja Framroze Moos, Daisy Framroze Bana & Jimmy Framrose Moos. (Transferor)
- (2) Wavelash Premises Co.op. Society Ltd.

(Transferce)

(3) Members of Wavelash Premises Co.op. Soc. Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-281/ 1980 and registered on 5-3-1986 with the Sub-Registrar, Bombay,

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-11-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Ref. No. A. K. C. SHAH, AR.11/37G/3877/Mar. 86,--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 2A of S.S. No. VI, New CS Nos. C/743, C/744 & C/745, Perry Cross Road, Bandra (W), Bombay

Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

Authority at Bombay on 5-3-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Dossabhai Ardeshir Turner.

(Transferor)

(2) Wavelash Premises Co.op. Society Ltd.

(Transferce)

(3) Wavelash Premises Co-operative Society Ltd.

(Person in occupation of the property).

(4) The Central Bank Executor & Trustee Co. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-283/ 1980 and registered on 5-3-1986 with the Sub-Registrar, Bombay.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-11-1986

 Mra Nurgis Dossabhai Turner and Miss Gool Frachshaw Gimi.

(Transferor)

(2) Wavelash Premises Co.op. Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Wavelash Premises Co.op. Society Ltd.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th November 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mude in writing to the undersigned:—

Ref. No. AR.II/37G/3876/Mar. 86—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ps. 100 000/2, and beging

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2 of S.S. No. VI at Perry Cross Road,

Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-3-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-282/1980 and Registered on 5-3-1986 with the Sub-Registerer, Bombay.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, a horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1986

FORM ITNS-

(1) Sri Shambhunath Mukheriec & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Multicon Builders Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 5th November 1986

Ref. No. CA.161/86-87/SI.1256 I.A.C./Acq, R-I/Cal.---Whereas, I. I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3A, situated at Short Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 161 dated 7-3-86

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pe whichever period empires (ater)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that brick built building on 20 cottahs 1 chittack of land at 3A, Short Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 161 dated 7-3-86.

I, K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-11-86.